SUNDAY
रायपुर, रविवार, 7 सितंबर 2025
वर्ष - 67 | अंक - 143 | पृष्ठ - 12
मूल्य - 4.00 रु.
www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...
प्रेस पंजीयन- 06072/59

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक
पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु

एसआईआर के नाम पर चलाई जा रही एनआरसी जैसी प्रक्रिया : कांग्रेस पृष्ठ 2

मड़ई
लोक संगीत सम्राट : खुमान साव पृष्ठ 6

बीसीसीआई के चुनाव 28 सितम्बर को मुम्बई में होंगे
हॉकी इंडिया ने वंदना और ललित को हॉकी कैरियर के लिए किया सम्मानित पृष्ठ 8

देश विदेश
भारत-अमेरिका के बीच एक विशेष संबंध, चिंता की बात नहीं
संयुक्त राष्ट्र प्रणाली व एससीओ के बीच सहयोग का किया समर्थन
हंगरी ने रूसी तेल खरीद का किया बचाव
पृष्ठ 7

गुजरात के पावागढ़ मंदिर में रोपवे टूटने से 6 की मौत

- 4 घायल, हादसे की वजह तार टूटना बताई
- तकनीकी कारणों की जांच की जा रही

गांधीनगर, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। गुजरात के पंचमहल जिले में शनिवार को पावागढ़ मंदिर में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां मालवाहक रोपवे की तार अचानक टूटने से छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो लिफ्टमैन, दो मजदूर और दो अन्य शामिल बताए जा रहे हैं। यह हादसा दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ। घटना की पुष्टि पंचमहल कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक हरेश दुधात ने की है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। शुरुआती जांच में हादसे की वजह तार टूटना बताई जा रही है। फिलहाल तकनीकी कारणों की गहराई से जांच की जा रही है।

800 मीटर ऊंचाई पर स्थित है

पावागढ़ पहाड़ी करीब 800 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। श्रद्धालु या तो 2000 सीढ़ियां चढ़कर या फिर रोपवे से मंदिर पहुंचते हैं। हालांकि शनिवार सुबह से खराब मौसम की वजह से यात्रियों के लिए रोपवे सेवा बंद कर दी गई थी। हादसा मालवाहक रोपवे में हुआ, जिसका इस्तेमाल सामान ले जाने के लिए किया जाता है।

गुजरात का प्रमुख धार्मिक केंद्र

पावागढ़ शक्ति पीठ मां काली को समर्पित मंदिर है। यह स्थान गुजरात का प्रमुख धार्मिक केंद्र है, जहां हर साल लगभग 25 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में मातम और दहशत का माहौल है। लोग हादसे को लेकर चिंता जता रहे हैं और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

2023 में भी रस्सी टूटी थी

पावागढ़ में इससे पहले 25 अगस्त 2023 को भी बड़ा हादसा होने से टला था। उस समय महाकाली मंदिर तक जाने वाली रोपवे की पिलर नंबर 4 की केबल बीच में ही टूट गई थी, जिससे 10 से ज्यादा यात्री हवा में बोगियों में फंस गए थे। हालांकि गनीमत रही कि सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था।

डीएमएफ घोटाला

ठेकेदारों और कारोबारियों के ठिकानों से 4 करोड़ नगदी, 10 किलो चांदी बरामद

ईडी ने कृषि विभाग से जुड़े 28 जगहों पर मारी थी रेड

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। प्रदेश में डीएमएफ घोटाले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। तीन सितंबर को 28 जगहों पर छापेमार कार्रवाई का खुलासा करते हुए ईडी ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड (बीज निगम) से संबंधित कारोबारियों, ठेकेदारों और बिचौलियों के ठिकानों से 4 करोड़ नगदी, 10 किलोग्राम चांदी के जेवर के साथ आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण आदि जब्त किए हैं। आगे की जांच जारी है।

ईडी की जांच से पता चला कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के डीएमएफटी फंड लगभग 350 करोड़ रुपये का उपयोग बीज निगम के माध्यम से किया गया था। बीज निगम के माध्यम से विक्रेताओं/ठेकेदारों को कृषि-उपकरणों की आपूर्ति के लिए काम आवंटित किए गए थे। मिनी दाल मिल, बीज आदि और अनुबंध मूल्य का 60 फीसदी तक कमीशन/रिश्वत (अपराध की आय) उनसे संपर्ककर्ताओं द्वारा ली गई थी और अंत में कुछ सरकारी अधिकारियों और अन्य सहयोगियों तक पहुंचाई गई थी।

इससे पहले ईडी ने 21.47 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की थी। इसके अलावा रायपुर स्थित विशेष पीएमएलए न्यायालय में एक अभियोजन शिकायत भी दायर की गई है, जिसमें 16 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा इस मामले में तीन लोगों आईएएस रानू साहू, राज्य सेवा अधिकारी माया वारियर और मनोज कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार किया गया है।

- आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण जब्त

इन जगहों पर ईडी ने मारा था छापा-तीन सितंबर को तड़के 5 बजे ईडी की टीम ने छापेमारी की कार्रवाई शुरू की थी। राजधानी रायपुर के शंकर नगर में कारोबारी विनय गर्ग के आवास पर ईडी की टीम ने दबिश दी थी। स्वर्णभूमि कॉलोनी स्थित होटल व्यवसायी शेष पृष्ठ 7 पर

टेरर फंडिग मामले में सिमी एजेंट राजू की संपत्ति अटैच

आतंकी फंडिंग से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजू खान की करीब 6.34 लाख रुपए की संपत्ति को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अस्थायी रूप से अटैच किया है। मामला स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) और इंडियन मुजाहिद्दीन जैसे प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ा है।

ईडी के मुताबिक, रायपुर के खमतराई थाने में दर्ज एफआईआर में पाकिस्तान के एक शख्स खालिद के इशारों पर भारत में कुछ बैंक अकाउंट्स का इस्तेमाल आतंकियों तक पैसे पहुंचाने के लिए किए जाने का जिक्र था. जांच में सामने आया कि खालिद के कहने पर धीरज साव कई बैंक खातों का इस्तेमाल कर जुबैर हुसैन, आयशा बानो और राजू खान जैसे लोगों तक पहुंचाए जाते थे।

नेटवर्क की अहम कड़ी था राजू खान

जांच में पता चला है कि इस नेटवर्क में राजू खान एक अहम कड़ी था। उसके बैंक अकाउंट में 48.82 लाख रुपए कैश जमा हुए थे। उसने इनमें से 42.47 लाख रुपए आगे सिमी और आई एम से जुड़े लोगों तक पहुंचाए और करीब 13 फीसदी यानी 6.34 लाख रुपए कमीशन के तौर पर अपने पास रख लिए ईडी ने अब तक इस केस में कुल 9.15 लाख की चल-अचल संपत्ति अटैच की है।

राजा रघुवंशी मर्डर मामला: सोनम समेत 5 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

मेघालय, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। इंदौर के बहुचर्चित हनीमून मर्डर केस में मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शुक्रवार शाम अदालत में 790 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। यह मामला शहर के जाने-माने बिजनेसमैन राजा रघुवंशी की हत्या से जुड़ा है, जिसने पूरे देश में सनसनी मचा दी थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, चार्जशीट में हत्या की साजिश का मास्टरमाइंड राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाहा को बताया गया है। इस साजिश में तीन अन्य आरोपियों आकाश राजपूत, आनंद कुर्मी और विशाल सिंह चौहान ने भी अहम भूमिका निभाई। इन पांचों पर भारतीय दंड संहिता की हत्या, सबूत मिटाने और आपराधिक साजिश की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। वर्तमान में सभी पांचों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं।

पुलिस ने कई सबूत जुटाए-पुलिस ने बताया कि इस हत्याकांड की योजना बेहद सावधानी से बनाई गई थी। चार्जशीट में सोनम और राज कुशवाहा की नजदीकियों को हत्या का मुख्य मकसद बताया गया है, जबकि अन्य तीन आरोपियों ने इस साजिश को अंजाम देने में उनकी मदद की। जांच के दौरान पुलिस ने कई सबूत जुटाए, जिनमें कॉल रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा और गवाहों के बयान शामिल हैं।

पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि इस मामले में तीन और सह-आरोपियों, प्रॉपर्टी डीलर सिलोमे जेम्स, बिल्डिंग मालिक लोकेन्द्र तोमर और सिक्योरिटी गार्ड बलवीर आहिरवार के खिलाफ जल्द ही सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इन पर सबूत नष्ट करने और छिपाने का आरोप है। यह हत्याकांड उस समय सुर्खियों में आया था, जब राजा रघुवंशी की शादी के कुछ ही दिनों बाद उनकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले ने न केवल इंदौर, बल्कि पूरे देश में लोगों को झकझोर दिया।

500 रुपए के 15 नकली नोट के साथ युवक गिरफ्तार

कवर्धा, 6 सितंबर (देशबन्धु)। मुखबिर की सूचना पर पुलिस चौकी दशरंगपुर की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एनएच-30 पर निर्माणाधीन चौकी के सामने नाकाबंदी की। पुलिस की पैनी नजर और सटीक योजना के चलते संदिग्ध मोटरसाइकिल (सीजी 07 बीएम 8370) को रोक लिया गया। जांच में आरोपी भीखम चंद्रवंशी पिता चतुर चंद्रवंशी उम्र 27 वर्ष निवासी मोहतरा थाना पांडातराई के पास से 500-500 रुपए के 15 नग जाली नोट बरामद हुए। आरोपी के पास से प्रयुक्त मोटरसाइकिल और एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। बरामदगी का कुल मूल्य लगभग 1,35,000 रुपए आंका गया है।

प्रकरण में अपराध क्रमांक 00/25 धारा 179, 180 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने उड़ीसा से जुड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस अब इस पूरे गिरोह की गहन जांच कर रही है, ताकि इसके अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार किया जा सके।

इस सफलता के पीछे पुलिस टीम की अथक मेहनत और सतर्कता रही। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कश्यप, सायबर प्रभारी निरीक्षक महेश प्रधान, उप निरीक्षक त्रिलोक प्रधान, एएसआई संजीव तिवारी, प्रधान आरक्षक लवकेश खरे, आरक्षक नरेंद्र चंद्रवंशी, लेखा चंद्रवंशी, विजय चंद्रवंशी, गणेश बेचेंदे एवं दीपचंद जायसवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शराब घोटाला मामला

चैतन्य बघेल की न्यायिक हिरासत बढ़ी

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में आरोपी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। आज राजधानी रायपुर में प्रवर्तन निदेशालय की विशेष कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चैतन्य की पेशी हुई जिसके बाद उन्हें अब 15 सितंबर तक के लिए न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। संभावना जताई जा रही है कि 15 सितंबर को ईडी इस मामले में चालान दाखिल कर सकती है।

21 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय ईडी रायपुर जोनल कार्यालय की ओर से प्रेस नोट में दी गई जानकारी के अनुसार ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन 18 जुलाई को भिलाई निवास से धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत गिरफ्तार किया है। शराब घोटाले की जांच ईडी ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियमए 1988 के तहत एसीबी ईओडब्ल्यू रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस घोटाले के कारण प्रदेश के खजाने को भारी नुकसान हुआ और करीब 2 500 करोड़ रुपये की अवैध कमाई पीओसी घोटाले से जुड़े लाभार्थियों की जेब में पहुंचाई गई।

बाढ़ में फंसे पंजाब की उम्मीद बनी भारतीय सेना

चंडीगढ़, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। पंजाब में जलप्रलय के बीच भारतीय सेना एक उम्मीद की किरण बनकर सामने आई है। जख्मी लोगों को सुरक्षित निकालना हो, जरूरी सामान पहुंचाना हो या मुश्किल हालात में सैनिकों की तैनाती, हर मोर्चे पर सेना डटी हुई है। कुछ इसी तरह की तस्वीरों के जरिए भारतीय सेना ने पंजाब की जनता को संकट में हौसला बनाए रखने का संदेश दिया है।

भारतीय सेना की टुकड़ी हेलिकॉप्टर की मदद से हर मुश्किल जगह पर पहुंचकर लोगों की मदद कर रही है। भारतीय सेना की वज्र कोर ने शनिवार को 4 स्थानों की वीडियो शेयर कीं, जिसमें जवान युद्धस्तर पर रेस्क्यू में जुटे थे। सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, बाढ़ का कहर, धुंधली दृष्टि, डूबे खेत और प्रचंड हवाएं हमें रोक नहीं सकतीं।

घायलों को निकालना, सामान पहुंचाना, सैनिक तैनात करना और उम्मीद संग उड़ान, हमारे पंख मिशन के लिए हैं, सीमाओं के लिए नहीं।

सैकड़ों गांव बाढ़ से जूझ रहे-बता दें कि पंजाब के सैकड़ों गांव बाढ़ से जूझ रहे हैं। नदियां उफान पर हैं, जिससे हर जगह सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। स्थिति यह है कि पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ प्रभावित घोषित किए जा चुके हैं। किसानों की फसल पूरी तरह जलमग्न है। अब तक 43 लोगों की मौत हो चुकी है।

सार संक्षेप

एनडीए सांसदों की डिनर पार्टी रद्द

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने आवास पर आयोजित होने वाली एनडीए सांसदों की डिनर पार्टी को रद्द कर दिया है। यह निर्णय पंजाब समेत देश के कई हिस्सों में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए लिया गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर शनिवार को एनडीए सांसदों के लिए 'डिनर' पार्टी होनी थी।

भगोड़ों को भारत लाने की कवायद तेज

नई दिल्ली। भारत सरकार ने आर्थिक अपराधियों और फरारों को वापस लाने की दिशा में एक और अहम कदम उठाया है। इसी कड़ी में हाल ही में ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) की एक टीम ने दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल का दौरा किया। तिहाड़ जेल के सूत्रों के मुताबिक, यह निरीक्षण विशेष रूप से विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे भगोड़ों को भारत लाने की कोशिशों को अमली जामा पहनाने के लिए किया गया।

पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन में संघर्ष पर चर्चा हुई। साथ ही द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। पीएम मोदी ने अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा और सकारात्मक मूल्यांकन किया।

सज्जू कोठारी गिरोह की करोड़ों की संपत्तियां जब्त

अहमदाबाद। प्रवर्तन निदेशालय के सूरत सब जोनल ऑफिस ने गुजरात के अहमदाबाद (ग्रामीण) के विशेष न्यायालय (पीएमएलए) में साजिद उर्फ सज्जू गुलाम मोहम्मद कोठारी के खिलाफ अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की है। इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी ने करोड़ों रुपए की संपत्तियां जब्त कीं। कोठारी 'सज्जू गुलाम मोहम्मद कोठारी गिरोह' नामक एक संगठित अपराध गिरोह चलाता था। इस गिरोह में उसका साथी अल्लारखा गुलाम मुस्तफा शेख भी शामिल था।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शनिवार को एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सप्लाई सिंडिकेट का पर्दाफाश किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 सक्रिय तस्करों को गिरफ्तार किया है।

मणिपुर दौरे में देरी के लिए माफी मांगे मोदी : गोगोई

गुवाहाटी, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मणिपुर की संभावित यात्रा को किसी लक्ष्य का अंत नहीं मानना चाहिए, बल्कि राज्य में शांति, न्याय, सुलह और लोकतंत्र को वापस लाने की लंबी यात्रा की सिर्फ शुरुआत है।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की संभावित यात्रा दो साल पहले होनी चाहिए थी। जैसा कि कहा जाता है कि न्याय में देरी होना, न्याय न मिलने के बराबर है, उसी तरह मणिपुर के लोगों को पीएम की यात्रा से बहुत लंबे समय तक वंचित रखा गया है। गोगोई ने कहा- जब प्रधानमंत्री आएंगे, तो उन्हें सबसे पहले पिछले 2 सालों में न आने के लिए मणिपुर के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। राज्य में अभी भी कई चुनौतियां बाकी हैं। दरअसल, शुक्रवार को गौरव गुवाहाटी पहुंचे थे। यहां इंडिया गठबंधन अलायंस के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के मीडिया से वार्ता में शामिल हुए थे।

- राज्य में अब तक 260 मौतें हो चुकी

लाल किला परिसर से एक करोड़ का कलश चोरी

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किला परिसर में एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। जैन धर्म के धार्मिक अनुष्ठान के दौरान करीब 1 करोड़ रुपए की कीमत का सोने-हीरे जड़ा कलश चोरी हो गया। यह कलश 760 ग्राम शुद्ध सोने से बना है, जिसमें 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जड़े हुए थे। यह घटना इलाके में सनसनी फैला रही है। चोरी का मामला बीते मंगलवार को सामने आया, जब कारोबारी सुधीर जैन रोजाना की तरह पूजा के लिए कलश लेकर आए थे। इस दिन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी शामिल होने पहुंचे थे। उनके स्वागत के दौरान हुई अफरा-तफरी में कलश मंच से गायब हो गया। सुधीर जैन ने बताया कि कलश उनकी निजी संपत्ति थी और इसे धार्मिक भावना से बनवाया गया था। चोरी की जानकारी मिलते ही उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध की गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं।

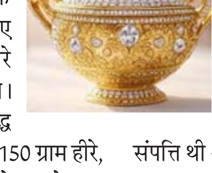

चुनाव आयोग ने 10 को बुलाई बैठक

अब पूरे देश में एसआईआर कराने की तैयारी

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर मचे घमासान के बीच भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) अब इसे पूरे देश में कराने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने 10 सितंबर को दिल्ली में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की एक बैठक बुलाई है।

बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होगी। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के अलावा सभी राज्यों के चुनाव आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बिहार में चलाया गया एसआईआर अभियान एक राजनीतिक लड़ाई का रूप ले चुका है। राजद, कांग्रेस, भाकपा, माकपा, तृणमूल कांग्रेस, सपा सहित कई विपक्षी दलों ने बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने पर विरोध दर्ज कराया है। साथ ही चुनाव आयोग पर कई सवाल उठाए हैं।

अगले साल कई राज्यों में चुनाव-चूंकि अगले साल पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी जैसे राज्यों में चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनाव आयोग पूरे देश में एसआईआर करा सकता है, जिससे सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक जंग फिर से छिड़ने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने एसआईआर अभियान का विरोध किया है, जबकि भाजपा शासित राज्यों ने चुनाव आयोग का समर्थन किया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने पिछले महीने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार में एसआईआर को लेकर आयोग पर लगे पक्षपात के आरोपों को खारिज कर दिया था।

उत्पात | *अब मुख्यमंत्री उमर मामले में कूदे, राजनीतिक विवाद बढ़ा, प्रतीक चिन्ह लगाने पर उठाए थे सवाल*

हजरतबल दरगाह में अशोक चिह्न तोड़े जाने के मामले में एफआईआर

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। विवाद के तूल पकड़े जाने पर जम्मू कश्मीर पुलिस ने ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर स्थित हजरतबल दरगाह में अशोक चिह्न तोड़े जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। हालांकि इस मुद्दे पर बवाल मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भी बीच में कूद जाने के बाद और बढ़ गया है।

सूत्रों ने को बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 76/2025 के तहत नगीन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले शुक्रवार को, स्थानीय लोगों ने हजरतबल दरगाह के अंदर उद्घाटन पत्थर पर अशोक चिह्न लगाने पर आपत्ति जताते हुए उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना था कि यह चिह्न इस्लामी सिद्धांतों के विरुद्ध है और इसे दरगाह में नहीं रखा जाना चाहिए।

मामले ने और तूल उस समय पकड़ लिया जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मामले में कूदते हुए कहा कि यह प्रतीक चिन्ह सरकारी समारोहों में इस्तेमाल होता है, धार्मिक स्थलों पर नहीं। इसे दरगाह हजरतबल में प्रदर्शित करने के लिए नहीं बनाया गया था। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वक्फ बोर्ड को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की अपनी गलती के लिए माफी मांगनी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को हजरतबल दरगाह पर प्रतीक चिन्ह लगाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं थी और इस गलती का बचाव करने के बजाय इसे स्वीकार किया जाना चाहिए था। अनंतनाग में पत्रकारों से बात करते हुए उमर ने कहा कि पहला सवाल यह है कि क्या वहां ऐसी पट्टिका लगाई ही जानी चाहिए थी। मैंने पहले कभी किसी धार्मिक संस्थान या किसी समारोह में इस प्रतीक चिन्ह का इस्तेमाल होते नहीं देखा। फिर ऐसा पत्थर लगाने की क्या जरूरत थी? अगर काम अच्छा होता, तो लोग खुद ही उसे पहचान लेते।

***शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने दिया था वर्तमान स्वरूप**-मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि हजरतबल दरगाह को उसका वर्तमान स्वरूप शेर-ए-कश्मीर शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने दिया था, जिन्होंने पहचान के लिए कभी कोई पट्टिका या प्रतीक चिन्ह नहीं लगाया। उमर ने कहा कि आज भी लोग उनके काम को बिना किसी नामपट्टिका के याद करते हैं। इससे पता चलता है कि पत्थर की कभी जरूरत नहीं पड़ी।*

देश

उवाच

"इंदौर का एमवाय अस्पताल भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुका है। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार भी इन्हीं चूहों की तरह पूरे सिस्टम को कुतर रही है। वो दिन दूर नहीं जब आम जनता इलाज के लिए दर-दर भटकेगी और स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ढह जाएंगी।"

–उमंग सिंघार,कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	33.0	26.0
मुंबई	26.0	25.0
कोलकाता	33.0	27.0
चेन्नई	33.0	28.0

एसआईआर के नाम पर चलाई जा रही एनआरसी जैसी प्रक्रिया : कांग्रेस

कांग्रेस सांसद नामदेव ने चुनाव आयोग के काम पर उठाए सवाल

गढ़चिरौली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। बिहार में एसआईआर का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। नेताओं का चुनाव आयोग पर आरोप लगाने का सिलसिला लगातार जारी है। वहीं महाराष्ट्र के गढ़चिरौली-चिमूर से कांग्रेस सांसद नामदेव किरसन ने भी चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में अभी एसआईआर के नाम पर एनआरसी जैसी प्रक्रिया चलाई जा रही है। जिन लोगों के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड या सरकारी पहचान है, उनका नाम भी वोटर लिस्ट से हटाया जा रहा है। उनसे बाप-दादा के सबूत मांगे जा रहे हैं। यह मतदाता सूची का पुन: निरीक्षण नहीं, बल्कि एनआरसी थोपने की साजिश है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की हत्या किसे कहते हैं, यह सब देश ने देख लिया है।

राहुल गांधी ने जो सच्चाई उजागर की, वह वोटर लिस्ट में ही साफ दिखाई देती है। वही वोटर लिस्ट चुनाव आयोग ने दी थी। फिर भी उसमें फर्जी नाम जोड़े गए और असली मतदाताओं के नाम हटाए गए। यह सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में महाराष्ट्र, हरियाणा और कई राज्यों में ऐसा हुआ है। उन्होंने चुनाव आयोग के काम पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में एसआईआर जिस तरह से लागू किया गया, वह सही नहीं है। बिहार के लोगों के पास आधार कार्ड और राशन कार्ड होने पर भी स्वीकार नहीं किया गया। चुनाव आयोग को अपने हिसाब से सबूत चाहिए। यहां पर वोटर लिस्ट जारी की जा रही है या एनआरसी लागू हो रहा है। सांसद ने कहा कि गढ़चिरौली-चिमूर में हमने आधिकारिक जांच नहीं करवाई है, लेकिन नागपुर के कामठी और चंद्रपुर में हमारे कार्यकर्ताओं ने जांच की। वहां एक ही पते पर 150 से ज़्यादा नाम दर्ज मिले। असली मतदाताओं के नाम काटकर फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं। यह वोट चोरी नहीं तो और क्या है लेकिन चुनाव आयोग इस पर कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है।

जिन लोगों के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड या सरकारी पहचान है उनका नाम भी वोटर लिस्ट से हटाया जा रहा है : **नामदेव किरसन**

बिहार के लोगों को गाली देने वालों को मिलेगा माकूल जवाब : सुरेंद्र राजपूत

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस तरह से बिहार के लोगों को गाली दी है, उसका जवाब इन्हें आगामी चुनाव में मिलेगा। यह लोग सिर्फ भावनाओं को ठेस पहुंचाना जानते हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। जिस कर्पूरी ठाकुर को केंद्र सरकार की ओर से भारत रत्न देकर सम्मानित किया, उसी कर्पूरी ठाकुर के लिए भाजपा के लोगों ने अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया। इस संबंध में जब इनसे सवाल करें, तो यह लोग चुप्पी साध लेते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी समाज के हर वर्ग के लोगों से हाथ मिलाते हैं। उनको स्वीकार करते हैं, उन्हें सम्मान देते हैं। राहुल गांधी समाज के हर लोगों को यह एहसास दिलाते हैं कि वो कितने मूल्यवान हैं। लेकिन, अफसोस, ऐसी प्रवृत्ति भाजपा के नेताओं में देखने को नहीं मिलती है।

पूर्व मंत्री केए सेंगोट्टैयन सभी पदों से हटाए गए

चेन्नई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। एआईएडीएमके पार्टी महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री केए सेंगोट्टैयन को उनके सभी पदों से तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। सेंगोट्टैयन अब न तो संगठन सचिव रहेंगे और न ही ईरोड वेस्ट जिला सचिव का पद संभालेंगे। यह फैसला शनिवार सुबह डिंडीगुल के एक होटल में एआईएडीएमके महासचिव पलानीस्वामी और सात वरिष्ठ पार्टी नेताओं और पूर्व मंत्रियों के बीच एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के बाद लिया गया। पूर्व मंत्रियों में डिंडीगुल श्रीनिवासन, नाथम विश्वनाथन, के.पी. मुनुसामी, एस.पी. वेलुमणि, कामराज, ओ.एस. मनिअन और विजयभास्कर शामिल थे। पार्टी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के एरोड सबअर्बन वेस्ट जिले में विधायक केए सेंगोट्टैयन, जो एरोड सबअर्बन वेस्ट जिले के जिला संगठन सचिव और जिला सचिव के पद पर थे, उन्हें आज से इन जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाता है।

यह कार्रवाई उस समय हुई है जब सेंगोट्टैयन ने हाल ही में पलानीस्वामी को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि पार्टी से निकाले गए या छोड़कर गए वरिष्ठ नेताओं को फिर से शामिल किया जाए। उन्होंने पलानीस्वामी को 10 दिनों की समय सीमा दी थी और चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो पार्टी में असंतोष बढ़ सकता है। पद से हटाए जाने के बाद सेंगोट्टैयन ने हाईकमान के फैसले पर कहा कि मैंने अपनी राय केवल अन्नाद्रमुक की सत्ता वापसी को ध्यान में रखते हुए रखी थी।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की प्रक्रिया हो तेज : उमर अब्दुल्ला

अनंतनाग, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को अनंतनाग में बाढ़ के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी तरह की देरी न हो और प्रभावित लोगों तक त्वरित सहायता पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए राहत और पुनर्वास की प्रक्रिया तेज की जाए। उन्होंने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि प्रभावित इलाकों में खाद्यान्न, दवाइयां और पेयजल की आपूर्ति लगातार बनी रहे। सीएम अब्दुल्ला ने निर्देश दिए कि बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए सड़क, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे की मरम्मत जल्द से जल्द की जाए। इसके साथ ही उन्होंने बिजली, पानी और संचार जैसी जरूरी सेवाओं की त्वरित बहाली का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी कहा कि भविष्य में किसी भी संभावित खतरे से बचने के लिए कमजोर तटबंधों और बांधों को तुरंत मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बैठक की तस्वीर शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री ने अनंतनाग में बाढ़ के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक समीक्षा बैठक की।

■ कमजोर तटबंधों व बांधों को तुरंत मजबूत करने के दिए निर्देश

अनंतनाग में बाढ़ प्रभावित परिवारों से की मुलाकात

उमर अब्दुल्ला अनंतनाग जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में गए और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार इन मुश्किल समय में उनके साथ है और उनकी मदद के लिए हर संभव कदम उठाएगी। उनके साथ उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, मंत्री सकीना इट्टू, मंत्री जावेद अहमद राणा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और जिले के संबंधित विधायक भी थे। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह लगातार बारिश के कारण झेलम और उसकी सहायक नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया था, जिसके कारण कश्मीर में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। बुधवार को हालांकि जलस्तर कम होने लगा, लेकिन फिर गुरूवार को झेलम का जलस्तर काफी बढ़ गया, जिससे नदी का जल तटबंध से बाहर निकल कर आस पास के गांवों में घुस गया और कश्मीर घाटी के कई गांव डूब गए।

सार संक्षेप

मुंबई पुलिस को धमकी भरा संदेश भेजने वाला गिरफ्तार

मुंबई। अनंत चतुर्दशी उत्सव से ठीक एक दिन पहले मुंबई यातायात पुलिस को धमकी भरा संदेश भेजने वाले एक व्यक्ति को मुंबई अपराध शाखा ने उत्तर प्रदेश के नोएडा से गिरफ्तार किया है। धमकी भरे संदेश में दावा किया गया था कि मानव बमों से लदे 34 वाहनों को मुंबई भर में रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है और चेतावनी दी गई थी कि विस्फोटों के बाद शहर दहल' जाएगा। गिरफ्तार व्यक्ति अश्विन कुमार सुप्रा पेशे से ज्योतिषी है और बिहार के पटना का रहने वाला है। मुंबई पुलिस ने उसे उप्र के नोएडा सेक्टर 79 से गिरफ्तार किया है।

जेएलकेएम ने निशा भगत को पार्टी से किया निष्कासित

रांची। जेएलकेएम ने गुमला से अपनी पूर्व उम्मीदवार निशा भगत को उनके कुड़मी/कुरमी समुदाय के प्रति दिए बयानों के कारण पार्टी से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने कहा है कि उनके बयान पार्टी की नीतियों और अनुशासन के विरुद्ध हैं, जिससे पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा है। पार्टी की अनुशासन समिति की सिफारिश पर निशा को सभी पदों और जिम्मेदारियों से हटा दिया गया है और अगले छह वर्षों तक वे किसी भी पार्टी गतिविधि या पद में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। निशा भगत गुमला विधानसभा सीट की पूर्व उम्मीदवार रही हैं और पार्टी में एक सक्रिय चेहरा मानी जाती थीं, लेकिन हालिया बयानों पर सामाजिक और समुदायिक विरोध हुआ था।

मोदी के स्वागत को मणिपुर में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण अभियान

इंफाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 13 सितम्बर को मणिपुर का दौरा होने की संभावना के मद्देनजर राज्य सरकार इंफाल और चुराचांदपुर में मलबा हटाने, दीवारों का रंग-रोगन करने के साथ ही सड़कों की मरम्मत कर रही है। प्रधानमंत्री की यात्रा स्थल मणिपुर में सत्ता का प्राचीन केंद्र कांगला होगा और सरकार लगभग 15 हजार आगंतुकों के लिए व्यवस्थायें कर रही है। कांगला स्थित मानुंग कांगजेइबुंग (पोलो मैदान) पहले भी कई प्रधानमंत्रियों की मेजबानी कर चुका है।

अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न दिवस की मेजबानी करेगा ओडिशा

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आगामी 10 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें 400 से अधिक किसान, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के वैज्ञानिक, विश्व खाद्य कार्यक्रम की महिला वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और आईसीएआर-सीआईडब्ल्यूए के विशेषज्ञ और देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और अधिकारी भाग लेंगे।

झारखंड में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान शुरू

रांची, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। झारखंड में कांग्रेस पार्टी अपने संगठन को मजबूत बनाने के लिए संगठन सृजन अभियान 2025 चला रही है। इस अभियान के तहत जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज की जा रही है ताकि ग्रासरूट स्तर पर मजबूत और संगठित टीम बनाई जा सके। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने विभिन्न जिलों के लिए आब्जर्वर नियुक्त किए हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सांसद फूलों देवी नेताम को रांची जिला ग्रामीण का आब्जर्वर नियुक्त किया गया है। फूलों देवी नेताम वर्तमान में रांची दौरे पर हैं और विभिन्न इलाकों में जाकर विधायक, सांसद, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर संगठन सृजन के कार्य को गति देने में जुटी हैं। उनका कहना है कि अभियान का उद्देश्य कुशल नेतृत्व वाली कार्यकत्रियों को चिन्हित कर उनके नाम एआईसीसी को भेजना है, जिसके बाद जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी। इसके साथ ही बूथ, ब्लॉक और मंडल स्तर तक एक मजबूत टीम का गठन किया जाएगा। इसी बीच, कांग्रेस विधायक नमन विकसल कोंगाड़ी ने शनिवार को बताया कि पार्टी का मूल उद्देश्य सत्ता से ऊपर सेवा और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। संगठन सृजन योजना के अंतर्गत बूथ स्तर से जिला स्तर तक कार्य हो रहा है, जिसमें हर विधायक और संगठन के लोगों को दो-दो जिले दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्षों की भूमिका बहुत अहम है इसलिए उनकी नियुक्ति को सबसे महत्वपूर्ण समझते हुए पूरा संगठन मजबूत बनाया जाएगा।

रांची जिला ग्रामीण में फूलों देवी नेताम बनीं आब्जर्वर

बिहार में पढ़ाई, कमाई, सिंचाई की हालत बदतर : तेजस्वी

पिछले बीस वर्षों में राज्य की दो पीढ़ियों को बर्बाद करने का लगाया आरोप

पटना, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को एनडीए सरकार पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि 20 वर्षों से भाजपा और जदयू सत्ता में हैं, फिर भी बिहार में शिक्षा, रोजगार और सिंचाई की हालत बदतर है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने इंडिया गठबंधन की बैठक के संबंध में कहा कि हम लोग नेताओं से मिलते रहते हैं, बातचीत चलती रहती है। यह प्रक्रिया है, चलती रहती है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि बिहार में 20 साल से एनडीए सत्ता में है, लेकिन बिहार में क्या है। बिहार में अपराध बढ़ गया है, भ्रष्टाचार चरम पर है। बिहार में न दवाई है, न पढ़ाई है, न सिंचाई है। उन्होंने कहा कि देश में बिहार प्रति व्यक्ति आय में सबसे फिसड्डी है। किसानों की आय के मामले में बिहार पीछे है। कोई उद्योग धंधा नहीं है। अब जब चुनाव का समय आया है, तो ये हमारी नकल कर रहे हैं। एक उद्योग कारखाना क्यों नहीं है। पहले यह लोग बात क्यों नहीं करते थे। माई बहिन योजना के फॉर्म को लेकर फर्जीवाड़ा कहने पर तेजस्वी यादव ने कहा कि लोग स्वेच्छा से फॉर्म भर रहे हैं। इसमें क्या गलत है। भाजपा-जदयू की हालत खराब है, यह लोग हिले हुए हैं।

देश में बिहार प्रति व्यक्ति आय में सबसे फिसड्डी है व किसानों की आय के मामले में बिहार पीछे है : **तेजस्वी यादव**

सरकार से पूछे दस सवाल

इससे पहले, राजद नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एनडीए की सरकार पर पिछले 20 वर्षों में राज्य की दो पीढ़ियों को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए दस सवाल पूछे। तेजस्वी यादव ने एनडीए पर हमला करते हुए कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री के 20 वर्षों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी 11 वर्षों की डबल इंजन सरकार ने बिहार की दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद किया है। उन्होंने दस सवालों की एक सूची जारी की है, जिसमें मतदाताओं से आग्रह किया गया है कि जब सत्ताधारी गठबंधन एनडीए के नेता वोट मांगने आएं, तो उनसे गरीबी, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और राज्य की जर्जर स्थिति जैसे बुनियादी मुद्दों पर सवाल पूछें। राजद नेता ने लोगों से आग्रह किया है कि जब एनडीए के नेता सामने आएं तो उनसे पूछा जाए कि बिहार भारत का सबसे गरीब राज्य क्यों बना हुआ है।

बिहार में हार के डर से बीड़ी वाले बयान को तूल दे रहा एनडीए : मृत्युंजय

पटना। राष्ट्रीय जनता दल प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दावा किया है कि बिहार में एनडीए हार के डर से बीड़ी वाले बयान को तूल दे रहा है, क्योंकि जिस तरह से लोकसभा सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा को जनसमर्थन मिला है, भाजपा और इसके सहयोगी दल घबरा गए हैं। केरल कांग्रेस इकाई द्वारा बिहार की तुलना बीड़ी से करने पर बिहार की सियासत तेज है। भाजपा और इसके सहयोगी दलों ने राजद के शीर्ष नेताओं से सवाल करते हुए पूछा है कि क्या वे कांग्रेस के इस बयान से सहमत हैं।

हैदराबाद गजट को लागू करने का फैसला जल्दबाजी : छगन भुजबल

मराठा आरक्षण के फैसले पर जताई नाराजगी

मुंबई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वरिष्ठ मंत्री एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के नेता छगन भुजबल ने मराठा आरक्षण को लेकर हैदराबाद गजट को लागू करने के राज्य मंत्रिमंडल उप-समिति के फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि यह जल्दबाजी में और दबाव में लिया गया है। भुजबल ने कहा कि सरकार के फैसले पर स्पष्टता लाने को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद गजट में कृषि में लगे मराठों को सामाजिक रूप से पिछड़ा वर्ग माना जाता था और उस समय निज़ाम ने उन्हें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया था। राधाकृष्ण विखे पाटिल के नेतृत्व में सरकारी प्रस्ताव पारित किया गया था। हालांकि यह निर्णय मुख्यमंत्री की सहमति से लिया गया था, लेकिन अन्य मंत्रियों को विश्वास में नहीं लिया गया था। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले, मराठा समुदाय के नेता मनोज जरंगे पाटिल ने ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों के लिए आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल की थी। उनकी आठ में से छह मांगें मान लिए जाने के बाद उन्होंने आंदोलन वापस ले लिया था। उनकी मुख्य मांगों में से एक हैदराबाद गजट को लागू करना था।

ओबीसी आरक्षण में होगी घुसपैठ

महाराष्ट्र के वरिष्ठ मंत्री एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के नेता छगन भुजबल ने कहा कि सरकार के इस फैसले से ओबीसी आरक्षण में घुसपैठ' होगी। भुजबल ने कहा कि कम से कम, मुझे इसकी जानकारी नहीं दी गई।

गुजरात में अत्यधिक भारी बारिश की संभावना

अहमदाबाद, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। गुजरात में अगले सात दिनों तक मानसून की तेज सक्रियता का नया दौर देखने को मिल सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए अलर्ट जारी किए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुजरात में अगले सात दिनों तक लगातार बारिश की संभावना जताई है। विभाग ने बताया कि अगले 48 घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। रविवार को लेकर विभाग ने बताया कि बनासकांठा, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, नर्मदा, भरूच, नवसारी, वलसाड, तापी, डांग और सौराष्ट्र-कच्छ के कुछ हिस्सों जैसे राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, भावनगर, कच्छ और द्वारका सहित लगभग पूरे राज्य में व्यापक बारिश होने की संभावना है। मानसून की कम दबाव रेखा वर्तमान में गंगानगर से उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है। बंगाल की खाड़ी और उससे सटे म्यांमार तट पर एक ऊपरी हवा की चक्रवाती गतिविधि बनी हुई है।

मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

तमिलनाडु में एनडीए से अलग होना जल्दबाजी नहीं : दिनाकरन

चेन्नई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने शनिवार को स्पष्ट किया कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से बाहर निकलने का एएमएमके का फैसला जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सोच-समझकर लिया गया कदम था।

मदुरै में पत्रकारों से बात करते हुए, टीटीवी दिनाकरन ने बताया कि एएमएमके ने मूल रूप से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के एकमात्र उद्देश्य से एनडीए में शामिल होने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव अलग होते हैं, विधानसभा चुनाव अलग होते हैं। भाजपा कैसे कह सकती है कि उसने हमारी वजह से गठबंधन छोड़ा। बीजेपी के अचानक बाहर निकलने का कोई कारण नहीं था। यह हमारे कार्यकर्ताओं की राय के अनुरूप लिया गया निर्णय था। दिनाकरन ने राज्य के पूर्व भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई की गठबंधन संभालने को लेकर प्रशंसा की, लेकिन उनके उत्तराधिकारी नैनार नागेंद्रन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एनडीए को अन्नामलाई ने अच्छी तरह से संभाला था, लेकिन नैनार नागेंद्रन को गठबंधन कैसे संभालना है, यह नहीं पता। प्रधानमंत्री से ओ. पन्नीरसेल्वम की मुलाकात न होने को लेकर उनके अहंकारी बयान ने बेवजह तनाव पैदा किया। नागेंद्रन की ही वजह से ओपीएस ने भाजपा गठबंधन से नाता तोड़ा। भविष्य के गठबंधनों पर, दिनाकरन ने कहा कि यह अन्नाद्रमुक और भाजपा पर निर्भर है कि वे तय करें कि एएमएमके को शामिल किया जाए या नहीं।

सोच-समझकर लिया गया फैसला

चिंता | कश्मीर में बाढ़ व जेह्लम ने किसानों को किया तबाह

कई एकड़ धान के खेत, फलों के बाग व जरूरी फसलें जलमग्न

जम्मू, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। कश्मीर में हाल ही में आई बाढ़ ने कृषि भूमि, फसलों और बागवानी उत्पादों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे स्थानीय किसान तबाह हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, बढ़ते पानी ने कई एकड़ धान के खेत, फलों के बाग और अन्य जरूरी फसलें जलमग्न कर दी हैं। कई ढांचों को भी नुकसान पहुंचाया है, जिससे उन परिवारों के लिए नुकसान और बढ़ गया है जिनकी आजीविका कृषि पर निर्भर है।

कई किसानों ने विनाश की भयावहता का वर्णन किया है, और कई ने अपनी फसलों और अपने परिवारों के अस्तित्व के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की है। अवंतीपोरा क्षेत्र के एक किसान गुलाम मोहम्मद कहते थे कि हमारे खेत पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। यह बाढ़ पिछले एक दशक में देखी गई किसी भी बाढ़ से भी बदतर है। धान की फसल, जो लगभग कटाई के लिए तैयार थी, बह गई है। सारी मेहनत बर्बाद हो गई है। घाटी की सबसे मूल्यवान कृषि संपत्तियों में से एक, सेब के बागों सहित बागवानी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है, जो बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। अनंतनाग के एक बाग मालिक शब्बीर अहमद ने दुख जताते हुए बताया कि सेब पकने ही वाले थे कि अब वे नष्ट हो गए। हमारे पेड़ भीग गए हैं और कई फल गिर गए हैं। यह पूरी तरह से बर्बादी है।

■ अब तत्काल मुआवजे की मांग कर रहे प्रभावित परिवार

जैसे-जैसे बाढ़ का पानी कम हो रहा है, तबाही का पूरा रूप और स्पष्ट होता जा रहा है। प्रभावित परिवार अब तत्काल मुआवजे की मांग कर रहे हैं और कुछ लोग इसकी तुलना 2014 की विनाशकारी बाढ़ से कर रहे हैं, जिसने इसी तरह क्षेत्र के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था।

याद रहे वर्ष 2014 में, जम्मू-कश्मीर सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों को वित्तीय सहायता और मुआवजा प्रदान किया था। किसान और निवासी अब सरकार से इसी तरह के कदम उठाने का आग्रह कर रहे हैं। एक स्थानीय किसान महमूद अली का कहना था कि 2014 में, सरकार ने हमें मुआवजा और राहत देने का वादा किया था। हम एक बार फिर उसी मदद की मांग कर रहे हैं। अगर सरकार तब हमारी मदद कर सकती थी, तो अब ऐसा न करने का कोई कारण नहीं है। वैसे स्थानीय प्रशासन घाटी में हुए नुकसान का आकलन करने में जुट गया है। अधिकारियों के अनुसार, विनाश की व्यापकता पर एक रिपोर्ट जल्द ही सरकार को सौंपी जाएगी और उसके बाद मुआवजा योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम नुकसान के बारे में सभी आवश्यक जानकारी एकत्र करने की प्रक्रिया में हैं। वे कहते थे कि एक बार आकलन पूरा हो जाने के बाद, हम सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेंगे और उसके अनुसार राहत उपाय लागू किए जाएंगे। कश्मीर घाटी में पिछली दो शताब्दियों में 34 महत्वपूर्ण बाढ़ की घटनाएं हुई हैं।

जल-संबंधी आपदाओं के प्रति इस क्षेत्र की दीर्घकालिक संवेदनशीलता का स्पष्ट संकेत देते हुए, आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि 1800 से झेलम बेसिन में 34 महत्वपूर्ण बाढ़ें आ चुकी हैं। आंकड़ों के अनुसार, बाढ़ की पुनर्रावृत्ति दर लगभग हर छह साल में एक है।

साहित्य

मराठी कहानी

स्पर्श

■ जयवंत दलवी

सांयकाल की सुनहरी किरणें, अब तक ज़मीन पर उतरी नहीं थी। इस बड़े पीपल की, शाखों के बीच से, छन कर आती लग रही थी। वृक्ष के नीचे, आसमान की ओर ताकते, रामाराव खड़े थे। उनकी आँखों के आँसू, आँखों तक ही सिमट रहे थे, इसका किसी को पता न था।

आज आँखें, न जाने क्यों भर आ रही हैं। चार वर्ष पूर्व जब नानी आश्रम गई थी, तब भी आँखें, इतनी तो नम नहीं थी। आज तो वह ठीक होकर, वापस आ रही हैं, आज तो मन में, आनंद होना चाहिए। पर आनंद हो रहा है क्या?

पीपल के नीचे, एक पूरी मंडली, नानी की बाट जोह रही थी। नानी का बेटा, वीनू। उसकी पत्नी अनुराधा। उनका आठ वर्ष का बेटा रंगा, आस-पड़ोस की औरतें और बच्चे सभी जमा हुए थे।

"रंगा, दादी के बुलाने पर भी, पास नहीं जाना समझे!" अनुराधा, रंगा को बार-बार समझा रही थी।

रामाराव को यह अच्छा नहीं लगा। डॉक्टरों ने तो कह ही दिया है कि वो, अब पूरी तरह स्वस्थ हो चुकी है।

"भैयाराम और उन्हें, अब तक आ जाना चाहिए था।"

"रुको, बस की आवाज़ आ रही है।" पड़ोस की काकू सबको चुप कराती हुई, कान लगाकर सुनने लगी।

"आ गई रे, आ गई!" काकू चिल्लाई। चबूतरे पर बैठी मंडली, खड़ी हो गई।

रामाराव दगड़, पत्थर की तरह खड़े थे। उनकी दृष्टि पीपल के नीचे, गणेश जी की पुरानी मूर्ति पर पड़ी। वहाँ दीप जलाना, दगड़ परिवार का नियम था।

"अनु अंधेरा हो रहा है, मूर्ति के सामने दीया जला दो उसे अच्छा लगेगा।"

"जी, अच्छा!

अनु ने, गणपति के सामने दीप जलाकर रख दिया। मूर्ति के हाथों की उँगलियाँ, पानी और हवा की मार से घिस-सी गई थी। सूँड के ऊपर भी खरोंच जैसे निशान थे। लंबे कान भी टूट-फूट गए थे। न जाने कब से रामाराव इसे देखते आ रहे थे। पर इसके भीतर स्थित शक्ति का आभास उन्हें आज से पहले, कभी नहीं हुआ था।

बस, फाटक के पास आकर रुक गई।

पहले भैयाराम उतरा, फिर उसने सहारा देकर, नानी को उतार लिया।

"इतनी देर कैसे हो गई भैयाराम?" वीनू ने दूर से ही पूछ लिया।

"टायर पंचर हो गया था...!" भैयाराम सामान उतारते हुए बोला।

"नकटी की शादी मे लाखों विघ्न!" कहकर नानी खिल-खिलाकर हँस पड़ी।

उनके हँस पड़ने से सारा वातावरण उज्वल हो गया।

चार वर्ष पहले नानी जब अपना घर छोड़कर अमरावती आश्रम गई थीं तो सोचा था कि शायद अब लौटकर कभी न आ सके। जाते समय घर की प्रत्येक वस्तु को अंतिम स्पर्श कर गई थीं। गणेश जी को प्रणाम और हाथ से स्पर्श कर, दो पल उनके सम्मुख बैठी थी।

उसी घर में लौट आने पर उनका आनंदित होना स्वाभाविक ही था। नानी के होंठ उनके मुँह पर फैल से गए थे। पर उनके चेहरे पर खुशी झलक रही थी।

"रंगा, ले गेंद!" नानी ने रंगा को पुकारा।

पर रंगा, अनुराधा का आँचल थामे खड़ा रहा। हिला तक नहीं।

"भूल गया है शायद। एक बार पहचान गया तो पीछा नहीं छोड़ेगा।" कहकर अनु ने रंगा को और पीछे सरका लिया।

"बाद में आ जाएगा, माँ!" वीनू बोला।

सीढ़ियाँ चढ़ने के लिए नानी ने, हाथ आगे बढ़ाया।

"सहारा दे भैयाराम...," वीनू चिल्ला कर बोला।

भैयाराम का सहारा ले, नानी ऊपर चढ़ी और चबूतरे पर रुक गई।

"मैं सोच रही थी, गणेश जी की दीया बत्ती कोई करता था या नहीं।"

"तुम जैसा छोड़ गई थी सब वैसे ही चल रहा है। गणेश जी को प्रणाम कर लो!" रामाराव ने जवाब दिया

नानी ने गणेश जी के आगे, सिर झुकाया और उनके सम्मुख बैठ गई। उदास शाम के धुँधलके में उन्होंने चारों ओर नज़र दौड़ाई। बच्चे उनकी ओर दृष्टि जमाए थे

जैसे कोई नई वस्तु आई हो। नानी मुस्कुरा रही थीं। तभी काकू आकर, नानी से मिली। बरसों बाद मिली पड़ोसनें बातों में रम गईं।

बातों-बातों में उसने, नानी की नाक, होंठ ध्यान से देख डाले। उन पर खरोंच के से सफ़ेद दाग थे।

उसी समय गौशाला में गाय रंभा उठी। "पहचान लिया उसने मुझे।" नानी हँसते हुए बोली।

नानी और रामाराव, गौशाला की ओर बढ़ गए।

नानी ने गाय की एक थपकी ली और उसके मुँह पर प्यार से हाथ फेरने लगी।

नानी घर में आ गईं। हाथ मुँह धो कर, चाय पीने के लिए चबूतरे पर, आ कर बैठ गई।

"आप यहाँ कोई काम नहीं करेंगी नानी।" अनु आकर बोली।

"क्यों?"

"आपको केवल आराम करना है!"

"किसने कहा? वीनू ने?" कहकर नानी हँस पड़ी। आज उनका हँसने का दिन था।

शाम को नानी दूध का बर्तन उठा कर, गौशाला की ओर बढ़ ही रही थीं।

"क्या कर रही हैं आप?" अनु देख कर चौंक पड़ी।

"दूध निकालने जा रही हूँ।"

"आप बर्तन रख दें। आपको काम नहीं करना है।"

"अरे, आश्रम में, मैं खाना पकाती थी।"

"वहाँ डॉक्टर थे। यहाँ कौन दौड़ धूप करता फिरेगा?"

"कुछ नहीं होगा।" कहकर वो चल पड़ी।

"आप बर्तन रख दीजिए।" अनु की आवाज़ में सख़्ती थी। नानी ने बर्तन, वहीं रख दिया। उनके कलेजे में हूक-सी उठी। उनका अपमान हुआ था।

वे उसी समय भीतर चली गईं। मुँह पर पल्ला डालकर रोती रहीं। सोते समय उन्होंने निश्चय किया। घर मेरा है, सबको मेरे आदेश मानने होंगे। आश्रम में दस-पंद्रह का भोजन बनाती थीं। यहाँ कैसी मेहनत?

वे मुँह अंधेरे ही उठ बैठीं। स्नान के बाद आटे का डिब्बा लिया और आटा गूँध कर रोटियाँ सेंकने लगीं।

उठकर अनु ने चूल्हे के पास रोटियों का ढेर देखा।

"किसने बनाई ये रोटियाँ?"

"मैंने, और किसने?"

अनु सिर पर हाथ मार कर, सुन्न खड़ी रह गई। नानी ने परवाह नहीं की और सफ़ाई करने जुट गई।

पुरुषों के भोजन कर लेने के बाद अनु और नानी खाने बैठी थी।

"सबने खाई थी रोटियाँ?"

"हाँ!"

"कोई कुछ बोला?"

"हाँ, ये और ससुर जी बोले, अच्छी बनीं हैं!"

यह सुनकर नानी के चेहरे पर रौनक आ गई।

अनु कुछ न बोली और खाते-खाते नानी के हाथों की उँगलियाँ देखने लगी। उनपर छोटे से नाखून थे। टेढ़ी-मेढ़ी उँगलियाँ। नानी उन्हीं हाथों से भोजन कर रही थी।

खाना खाने के बाद, नानी घर के भीतर जाने लगीं तो विनू दिखाई दे गया।

"वीनू, मेरे हाथ की रोटियाँ कैसी लगीं?"

"अच्छी लगीं।"

नानी आनंदित हो बरामदे में पहुँच गई। वहाँ रामाराव चहल-कदमी कर रहे थे।

"आज रोटियाँ कैसी लगीं?"

"कहाँ थीं आज रोटियाँ?"

रामाराव का ध्यान अचानक वीनू की नज़रों की ओर गया, वे झेंप गए।

नानी को दाल में कुछ काला नज़र आया। वे थोड़ी बुझ-सी गईं। घर के भीतर चटाई बिछाकर सोने का प्रयत्न करने लगीं। पर उनकी आँखों से आँसू बहने लगे।

शाम को वो चुपचाप दूध का बर्तन खोजने लगीं। माँजने वाले बर्तनों के साथ दूध का बर्तन पड़ा था। वहीं पर रखा था आटे का डिब्बा। सुबह तो डिब्बा आटे से भरा था। फिर माँजने के लिए क्यों रखा है? वो सोचते हुए दूध का बर्तन उठा कर गौशाला की ओर बढ़ गई।

पानी लेकर उन्होंने गाय के थन धोए। तभी उनकी दृष्टि गाय के आगे पड़ी रोटियों पर ठहर गई। नानी वहीं उसी समय उठ खड़ी हुईं।

बर्तन घर में ला पटका और आँगन में बँधे झूले पर बैठी, रुँधे गले को दबाए रखने का प्रयत्न करती रहीं।

रात वो अपने कमरे में गईं। थोड़े फासले पर दो बिछौने पड़े थे। कल भी ऐसा ही था क्या?

उन्होंने दोनों बिछौने सटा लिए। फिर रामाराव के बिछौने की ओर मुँह कर एक हाथ सामने फैला वो पड़ी रहीं।

रात आहट से उनकी आँख खुली।

रामाराव दीपक जला रहे थे।

फिर उन्होंने झटपट अपना बिछौना अलग खींच लिया। चूड़ियों की खनक हुई और नानी का हाथ, फ़र्श पर आ गिरा। पर रामाराव ने हाथ उठाकर, उनके बिछौने पर न रखा।

इतना भी स्पर्श नहीं।

नानी के होंठों से सिसकी फूट पड़ी। पर वे रोई नहीं। बस, आँखों से पानी बहता रहा। हाथ उसी प्रकार न जाने कब तक पड़ा रहा।

सुबह रामाराव उठकर बाहर आए। नानी पहले ही उठ गई थीं।

"सासू जी नहीं उठीं क्या?"

"वो तो कब की उठ गईं।"

"नहीं।"

"नहीं? अरे वीनू..." रामाराव चीख पड़े।

वीनू भागता हुआ आया। सब जगह खोज हुई। सभी कमरे देख डाले पर नानी कहीं नहीं थीं।

पीपल के नीचे दीप जल रहा था। गणेश जी के मस्तक पर चंदन का तिलक और सूँड पर जसवंती के फूल थे।

"कहाँ गई होंगी?"

चारों ओर आदमी दौड़ा दिए गए।

बाद में पता चला कि नानी बस अड्डे पर अमरावती की बस में बैठी दिखाई दी थीं।

ग़ज़लें

■ अहमद जावेद

आँसू की तरह दीदा-ए-पुर-आब में रहना
हर गाम मुझे ख़ाना-ए-सैलाब में रहना

वो अबरू-ए-ख़मदार नज़र आए तो समझे
आँखों की तरह साया-ए-मेहराब में रहना

ग़फ़लत ही में कटते हैं शब-ओ-रोज़ हमारे
हर आन किसी ध्यान किसी ख़्वाब में रहना

दिन भर किसी दीवार के साए में तग-ओ-ताज़
शब जुस्तुजू-ए-चादर-ए-महताब में रहना

वीराना-ए-दुनिया में गुज़रते हैं मिरे दिन
रातों को रवाक़-ए-दिल-ए-बेताब में रहना

मिट्टी तो हर इक हाल में मिट्टी ही रहेगी
क्या टाट में क्या क़ाक़ुम ओ संजाब में रहना

घर और बयाबाँ में कोई फ़र्क़ नहीं है
लाज़िम है मगर इश्क़ के आदाब में रहना

इक पल को भी आँखें न लगीं ख़ाना-ए-दिल में
हर लम्हा निगहबानी-ए-असबाब में रहना

■ महेंद्र कुमार सानी

मेरी तस्वीर मुकम्मल नहीं होने देता
वो मुझे 'इश्क़ में पागल नहीं होने देता

मुझ को महकाए हुए रखता है हर दम लेकिन
एक लम्हे को भी संदल नहीं होने देता

उस ने तूफ़ान मचा रक्खा है अंदर मेरे
बाहर इतनी सी भी हलचल नहीं होने देता

मेरी मिट्टी बड़ी ज़रख़ेज़ है लेकिन वो अब्र
यूँ बरसता है कि जंगल नहीं होने देता

यूँ तो आवारगी मुझ में है बला की लेकिन
'इश्क़ तेरा मुझे बादल नहीं होने देता

ऐ जमाल तू ने बदन किया मुझे इस तरह
मिरी रूह से तिरा हक़ अदा नहीं हो रहा

तिरी क़ुर्बतों में गुज़र रहे हैं हमारे दिन
हमें क्यों मगर तिरा तज़्बा नहीं हो रहा

माँ का दिल (बांग्ला कहानी)

■ जॉन मार्टिन

किससे बातें हो रही थीं?"

"माँ का फोन था।"

"क्यों बोल रही थीं?"

"कुछ नहीं, बस यों ही...समय पर खाना खा लेने, समय पर सोने की हिदायतें और..."

"माँ भूल जा रही हैं कि अब हम शादीशुदा हैं, हमारा लाइफ रुटीन बदल चुका है, हमारी जिंदगी में कई बदलाव आ चुके हैं। बच्चोंवाली हिदायतों की जरूरत नहीं।"

"अभी तुम नहीं समझोगी माँ का दिल!"

"ऊँह!" वह झटके से उठकर जूठे प्यालों को किचन में रखने चली गई। शीला की इस हरकत पर वह मुसकराकर अखबार के पन्ने पलटने में मशरूफ हो गया।

बरसों बाद।

"देख बेटा, खाने-पीने पर ध्यान देना, रात को ज्यादा जागना मत और हाँ, रात को सोने से पहले दूध ले लेना, सुबह उठकर थोड़ी कसरत कर लेना। इससे सारा दिन तरोताजा महसूस करोगे और पढ़ाई में भी ध्यान लगा रहेगा। और सुन बेटा..."

"बस भी करो शीला! रोज-रोज इतनी सारी हिदायतें देती रहती हो। तुम भूल जा रही हो कि हमारा बेटा अब बच्चा नहीं रहा। इंजीनियरिंग कॉलेज का स्टूडेंट है। उसमें मैच्योरिटी आ चुकी है।"

शीला ने उसे भरपूर नजरों से देखा, च्चुम नहीं समझ सकते माँ का दिल!"

बरसों पहले वाली मुसकराहट उसके होंठों पर चस्पाँ हो गई। वह रिमोट से खबरिया चैनल ढूँढ़ने लगा।

कुत्ते से बात करते हुए

■ डॉ श्यामबाबू शर्मा

अल स्सुबह-स्सुबह
टहलते हुए
साथ टहलने लगा एक कुत्ता
वह हम आपकी तरह
बोल नहीं सकता था
और भी बहुत कुछ
जो वह हम आपकी तरह
कर पाने में नाकामयाब
मसलन
रंग बदलना
धोखा देना
नमक हरामी इत्यादि इत्यादि
उससे अंग्रेजी में पूछा
यस्स...हाउ आर यू?
अंग्रेजी में पूछना हड़कना
इस समय लाजिमी है
हिंदी अब मजदूर मजलूम की भाषा है
परजा की भाषा है
वह कुछ न बोला
ऐनी प्राब्लम?
फिर मौन
गहरा मौन
मैं अंग्रेजी में सवाल करता रहा
कुत्ता सुनता रहा
...याद आया
इनके नये इंतजामात का
नये बाड़ों में कैद करने
स्टेरिलाइजेशन के फरमान का
ओह! दैट्स व्हाइ यू आर साइलेंट
कुत्ते ने मौन तोड़ा
बड़ी जोर से भौंका
यकायक काटने को दौड़ा
मैंने पुचकारा
ह्वाट हैपेंड डियर
उसने दोनों टांगें उठाई
टहलते लोगों पर
गंभीर निगाह दौड़ाई
उनके क्रिया कलाप दिखाये
लोग एक दूसरे को पीछे करते
दौड़ते भागते
सियासतजदा
छोरों में जकड़े
हांफ रहे थे
बचने और जीने की ललक में
कुछ बेतहाशा भाग रहे थे
वह थककर बैठ गया
बचने भागने के योगासनों में
कुत्ता कई रूपों में
नमूदार हो रहा था
उसके इतने रूप
कि ख़त्म होने की इंतहा
थकावट को समझकर
उसे सहलाया
वह पास आया
मुस्कराया
फुसफुसाया
अपनी बढ़ती आबादी
रूपों और ताकत पर
इतराकर खिलखिलाया।

बारिश की बौछार

■ डॉ शैल चंद्रा

मैं बाजार जाने के लिए निकली ही थी कि बारिश शुरू हो गई। थोड़ी दूर पर ही मैंने अपनी स्कूटी रोक दी और डिक्की से रेन कोट निकालने लगी। तभी अचानक बिजली कड़कने लगी। बारिश और भी तेज हो गई।

मैंने रेनकोट वापस डिक्की में डाला और छतरी निकाल कर पास के दुकान में जाकर खड़ी हो गई। मेरे साथ ही वहाँ आस-पास पसरा लगाकर बेचने वाले लोग भी अपने पसरे पर पालीथीन बिछाकर पास के पक्के छत की दुकानों पर खड़े हो गए पर एक पसरे वाला लड़का अपने पसरे के पास पालीथीन बिछाकर उसे हाथ से दबाए वहीं खड़ा रहा।

मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ कि इतनी तेज बारिश में भी वह लड़का टस से मस नहीं हुआ। मुझसे रहा नहीं गया। मैं छतरी थामे उसके उसके पास पहुँची और कहा-अरे भई, इतनी बारिश में तुम यहाँ क्यों खड़े हो? देखो सभी पसरी वाले अपने सामान पर पालीथीन डालकर सूखे स्थान पर खड़े हैं। तुम भी चले जाओ।

उसने कहा, 'हाँ मेमसहब, उनका सामान पालीथीन में सुरक्षित रहेगा पर मैं इसे छोड़कर चला गया तो मुसीबत आ जायेगी।'

मैंने कहा, बेटे, इतनी बारिश में खड़े रहोगे तो तुम बीमार पड़ जाओगे।

उसने हँसते हुये कहा, 'मेमसाहब, मैं बीमार पड़ भी जाऊँ तो एक रूपये की बुखार की गोली से ठीक हो जाऊँगा। हमारी तो रोज की आदत है पर यह सामान खराब हो जायेगा तो महीने भर हमे भूखे रहना पड़ेगा फिर माँ की दवाई भी तो इसी से लानी है ।'

मैंने उसे कहा, चलो ठीक है। तुम यह छतरी रख लो मेरे पास रेन कोट है। अच्छा ये बताओ, आखिर इस पसरी में तुम क्या बेचते हो जो इतना मूल्यवान है ?

उसने मुस्कुराते हुये कहा, 'मेमसाहब, इसमें मेरी माँ के हाथों का बना हुआ मुरकु और सेवईयाँ हैं जिसे उन्होंने बड़ी मेहनत से बनाया है। आप ही बताइये भला मैं अपनी माँ की मेहनत पर कैसे पानी फेर सकता हूँ।' यह कहते हुए उसने छतरी को अपनी पसरी पर तान लिया।

हाना

दूबर ल दू आषाढ़

कमजोर परिस्थिति के मनखे बर जादा खर्चा बाढ़ जाथे। एक तो आषाढ़ म पानी जादा गिरथे ऊपर दू आषाढ़ पर जाथे तेकर बर ये हाना ल केहे जाथे।

शब्द अरथ

1. छंदइया- छानने वाला। फंसाने वाला, बांधने वाला
2. छदई - छानने, फंसाने या बांधने की क्रिया या भाव
3. छदउनी- छानने, फंसाने या बांधने का खर्चा या पारिश्रमिक
4. छंदना- छानने के लिए प्रयुक्त वस्तु फंसना, बंधना
5. छदनी- छदना
6. छंदल- छना हुआ,फंसा हुआ
7. छंदवइया- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने वाला
8. छदवई- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने की क्रिया या भाव
9. छदवउनी- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने का खर्चा या पारिश्रमिक
10. छदवा- छाना हुआ, शुद्ध किया हुआ, फंसा हुआ, बंधा हुआ।

छत्तीसगढ़ के तिहार ऊपर वार

छत्तीसगढ़ के तीजा तिहार ऊपर वार करइया ह श्रद्ध पोर्टल म तरकस के तीर लिखइया ह छत्तीसगढ़ के तीज त्यौहार ल अर्थहीन बताये हावय। ये ह ओखर छोटे सोच आये। ओला तब जानना ही चाही के हमर तीजा के का महत्व हावय। भारत म अइसना कोई प्रांत नइये जिंहा बेटी ल तीजा उपास रहे बर ससम्मान मायके बलाये जाते। चाहे ओखर उमर कुछु भी राहय। विधवा सधवा सब मायके जाथें काबर के ये उपास सात जनम बर रहे जाथे।

कारण ल भी निम्न मानसिकता के मनखे मन ल जानना जरुरी हावय। इंहां के दण्डकारण्य शिव के धरती आये। इंहा के मन शिव उपासक हावंय। इही धरती म कुंआरी पार्वती ह तपस्या करे रिहिस हे। इही धरती म तीजा के दिन शिवजी अवतरित होके पार्वती ल दर्शन दिस। ओखर ले शादी करे के मनोकामना ल पूरा करिस।

आदिकाल ले तीजा के महत्तम हावय। येमा छोटे- बड़े, गरीब अउ सम्पन्न कहां ले आगे। येला तो हर मनखे मनाथे। आज हमर छत्तीसगढ़ के तीजा ल मनाने वाला मन दिल्ली म अधिक ले अधिक संख्या म हावंय। उंहा फुलेरा बर पर्री अउ फूल माला बेचाथे। कुछ मन तो देखादेखी तीजा के उपास ल घलो शुरु कर दे हावंय। आज जइसे करवा चौथ छत्तीसगढ़ के गांव-गांव म गोड़ लमावत हावय वइसने हमर तीजा घलो बहुत राज्य म बगरत हावय।

'मंत्रालय म पुरुष मन काम करत रहिन हे तिहार असन नइ रहिस हे' त सब ल कान खोल के सुनना अउ जानना चाही के माई लोगन मन अपन-अपन मइके चल देथे। जेन मन काम करत हावंय उंखर घर म उंखर बहिनी-बेटी मन आये हावंय। जेन ह घर ले सम्हाल लेथे। तीन-तीन के तीजा ह बाहरी मन ला भारी परत हावय अउ छठ मनाना चाही काहत हावंय। छठ तो बिहार के तिहार हावय। आज छत्तीसगढ़ के भलमानस आये जेन इंहा उंखर बर घाट बनावत हावय अउ छुट्टी घोषित करे हावय। घाट के साफ सफाई करथे सरकार ह। तीजा बर कोन से घाट ल साफ करत हावय? ये सब ल सरकार ल भी सोचना चाही।

छुट्टी ल कमती करना चाही कहने वाला मन के राज्य के तिहार बर जेन छुट्टी शुरु करे गे हावय ओला सरकार ल बंद कर देना चाही। कइ राज्य के छुट्टी इंहा शुरु करे गे हावय येखर ले काम करे के समय ह घटत नइये का? ये सवाल उंखर बर आये जेन मन छत्तीसगढ़ म रहिके छत्तीसगढ़ के सरकार ले वेतन ले के छत्तीसगढ़ के तीजा तिहार अउ संस्कृति उपर मुंह चलावत हावय। इही मुंह ले तो छत्तीसगढ़ के चावल-दार ल खावत हें।

हम सब छत्तीसगढ़वासी ल हमर अनोखा तीजा तिहार, हमर भाषा, हमर पहनावा, हमर खानपान अउ परंपरा ऊपर बहुत गर्व हावय। भोजली तो दूसर राज्य म घलो मनाये जाथे। उत्तर भारत म तो बहुत धूमधाम ले मनाथे। गढ़वाल के मन इंहा हावंय ओ मन सुनावत रहिथे। हमर राज्य म विविधता हावय, एक दूसर के प्रति सम्मान हे। ये आक्षेप सहे नइ जा सकय। छत्तीसगढ़ के संस्कृति उपर लिखे के पहिली दस बेर सोचव।

सुधा वर्मा

लोक संगीत सम्राट : खुमान साव

दाऊ रामचंद्र देशमुख ह रेडियो म खुमान साव अउ ऊंकर कलाकार मन के गीत ल सुनिस त साव जी ल अपन गांव बघेरा बुलाइस। वो समय दाऊ जी ह छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार मन ल सकेल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उदिम करत रिहिस। चंदैनी गोंदा म साव जी ल अपन प्रतिभा देखाय के सुग्घर मौका मिलिस।

कोनो भी अंचल के संस्कृति वो क्षेत्र के पहिचान होथे। येमा वोकर आत्मा ह वास करथे। जब अपन संस्कृति ल जन मानस समाज ह कोनो मंच म प्रस्तुत के रूप म देखथे त ऊंकर हिरदे म गजब उछाह भर जाथे। हमर छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के अलगे पहिचान हे। येला जन जन तक बिखेरे म जउन महान कलाकार मन के हाथ हे। स्व. साव जी ह अपन साधना के बल म छत्तीसगढ़ी लोक संगीत ल खूब मांजिस. हमर लोक गीत ल पश्चिमी अउ फिल्मी संस्कृति ले बचा के माटी के खुशबू ल बिखेरिस। खुमान साव ह छत्तीसगढ़ के नामी कवि अउ गीतकार मन के गीत ल संगीतबद्ध कर के चंदैनी गोंदा के मंच म प्रस्तुति दिस।

छत्तीसगढ़ी लोक संगीत बर समर्पित खुमान साव के जनम 5 सितंबर 1929 म राजनांदगॉव के ग्राम खुर्सीटिकुल (डोंगरगॉव) म होय रिहिस. बाद म ठेकवा (सोमनी)म जाके बसगे. वोकर बाबू जी के नांव टीकमनाथ साव रिहिस. खुमान ल लोक गीत-संगीत के घर म सुग्घर वातावरण मिलिस काबर कि वोकर बाबू जी ह हारमोनियम बजाय. लइका खुमान ह घर म हारमोनियम बजाय म धियान लगाय. फेर वोहा रामायण मंडली म हारमोनियम बजाय ल शुरु करिस. खुमान ह नाचा के भीष्म पितामह स्व. मंदराजी दाऊ के मौसी के बेटा रिहिस .मंदरा जी दाऊ ह खुमान ल हारमोनियम बजाय बर प्रोत्साहित करे. खड़े साज म वोहा पहिली बार 13 साल के उमर म बसन्तपुर (राजनांदगॉव) के नाचा कलाकार मन सँग हारमोनियम बजइस। मंदरा जी दाऊ द्वारा संचालित रवेली नाचा पार्टी म वोहा 14 साल के उमर म सामिल होगे. साव जी नाचा म हारमोनियम म लोक धुन के सृजन कर छत्तीसगढ़ के माटी के महक ल बिखेरे के जब्बर काम करिस. साव जी ह बी. ए. तक शिक्षा प्राप्त करे रिहिन हे. वोहर म्युनिसीपल स्कूल राजनांदगॉव म शिक्षक रिहिन हे।

साव जी ह सन 1950-51 म राजनांदगॉव म आर्केस्टा पार्टी चलाइस. छत्तीसगढ़ के कतको शहर के सँगे -सँग महाराष्ट्र अउ मध्यप्रदेश म आर्केस्टा के प्रस्तुति दिस. धीरे से वोकर मन ह आर्केस्टा डहर ले उचट गे. 1952 म सरस्वती कला मंडल के गठन करिस। खुमान साव जी के प्रतिभा ल देख के दाऊ रामचंद्र देशमुख ह अब्बड़ प्रभावित होइस। 1952 म दाऊ रामचंद्र देशमुख के गांव पिनकापार (बालोद)म मंडई के समय म नाचा होइस. ये कार्यक्रम म देशमुख जी हा साव जी ल हारमोनियम बजाय बर बुलाइस.1953 म घलो अइसने होइस.ये कार्यक्रम के अइसे प्रभाव पड़िस कि रवेली अउ रिंगनी नाचा पार्टी के विलय होगे. काबर कि येमा रवेली अउ रिंगनी पार्टी के संचालक मन ल छोड़ के बाकी नामी कलाकार मन ह आमंत्रित होय रिहिन हे. लोक संगीत अउ कला डहर कुछ अलग काम करे के इच्छा के सेति वोहा 1960 म शिक्षक सांस्कृतिक मंडल के गठन करिस. येमा भैया लाल हेडाऊ, गिरिजा सिन्हा, रामनाथ सोनी जइसे बड़का कलाकार मन शामिल होइस।

९६वीं जयंती

साव जी ह सबले पहिली स्व. रामरतन सारथी के 3 गीत मोला मइके देखे के साध, सुनके मोर पठौनी परोसिन रोवन लागे, सोन के चिरइया बोले ल लयबद्ध करिस. 1971 म आकाशवाणी रायपुर म वोकर संगीत निर्देशन म गाना रिकार्ड होइस .भैया लाल हेड़ाऊ अउ दूसर कलाकार मन ह गीत गाइस।

दाऊ रामचंद्र देशमुख ह रेडियो म खुमान साव अउ ऊंकर कलाकार मन के गीत ल सुनिस त साव जी ल अपन गांव बघेरा बुलाइस. वो समय दाऊ जी ह छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार मन ल सकेल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उदिम करत रिहिस. साव जी ह दाऊ रामचंद्र देशमुख द्वारा स्थापित चंदैनी गोंदा म हारमोनियम वादक के रूप म जुड़गे. चंदैनी गोंदा म साव जी ल अपन प्रतिभा देखाय के सुग्घर मौका मिलिस. चन्दैनी गोंदा के प्रसिद्धी म संगीत पक्ष के गजब रोल रेहे हे. येकर श्रेय खुमान साव ल जाथे जउन ह अपन साधना के बल म नामी कवि /गीतकार लाला फूलचंद, द्वारिका प्रसाद तिवारी विप्र, रविशंकर शुक्ल, पवन दीवान, प्यारे लाल गुप्त, कोदू राम दलित, राम रतन सारथी, लक्ष्मण मस्तुरिया के गीत ल संगीतबद्ध करके चंदैनी गोंदा म प्रस्तुति दिस. साव जी ह मोर संग चलव रे..., धन धन मोर किसान, घानी मुनी घोर दे, छन्नर छन्नर पैरी बाजे, चिटिक अंजोरी निर्मल छइंहा, मोर धरती मइया जय होवय तोर, पता ले जा रे गाड़ी वाला, बखरी के तुमा नार बरोबर, मोर खेती खार रुमझुम जइसे कतको छत्तीसगढ़ी गीत ल संगीत दिस. ये गीत मन हा अब्बड़ लोकप्रिय होइस अउ आजो जनता के जुबान म बसे हे. छत्तीसगढ़ी लोकगीत गौरा गीत, सुवा गीत, बिहाव गीत, करमा ये मन ला लयबद्ध करे म ऊंकर गजब योगदान हवय।

लोक संगीत के ये महान कलाकार से मोर पहिली भेंट 17 मार्च 2002 म दिग्विजय स्टेडियम के सभागार म आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम म होय रिहिस.

दूसरइया भेंट मानस भवन दुर्ग मा आयोजित छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति के प्रांतीय अधिवेशन म होइस .इहां के एक संस्मरण बतावत हवँ. कार्यक्रम ह चालू नइ होय रिहिस. साहित्यकार /कलाकार मन के पहुंचना जारी रिहिस. नामी साहित्यकर दानेश्वर शर्मा जी, खुमान साव जी सहित पांच -छै साहित्यकार स्वागत द्वार के पास खड़े होके एक दूसर ला पयलगी /जय जोहार करत रेहेन. इही बीच एक नव जवान कवि ह अइस अउ साव जी ल नइ पहिचान पाइस. हमर मन ले वो नव जवान कवि ह पूछे लागिस कि ये सामने म खड़े हे वोहा कोन हरे. मेहा साव जी के परिचय बताय बर अपन जबान खोलत रेहेंव त साव जी ह मोला रोक दिस अउ ओकर से पूछिस कि पहिली तँय ह बता तैंहा कोन गांव के हरस. नव जवान सँगवारी ह बोलिस - मेहा बघेरा (दुर्ग) के रहवइया अंव।

साव जी ह बोलिस कि- तैंहा बघेरा के हरस तब तो मोला तोला जानेच ल पड़ही. अउ मोर नांव नइ बता पाबे त तोला मारहू किहिस च्. ये बात ल सुनके वो नव जवान ह सकपकागे!

वइसे मेहा साव जी के अख्खड़ स्वभाव ले परीचित रेहेन त देरी नइ करत वोला बतायेंव कि - यह महामानव चंदैनी गोंदा के संचालक आदरणीय खुमान साव जी हरे. अइसन सुनके वोहा तुरते साव जी ल पयलगी करिस. जे साव जी ह वोला मारहू केहे रिहिस वोहा वोकर मुड़ी म हाथ रखके आशीर्वाद प्रदान करिस. ये प्रसंग म हमन मुस्कात रहिगेन। फेर साव जी ह नम्र स्वभाव ले वोकर से किहिस कि - तैंहा बघेरा रहिथो केहेस तेकर सेति केहेंव कि मोला जाने ल पड़ही .फेर वो नव जवान ल पूछिस कि दाऊ रामचंद्र देशमुख जी ल जानथस ? श्री विश्वंभर यादव मरहा जी ल जानथस ? त वोहा किहिस कि हव दूनों ल जानथव।

साव जी ह बोलिस कि महू ह दाऊ रामचंद्र देशमुख जी के घर रिहर्सल मा आंव जी .तेकर सेति तोला केहेंव रे बाबू कि मोला तोला जाने ल पड़ही।

ये घटना ले पता चलथे कि साव जी ह नारियल जइसे ऊपर ले कठोर जरूर दिखय पर अंदर ले गजब नरम स्वभाव के रिहिस।

साव जी ह हमर साकेत साहित्य परिषद् सुरगी जिला राजनांदगॉव के वार्षिक समारोह म चार बेर पहुंचिस। 2012 म करेला (खैरागढ़) भवानी मंदिर मा आयोजित कार्यक्रम म, 2013 म सुरगी के पंचायत भवन म, 2015 म सुरगी के कर्मा भवन म अउ 2016 म सुरगी शनिवार बाजार चौक के मुख्य मंच मा आयोजित कार्यक्रम म पहुंच के हमन ल कृतार्थ करिस। 2015 म खुमान साव जी ह साकेत सम्मान स्वीकार कर हमन ल गौरवान्वित कर दिस। वर्ष 2016 म 87 साल के साव जी के चयन संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार -2015 बर चयनित होय के खुशी म साकेत साहित्य परिषद् सुरगी द्वारा नागरिक अभिनंदन करे गिस।

2015 अउ 2016 म सम्मानित होय के बेरा म साव जी ह किहिस कि -मोला जनता से जउन सम्मान मिलथे उही मोर बर सबले बड़का सम्मान हरे। आज तक मेहा राज्य सम्मान अउ पद्म श्री बर आवेदन नइ करे हवं न अवइया बेरा म करव! हां शासन ह खुद मोला सम्मान देना चाहत हे त दे सकथे। छत्तीसगढ़ के लाखो जनता के प्रेम ह मोर बर सबसे बड़े पुरस्कार हरे।

हमर छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के अइसन महान कलाकार ह 9 जून 2019 के दिन 89 साल के उमर म ये दुनियां ल छोड़ के स्वर्गवासी होगे।

ओमप्रकाश साहू 'अंकुर'
सुरगी, राजनांदगांव

चेंदरू- 17

बिहान भर ले रोज अपन महतारी संग चेंदरू हा जंगल जाय बर शुरू कर दिस। चितवा हा उंकर उपर हमला करे बर मौका ताकत रहय। चेंदरू ल देख, झुंझकुर म दबे पांव रेंगय।

14-15 बछर के चेंदरू के हाथ के फरसा के आकार बाढ़ चुके रहय। ओहा बहुत सतर्क रहय। ओकर जंगली संगवारी मन अपन आवाज ले घेरी बेरी आफत आय के हुद करावत रहय।

एक दिन के बात आय। चेंदरू के महतारी हा आमा बीने बर जइसे निहरिस तइसने चितवा हा कुद दिस। अचानक हमला बर महतारी हा तैयार नी रिहिस। चेंदरू के फरसा चल गिस। न केवल चलिस बल्कि सीधा ओकर घेंच ला अल्लग काटत निकलगे। चितवा हा उही तिर प्राण त्याग दिस।

सरी घटना ला सपट के बघवा-बघनिन देखत रहय। सरी दृश्य देख मुंह ला फार दिन। उनला अब अपन जान बचाये के फिकर धर लिस। उनला चेंदरू ले भय होगे। धरा-रपटी भागिन। माड़ा म जा के बिचार करे लगिन के काय करे जाय? कोलिहा ला बलावा भेजिन। कोलिहा अइस तहन ओकर संग बिचार विमर्श चले लगिस। अब यहू मन चेंदरू ला अपन संगवारी बनाये के सोंचिन।

दूसर दिन बघवा हा चेंदरू ला संगवारी बनाये बर ओकर आये के अगोरा करे लगिस। चेंदरू हा रोज कस अइस। चेंदरू हा जइसे अइस बघवा हा आगू पीछू रेंगत घेरी-बेरी पूछी हलाये लगिस। चेंदरू ह बघवा के पूछी ल धरय अऊ अंइठे। बघवा ला घला मजा आय।

कुछ महिना म चेंदरू हा ओकर पूछी ला छुअत-छुअत पीठ अऊ मुंह तक अमरगे। अब ओकर माथ म हाथ मढहा देवय तभो बघवा हा कुछु नइ करय बल्कि अऊ अपन देंहे ला चेंदरू के देंहे म ओधाये बर धरय। दुनों के बीच मितानी के अध्याय शुरू होगे। बघवा अऊ चेंदरू हा नरुवा म दोस्ताना कुश्ती खेलत पटकी-पटका होय।

अब जंगल के हरेक जानवर मन संग चेंदरू के मितानी हो चुके रहय। फेर बघवा ह ओकर तिर म रहय तेकर सेती ओकर मेर कोन्हो दूसर जानवर मन आय के हिम्मत नी करय। कुछ दिन म चेंदरू ह जंगल के राजा बघवा के पक्का संगवारी बन गिस। दुनों एक दूसर के बात ला इशारा म समझे लगिन। चेंदरू हा बघवा ल इंहा के जंगली जानवर मनला शिकार करे ले रोके छेंके लगिस। बघवा हा चेंदरू ला अपन ले जादा ताकतवर समझय तेकर सेती ओकर इशारा ला माने बर धरलिस। कुछ दिन म चेंदरू के मन से जंगली जानवर के डर बिल्कुलेच खतम हो गिस। बघवा हा चेंदरू के आये के रोज अगोरा करय । चेंदरू हा बघवा के पीठ म बइठके जंगल ला किंजर डरय।

एक दिन चेंदरू ला जंगल ले लहुटे बर मुंधियार होगे। ददा घर म नी रिहिस। महतारी के मन म फिकर हमागे। ओहा चेंदरू के संगवारी मन संग खोजे बर निकलिस। रस्ता म चेंदरू ला आवत देखिन थोकिन तिर म गिन त ओमन ला चेंदरू के संग म रेंगत बघवा दिख गिस। ओमन डेर्रा गिन अऊ बघवा हा चेंदरू ला नकसान झन पहुंचाय सोंच के धनुष काड़ तान दिन।

चेंदरू समझ गिस अऊ बघवा के घेंच ला धरके तुरते अपन तिर ओधा लिस। ओकर दाई ला लगिस के बघवा हा चेंदरू ला धर लेहे ओमन डर के मारे चिचियाये लगिन। गांव के कुछ मन अपन-अपन हथियार धर के उही तिर सकला के बघवा ला चारों मुड़ा ले घेर लिन।

चेंदरू हा बघवा ल बचाय बर ओकर पीठ म बइठगे अऊ जम्मो झन ला बताये लगिस के बघवा हा ओकर संगवारी आय। मुंधियार होगे हे तेकर सेती छोंड़े बर आय हे। कोन्हो ला कुछु नइ करय। अपन-अपन हथियार ला तरी म राखव अऊ येला वापिस जंगल म जाये बर जगा देवव।

जम्मो झिन एक कोति घुच दिन । बघवा हा कलेचुप मुड़ी नवाके चल दिस अऊ जाके बघनिन अऊ अपन पिला मनला चेंदरू के सेती आज ओकर जीव बांचिस कहिके बताये लगिस। चेंदरू के साहस के चर्चा न केवल घर म बल्कि जंगल म तको होय लगिस।

हरिशंकर गजानंद देवांगन,
छुरा

कमेलहिन बेटी

नान्हे कहिनी

राधा के एक झन बेटी जेकर नांव परेमिन रिहिस,परेमिन के जनम होईस उहि बेखत, परेमिन के बाबूजी के रोड एक्सीडेंट म इंतकाल होगे, परेमिन अपन बाबूजी ल जनम होय के बाद बने असन देखे चिन्हे नि रिहिस, उही बेखत नानेच कुन एक साल के लगभग होगे रिहिस। राधा के गोसईया के गुजरे के बाद, राधा अउ परेमिन दूनो महतारी-बेटी संघरा दूनो झन राहय।

राधा मन गरीब परिवार ले गुजर-बसर करत अलवा-जलवा रुक्खा-सुक्खा जीवन यापन करय। धीरे-धीरे परेमिन बाढ़त गिस, पांच बछर के होईस तहां, राधा ह ओला पढ़े-लिखे बर गांव के इस्कूल म भेजे लगिस, तब तक परेमिन कुछू जाने सुने के लइक होगे राहय। राधा ह रोजी मंजूरी करे बर आन गांव के ईटां भट्ठा म काम करे बर जावय अउ काम कर करके अपन जीवन यापन ल करय।

परेमिन पांचवीं कक्षा तक पढ़हिस ताहन,अपन दाई राधा संग काम करे बर जाय ल धर लीस, परेमिन बिकट कमेलहिन राहय काम बुता ल मार हर्रस-हर्रस कमाय। परेमिन पहट बिहनिया सुत उठ के गली-खोर, दुवार-अंगना कोठा कुरिया ल खरर खरर बहार के,गोबर कचरा फेंक डरय अउ कुआं ले हउंला-हउंला पानी लान के गोबर-पानी म,चुल्हा, परछी,डेराउंठी,ल लीप पोतके चुल्हा चौंका फूंक डरय अउ उत्ता-धुर्रा भात-साग रांध गढ़ अउ जोर जंगार के अपन दाई संग ईंटा भट्ठा म काम करे ल चल देवय।

दिन भर काम करय, संझा-मुंदिहार बरदी ओईले के बेरा म काम करके घर वापिस लहुंटे। घर आ के हरर हरर कुआं ले पानी लान के, हाथ गोड़ धोके, बर्तन भाड़ा के मंजई-धोवई म लग जाय, गाय गरुवा मन दईहान ले चर चुरा के आतिस ताहन, कोठा कुरिया गेरुवा म बांध के चारा पैरा देतिस अउ तुलसी चौरा,कोठा कुरिया, देवता घर म दिया-बाती, अगरबत्ती जलातिस पूजा पाठ करतिस। ताहन फेर रांधे-गढ़े बर लकड़ी छेना चूल्हा फूंकय, झटकुन भात-साग रांध के, संझकेरहा खा-पी डारय,अउ जुठा थारी बर्तन,कढ़ई गंजी ल धो मांज के, फुर्सत हो जावय।

परेमिन ह तो अब्बढ़ कमेलहिन के संगे संग गुणकारी संस्कारी राहय, परेमिन ल पारा परोस के मन लुगरा चेंदरी कपड़ा कथरी चटई सिलवाय बर देवय अउ रात-रात के ग्यारह-बारह बजत ले सुजी सुत म सिलई करय। अइसने हर दिन सिलई के काम ल रात-रात म सिलय, उहि सिले तेमा दू चार पइसा के मेहनताना मिल जाय, जेमा दार-चउंर, साग-भाजी के खरचा निकल जाय।

परेमिन के काम ल देख के आरा-परोस के मनखे माईलोगिन मन परेमिन के दाई राधा ल कहय-

तोर बेटी परेमिन ह अब्बढ़ कमेलहिन हे वो राधा,जइसने ओकर बाबू ह कमेलहा काम बुता म ओड़ा ल दे दे राहय ओसने ए तोर बेटी परेमिन ह हे, डिक्टो अपन बाबू असन हे वो!

- सोनु नेताम 'माया'
रुद्री नवागांव धमतरी

गजानंद स्वामी

रिद्धि-सिद्धि के तै स्वामी, तोरेच गुन ल गावत हंव।
सजे सिंहासन आके बइठो,पंवरी म माथ नवावंत हंव।।

हे गणपति, गणनायक स्वामी, महिमा तोर बड़ भारी हे।
माथ म मोर मुकुट सजत हे, मुसवा तोर सवारी हे ।।

संझा बिहिनिया करवं आरती,लड़ुवन भोग लगावंत हंव।

सजे सिहासन आके बइठो,पंवरी म माथ नवावंत हंव।।

माता हवय तोर पारबती अउ पिता हवय बम भोला।
दिन दुखियन के लाज रखौ, बिनती करत हंव तोला।।

पान-फूल अउ नरियर भेला, मै हर तोला चघावंत हंव।
सजे सिहासन आके बइठो,पंवरी म माथ नवावंत हंव।।

अंधरा ल अंखियन देथस अउ बांझन ल पुत देवइयां।
बल,बुद्धि के तैं हर दाता, सबके बिगड़े काम बनइया।।

हे गणराज, गजानंद स्वामी मैं हर तोला मनावंत हव।
सजे सिहासन आके बइठो,पंवरी म माथ नवावंत हवं।।

-प्रीतम कुमार साहू,गुरुजी ग्राम- लिमतरा,धमतरी

अतलंग के सजा

कहिनी

कइसे वो कहां जाए के तैयारी करत हस; मोटरा मन ल गठियात हस?

चिटरू मुसवा ह अपन बाई टीनी मुसवी ले पूछिस।

टीनी अपन माथा धर के तेज आवाज म बोलिस-अरे...राम राम! कइसे बात करत हव जी आप मन; नइ जानव का गणेश पक्ष आवत हे? अब ग्यारह दिन तक उहें उसर-पुसर के रहना-बसना, खाना हे, प्रभु के सेवा म गाना-बजाना हे। अब तो हमरे राज चलही। पूछी ल हलावत टीनी बोलिस।

अच्छा...ठीक... ठीक मैं भुलागे रहेंव बाई! सोचत रहेंव के काहीं भुलाए-भुलाए कस लागत हे। फेर का हे ते सुरता नइ आवत रीहिस।

टीनी एक हाथ ल कनिहा म रखत बोलिस-तोर तो चेत नइ रहय जी आजकल; जइसे-जइसे उमर बाढ़त जात हे, दिमाग घलो कमती होत जात हे तइसे लागत हे। अंखियात टान्ट मारत टीनी ह बोलिस।

ये बाई! सुन न मैं तोला कुछ नइ बोलव ओखर मतलब मोर बेज्जती करबे का? अंगरी देखावत चिटरू बोलिस। लगभग आधा घंटा तक मुसवा-मुसवी के लड़ाई चलिस।

चलो रे.. लइकामन सबोझन झोला म अपन-अपन कपड़ा लत्ता ल धरौ। आधा दर्जन तो लइका रहय चिटरू के। एक झन लइका पूछिस-दाई...ये दाई, हमन कोन गाव जावत हन वो?

ऐदे बेटा; थोरिक दुरिहा हे रे ! अमलीडीही उहें जोरदार गणेश उत्सव मनाथें। ग्यारह दिन भंडारा करथे लोगनमन। टीनी बोलिस।

त दाई! अब्बड़ मजा आही न खाय मा? सब ले छोटे टूरा टिच्च ले कूद के बोलिस।

हव...हव। सब के सब मोटरा धर के रेंगत खुशी-खुशी अमलीडीही पहुंचगें। कतका बड़े शहर हे दाई! मैं कभू ऊंहा जा के खाहूं, त कभू ऊंहा। छोटे मुसवा कहिस।

हाँ, तहान गवां जाबे न त दांत ल खिसोर देबे। चुपचाप सब के सब एक संघरा रहिबो, अलग-थलग नहीं।

वाह..! कतका सुग्घर पंडाल सजे हे। टीनी, चिटरू ल कोचक के बोलिस।

हाव बाई; देख के चिटरू के आंखी चकचकागे।

छोटे टूरा बोलिस-दाई! ये कोन हरै वो, एकर सूंड़ कतका लंबा हे, कान घलो?

अरे बेटा इही तो हमर प्रभु हरे रे..। मुसवी बताइस।

बड़का टूरा उचक के बोलथे- बाबू..बाबू वहा दे एक झन हमरे असन मुसवा पहिली ले आगे हवै। फेर वो हा हालत-डोलत काबर नइ हे? ओला बड़े मुसवा ह छू छू के हला के देखै; कभू ओखर पीठ म चढ़ जावै, कभू पूछी ल धर के हलावै, फेर काला हालही-डोलही।

उतर रे उतर, कोन हरय रे भारी गरु हे! माटी के मुसवा बोलिस। मैं प्रभु के साथ आय हॅव। दाई ह हाँसत बताइस- ये हमरे जाति के हरै बेटा, ये माटी के हरै।

त दाई माटी के मुसवा ल काबर रखे हे वो? हमन के कमी हे का?

हाव दाई मोला बइठा देतीस। बड़कू ह बोलिस।

तुमन ल बइठारे के का जरूरत, अब आय हव त 'सेवा करो मेवा खाव।'

सब ले पहिली नजर तो भोग लगे किसम-किसम के मेवा मिठाई म परिस।

जइसे ही चिटरू के मंझला टूरा लड्डू ल उठइयाच रीहिस, ओकर दाई चट ले चेथी कोती दिस।

अरे टूरा... ! पहिली प्रभु के दर्शन कर के हाजरी तो देवा रे। आते साथ खाय ल भिड़गेस। एकदम अपन ददा ऊपरगे हस।

टीनी के बोलते साथ चिटरू बग ले बाई कोती देख के बोलथे-ए वो ये का बोलेस?

लड्डू ल देख के कुर्ता म मोर लार ह टपकिस का?

हे प्रभु! मोर चिटरू अउ ये आधा दर्जन मोर लइका मन ल बने आशीर्वाद दे प्रभु; तोर सेवा करे बर आय हन माई-पिला। टीनी मुसवी हाथ जोड़ के प्रभु के चरण म घोलंड के पांव परिस। चलौ रे सब के सब दंडाशरण पांव परो लम्बोदर भगवान के। प्रभु ह मुस्का के आशीर्वाद दिस।

सब बने बने चलत रीहिस। फेर एक दिन एक झन मनखे, जेन गणेश पंडाल म रहय तेन आकप करत अपन संगवारी ल बोलिस।

भाई मैं कुछ दिन होगे देखत हंव, रोज कुछ न कुछ गायब होवत हे। कभू लड्डू, मिठाई, माला त कभू दूध ह गंवाय रहिथे, मैं भोरहा म हंव कि का समझ नइ आवत हे।

दूसर मनखे के खुशी के ठिकाना नइ रहिगे। वा तोला का होगे बइहा?

अरे भाई, साक्षात हमर प्रभु गणेश जी ह तो रातकुन निकल के नइ खात होही?

अरे यार! तहुं ह कोन भरम म जीयत हस। चल मान लेथों गणेश जी खावत होही; फेर सब के सब प्रसाद ल थोड़ी खा दीही यार अउ एक घंटा म भोग गायब हो जाथे। जरूर मुसवा खुसरे होही। काबर के देख न यार रोज कुछ न कुछ नुकसान होवत हे हमर।

एक दिन आरती होते साथ सबो प्रसाद ल मनखे मन म बांट दिस। अउ रातकुन कुछ नइ राखिस। आधा रात होते साथ सब के सब मुसवा मन माई-पिल्ला निकलिन। देखथे आज ठनठन गोपाल हे रे... कुछु नइ हे खाय बर। मुसवा मन म खलबली मचगे। भूख के मारे जीव पोट-पोट करत राहय लइकामन के।

दाई भूख लागत हे वो...। हव बेटा आज कइसे कुछु नइ राखे हे रे?

टीनी मुसवी ह गारी देवत चिटरू ल बोलथे-तभे तोला बोले रेहेंव, रोज थोड़ा-थोड़ा बचा दे कर करके, सब्बो ल खा डरथो तुमन ह तो। तभे माटी के मुसवा बोलिस-अब तुमन ल कुछु नइ मिलने वाला, बोरिया बिस्तर बांधौ अउ रेंगव।

ये माटी के मुसवा! चुप रहा मुंह बंद कर, हमन ल कोनो नइ भगा सकै; समझे। चिटरू आंखीं देखावत बोलिस। चिटरू अउ टीनी के घमंड दिनों-दिन बाढ़त जात रहय।

सबो झन के आतंक अब्बड़ बाढ़गे रहै, बहुतेच नुकसान करैं। कभू लाईट के तार ल कुतर दै, कभू गणेश भगवान के माला के गिरा दै। बड़ नुकसान के सामना करना परत रीहिस मनखे मन ल। ऐती मुसवा मन म मजा आवत रहय।

गणेश भगवान चेतावनी घलो दे रिहिस, फेर नइ मानिन।

दूसर दिन बिहनिया मुसवा मन लरघाय परे रहै। जइसे ही आरती के घंटी बाजिस; सब के जीव म जीव आइस। हाय! अब खाय बर मिलही।

आज तो अब्बड़ अकन मोदक हे भाई! छोटे मुसवा पिला ल रहे नि गिस। देखते ही मोदक ऊपर झपट्टा मार दिस। सब के सब भक्त मन देख के हँसे ल लग गे, गणेश जी प्रगट होगे कहि के। हमरे राज हरय करके अप्पत बाढ़गे रहै। कम से कम ग्यारह दिन तक तो कोनो हाथ नइ लगा सकै रे हमन ल, जतना उधम करना हे करौ। चिटरू अपन छाती चौड़ा कर के बोलत रीहिस। तभे माटी के मुसवा हाँस दिस।

थोरिक देर बाद पंडाल के एक झन मनखे ह सपट के देखत रीहिस; अब तो एकर मन के कचूमर निकालना ही पड़ही।

जइसे ही चिटरू मोदक लेगे बर आइस, मनखे ह बाहरी के मुठिया म फेंक के दे मारिस। कांय-कांय करत चिटरू बिला म खुसरगे।

अइइ! का होगे जी का होगे? टीनी, चिटरू ल कल्हरत देखिस त ओहर आग बबूला होगे। काकर हिम्मत रे मोर चिटरू ल मारे के? बोलत चिटरू ल पोटार लिस। मुसवा पिला मन सपट गें।

टीनी अपन बड़े टूरा ल बोलिस-जा बेटा प्रभु के तिरन कुछ लगाए बर दवई-बूटी होही त लानबे। तब तक ले मुसवी तेल ल चिटरू के पीठ म लगावत रहय। कलेचुप बड़े टूरा आधा डर आधा बल म जात रीहिस; जइसे ही बिला ले निकलिस, मनखे ह फेर बाहरी ल धर के मारिस; नाक ह छोलागे मुसवा के। रोवत-रोवत फेर बिला म खुसरगे।

मंय नइ जांव दाई, अब्बड़ मारथे वो; आज तो हमर परान नइ बांचै, मोर नाक छोला गे दाई।

का समझथे अपन आप ल ये मनखे मन ह? पंडाल म माटी के मुसवा ल बइठार के पूजा-पाठ, भोग लगा के मेवा खवावत हे। नइ खावत हे त जबरन मुंह म घुसावत हे। हमन का बिगाड़े हन? इहां जीयत जागत हवन त देख के कुदावत हे। का इही हरे मनखे मन के असली सेवा?

आधा रात के, जब मनखे मन सुतगें तब टीनी मन माई पिल्ला जा के प्रभु के सामने हाथ जोड़ रोवत सवाल म सवाल करत रीहिन। आज बता प्रभु! मनखे मन जीयत के इज्जत नइ करैं; मार भगाथें। प्रभु हमन ले का गलती होगे ते हमन ल भगावत हे। सुसक-सुसक के बोलत रीहिन।

गणेश भगवान बोलिस-मनखे के एमा कोनो गलती नइ हे।

मुसवी-मुसवा एक दूसर के मुंह ल बोक-बोक देखन लगगे। प्रभु ह का बोलत हे कहि के।

काबर कि मैं तुमन ल पहिली चेतावनी दे रहेंव; चुपचाप रइहू, ज्यादा नुकसान झन करहू, फेर तुमन के कान म जुआं तक नइ रेंगिस। तुमन ल देख के तुंहर पिला मन घलो करत हें; दाई ददा के रद्दा म रेंगबे करहीं।

कतका भक्ति -भाव हृदय ले मोर सेवा करत मनखे मन के तो तुमन अब्बड़ नुकसान पहुंचाय हो, ओकर सजा मिलिस तुम सब ल। तुमन ल बहुत घमंड होगे रहय, कोनो कुछु नइ कर सकै कर के।

चिटरू अउ ओकर बाई के घमंड चूर-चूर होगे। हमन ल माफ कर दो प्रभु! सब के सब माफी मांगत बोरिया-बिस्तर धर के निकलगे।

प्रिया देवांगन 'प्रियू'

आधुनिक स्लैंग से परिचित हैं रूसी राष्ट्रपति पुतिन : दिमित्री पेसकोव

व्लादिवोस्तोक, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। व्लादिवोस्तोक में आयोजित 10वें पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ-2025) के मौके पर क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आधुनिक स्लैंग से परिचित हैं। प्रमुख रूसी दैनिक इजवेस्टिया ने पेस्कोव के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति का एक परिवार है, उनके ग्रैंड चिल्ड्रेन हैं। जाहिर है, आधुनिक उपसंस्कृति की अभिव्यक्तियों को वो नजरअंदाज नहीं कर सकते। जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या आधिकारिक बैठकों में आधुनिक स्लैंग का इस्तेमाल होता है, तो पेस्कोव ने बताया कि रोजमर्रा की जिंदगी में, रूसी नेता अभी भी खुद को अलग तरह से व्यक्त करते हैं और कामकाज के दौरान युवा स्लैंग अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल नहीं करते।

एससीओ सम्मेलन में भारत-रूस व चीन की नजदीकियों के बाद राष्ट्रपति ट्रंप का तेवर हुआ नरम, कहा

भारत-अमेरिका के बीच एक विशेष संबंध, चिंता की बात नहीं

वाशिंगटन, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद पिछले कुछ समय से दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण है। रूस से तेल खरीदने से नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति ने

■ टैरिफ पर मचे 'घमासान' के बीच ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया महान

भारत पर दबाव बनाने के लिए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी थी। इसके बाद एससीओ के सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की एक फोटो शेयर कर कहा था कि लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद करता हूं कि उनकी साझेदारी लंबी और समृद्ध हो।

हालांकि एससीओ सम्मेलन में भारत और चीन की नजदीकियों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति के तेवर थोड़े नरम दिखाई दे रहे हैं। ऐसा माना जा रहा था कि ट्रंप के भारत पर लगाए टैरिफ से दोनों देशों की दोस्ती पर बुरा असर पड़ सकता है, लेकिन अब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हमेशा दोस्त बने रहने की बात

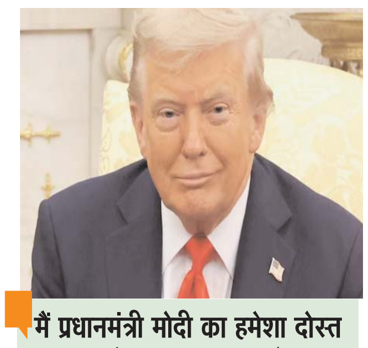

मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा दोस्त रहूंगा, मुझे इस समय वह जो कर रहे हैं, वो पसंद नहीं है। हमारे बीच कभी-कभी कुछ ऐसे पल आ जाते हैं : डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति अमेरिका

कही। दरअसल व्हाइट हाउस में ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी को महान प्रधानमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा दोस्त रहूंगा। हालांकि राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि मुझे इस समय वह जो कर रहे हैं, वो पसंद नहीं है। भारत और अमेरिका के बीच एक विशेष संबंध है और चिंता की कोई बात नहीं है। हमारे बीच कभी-कभी कुछ ऐसे पल आ जाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप की ओर से प्रशंसा पर जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रशंसा किए जाने पर आभार व्यक्त किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी को 'महान प्रधानमंत्री' कहा। इस पर शनिवार को प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति की भावनाओं और उनके संबंधों के 'सकारात्मक आकलन' की गहराई से सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं और उनका पूर्ण समर्थन करते हैं। भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक व वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप खुलकर प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते नजर आए। भारत-अमेरिका के बीच संबंधों को 'बेहद खास' बताते हुए ट्रंप ने कहा कि वह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं हमेशा पीएम नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा। वे एक महान प्रधानमंत्री हैं। मैं हमेशा दोस्त रहूंगा, लेकिन मुझे इस समय वे जो कर रहे हैं, वह पसंद नहीं है।

भारत को खोने का जोखिम उठा रहा अमेरिका : ग्लेसर

वाशिंगटन। जर्मन मार्शल फंड नाम के थिंक-टैंक में इंडो-पैसिफिक प्रोग्राम की मैनेजिंग डायरेक्टर बोनी ग्लेसर ने चेतावनी दी है कि अमेरिका की मौजूदा रणनीति, जिसमें वह भारत को उसकी विदेश नीति के फैसलों के बारे में खुले तौर पर निर्देश दे रहा है, इससे मनचाहे नतीजे मिलने की संभावना नहीं है। ग्लेसर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन यह मानता नजर आता है कि भारत को अमेरिका की ज्यादा जरूरत है, जबकि अमेरिका को भारत की उतनी जरूरत नहीं है। बोनी ग्लेसर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन यह सोचता प्रतीत होता है कि भारत, अमेरिका के साथ अपने रिश्तों को प्राथमिकता देगा। ग्लेसर ने अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के बयानों पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने भारत से ब्रिक्स का हिस्सा न बनने की मांग सहित कुछ पूर्व शर्तें रखी थीं। ग्लेसर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के कुछ अधिकारी रणनीतिक रूप से सोचते हैं, मुझे लगता है कि लुटनिक उनमें से एक हैं। पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले कई वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी कुछ ही महीनों में द्विपक्षीय संबंधों में आई गिरावट से हैरान और दुखी हैं। शुक्रवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और कहा कि ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया।

सुडोकू 7027

4		7		6				
			4				1	9
1	2							6
			7	8				
7	8		5		2		6	3
				4	3			
2							9	8
5	9				7			
				3		6		7

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 7 सितम्बर, 2025 भादो शुक्ल पक्ष 15

राशिफल

मेष - आज का दिन आप सामाजिक कार्यों और मित्रों के साथ व्यतीत करेंगे। मित्र मंडली में नए मित्र जुड़ेंगे। मित्रों के पीछे धन खर्च होगा। बुजुर्गों से लाभ होगा और उनका सहयोग मिलेगा। आकस्मिक धन लाभ से मानसिक प्रसन्नता होगी।

वृषभ - नौकरी में पदोन्नति के समाचार मिलेंगे। अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। सरकारी निर्णय आपके पक्ष में आने से लाभ होगा। गृहस्थजीवन में सुख-शांति रहेगा। नए कामों का आयोजन हाथ में लेंगे। अधूरे काम पूरे कर सकेंगे।

मिथुन - आज आपको थोड़ी-सी प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ेगा। शरीर में ताजगी का अभाव रहेगा। परिणामस्वरूप निर्धारित काम पूरे नहीं होंगे। मानसिक चिंता से थकान का अनुभव होगा।

कर्क - आज के दिन आप पर नकारात्मकता हावी रहेगी। क्रोध की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य संबंधी शिकायत रहेगी। अनैतिक काम और चोरी जैसे विचारों पर संयम रखें, अन्यथा अनिष्ट हो सकता है। आज वाणी पर संयम रखें।

सिंह - आज दांपत्यजीवन में मामूली बात पर जीवनसाथी से मनमुटाव होने की आशंका बनी रहेगी। पति- पत्नी दोनों में से किसी एक का स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है। व्यापारी भागीदारों के साथ धैर्य से चर्चा करें।

कन्या - आज आपको सभी मामले में अनुकूलता का अनुभव होगा। घर में सुख-शांति स्थापित होगी, इससे मन प्रसन्न रहेगा। सुखप्रद घटनाएं घटेंगी। स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला - बौद्धिक चर्चा जोरों पर रहेंगी। आपकी कल्पना और सृजनशक्ति की प्रगति से संतोष का अनुभव होगा। व्यर्थ वाद-विवाद या चर्चा में न पड़ें। स्वास्थ्य के मामले में पाचनतंत्र से संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

वृश्चिक - मानसिक और शारीरिक अस्वस्थता का अनुभव होगा। बुजुर्गों के साथ अनबन होने की घटना आपके मन को व्यथित करेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक नुकसान और सार्वजनिक जीवन में मानहानि होगी।

धनु - आध्यात्म की तरफ आपका विशेष आकर्षण रहेगा। नए काम की शुरुआत के लिए शुभ समय है। मित्रों और सगे- संबंधियों के आगमन से घर में प्रसन्नता रहेगी। हाथ में लिए हुए काम सफलतापूर्वक पूरे होंगे। यात्रा होगी।

मकर - आपको वाणी और व्यवहार में संयम रखने की सलाह दी जाती है। परिजनों के साथ मनमुटाव न हो, इसका ध्यान रखें। शेयर- सट्टे में पूंजी निवेश का आयोजन करेंगे। आर्थिक लाभ होगा। स्वास्थ्य संबंधी कुछ शिकायत रहेगी।

कुंभ - आज शारीरिक मानसिक रूप से आपका दिन प्रफुल्लित रहेगा। सगे- संबंधियों तथा मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के साथ घर में उत्सव का वातावरण रहेगा। सुरुचिपूर्ण भोजन का आनंद लेंगे।

मीन - आर्थिक आयोजन और पूंजी निवेश के समय खूब ध्यान रखें। एकाग्रता कम और बेचैनी अनुभव करेंगे। धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च होगा। मित्रों तथा स्वजनों के साथ मतभेद खड़े होंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

इमर्जिंग फिनाकेयर का नि:शुल्क वेल्थ चेक-अप कैम्प

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। जैसे हम सभी अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए सालाना हेल्थ चेक-अप कराते हैं, वैसे ही हमारी आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करना भी उतना ही आवश्यक है। आज की बदलती आर्थिक परिस्थितियों में वित्तीय योजना अब विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता बन गई है। इसी जागरूकता को बढ़ाने के लिए इमर्जिंग फिनाकेयर ने पहल करते हुए लोगों को फाइनेंशियल कुंडली उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है - वह भी बिल्कुल मुफ्त। यह कुंडली एक व्यक्तिगत वित्तीय रिपोर्ट है, जो व्यक्ति को उनके भविष्य के आर्थिक मार्गदर्शन में सहायता करेगी।

इसी उद्देश्य से फिनाकेयर द्वारा एक सप्ताह का नि:शुल्क वेल्थ चेक-अप कैम्प आयोजित किया जा रहा है। इस कैंप में आम जनता अपने वर्तमान आर्थिक हालात, निवेश, देनदारियां और भविष्य की आवश्यकताओं का विश्लेषण करवा सकती है। इससे लोग अपनी वित्तीय खामियों को पहचानकर समय रहते अपनी रणनीति में सुधार कर पाएंगे। हेमंत सिंह और प्रमोद चौधरी के नेतृत्व में संचालित इमर्जिंग

फिनाकेयर से 6 भिलाई, प्रमाणित वित्तीय सलाहकारों की एक भरोसेमंद टीम है, जो वर्षों से लोगों को निवेश और धन प्रबंधन में सही मार्गदर्शन देती आ रही है। उनकी फाइनेंशियल कुंडली की अवधारणा जीवन के रोडमैप की तरह है, जो आय, बचत, जोखिम और दीर्घकालिक लक्ष्यों की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती है। इसके साथ ही फिनाकेयर सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए वरिष्ठ नागरिकों और पुलिस एवं डॉक्टर व संपूर्ण चिकित्सा विभाग के सदस्यों का आयकर रिटर्न नि:शुल्क दाखिल करता है।

फिनाकेयर के निदेशकों का मानना है कि नियमित वित्तीय जांच से व्यक्ति न केवल भविष्य की अनिश्चितताओं से तैयार रहता है, बल्कि अपने सपनों को भी साकार करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ता है।

हंगरी ने रूसी तेल खरीद का किया बचाव

बुडापेस्ट, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। रूस से तेल खरीद को लेकर हंगरी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश और व्यापार मंत्री पीटर सिजार्तो ने कहा है कि हंगरी खुले तौर पर रूसी तेल खरीदता है क्योंकि उसके पास कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ अन्य यूरोपीय देश गुपचुप तरीके से बिचौलियों के जरिए सस्ती कीमतों पर तेल आयात कर रहे हैं।

■ यूरोपीय संघ पर चोरी-छिपे आयात का लगाया आरोप

पीटर सिजार्तो ने शुक्रवार को हंगरी-अजरबैजान संयुक्त आर्थिक समिति की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमें पाखंडियों के बहकावे में नहीं आना चाहिए, क्योंकि जो लोग हंगरी और स्लोवाकिया पर तेल खरीद को लेकर सबसे ज्यादा चिल्लाते हैं, उनमें से एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी है, जो कुछ एशियाई देशों के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल खरीदते हैं। मंत्री ने आगे कहा कि हंगरी सप्लाई सिक्योरिटी मामले में रूस के साथ सहयोग करता है। यूरोपीय संघ ने दक्षिण-पूर्वी यूरोप में गैस पाइपलाइन की क्षमता बढ़ाने में मदद करने का हमारा अनुरोध अस्वीकार कर दिया था। क्रोएशिया ने हमारे लिए एक वैकल्पिक पाइपलाइन की क्षमता नहीं बढ़ाई, बल्कि उस मार्ग पर ट्रांजिट शुल्क यूरोपीय मानकों से 5 गुना बढ़ाया।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान से 11 नागरिकों का किया अपहरण

क्वेटा, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने शुक्रवार को खुलासा किया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अलग-अलग छापों के दौरान कम से कम 11 बलूच नागरिकों को अगवा कर लिया। बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) के मानवाधिकार विभाग त्पांक' के अनुसार बुधवार और गुरुवार को डेरा बुगटी और पीरकोह क्षेत्र से 11 लोगों को जबरन गायब किया गया।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार को डेरा बुगटी शहर से वसीम, मोहम्मद जान, मोहम्मद हुसैन और कलीरो नामक चार व्यक्तियों को उठाया गया। इसके अलावा, गुरुवार रात पीरकोह इलाके से अली हुसैन, अब्दुल सत्तार, बलक शेर, अत्ता मोहम्मद, नवाब खान, सिद्दीक और गुलजार सहित सात लोगों को अगवा कर लिया गया। बलूच रिपब्लिकन पार्टी

(बीआरपी) के मीडिया सेल ने दावा किया कि स्थानीय लोगों ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) अवैध रूप से लोगों को हिरासत में लेकर उन्हें नवाब ब्रह्मदाग बुगटी का समर्थक करार दे रहे हैं।

बीआरपी ने आरोप लगाया कि अधिकारी स्थानीय त्वडेरों' या डेथ स्क्वाड्स के जरिए करोड़ों रुपए की फिरौती मांगते हैं। जिन परिवारों से फिरौती मिल जाती है, उनके अपहृत सदस्य रिहा कर दिए जाते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

ठेकेदारों और कारोबारियों के...

मनीदीप चावला के निवास में भी दबिश दी थी। कृषि उपकरणों का कारोबार करने वाले राजेश अग्रवाल के घर भी टीम पहुंची थी। वहीं ला विस्टा कॉलोनी में ईडी अधिकारियों की टीम पहुंची थी, जहां कारोबारी पवन पोद्दार और सतपाल छाबड़ा के घर पर छापेमार कार्रवाई की थी। सतपाल छाबड़ा का ओडिशा और छत्तीसगढ़ में एग्रीकल्चर उपकरणों का कारोबार है।

ईडी ने दुर्ग जिले के पुरानी भिलाई में अन्ना भूमि ग्रीनटेक प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर शिवकुमार मोदी के घर पर रेड मारी थी। शांति नगर स्थित विवेकानंद कॉलोनी में रहने वाले आदित्य दिनोदिया के यहां भी टीम पहुंची थी। अन्ना भूमि ग्रीनटेक प्राइवेट लिमिटेड कृषि और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में काम करती है। यह कंपनी ड्रिप सिंचाई प्रणाली, कांटेदार तार, चेन लिंक, आरसीसी बाड़ के खंभे, सौर पंप और कृषि उपकरण की सप्लाई का काम करती है। राजिम-महासमुंद मार्ग स्थित उगम राज कोठारी के घर और दुकान में भी ईडी का छापा पड़ा था। कारोबारी राज कृषि यंत्रों की सप्लाई का सरकारी ठेका लेता है। टीम ने उसके बाद घर और दुकान को सील कर दिया है।

वर्ग पहेली 7027

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:-

१. अमृत (उर्दू)
४. पैरों के निशान
६. चाल, गति, (उर्दू)
७. तोड़फोड़, बरबादी
८. जंगली हाथी
१०. चुप, मौन (उर्दू)
११. क्षतिपूर्ति (उर्दू)
१३. कदाचित (उर्दू)
१४. तरक्की
१५. चाल चलने वाल , धूर्त (उर्दू)
१७. धनुष (उर्दू)
११. अभिरुचि, एक देवी
२२. ठंड से कांपना
२४. बाल्यावस्था

ऊपर से नीचे:-

१. जीवनयापन का साधन
२. सहयात्री (उर्दू)
३. दया करना (उर्दू)
४. पराधीन
५. एक प्रसिद्ध पक्षी
९. अपने शत्रु का नाश करने वाला
११. गर्भ (उर्दू)
१२. उचित वैध (उर्दू)
१३. राजा, सत्ताधारी
१४. भरोसेमंद
१५. चापलूस
१६. बचपन
१८. दक्ष, निपुण (उर्दू)
१९. रोमांच, हर्ष
२०. जटिल, मुश्किल
२३. विख्यात

वर्ग पहेली-7026

१ बु	ल	२ बु	ल	■	■	३ प्र	ति	४ प	क्षी
झौ	■	न	■	५ बु	लं	दी	■	रि	■
६ व	र्द्ध	क	■	ला	■	७ प	द	चि	न्ह
ल	■	८ र	९ थ	वा	ह	क	■	त	■
■	१० ब	■	प	■	■	■	११ नृ	■	१२ प
१३ ए	का	ए	क	■	१४ अ	■	१५ प	रा	स्त
■	सु	■	१६ ना	प	सं	द	■	■	रे
१७ नी	र	व	■	■	भ	■	१८ ब	१९ र	खा
र	■	■	२० या	या	व	२१ र	■	फ्ता	■
२२ ज	ह	न्नु	म	■	■	२३ सा	धा	र	ण

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1701-जर्मनी, इंग्लैंड और नीदरलैंड ने फ्रांस विरोधी समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1812-नेपोलियन ने रूसी सेना को हराया।
1822-ब्राजील ने पुर्तगाल से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
1889-स्वतन्त्रता सेनानी शरत चन्द्र बोस का जन्म।
1902-ऑस्ट्रेलिया में भयानक सूखा (अकाल) पड़ने के बाद देश भर के लोगों ने वर्षा के लिए एक साथ ईश्वर से प्रार्थना की।
1906-बैंक ऑफ़ इंडिया की स्थापना हुयी।
1923-विएना में इंटरपोल की स्थापना।
1931-लंदन में गोलमेज सम्मेलन का दूसरा सत्र शुरू हुआ।
1943-टेक्सास के ह्यूस्टन में एक होटल में आग लगने से 45 लोगों की मौत।
1948-मलयालम फ़िल्म अभिनेता ममूटी का जन्म।
1950-हंगरी में सभी मठों को बंद किया गया।
1963-अशोक चक्र विजेता विमान परिचारिका नीरजा भनोट का जन्म।
1965-भारतीय सीमा पर चीन द्वारा सेना की तैनाती की घोषणा।
1977-इथोपिया ने सोमालिया के साथ राजनयिक संबंध तोड़े।
1998-स्वतंत्रता सेनानी तथा गुजरात और मध्य प्रदेश के पूर्व राज्यपाल के. एम. चांडी का निधन।
1999-एथेंस में 5.9 तीव्रता के भूकंप से 143 लोगों की मौत हो गयी और 500 से अधिक घायल हो गए तथा 50,000 लोग बेघर हो गए।
2002-इयाजुद्दीन अहमद बांग्लादेश के नये राष्ट्रपति बने।
2004-फिजी के विजय सिंह टाइगर वुड्स को पीछे छोड़कर विश्व के नम्बर एक गोल्फ़र बने।
2005-'तेल के बदले अनाज' कार्यक्रम की जांच रिपोर्ट पेश।

मामला *संयुक्त राष्ट्र महासभा ने यूएन-एससीओ प्रस्ताव पारित किया*

संयुक्त राष्ट्र प्रणाली व एससीओ के बीच सहयोग का किया समर्थन

बीजिंग, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। 79वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 सितंबर को चीन द्वारा प्रायोजित संयुक्त राष्ट्र और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बीच सहयोग पर प्रस्ताव को भारी मतों से पारित कर दिया। सभी एससीओ सदस्य देशों सहित लगभग 40 देशों ने इस प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया। प्रस्ताव में क्षेत्रीय शांति विकास, आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने में एससीओ की रचनात्मक भूमिका की बड़ी पुष्टि की गई, संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य को समर्थन देने के लिए एससीओ के प्रयासों का सकारात्मक मूल्यांकन किया गया, और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और एससीओ के बीच संवाद और सहयोग को मजबूत करने का समर्थन किया गया।

■ संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव को उच्च मतों से पारित किए जाने से एससीओ के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मान्यता और समर्थन होता है प्रदर्शित

रूस, किर्गिज़स्तान, बेलारूस, पाकिस्तान, ईरान, कंबोडिया, क्यूबा, वेनेजुएला, सर्बिया और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने एससीओ के थ्येनचिन शिखर सम्मेलन और चीन द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों की अत्यधिक प्रशंसा की और इस बात पर बल दिया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव को उच्च मतों से पारित किए जाने से एससीओ के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मान्यता और समर्थन को दर्शाता है।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा प्रस्तावित वैश्विक शासन पहल समय की प्रवृत्ति के अनुरूप है और वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने तथा वैश्विक शासन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संयुक्त राष्ट्र ने की दक्षिण सूडान में शांति सैनिकों पर हमले की निंदा

जुबा। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएमआईएसएस) ने पश्चिमी इक्वेटोरिया राज्य में शांति सैनिकों पर एक स्थानीय सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले की निंदा की है जिसमें उनके हथियारों को जब्त कर लिया गया था।दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में जारी एक बयान में यूएनएमआईएसएस ने कहा कि यह हमला बुधवार को उस समय हुआ जब उसके सैन्यकर्मी तम्बुरा और मापुसे के बीच गश्त लगा रहे थे। बयान में कहा गया, मिशन बार-बार दुहराता है कि उसके शांति सैनिक ऐसे समय में नागरिकों की सुरक्षा में तैनात हैं जब पश्चिमी इक्वेटोरिया में विशेष रूप से तंबूरा और उसके आसपास पहुंच एवं सुरक्षा की स्थिति नाजुक बनी हुई है। उन्हें सशस्त्र समूहों द्वारा निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

दुनिया को जानें

एमपॉक्स अब वैश्विक पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी नहीं : डब्ल्यूएचओ

जेनेवा, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एमपॉक्स को लेकर दुनिया को राहत की खबर दी है। अफ्रीका में तेजी से एमपॉक्स फैलने के बाद डब्ल्यूएचओ ने पिछले साल अगस्त में पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित की थी। फिलहाल, डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि एमपॉक्स अब पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी नहीं है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति हर तीन महीने में एमपॉक्स के प्रकोप का मूल्यांकन करती रही है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि शुक्रवार को समिति ने फिर से बैठक की और सलाह दी कि मौजूदा स्थिति अब इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी नहीं है। मैंने इस सलाह को स्वीकार कर लिया है। टेड्रोस ने कहा कि यह फैसला कांगो, बुरुंडी, सिएरा लियोन और युगांडा जैसे प्रभावित देशों में मामलों और मौतों में लगातार गिरावट के आधार पर लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि हम संक्रमण के कारकों और गंभीर जोखिम के बारे में बेहतर समझ पाए हैं, और सबसे अधिक प्रभावित देशों ने भी रिस्पॉन्स कैपेसिटी डिवेलप कर ली है।

खेल जगत

कोचिंग से ज्यादा स्वस्थ और मजबूत माहौल बनाने पर ध्यान देता हूं : ब्रावो

नई दिल्ली। टी-20 फॉर्मेट के महानतम खिलाड़ियों में शुमार वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो क्रिकेट से संन्यास के बाद कोचिंग क्षेत्र से जुड़ गए हैं। आईपीएल के बाद वह सीपीएल में कोचिंग कर रहे हैं। सीपीएल में ब्रावो ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के मुख्य कोच हैं। उनकी कोचिंग में टीम का मौजूदा सीजन में शानदार प्रदर्शन रहा है। ब्रावो का कहना है कि बतौर कोच वे खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की स्वतंत्रता देते हैं। ब्रावो ने कहा कि उनकी कोचिंग का फॉर्मूला सरल है। वह टीम के भीतर स्वस्थ माहौल का निर्माण करने पर ध्यान देते हैं और खिलाड़ियों को खुलकर उनका प्राकृतिक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ब्रावो ने कहा कि मेरे लिए खिलाड़ियों को कोचिंग देना महत्वपूर्ण नहीं है, वे बहुत प्रतिभाशाली और अनुभवी हैं। कोचिंग से ज्यादा मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि माहौल मजबूत और स्वस्थ हो, उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने का मंच मिले, और जब चीजें गलत हों, तो वे ईमानदार रहें।

हॉकी इंडिया ने वंदना और ललित को हॉकी कैरियर के लिए किया सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय हॉकी को कहा अलविदा

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

राजगीर (बिहार), 6 सितम्बर (देशबन्धु)। इस साल अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला हॉकी स्ट्राइकर वंदना कटारिया और अपनी हॉकी कलाकारी के लिए विख्यात रहे पुरुष हॉकी स्ट्राइकर ललित उपाध्याय को हॉकी इंडिया ने यहां रहे पुरुष हॉकी एशिया कप के दौरान भारत के लिए शानदार हॉकी करियर के लिए यहां सम्मानित किया। हॉकी इंडिया ने देश के दो सर्वश्रेष्ठ हॉकी करियर को सम्मानित करते हुए दोनों को पांच पांच लाख रुपए के चेक भी दिया।

संयोग से देश की बेहतरीन महिला स्ट्राइकर गंगा नगरी हरिद्वार के रोशनाबाद से हैं और ललित उपाध्याय गंगा नगरी बनारस से हैं। वंदना कटारिया और ललित उपाध्याय ने कमजोर खासतौर पर ग्रामीण परिवेश से आने वाले हॉकी खिलाड़ियों की एक पूरी पीढ़ी को हॉकी खेलने को प्रेरित किया है। वंदना की ही प्रेरणा से अब उनके हरिद्वार से सटे गांव मे एस्ट्रो टर्फ लग गया है और खासतौर पर कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली लड़कियां अब हॉकी खेल इसमें अपना सुनहरा भविष्य तलाश रही है। 32 बरस की वंदना कटारिया ने डेढ़ दशक तक भारत की महिला हॉकी टीम के लिए खेलने के बाद सबसे ज्यादा 320 अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेल 158 गोल दागने के बाद इस साल अप्रैल में अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया हालांकि वह महिला हॉकी में खेलती रहेंगी। वंदना कटारिया ने 2009 में भारत की सीनियर महिला हॉकी टीम के खेलना शुरू किया और रानी रामपाल की समकालीन रहीं। वंदना कटारिया 2020 के टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान रहने वाली भारतीय हॉकी टीम की प्रमुख स्ट्राइकर रहीं और वह ओलंपिक में भारत की लिए हैट्रिक जमाने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं और उन्होंने यह कारनामा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया।

हॉकी ने मुझे सब कुछ दिया : कटारिया

हॉकी इंडिया द्वारा सम्मानित किए जाने पर वंदना कटारिया ने कहा कि भारतीय जर्सी पहन कर भारत की हॉकी में नुमाइंदी करना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है।हॉकी ने मुझे सब कुछ दिया और मैं इसे हमेशा याद रखूंगी। हॉकी इंडिया द्वारा सम्मानित किए जाने के लिए उसकी दिल से आभारी हूं। खासतौर पर मैं अपनी टीम की साथियों, जिनके साथ बीते 15 बरस में मैंने सभी उतार चढ़ावों को साथ साथ झेला। मेरी टीम की ये सभी साथी हॉकी के सफर में मेरे साथ परिवार की तरह रही। हमने एक दूसरे को बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित किया, एक दूसरे का समर्थन किया और साथ मिलकर जीत का जश्न मनाया। मैंने हॉकी में जो कुछ भी हासिल किया ये मेरी भारतीय टीम की साथियों के भरोसे, मेहनत और भावना के बिना मुमकिन नहीं था। मैं चुनौतियों में मेरे साथ खड़े रहे अपने परिवार के बलिदान के लिए भी आभारी हूं, जिनके बराबर प्रोत्साहन ने मुझे आगे बढ़ने की ताकत दी। मैं अपनी इस हॉकी यात्रा में अपने हॉकी उस्तादों, सपोर्ट ,अपने हॉकी प्रशंसकों की आभारी हूं।'

भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक क्षणों का हिस्सा रहा : ललित

ललित उपाध्याय ने भारत के लिए 11 बरस अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेलने के बाद हॉकी को अलविदा कहा। ललित ने भारत के 183 अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मैच खेल कर 67 गोल किए। ललित उपाध्याय भारत की 2020 में टोक्यो और 2024 में पेरिस ओलंपिक में लगातार कांस्य जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे। हॉकी इंडिया द्वारा सम्मानित किए जाने पर ललित उपाध्याय ने कहा कि मेरे लिए यह बड़े गर्व की बात है कि मैं भारतीय हॉकी के कई ऐतिहासिक क्षणों का हिस्सा रहा। वाराणसी के छोटे से गांव से ओलंपिक में भारत के लिए कांस्य पदकों तक की यात्रा वाकई खास रही। भारत की सर्वोच्च स्तर पर नुमाइंदगी करना मेरा सपना था। मैं अपने परिवार, अपनी टीम के साथियों, सपोर्ट स्टाफ और हॉकी इंडिया के लगातार सहयोग के लिए उनका दिल से आभारी हूं। इस सम्मान में सभी भागीदार हैं। हॉकी इंडिया जिस तरह मुझे सबसे उपयुक्त समझेगा में हॉकी को हर तरह से योगदान देने के लिए हमेशा तत्पर हूं।'

बीसीसीआई के चुनाव 28 सितम्बर को मुम्बई में होंगे

मुंबई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी बहुप्रतीक्षित वार्षिक आम बैठक 28 सितंबर को निर्धारित की है। आम सभा की बैठक सुबह 11:30 बजे मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होगी, जिसका महत्वपूर्ण एजेंडा चुनाव कराना है। सचिव देवजीत सैकिया द्वारा राज्य संघों को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव होंगे। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद और इंडियन प्रीमियर लीग

तथा महिला प्रीमियर लीग की संचालन परिषदों का गठन भी एजीएम के एजेंडे में है। बीसीसीआई अपनी शीर्ष परिषद में बोर्ड की आम सभा के एक प्रतिनिधि और भारतीय क्रिकेटर संघ के दो प्रतिनिधियों को शामिल करेगा।इन नियमित मुद्दों के अलावा, वार्षिक आम बैठक का मुख्य उद्देश्य पदाधिकारियों का एक नया समूह बनाना होगा जो अगले तीन वर्षों तक या आगामी खेल विधेयक के वर्तमान संविधान का स्थान लेने तक भारतीय क्रिकेट का संचालन करेंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि छह महीने में खेल विधेयक लागू होने के बाद बीसीसीआई नए चुनाव कराएगा या नहीं, लेकिन फिलहाल बीसीसीआई ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित लोढ़ा समिति द्वारा अनुशंसित संविधान का पालन करने का निर्णय लिया है।

चुनाव बीसीसीआई की आम बैठक का एक एजेंडा : देवजीत सैकिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की वार्षिक आम बैठक 28 सितंबर को मुंबई स्थित मुख्यालय में होनी है। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बैठक का एक एजेंडा चुनाव भी है। बीसीसीआई पांच पदों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के लिए चुनाव कराने वाला है। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) इस महीने की 28 तारीख को निर्धारित है। यह मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में सुबह 11: 30 बजे होगी। चुनाव इस बैठक के एजेंडे में से एक है। बीसीसीआई के संविधान के अनुसार, बोर्ड की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) हर साल 30 सितंबर तक अध्यक्ष द्वारा तय समय और स्थान पर होनी चाहिए, जबकि चुनाव और नामांकन हर तीन साल में एक बार होने चाहिए।पांच पदाधिकारियों के चुनाव के अलावा, एक नए आईपीएल अध्यक्ष के चुनाव की भी संभावना है। मौजूदा आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल ने बोर्ड में कुल छह साल पूरे कर लिए हैं। बीसीसीआई के संविधान के अनुसार उन्हें कूलिंग-ऑफ पीरियड पर जाना होगा। रोजर बिन्नी ने 19 जुलाई को 70 वर्ष के होने की वजह से बीसीसीआई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ भारत-ए टीम का ऐलान, श्रेयस अय्यर को मिली कमान

ध्रुव जुरेल उप-कप्तान होंगे

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। सीनियर पुरुष चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों के लिए भारत-ए टीम का चयन किया है। इस टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि ध्रुव जुरेल उप-कप्तान होंगे। श्रेयस अय्यर को एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया

था। स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में भी उनका नाम नहीं था, जिसने फैंस को हैरान कर दिया। वहीं, दलीप ट्रॉफी में 184 रन की शतकीय पारी खेलने के बावजूद ऋतुराज गायकवाड़ को एक बार फिर नजरअंदाज किया गया है। इस टीम में अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, आयुष बडोनी, साई सुदर्शन, नीतीश रेड्डी जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि केएल राहुल और मोहम्मद सिराज दूसरे चार दिवसीय मुकाबले में टीम से जुड़ेंगे। वह पहले मुकाबले के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे। भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच 16 सितंबर से दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। पहला मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आयोजित होगा, जबकि 23-26 सितंबर के बीच अगला मैच भी इसी मैदान पर खेला जाना है। इसके बाद दोनों टीमें 30 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी।

भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच टेस्ट-वनडे सीरीज का कार्यक्रम

16-19 सितम्बर : पहला अनाधिकारिक टेस्ट (इकाना स्टेडियम, लखनऊ)
23-26 सितम्बर : दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट (इकाना स्टेडियम, लखनऊ)
30 सितम्बर : पहला अनाधिकारिक वनडे (ग्रीन पार्क, कानपुर)
3 अक्टूबर: दूसरा अनाधिकारिक वनडे (ग्रीन पार्क, कानपुर)
5 अक्टूबर : तीसरा अनाधिकारिक वनडे (ग्रीन पार्क, कानपुर)

चार दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत-ए की टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन जगदीशन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बडोनी, नितीश कुमार रेड्डी, तनुश कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, खलील अहमद, मानव सुथार और यश ठाकुर।

भारत दौरे पर पिछली यात्राओं से मिली सीख का इस्तेमाल करने को उत्सुक केल्लावे

मेलबर्न। भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच 16 सितंबर से दो चार-दिवसीय मुकाबलों की सीरीज खेली जानी है। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज कैंपबेल केल्लावे भारत में पिछली यात्राओं से मिली सीख का उपयोग करने के लिए उत्सुक हैं। 16-26 सितंबर के बीच लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में चार-दिवसीय मुकाबलों की सीरीज के दोनों ही मैच खेले जाएंगे, जिसमें केल्लावे को सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास के साथ शीर्ष क्रम में खेलने का मौका मिल सकता है। जॉर्ज बेली की अगुवाई वाली चयन समिति भविष्य के उपमहाद्वीपीय दौरों के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने में जुटी है, जिसमें 2027 की शुरुआत में भारत में होने वाली पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी शामिल है। केल्लावे ने अपनी राज्य टीम विक्टोरिया के साथ प्री-सीजन कैंप के अलावा, इस साल जुलाई-अगस्त में चेन्नई स्थित एमआरएफ अकादमी में 12 अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के साथ दो हफ्ते के ट्रेनिंग कैंप में भी हिस्सा लिया था। केल्लावे से 'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' से कहा कि मेरे लिए लक्ष्य फिलहाल बस यही है कि विक्टोरिया के लिए सीजन की अच्छी शुरुआत करूं और फिर लखनऊ में होने वाले ऑस्ट्रेलिया-ए मैचों में खेलते हुए चुनौतियों का आनंद लूं और देखूं आगे क्या होता है। उन्होंने कहा कि भारत में क्रिकेट खेलना वाकई शानदार है। मैं अभी जुलाई-अगस्त में एमआरएफ अकादमी के लिए वहां गया था। उन परिस्थितियों में खेलना पूरी तरह अलग है, क्योंकि शील्ड और वनडे क्रिकेट में हमें वैसी स्थितियां नहीं मिलतीं।

सार संक्षेप

ट्रायल 4 में नीरू, भवनीश शीर्ष छह की दौड़ में आगे

भूचो। एशियाई चैम्पियन नीरू धांडा और एशियाई रजत पदक विजेता भवनीश मेंदिरत्ता ने ट्रैप इवेंट के चार राउंड पूरे होने के बाद भी शीर्ष छह में जगह बनाने की दौड़ में अपनी बढ़त बरकरार रखी। यह मुकाबला राष्ट्रीय चयन शॉटगन ट्रायल (टी4) के तहत भूचो विलेज भाई देविंदर सिंह सिद्धू गन क्लब, पंजाब में आयोजित किया जा रहा है। भवनीश ने कुल 99 स्कोर किया, जिसमें तीन परफेक्ट राउंड (25-25 हिट) और चौथे राउंड में 24 हिट शामिल हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल सिल्वर मेडलिस्ट विवान कपूर और जोरावर सिंह संधू पर चार अंकों की बढ़त बनाई है, जिन्होंने 95-95 अंक बनाए। शार्दुल विहान और काइनन डेरियस चेन्नई अगली पोजीशन पर 93 अंकों के साथ हैं, जबकि सात शूटर - अर्शद हसन खान, फहद सुल्तान, करण, शपथ भारद्वाज, अली अमन इलाही, जसविंदर सिंह और लक्ष्य श्योरण - 92 अंकों के साथ छठे स्थान की दौड़ में बने हुए हैं।

वनडे वर्ल्ड कप टीम में अपने ही चयन से हैरान हैरिस

ब्रिस्बेन। ग्रेस हैरिस को आगामी विमेंस वनडे विश्व कप के लिए चुना गया है, लेकिन खुद ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर इस चयन से हैरान हैं। उन्होंने इस चयन को एक अप्रत्याशित लेकिन सुखद सरप्राइज बताया है। 'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' ने ग्रेस के हवाले से कहा कि मुझे स्वीकारना होगा कि वर्ल्ड कप के लिए चयन अजीब और आश्चर्यजनक है। साल की शुरुआत में मुझे लग रहा था कि वनडे वर्ल्ड कप टीम में मेरा चयन नहीं होगा, क्योंकि हाल ही में मुझे ऑस्ट्रेलियाई वनडे टीम में नहीं चुना गया था। उन्होंने कहा कि शायद अन्य खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं। वह चयन के लिए दावा ठोक सकते थे। अगर मुझे कहा जाता कि 'तुम नहीं जा रहे', तो मुझे हैरानी नहीं होती। इसलिए मुझे मानना पड़ेगा कि वनडे वर्ल्ड कप मेरे लिए एक सुखद सरप्राइज है। 18 सितंबर 1993 को जन्मीं ग्रेस हैरिस ने साल 2015 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 11 वनडे मुकाबले खेले, जिसमें 11 शिकार किए। ग्रेस आखिरी बार मार्च 2024 में वनडे फॉर्मेट खेली थीं।

पाकिस्तान आईसीसी महिला विश्व कप के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगा

लाहौर, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान 30 सितंबर को गुवाहाटी में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगा, क्योंकि टीम का कोई भी सदस्य इस आयोजन के लिए भारत नहीं जाएगा। जियो सुपर की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी टीम 2025 के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, सह-मेजबान भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी के डॉ. भूपेन हजारिका क्रिकेट स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले एक भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें भाग लेने वाली टीमों के कप्तान इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और सामान्य तौर पर एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस और

■ क्रिकेट स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले एक भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा

प्रतिष्ठित ट्रॉफी के साथ फोटोशूट भी करेंगे। हालांकि, जियो सुपर ने बताया कि न तो पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना और न ही पाकिस्तान का कोई अन्य प्रतिनिधि उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए भारत आएगा। चैनल ने कहा कि आगामी आयोजन से पाकिस्तान की संभावित अनुपस्थिति फ्यूजन फॉर्मूला के कारण है, जिसके अनुसार पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से, न तो वे और न ही भारत अगले तीन वर्षों तक किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए एक-दूसरे का दौरा करेंगे। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान महिला विश्व कप 2025 के अपने सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, अगर ग्रीन शर्ट्स 29 अक्टूबर को सेमीफाइनल और 2 नवंबर को फाइनल में पहुंचती है, तो दोनों मैच भी कोलंबो में ही होंगे। रिपोर्ट में घोषणा की गई है कि पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपने निर्धारित स्थल पर करेगा।

'समोआ क्रिकेट की 'तकदीर' और 'तस्वीर' बदल सकते हैं रॉस टेलर

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। 41 साल की उम्र में शानदार बल्लेबाज रॉस टेलर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर चुके हैं, लेकिन इस बार वह न्यूजीलैंड नहीं, बल्कि समोआ के लिए खेलेंगे। रॉस टेलर ने साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था, लेकिन करीब तीन साल बाद इस उम्र में संन्यास से वापसी का फैसला फैंस को हैरान कर गया। रॉस टेलर एशिया-ईस्ट एशिया-पैसिफिक टी-20 वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में समोआ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यूं तो, रॉस टेलर का जन्म 8 मार्च 1984 को वेलिंगटन में हुआ था, लेकिन समोआ से खास रिश्ते के चलते रॉस टेलर ने इस देश की ओर से अपनी दूसरी पारी खेलने का फैसला किया।दरअसल, समोआ रॉस टेलर का ननिहाल है। उनकी मां ऐन का जन्म समोआ में हुआ था। वह कुछ साल बाद न्यूजीलैंड आई थीं,

■ रॉस टेलर ने साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था

लेकिन मां के समोआ से होने के चलते रॉस टेलर के पास इस देश का पासपोर्ट भी है। बता दें, समोआ ओसनिया में ही एक द्वीपीय राष्ट्र है। ओसनिया क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी क्रिकेट पावर भी स्थित हैं। निश्चित तौर पर इन देशों में क्रिकेट की लोकप्रियता का असर इस पूरे क्षेत्र को इस खेल के प्रति रुचि विकसित करने में प्रभावित करता है।समोआ में कई प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करना चाहते हैं। यहां खेल के प्रति स्थानीय लोगों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिलता है। समोआ क्रिकेट टीम क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा ले चुकी है, जिससे खिलाड़ियों को प्रतियोगिता का अनुभव मिलता है। हालांकि, बड़े टूर्नामेंट्स में अनुभव की कमी इस टीम के प्रदर्शन में नजर आती है। पेशेवर स्तर की कोचिंग, प्रशिक्षण सुविधाओं और क्रिकेट ग्राउंड्स की सीमित उपलब्धता के चलते यहां क्रिकेट बेहद पिछड़ा हुआ है। संसाधनों और वित्तीय सहायता की कमी भी यहां के क्रिकेट बोर्ड की राह में बाधा बनती है।रॉस टेलर के समोआ से जुड़ने के बाद निश्चित रूप से वहां खेल की लोकप्रियता बढ़ेगी।

जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज किया

यूएस ओपन

न्यूयॉर्क, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। यूएस ओपन के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को कार्लोस अल्काराज के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी, जिसके बाद सर्बियाई खिलाड़ी ने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। जोकोविच ने पुष्टि की है कि वह अगले साल एक पूर्ण ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहते हैं। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी को 6-4, 7-6(4), 6-2 से शिकस्त देकर अपने सातवें और न्यूयॉर्क में दूसरे मेजर फाइनल में प्रवेश किया है। आर्थर ऐश स्टेडियम में करीब 2 घंटे 25 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में कार्लोस अल्काराज ने इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2024 पेरिस ओलंपिक में जोकोविच से मिली हार का बदला लिया। सर्बियाई

मैं अगले साल पूरा ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहता हूं। देखते हैं कि ऐसा होता है या नहीं। लेकिन स्लैम तो स्लैम होते हैं : नोवाक जोकोविच

खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि मैं अब भी ग्रैंड स्लैम खेलना चाहता हूं। मैं अगले साल पूरा ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहता हूं। देखते हैं कि ऐसा होता है या नहीं। लेकिन स्लैम तो स्लैम होते हैं। यह किसी भी अन्य टूर्नामेंट से अलग हैं। ये हमारे खेल के स्तंभ हैं। यह हमारे सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं। नोवाक जोकोविच ने कहा कि मैं अपने टेनिस के स्तर से खुश हूं, लेकिन यह शारीरिक क्षमता की बात है। जैसा कि मैंने क्वार्टर फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मैं अपने शरीर को इस स्तर और लय को कई घंटों तक बनाए रखने के लिए तैयार करने की पूरी कोशिश करूंगा, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था।

यूएस ओपन : फाइनल में सिनर अल्काराज से होगी खिताबी भिड़ंत

न्यूयॉर्क। यानिक सिनर ने यूएस ओपन के मेंस सिंगल्स फाइनल में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन ने सेमीफाइनल में 25वीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना कार्लोस अल्काराज से होगा। दूसरी ओर, कार्लोस अल्काराज आर्थर ऐश स्टेडियम में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को मात देकर फाइनल में पहुंचे हैं।यानिक सिनर को सेमीफाइनल मैच के पांचवें गेम में थोड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने तेजी से लय हासिल की और सर्विस बचाते हुए पहला सेट आसानी से अपने नाम कर लिया। कनाडाई खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-अलियासिम दूसरी बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में उतरे थे।

द. अफ्रीका टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम दो टेस्ट, तीन टी-20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए अगले महीने पाकिस्तान का दौरा करेगी। टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-2027) का हिस्सा हैं। टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका 4 साल बाद पाकिस्तान का दौरा कर रही है। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट 12 से 16 अक्तूबर के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 20 से 24 अक्टूबर तक रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका आखिरी बार दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 2021 में पाकिस्तान आई थी, जिसमें उसे दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद सैयद ने शनिवार को कहा कि हम अपने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अभियान की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से करेंगे।

सुडोकू 7027 का हल

4	5	7	9	6	1	3	8	2
6	3	8	4	2	5	7	1	9
1	2	9	3	7	8	5	4	6
3	4	5	7	8	6	9	2	1
7	8	1	5	9	2	4	6	3
9	6	2	1	4	3	8	7	5
2	7	3	6	5	4	1	9	8
5	9	6	8	1	7	2	3	4
8	1	4	2	3	9	6	5	7

[अर्थ जगत]

अमेरिकी शुल्क की घोषणा से एमएसएमई पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क की घोषणा से खतरा मंडराने लगा है। देश के कुल निर्यात में 45 प्रतिशत से अधिक योगदान करने वाले इस क्षेत्र के सामने बड़ी आफत आ खड़ी हुई है। एमएसएमई उद्योग संगठनों ने अमेरिकी कदम का बड़ा असर होने की चिंता जताई है और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। इंडिया एसएमई फोरम के अध्यक्ष ने कहा कि शुल्क बढ़ने से सालाना 30 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार खटाई में पड़ने की आशंका है।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.34 प्रतिशत
मारुति सुजुकी	1.70 प्रतिशत
पावर ग्रिड	1.21 प्रतिशत
रिलायंस इंडस्ट्रीज	1.11 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.84 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईटीसी	2.01 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.55 प्रतिशत
टीसीएस	1.53 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.43 प्रतिशत
इंफोसिस	1.29 प्रतिशत

सर्राफा

दिल्ली

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,06,070
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,25,600
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7977.50
मसूर काली	8139.80
उड़द दाल	10438.17
मूंग दाल	10081.03
अरहर दाल	10669.41

देश के सेमीकंडक्टर उद्योग ने लगाई बड़ी छलांग : वैष्णव

दूरसंचार विभाग का गुणवत्ता मानक है टीईसी सर्टिफिकेशन

■ **ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन व अमेरिका चिप उत्पादन में अग्रणी**

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि केवल घरेलू स्तर पर उत्पादित चिप्स का इस्तेमाल करने वाले टेलीकॉम सिस्टम को स्टैंडर्ड्स और क्वालिटी टेस्ट पास करते हुए टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग सेंटर (टीईसी) से सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस प्रगति की प्रशंसा करते हुए इसे देश के सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए एक बड़ी छलांग बताया।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने एक्स पर लिखा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा के लिए एक बड़ी छलांग! पहली बार, 'भारत में निर्मित' चिप्स पर चलने वाले एक टेलीकॉम सिस्टम ने मानकों और गुणवत्ता परीक्षणों (टीईसी सर्टिफिकेशन) को पास कर लिया है। टीईसी सर्टिफिकेशन दूरसंचार विभाग का गुणवत्ता मानक है, जो यह सुनिश्चित करता है कि दूरसंचार उपकरण सख्त प्रदर्शन और सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं। घरेलू स्तर पर रोलआउट की मंजूरी के साथ, इस

'मेड इन इंडिया चिप्स' पर चलने वाले टेलीकॉम सिस्टम को मिला टीईसी सर्टिफिकेशन : अश्विनी वैष्णव

अप्रूवल ने भारत के स्थानीय चिप्स को वैश्विक समकक्षों के साथ खड़ा कर दिया है, जिससे निर्यात के अवसर खुल गए हैं।

यह उपलब्धि आयातित सेमीकंडक्टरों पर निर्भरता कम करने में प्रगति का संकेत देती है, जो हाल ही में वैश्विक स्तर पर आई कमी के कारण उजागर हुई एक कमजोरी है। विश्लेषकों का कहना है कि डिजाइन, असेंबली, टेस्टिंग और इंटीग्रेशन में क्षमता बढ़ाने की भारत की रणनीति देश को सप्लाई चेन की कमियों को दूर करने में सक्षम बनाती है। ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका चिप उत्पादन में अग्रणी हैं, इसलिए उनका केंद्रीकरण सप्लाई चेन जोखिम पैदा करता है, जिसे भारत कम करना चाहता है।

सेमीकंडक्टर लिथोग्राफी में वैश्विक अग्रणी, सेमीकंडक्टर उपकरण निर्माता एएसएमएल होल्डिंग एनवी ने हाल ही में आगामी वर्ष में भारतीय व्यवसायों के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करने के इरादे की घोषणा की है। सेमीकंडक्टर सेक्टर में घरेलू विनिर्माण और डिजाइन को बढ़ावा देने के लिए 76,000 करोड़ रुपए की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना के साथ 2021 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया गया था। इस योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत 1.60 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें धोलेरा में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की 91,000 करोड़ रुपए की फैब, साणंद में माइक्रोन की 22,516 करोड़ रुपए की पैकेजिंग सुविधा और अगस्त में शुरू हुई सीजी पावर की नई ओएसएटी पायलट लाइन शामिल है।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 25 लाख लोग कर रहे काम : वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी योजनाओं के तहत, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग भारत में एक प्रमुख सेक्टर के रूप में उभरा है। पिछले 11 वर्षों में इस सेक्टर का उत्पादन छह गुना बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप यह 11.5 लाख करोड़ रुपए की इंडस्ट्री बन गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस अवधि के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात आठ गुना बढ़ा है और यह उद्योग अब 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग भारत में एक बहुत बड़े सेक्टर के रूप में उभरा है। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना बढ़ा है, निर्यात आठ गुना बढ़ा है और यह 11.5 लाख करोड़ रुपए का उद्योग बन गया है। इस इंडस्ट्री में आज 25 लाख लोग काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने अब इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की जरूरत की हर चीज का निर्माण देश में ही शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर मोबाइल फोन की बात करें, तो फोन का हर सामान – चाहे वह ग्लास हो, कवर हो, चिप हो, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड हो या कैमरा मॉड्यूल, देश में ही बनने लगा है।

जीएसटी 2.0 के रूप में आम नागरिकों को दिया बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के रूप में आम नागरिकों को एक बहुत बड़ा उपहार दिया है। मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों को लाभ पहुंचाने की प्रधानमंत्री मोदी की मंशा की प्रशंसा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले 12 लाख रुपए तक की आय पर आयकर से छूट दी गई थी और अब जीएसटी को रेशनलाइज बनाने से मध्यम और निम्न आय वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जीएसटी सुधार से देश की आर्थिक उन्नति में भी एक बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश का सकल घरेलू उत्पाद 330 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें उपभोग का योगदान लगभग 202 लाख करोड़ रुपए है। जीएसटी सुधारों के बाद, अगर इसमें 10 प्रतिशत की भी वृद्धि होती है, तो उपभोग में लगभग 20 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि होगी, यानी देश में 20 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त सकल घरेलू उत्पाद आएगा, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र 2026 तक 535 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र वित्त वर्ष 2026 तक 535 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो मुख्य रूप से बढ़ती खपत और बढ़े हुए निर्यात से प्रेरित है। इंफॉर्मा मार्केट्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से सरकारी समर्थन और एआई-संचालित स्वचालन एवं स्मार्ट पैकेजिंग में तकनीकी प्रगति इस उद्योग को आगे बढ़ाने वाले अन्य कारक हैं।

भारत का जैविक खाद्य बाजार – जिसका वर्तमान मूल्य 1.9 अरब डॉलर है – 2033 तक 20.13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 10.8

अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस बीच, खाद्य सामग्री खंड सालाना 7-8 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ये रुझान भारत को खाद्य और पैकेजिंग सामग्री का वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर करते हैं। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. मीनाक्षी सिंह ने कहा कि खाद्य सामग्री खाद्य क्षेत्र की रीढ़ हैं, और पैकेजिंग सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

देश 'आत्मनिर्भर भारत' विजन की ओर तेजी से बढ़ा रहा कदम : अग्रवाल

■ **कोरोना के दौरान देश ने शुरू कीं आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत कई नीतिगत पहल**

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव अमित अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि देश प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन के साथ 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की दिशा में तेजी से काम कर रहा है।

भारत मंडपम में आयोजित तीन दिवसीय इंडिया मेडटेक एक्स्पो 2025 के साइडलाइन में अग्रवाल ने कहा कि यह हमारा दूसरा मेडटेक एक्स्पो था। इससे पहले 2023 में पहला मेडटेक एक्स्पो हुआ था। कोरोना के दौरान देश ने आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत कई नीतिगत पहल शुरू कीं। पिछले पांच वर्ष में कोरोना के दौरान मात्र 10 प्रतिशत देश की आवश्यकताओं का

उत्पादन देश में होता था, जो अब बढ़कर करीब 30 प्रतिशत हो गया है। हाई-एंड प्रोडक्ट्स में भी उत्पादन 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

उन्होंने इवेंट को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि इस बार 30 देशों की 100 से अधिक कंपनियों ने 1000 से अधिक मात्रा में बिजनेस मीट्स किए हैं। इसमें खास बात यह रही कि ए और बी क्लास प्रोडक्ट के अलावा, क्लास सी जो एडवांस प्रोडक्ट हैं, उसमें भी अलग-अलग देशों की कंपनियों ने अपना इंटरेस्ट दिखाया।

उन्होंने कहा कि एमआरआई, डायलिसिस, डायलाइजर मशीन जैसे एडवांस डिवाइस भी हम एक्सपोर्ट कर रहे हैं और इस मीट में काफी इंटरेस्ट दिखाया गया है, क्योंकि हम दुनिया के लिए 10-40 प्रतिशत सस्ती दर पर क्वालिटी और अफोर्डेबल प्रोडक्ट्स बनाते हैं। अग्रवाल ने कहा कि हम 'आत्मनिर्भर भारत' विजन के साथ मेक इन इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं।

सार संक्षेप

महिंद्रा ने तत्काल प्रभाव से कारों के दाम घटाएं

नई दिल्ली। देश की अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से अपने वाहनों की कीमतों में 1.56 लाख रुपए तक की कटौती की घोषणा की। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में 22 सितंबर से वाहनों पर कर कटौती की घोषणा के बाद अपने यात्री वाहनों के दाम घटाने वाली यह तीसरी कंपनी है। इससे पहले टाटा मोटर्स और रेनॉ इंडिया ने 22 सितंबर से कीमतों में कटौती की घोषणा की थी। महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चएक्स' पर लिखा की वह आज (06 सितंबर) से ही ग्राहकों को जीएसटी में कटौती का पूरा लाभ देगी। उसने बताया कि इस कटौती के बाद बोलेरो/ निओ के दाम 1.27 लाख रुपए, एक्सयूवी3एक्सओ (पेट्रोल) के 1.40 लाख रुपए व एक्सयूवी3 एक्सओ (डीजल) के दाम 1.56 लाख रुपए तक कम होंगे। थार 2डब्ल्यूडी और थार 4डब्ल्यूडी की कीमतों में क्रमशः 1.35 लाख रुपए और 1.01 लाख रुपए की कटौती की गई है।

2030 तक दुनिया के टॉप-10 जहाज निर्माता देशों में शामिल हो जाएगा भारत : सोनोवाल

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) सर्बानंद सोनोवाल के अनुसार, भारत 2030 तक दुनिया के टॉप 10 जहाज निर्माता देशों में शामिल होगा और 2047 तक टॉप पांच देशों में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का मिशन गति, पैमाने, सस्टेनेबिलिटी और आत्मनिर्भरता का मिश्रण है।

■ **गति, पैमाने, सस्टेनेबिलिटी व आत्मनिर्भरता का मिश्रण है 2047 तक विकसित भारत का मिशन**

तमिलनाडु के वीओ चिदंबरनार (वीओसी) पोर्ट पर भारत के पहले पोर्ट-बेस्ड ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शुरू की गई ये परियोजनाएं रोजगार के हजारों अवसर पैदा करेंगी, वैश्विक निवेश आकर्षित करेंगी और तमिलनाडु को भारत की आर्थिक आकांक्षाओं में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करेंगी।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में, हम 2030 तक दुनिया के टॉप 10 जहाज निर्माता देशों और 2047 तक टॉप 5 देशों में शामिल होने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगातार नए कदम उठा रहे हैं। 3.87 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह सुविधा पोर्ट कॉलोनी में स्ट्रीट लाइटों और एक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन को बिजली देने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करेगी।

इस शुभारंभ के साथ, वीओसी पोर्ट देश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन करने वाला बंदरगाह बन गया है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने 35.34 करोड़ रुपए की लागत से 750 घन मीटर क्षमता वाली एक पायलट ग्रीन मेथनॉल बंकरिंग एवं ईंधन भरने की सुविधा की भी आधारशिला रखी। कांडला और तूतीकोरिन के बीच प्रस्तावित तटीय हरित शिपिंग कॉरिडोर के साथ जुड़ी, इस पहल से वीओसी पोर्ट दक्षिण भारत में एक प्रमुख ग्रीन बंकरिंग हब के रूप में स्थापित होने की उम्मीद है। शुरू की गई अतिरिक्त परियोजनाओं में 400 किलोवाट का रूफटॉप सोलर पावर प्लांट शामिल है, जो बंदरगाह की रूफटॉप सौर क्षमता को बढ़ाकर 1.04 मेगावाट कर देगा, जो भारतीय बंदरगाहों में सबसे अधिक है और कोल जेटी-ढ्ढ को बंदरगाह स्टैक यार्ड से जोड़ने वाला 24.5 करोड़ रुपए का लिंक कन्वेयर भी शामिल है, जिससे दक्षता में 0.72 एमएमटीपीए की वृद्धि होगी।

2025 में एप्पल की भारत में बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल की भारत में वार्षिक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर को छू गई। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एप्पल के उपकरणों की बिक्री में 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो पिछले वर्ष दर्ज लगभग 8 अरब डॉलर से अधिक है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग को दर्शाता है। कंपनी के प्रमुख उपकरणों, आईफ़ोन, ने वित्त वर्ष 25 में भारत में बिक्री में अपना दबदबा बनाए रखा, साथ ही मैकबुक कंप्यूटरों की मांग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यह प्रदर्शन अमेरिकी कंपनी के लिए एक फायदा है क्योंकि उसकी वैश्विक मोबाइल उपकरणों की बिक्री स्थिर रही है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि गुमान चंद जैन पिता कांतीलाल जैन व अरुणा जैन पति गुमान चंद जैन दोनों निवासी रायपुर रोड़ महासमुंद, तहसील व जिला महासमुंद (छ.ग.) विक्रेता भुनेश्वर राव साकरकर पिता स्व. नीलकठं राव साकरकर निवासी वार्ड क्रमांक 12, महासमुंद, तहसील व जिला महासमुंद (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से प्राप्त सम्पत्ति जो कि, मौजा महासमुंद, शंकर नगर वार्ड क्रमांक 01, प.ह.नं. 89/42, रा.नि.मं. महासमुंद, तहसील व जिला महासमुंद (छ.ग.) में स्थित सम्पत्ति जिसका खसरा नं. 443/1/1/27/1 का भाग नया खसरा नं. 443/1/1/27/3/8, रकबा 3600 वर्गफुट या 0.033 हैक्टेयर है को पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से दिनांक 08.09.2011 को पुस्तक क्रं. अ-1, ग्रन्थ क्रं. 6054, पृष्ठ क्रं. 11 से 18, दस्तावेज के 2198, देकर उप पंजीयक कार्यालय महासमुंद से प्राप्त किया है। इस विक्रय विलेख के 30000/- रूपये का स्टाम्प पेपर कि मूल प्रति जो कि कहीं गुम हो गई है जो आज दिनांक तक अप्राप्त है, यह कि उपरोक्त सम्पत्ति को गुमान चंद जैन पिता कांतीलाल जैन व अरूणा जैन पति गुमान चंद जैन ने एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. रायपुर शाखा में ऋण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है जो कि विचाराधिन है।

अतः उपरोक्त संव्यवहार से जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय इत्यादि को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 7 दिवस (सात दिवस) के भीतर मय दस्तावेज के साथ लिखित अपत्ति नीचे लिखे पते पर प्रस्तुत करे, समयावधि पश्चात् बैंक के पक्ष में सामियक बंधक करा लिया जावेगा एवं बाद में की गई आपत्ति अवैध व शून्य मानी जाएगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा।

सो सूचना जाने

रायपुर छ.ग.
दिनांक 06.09.2025

आशीष कुमार शर्मा (अधि.)
सी-33, सेक्ट. 1, देवेन्द नगर, रायपुर (छ.ग.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, ADEEBA FATIMA D/O AZIZ AHMED SIDDIQUI resident of H.NO. 2254/34 IN FRONT OF APNA SHOP RAJATALAB RAIPUR (C.G.) have changed my old name ADEEBA FATIMA D/O AZIZ AHMED SIDDIQUI so in future I should be recognized by my new name that is ADIBA FATIMA SIDDIQUI D/O AZIZ AHMED SIDDIQUI in all Government and other documents.

ADIBA FATIMA SIDDIQUI
H.NO. 2254/34 IN FRONT OF APNA SHOP RAJATALAB RAIPUR (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, REHANA SIDDIQUI W/O AZIZ AHMED SIDDIQUI resident of H.NO. 2254/34 IN FRONT OF APNA SHOP RAJATALAB RAIPUR (C.G.) have changed my old name REHANA SIDDIQUI W/O AZIZ AHMED SIDDIQUI so in future I should be recognized by my new name that is REHANA AZIZ W/O AZIZ AHMED SIDDIQUI in all Government and other documents.

REHANA AZIZ
H.NO. 2254/34 IN FRONT OF APNA SHOP RAJATALAB RAIPUR (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, VIJAY KUMAR DINGANIA S/O VISHAN DAS DINGANIA resident of FLAT NO. 304 SHREERAM HERITAG KATORA TALAB RAIPUR (C.G.) have changed my old name VIJAY KUMAR DINGANIA S/O VISHAN DAS DINGANIA so in future I should be recognized by my new name that is VIJAY DIGANIA S/O VISHAN DAS DINGANIA in all Government and other documents.

VIJAY DIGANIA
FLAT NO. 304 SHREERAM HERITAG KATORA TALAB RAIPUR (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, KHUSHBOO JADWANI W/O PANKAJ JADWANI resident of H N 18, GEETANJALI NAGAR , OPPERA TAWER, SECTOR 1, SHANKAR NAGAR, RAIPUR, (C.G.) 492007 have changed my old name KHUSHBOO JADWANI W/O PANKAJ JADWANI so in future I should be recognized by my new name that is KHUSHBU JADWANI W/O PANKAJ JADWANI in all Government and other documents.

KHUSHBU JADWANI
H N 18, GEETANJALI NAGAR , OPP ERA TAWER, SECTOR 1, SHANKAR NAGAR, RAIPUR, (C.G.) 492007

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
ईश्तहार

पत्र क्र./23942/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 03.09.2025
नामांतरण प्र.क्र. 23942
वार्ड का नाम- 3-संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन/भूमि प्रॉपटी आई.डी RPR104N0144A जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DILIP KUMAR MALLIK पिता/पति श्री/श्रीमती LATE SANTOSH KUMAR MALLIK के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती PURNIMA JANGHEL पिता/पति श्री/श्रीमती LATE MANOJ JANGHEL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अभिलेख 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
ईश्तहार

पत्र क्र./23938/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 03.09.2025
नामांतरण प्र.क्र. 23938
वार्ड का नाम- 3-संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन/भूमि प्रॉपटी आई.डी RPR803GO553A जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAVI KUMAR AGRAWAL पिता/पति श्री/श्रीमती BAJRANG LAL AGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SAKET GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती S/o GHANASHYAM GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अभिलेख 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
ईश्तहार

पत्र क्र./23935/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 03.09.2025
नामांतरण प्र.क्र. 23935
वार्ड का नाम- 5-बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन/भूमि प्रॉपटी आई.डी RPR105B00180 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती KESHAN, DINESH RAJU RAJBHAR, AJAY RAJBHAR पिता/पति श्री/श्रीमती CHHEDILAL RAJBHAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती P. VENKAT RAO पिता/पति श्री/श्रीमती S/o P. ADI NARAYAN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अभिलेख 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
ईश्तहार

पत्र क्र./23937/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 03.09.2025
नामांतरण प्र.क्र. 23937
वार्ड का नाम- 5-बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन/भूमि प्रॉपटी आई.डी RPR105F00518 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती L. APPA RAO पिता/पति श्री/श्रीमती ARAYA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती P.DHANLAXMI पिता/पति श्री/श्रीमती W/o P. PAPA RAO S/OL. APPA RAO ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अभिलेख 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
ईश्तहार

पत्र क्र./23401/न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 04.09.2025
नामांतरण प्र.क्र. 23401
वार्ड का नाम- 52-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि प्रॉपटी आई.डी RPR446S00489 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती 1. JAIDEEP KUMAR NIRMAL KUMAR PUNGA पिता/पति श्री/श्रीमती NIRMAL KUMAR LAL CHAND PUNGA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती NANDINI TIWARI पिता/पति श्री/श्रीमती GANGA PRASAD TIWARI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अभिलेख 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें।

श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायपुर (छ.ग.)
उपस्थित हेतु सूचना

राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक-20250611100085 8/अ-6/2024-2025

प्रति,
1. गायत्री को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी लि. द्वारा अध्यक्ष समिति कार्यालय गायत्री नगर रायपुर छ.ग.

इस न्यायालय के विचाराधीन प्रकरण क्रमांक 202506111000858/अ-6/वर्ष 2024-25 ग्राम- शंकरनगर प.ह.नं. 110/63 रा.नि.मं., तहसील रायपुर जिला रायपुर स्थित खसरा नंबर 651/1 रकबा 0.026हे. एवं 651/2 रकबा 0.022हे. भूमि के संबंध में अपीलार्थी दीपक दशोरे पिता श्री जयनारायण दशोरे निवासी अन्नपूर्णा डेयरी, शंकरनगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा अपील प्रस्तुत किया गया है जिसकी सुनवाई में आपकी उपस्थिति अनिवार्य है। अतः आप सुनवाई दिनांक 15.09.2025 को समय 03.00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। उक्त नियत सुनवाई तिथि में अनुपस्थित रहने पर आपके विरूद्ध प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

न्यायालय की मुद्रा से आज दिनांक 29.08.2025 को जारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायपुर**

न्यायालय तहसीलदार धरसींवा तहसील धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

ग्राम बिरगांव प.ह.नं. 88
रा.नि.मं. रायपुर 17 बिरगांव
तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग.
धरसींवा, दिनांक 25.08.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुधाकर आचार्य पिता स्व. महेश्वर आचार्य निवासी ग्राम बिरगांव तहसील धरसींवा जिला रायपुर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र में आवेदक अपने पुत्र सौम्य श्री आचार्य पिता सुधाकर आचार्य शैक्षणिक कार्य हेतु (ई.डब्ल्यू.एस.) आरक्षण प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु इस न्यायालय को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक प्रमाण पत्र 10 वीं, 12 वीं निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शपथ पत्र,रजिस्ट्री पेपर की प्रति संलग्न किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 12.09.2025 को उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25.08.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर **तहसीलदार धरसींवा**

राजस्व मण्डल, छ.ग. बिलासपुर सर्किट कोर्ट, रायपुर
राजस्व मामले की नोटिस

प्र.क्र.-आर.एन./14/आर/अ-6/109/2020
पेशी दिनांक 24.09.2025

प्रति,
1. शबाना बाई पुत्री सरवन उर्फ लेड़गा सतनामी
2. रूखमणी बाई पुत्री सरवन उर्फ लेड़गा सतनामी
दोनों निवासी हीरापुर रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

पुनरीक्षणकर्ता श्रीमती कुलवंत कौर पत्नी गुरुमुख सिंह निवासी-5. सुन्दरनगर गुरुद्वारा के पास भिलाई जिला-दुर्ग (छ.ग.), द्वारा न्यायालय अध्यक्ष, राजस्व मंडल छ.ग. बिलासपुर, सर्किट कोर्ट-रायपुर के न्यायालय में पुनरीक्षण प्रकरण क्रमांक-आर.एन. /14/आर/अ-6/109/2020, न्यायालय आयुक्त, रायपुर संभाग, रायपुर के प्र.क. 40/अ-06/2017-18 पक्षकार शबानाबाई वगैरह विरूद्ध श्रीमती कुलवंत कौर, में पारित आदेश दिनांक 08.07.2020 के विरूद्ध पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 24.09.2025 को तिथि नियत है।

अतः उक्त दिनांक को समय दिन के 11.00 बजे इस न्यायालय में आप स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो। यदि उक्त तिथि एवं समय को आप खुद या आपके मुख्त्यार या अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुए तो मुकदमे का फैसला एकतरफा किया जायेगा।

मुहर **राजस्व मण्डल छ.ग. सर्किट कोर्ट रायपुर**

दुनिया रंग-बिरंगी

कोर्ट रूम ड्रामा के जरिए एक अनोखा सामाजिक संदेश देती 'जॉली एलएलबी 3'

मुंबई। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म हंसी के साथ-साथ कोर्ट रूम ड्रामा के जरिए एक अनोखा सामाजिक संदेश देती है। इससे पहले फिल्म के दोनों पार्ट्स को दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म के पहले पार्ट में एक्टर अरशद वारसी और दूसरे पार्ट में अक्षय कुमार नजर आए थे। दोनों ने ही जॉली की भूमिका निभाई थी। लेकिन इस बार मजा डबल होने वाला है क्योंकि दोनों जॉली यानी अक्षय और अरशद पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म के ट्रेलर को लेकर मेकर्स ने शनिवार को एक बड़ा अपडेट जारी किया। दरअसल, मेकर्स ने ट्रेलर को लॉन्च करने पर मजेदार सोशल मीडिया कैंपेन चलाया था।

तनाव-मुक्त होने के लिए साउंड हीलिंग से सुनें भीतर की आवाज

साउंड हीलिंग एक प्राचीन उपचार विधि

भारत, चीन और तिब्बत में हजारों वर्षों से प्रचलित पद्धति

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। सब दिन होत न एक समान, अक्सर अपने बड़ों को हमने ये कहते सुना है। सही भी है, जिंदगी के कुछ पल ऐसे आते हैं जब सब कुछ धुंधला लगने लगता है। आसपास लोग होते हैं, लेकिन भीतर सन्नाटा गूंजता है। न कोई शब्द काम आता है, न कोई सलाह। बस मन थक चुका होता है, और ऐसे में ही 'साउंड हीलिंग' एक वरदान बनकर उभरता है। साउंड हीलिंग (ध्वनि चिकित्सा) एक प्राचीन उपचार विधि है, जिसमें विशेष ध्वनियों और कंपन का उपयोग करके मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक संतुलन प्राप्त किया जाता है।

प्राचीन भारत, चीन और तिब्बत में यह पद्धति हजारों वर्षों से प्रचलित है। आज यह विज्ञान भी मानता है कि ध्वनि की तरंगें हमारे मस्तिष्क की तरंगों (ब्रेन वेव्स) को प्रभावित कर सकती हैं। वैज्ञानिक भी इस बात को प्रमाणित करते हैं।जब हम 'टिबेटियन सिंगिंग बाउल' या 'ट्यूनिंग फोर्क' जैसे इंस्ट्रूमेंट की ध्वनि सुनते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क की 'ब्रेनवेव्स' को अल्फा (8-12 हर्ट्ज), थीटा (4-8 हर्ट्ज), और डेल्टा (0.5-4 हर्ट्ज) रेंज में लाने में मदद करता है। 2016 के एक अध्ययन (गोल्डस्बाई, जरनल ऑफ एविडेंस बेस्ड इंटिग्रेटिव मेडिसिन) में पाया गया कि साउंड बाउल थेरेपी के बाद प्रतिभागियों में तनाव और बेचैनी के स्तर में उल्लेखनीय कमी आई। यह उनकी ब्रेनवेव्स के शांत होने के कारण था। साउंड बाउल्स की कंपन मस्तिष्क को अल्फा और थीटा वेव्स (रिलैक्सेशन और मेडिटेशन से जुड़ी तरंगें) की ओर लाने में मदद करती है। इससे कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर कम होता है जिससे तनाव मुक्ति में मदद मिलती है और नियमित साउंड थेरेपी से नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है, विशेषकर उन लोगों में जो चिंता या अवसाद से जूझ रहे होते हैं। साउंड बाउल्स की रिदमिक वाइब्रेशन शरीर की बायोलॉजिकल रिदम (जैसे दिल की धड़कन, सांसों का चलना) को भी संतुलित करती है, जिससे हृदय गति और श्वास में संतुलन बना रहता है।

एनआईएच की कई रिसर्च में पाया गया है कि नियमित साउंड हीलिंग से ब्लड प्रेशर कम होता है जिससे कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का जोखिम घटता है।साउंड हीलिंग कोई जादू नहीं है, और न ही यह सबके लिए एक जैसा काम करती है। लेकिन जब दुनिया की आवाजें बहुत भारी लगने लगें, तब अपने भीतर की आवाज को सुनने के लिए ये एक बेहद कोमल, असरदार माध्यम बन सकती है। ये शब्दों से परे, एक कंपन है, जो हमें निराशा से खींच कर आशा और जिंदगी की ओर ले जाती है।

भारत, चीन और तिब्बत में हजारों वर्षों से प्रचलित पद्धति

अजय देवगन के साथ तीसरी बार आएंगी नजर ईशा गुप्ता

मुंबई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। अभिनेत्री ईशा गुप्ता एक बार फिर अपनी कॉमेडी और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस के साथ मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फिल्म 'धमाल-4' के साथ दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इसकी शूटिंग खत्म कर ली है। अजय देवगन के साथ 'धमाल 4' ईशा की तीसरी फिल्म है। इससे पहले वह 'बादशाहो' और 'टोटल धमाल' में अजय के साथ नजर आ चुकी हैं। पिछले महीने, ईशा और अजय को मुंबई के मढ आइलैंड पर फिल्म के कुछ अहम सीन की शूटिंग करते देखा गया था। इस दौरान सेट पर पूरी स्टारकास्ट ने खूब मस्ती की थी।

शूटिंग पूरी होने पर ईशा ने कहा कि धमाल जैसी लोकप्रिय फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। इंद्र सर, अजय और पूरी टीम के साथ 'टोटल धमाल' के बाद दोबारा काम करना एक शानदार अनुभव था। अजय इतने शानदार अभिनेता हैं कि सेट पर उनके होने भर से सबकी परफॉर्मेंस और भी बेहतर हो जाती है। सेट का माहौल हमेशा हंसी-मजाक और सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहता था। फिल्म दर्शकों को बहुत पसंद आएगी और मुझे यकीन है कि दर्शकों को हमारी मेहनत पसंद आएगी। इस फिल्म में ईशा अजय देवगन और अन्य शानदार कलाकारों जैसे रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन और संजय मिश्रा के साथ नजर आएंगी। फिल्म की बात करें तो इसका पहला पोस्टर मेकर्स ने शनिवार को रिलीज कर दिया है। फिल्म को टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है और इसका निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। वहीं, अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक मिलकर इसका निर्माण किया है। धमाल फ्रैंचाइजी की शुरुआत साल 2007 में हुई थी और इसका निर्देशन इंद्र कुमार ने ही किया था।

अयोध्या की रामलीला में मनिका विश्वकर्मा बनेंगी सीता

अयोध्या, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम करा चुकी मनिका विश्वकर्मा के हाथ एक और बड़ी उपलब्धि लगी है। मनिका अयोध्या में होने वाली सितारों की रामलीला में सीता की भूमिका निभाएंगी। मनोज तिवारी, रवि किशन, पुनीत इस्सर और रजा मुराद जैसे कई जाने-माने अभिनेता इस रामलीला का हिस्सा बनेंगे।

22 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक राम कथा पार्क में आयोजित होने वाली इस रामलीला में देश-विदेश के दर्शकों को एक अनोखा अनुभव मिलने वाला है। रामलीला के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और संस्थापक महासचिव शुभम मलिक ने जानकारी दी कि इस बार विश्व की सबसे बड़ी रामलीला में दर्शकों को और भी शानदार प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। पिछले वर्ष इस रामलीला को रिकॉर्ड तोड़ 45 करोड़ लोगों ने देखा था, जो अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है।

दुनिया के कोने-कोने से इसे देखने वाले दर्शक इसे खास और अद्वितीय बनाते हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान की रहने वाली मनिका विश्वकर्मा मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। मनिका ने कहा कि वह लंबे समय से अयोध्या आने की सोच रही थीं, लेकिन अवसर नहीं मिल पाया। अब उन्हें भगवान श्रीराम की कृपा से सीता का किरदार निभाने का अवसर मिल रहा है, जो उनके लिए जीवन का अनमोल अनुभव है।

मनिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह वर्ष उनके लिए बेहद खास है क्योंकि उन्हें एक ही समय में देश का प्रतिनिधित्व करने और अयोध्या की रामलीला में मां सीता का पावन किरदार निभाने का अवसर मिला है। बॉबी मलिक ने बताया कि इस बार रामलीला में कई चर्चित और नामी कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। परशुराम की भूमिका में पुनीत इस्सर, बाली के रूप में मनोज तिवारी, केवट के किरदार में रवि किशन, हनुमान जी के रूप में राजेश पुरी, रावण के रूप में मनीष शर्मा, भगवान राम के रूप में राहुल गुच्चर, मेघनाद की भूमिका में रजा मुराद, राजा जनक के रूप में अवतार गिल, विभीषण के रूप में राकेश बेदी और भगवान लक्ष्मण के रूप में राजन मोदी नजर आएंगे।

गांधी के प्रीमियर के साथ हंसल मेहता ने फिर की टीआईएफएफ में वापसी

मुंबई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। मशहूर फिल्म निर्माता हंसल मेहता एक बार फिर अपनी सीरीज गांधी के प्रीमियर के लिए 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में आए हुए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। निर्माता ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके साथ प्रतीक गांधी, ए.आर. रहमान और बाकी कलाकार नजर आ रहे हैं। हंसल मेहता ने पोस्ट में बताया कि वह सबसे पहले टीआईएफएफ में शाहिद के साथ आए थे। उस यात्रा ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। फिर 2016 में वह फिल्म ओमेर्ता के साथ फेस्टिवल में लौटे थे। निर्माता ने पोस्ट में लिखा कि 2012 में मैं पहली बार टीआईएफएफ में शाहिद के साथ गया था। उस यात्रा ने मेरी जिंदगी बदल दी। इसने मुझे एक आवाज दी, विश्व मंच पर एक जगह दी। 2016 में मैं ओमेर्ता के साथ फिर लौटा, यह एक ऐसी फिल्म थी, जो मेरे लिए हमेशा खास रहेगी, भले ही उसे उतना सम्मान न मिला हो, जिसकी वह हकदार थी।

उम्र के साथ नाश्ते में देरी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

- देर से नाश्ता करने से मानसिक थकान व डिप्रेशन, मुंह और दांतों की समस्याएं
- 60 वर्ष से ऊपर के लोगों को अपने नाश्ते का समय निर्धारित कर लेना चाहिए

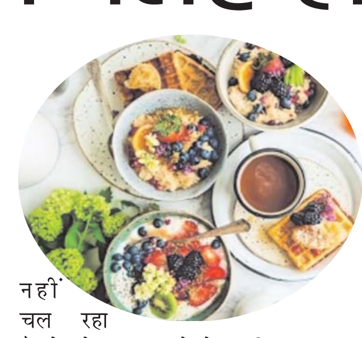

नई दिल्ली, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। क्या आपके घर में माता-पिता या दादा-दादी सुबह देर से नाश्ता करते हैं? अगर हां, तो अब थोड़ा सतर्क हो जाने की जरूरत है। अमेरिका के मास जनरल बर्मिंघम के एक नए अध्ययन में ये सामने आया है कि उम्र बढ़ने के साथ देर से नाश्ता करने की आदत कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती है। आखिर इस रिसर्च में ऐसा क्या पाया गया कि बुजुर्गों को लेकर नसीहत दी जाने लगी? इसके मुताबिक जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, लोगों का खाना खाने का समय देर से होने लगता है-खासकर सुबह का नाश्ता। लेकिन यह बदलाव छोटे-छोटे संकेत देता है कि कहीं शरीर में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। देर से नाश्ता करने से मानसिक थकान और डिप्रेशन, मुंह और दांतों की समस्याएं, दिनभर सुस्ती, और यहां तक कि समय से पहले मौत का खतरा भी थोड़ा बढ़ सकता है। मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के पोषण वैज्ञानिक और सर्कैडियन बायोलॉजिस्ट, प्रमुख हसन दश्ती ने कहा कि हमारा शोध बताता है कि बुजुर्गों के खाने के समय में बदलाव, खासकर नाश्ते के समय में, उनकी समग्र स्वास्थ्य स्थिति का आसानी से पता लगाने योग्य संकेतक हो सकता है। दश्ती की टीम ने 64 वर्ष की औसत आयु वाले लगभग 3,000 ब्रिटिश निवासियों के रक्त के नमूनों सहित डेटा का विश्लेषण किया।

प्रतिभागियों से उनके भोजन और नींद की आदतों के बारे में पूछताछ की गई, ताकि शोधकर्ता उनके जागने और नाश्ता करने, रात के खाने और सोने के समय और नाश्ते और रात के खाने के बीच के समय की गणना कर सकें।

प्रतिभागियों पर नजर

प्रतिभागियों पर 20 से अधिक वर्षों तक नजर रखी गई, और शोधकर्ताओं ने पाया कि उम्र बढ़ने के प्रत्येक अतिरिक्त दशक के साथ नाश्ते और रात के खाने में कम से कम कुछ मिनटों की देरी होती थी। शोध से पता चला है कि लगातार देर से खाना खाने से आपकी 24 घंटे की जैविक घड़ी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे शुगर में वृद्धि और स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है।

'दिमाग खाने वाले अमीबा' ने केरल में बढ़ाई मुसीबत

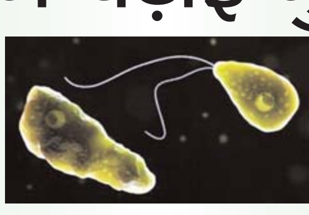

- मस्तिष्क संक्रमण से एक और मौत
- अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस एक दुर्लभ मस्तिष्क संक्रमण

कोझिकोड (केरल), 6 सितम्बर (एजेंसियां)। केरल में शनिवार सुबह मस्तिष्क संक्रमण से जुड़ी बीमारी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस से पीड़ित एक और मरीज की मौत हो गई। इस साल इस बीमारी से राज्य में मरने वालों की संख्या सात हो गई है। अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस से पीड़ित रतीश (45) वायनाड जिले के बाथेरी का रहने वाला था, जिसका एक सप्ताह से अधिक समय से कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल (केएमसीएच) में इलाज चल रहा था।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि शनिवार तड़के मरीज की मौत की सूचना मिली। रतीश को तेज बुखार और खांसी की शिकायत के बाद घर के पास एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे केएमसीएच रेफर कर दिया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

केएमसीएच में भर्ती कासरगोड जिले के एक और मरीज की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि ग्यारह अन्य का इलाज चल रहा है। शुक्रवार को एक मरीज को छुट्टी दे दी गई। केरल में इस साल अब तक अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के 42 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें से ज्यादातर मामले कोझीकोड और मलप्पुरम जिलों से सामने आए हैं। इस साल इस बीमारी से अकेले कोझीकोड में चार मौतें हुई हैं, जिनमें पिछले महीने एक तीन महीने का शिशु और एक नौ साल की बच्ची भी शामिल है।

अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस एक दुर्लभ, लेकिन बेहद खतरनाक मस्तिष्क संक्रमण है, जो नेग्लेरिया फाउलेरी नाम के अमीबा के कारण होता है। इसे आम भाषा में 'दिमाग खाने वाला अमीबा' भी कहते हैं।

दूषित पानी में तैरने या नहाने के दौरान ये अमीबा नाक के रास्ते शरीर में प्रवेश करता है। नेग्लेरिया फाउलेरी गर्म और मीठे पानी में खासकर गर्मियों और मानसून के महीनों में जीवित रहता है। मस्तिष्क संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोझीकोड और मलप्पुरम जिलों में तालाबों, कुओं और अन्य जल स्त्रोतों के पानी की जांच बढ़ा दी है। केएमसीएच ने बीमारी का पता लगाने के लिए नैदानिक सुविधाओं का विस्तार किया है। केरल के वन मंत्री ए.के. ससीन्द्रन के आवंटित धन का उपयोग अतिरिक्त परीक्षण उपकरण खरीदने के लिए किया जाएगा। केरल सरकार पूरे राज्य में कुओं, पानी की टंकियों और सार्वजनिक जल निकायों की सफाई का अभियान चला रही है।

दीपिका चिखलिया का राजस्थानी अवतार

रामायण की सीता ने फिर जीता फैंस का दिल

मुंबई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। रामानंद सागर की रामायण का जिक्र होते ही हर दिल में माता सीता का किरदार याद आने लगता है। इस किरदार को निभाने वाली अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने अपनी सादगी और अभिनय से हर घर में खास जगह बनाई। आज भी वह अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं। हाल ही में दीपिका ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह राजस्थानी राजपूत परिधान में नजर आ रही हैं।

पोस्ट किए गए वीडियो में दीपिका राजस्थानी राजपूताना पोशाक (बेस) में सजी-धजी दिख रही हैं। मांग टीका, चूड़ियां (पोची), और पारंपरिक गहनों से सजा उनका लुक बेहद आकर्षक है। हर छोटी-बड़ी डिटेल पर बारीकी से ध्यान दिया गया है, जो उनके किरदार को और भी खास बनाता है। उनकी चाल-ढाल में राजस्थानी संस्कृति की झलक साफ दिखाई देती है। वीडियो के बैकग्राउंड में 'सैयां ले गई जिया' गाना उनकी शोभा को और बढ़ाता है। इस लुक ने फैंस को फिर से उनकी सीता मां की याद दिला दी।

फैंस इस वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, 'वाह,' तो दूसरे यूजर ने लिखा कि जय मां सीता। एक और यूजर ने लिखा, राजस्थानी पोशाक में आप बेहद खूबसूरत लग रही हैं। दीपिका का यह राजस्थानी अवतार न केवल उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वह आज भी दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं।

बता दें, यह गाना साल 1969 में आई फिल्म एक फूल दो माली का का है, जिसको गायिका आशा भोसले ने गाया है।

योगासनों से पेल्विक मसल्स की कमजोरी होगी दूर

मुंबई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। आजकल ज्यादाकर महिलाएं पेल्विक मसल्स की कमजोरी की समस्या से जूझ रही हैं। मांसपेशियां कमजोर होने की कई वजहें हो सकती हैं, जैसे मोटापा, पेल्विक सर्जरी, कब्ज, खांसी, और बढ़ती उम्र। खासकर गर्भावस्था और डिलीवरी के दौरान महिलाओं के पेल्विक मसल्स पर ज्यादा दबाव पड़ता है, जिससे कई तरह की दिक्कतें शुरू होने लगती हैं।

पेल्विक मसल्स हमारे शरीर के निचले हिस्से में होती हैं, जो अंदरूनी अंगों जैसे यूट्रस, वजाइना, ब्लैडर और बाउल को सहारा देती हैं। इन्हें मजबूत रखना बहुत जरूरी है ताकि ये अंग सही तरीके से काम कर सकें। योगाभ्यास की मदद से इन्हें मजबूत किया जा सकता है।

सेतुबंधासन : सेतुबंधासन को ब्रिज पोज भी कहा जाता है। इसे करने से पेल्विक मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर के निचले हिस्से में खिंचाव आता है। इस आसन में सबसे पहले जमीन पर पीठ के बल लेटना होता है। फिर घुटनों को मोड़कर पैरों को जमीन पर टिकाएं। हाथों की मदद से पैरों की एड़ियों को पकड़ें। अब धीरे-धीरे कमर और कूल्हे को ऊपर उठाएं, जैसे कि शरीर पुल की तरह बना हो। इस स्थिति में 1-2 मिनट रहें और फिर धीरे-धीरे नीचे आएं। इसे 4-5 बार दोहराने से पेल्विक मसल्स मजबूत होती हैं और कमर दर्द भी कम होता है।

मलासन : मलासन एक आसान योगासन है जो पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों को टोन करता है। इसे करने के लिए दोनों पैरों को मोड़कर नीचे की ओर बैठ जाएं। घुटनों के ऊपर हाथ रखकर हथेलियां जोड़ लें। पीठ सीधी रखें और इस मुद्रा में 2 मिनट तक आराम से बैठें। इस आसन को बार-बार करने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है और पेल्विक मसल्स मजबूत बनती हैं।

हनुमानासन : हनुमानासन को फ्रंट स्प्लिट्स भी कहा जाता है। यह आसन शरीर की लचक बढ़ाने में मदद करता है और खासकर पेल्विक मसल्स को ताकत देता है। इस आसन में पहले घुटनों के बल बैठें। फिर एक पैर को धीरे-धीरे आगे और दूसरे को पीछे की ओर फैलाएं। कोशिश करें कि कूल्हे जमीन से लग जाएं। दोनों हाथ ऊपर उठाकर नमस्कार की मुद्रा बनाएं और 2 मिनट तक रहें। इसका अभ्यास करने से पेल्विक मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर लचीला बनता है। बता दें कि पेल्विक मसल्स मूत्र और मल पर कंट्रोल रखने में भी मदद करती हैं। कमजोर पेल्विक मसल्स से 'प्रोलैप्स' जैसी समस्या हो सकती है। इसलिए पेल्विक मसल्स को मजबूत रखना जरूरी है ताकि आप स्वस्थ रहें।

पूर्णिमा श्राद्ध महत्व, पूजा का समय और नियम

- श्राद्ध कर्म करने से पितरों की आत्मा को मिलती है शांति
- श्राद्ध कर्म में पितरों के नाम से दान, तर्पण व ब्राह्मण भोज

मुंबई, 6 सितम्बर (एजेंसियां)। भाद्रपद के शुक्ल पक्ष का पूर्णिमा श्राद्ध रविवार को है। यह श्राद्ध पितृ पक्ष से ठीक एक दिन पहले पड़ता है। इस दिन उन सभी पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी मृत्यु पूर्णिमा तिथि को हुई हो।

दृक पंचांग के अनुसार, इस दिन सूर्य सिंह राशि में रहेगा और चंद्रमा कुंभ राशि में रहेगा। वहीं, अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 54 मिनट से शुरू होकर दोपहर 12 बजकर 44 मिनट तक रहेगा।

पूर्णिमा श्राद्ध को पार्वण श्राद्ध के नाम से भी जाना जाता है। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से आयोजित किया जाता है जिनका देहांत पूर्णिमा तिथि को हुआ हो। मान्यता है कि इस दिन श्राद्ध कर्म करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और वे अपने वंशजों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं। यह श्राद्ध पितृ पक्ष की शुरुआत से पहले एक महत्वपूर्ण धार्मिक कृत्य है। विद्वानों के अनुसार, श्राद्ध के सभी अनुष्ठान अपराह्न काल (दोपहर 12 बजे के बाद से मध्य रात्रि रात 12 बजे के पहले) समाप्त होने से पहले पूरे कर लेने चाहिए। अनुष्ठान के अंत में तर्पण करना अनिवार्य है, जो पितरों को तृप्त करने का महत्वपूर्ण हिस्सा है। श्राद्ध कर्म में पितरों के नाम से दान, तर्पण व ब्राह्मण भोज कराया जाता है और उन्हें दान-दक्षिणा दी जाती है। यह माना जाता है कि ब्राह्मणों को भोजन कराने से वह सीधे पूर्वजों तक पहुंचता है। इसके बाद शुभ मुहूर्त में पवित्र नदी या घर पर तर्पण किया जाता है। इस दिन सात्विक भोजन और दान का विशेष महत्व है। श्राद्ध का एक महत्वपूर्ण भाग कौए (यम का दूत), गाय और कुत्ते को भी भोजन कराना है, क्योंकि इन्हें पूर्वजों का प्रतिनिधि माना जाता है। यह धार्मिक अनुष्ठान न केवल पितरों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का अवसर है, बल्कि यह परिवार की सुख-शांति और समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

मंत्री टंकराम वर्मा ने शिक्षकों का शॉल और श्रीफल से किया सम्मान

तिल्दा-नेवरा, 6 सितंबर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर तिल्दा के पीएमश्री कन्या विद्यालय में आयोजित ऱ्शिक्षक सम्मान समारोह-2025ऱ् में मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। मंत्री वर्मा ने इस अवसर पर शिक्षकों को उनके योगदान के लिए शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों की समर्पित निष्ठा तथा निरंतर प्रयासों से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा प्राप्त हो रही है। शिक्षकों का यह योगदान न केवल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी अमूल्य सहयोग प्रदान करता है।

शिक्षकों की मांग को अभिमन्यु वर्मा ने भाजपा सरकार के पूर्व कार्यकाल में दिए जा रहे केंद्र के अनुरूप महंगाई भत्ते जैसे अन्य सुविधाएं को पुन: प्रारंभ करने जैसे अन्य मांग को रखी जिसको मंत्री ने सहमति जताई।

टंकराम वर्मा ने कहा कि कि हमको उच्च शिक्षा विभाग में बहुत सा काम करने की जरूरत है। पहले तो प्राध्यापक की कमी है। जितने डेपुटेशन में बाहर गए हैं। जितने कहीं-कहीं संलग्न हैं। उनको वापस लाओ। उनको हम कॉलेज भेजेंगे। जितनी शिकायत आ रही है अध्यापकों की कमी की। पदोन्नति, वेतन, पेंशन सब रुका हुआ है। एक महीने में क्लियर करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री वर्मा ने कहा कि जितने लोग काम नहीं कर पा रहे हैं। हम फिल्टर करेंगे। जो राजधानी में बैठे हैं। जिन्हें राजधानी में रहना मंजूर है लेकिन काम करके दिखाना पड़ेगा। नहीं तो वापस तुरंत अंचल में भेजेंगे और हमको शिक्षक की समस्याओं का समाधान करना है। जब तक शिक्षक की समस्या समाधान नहीं होगा। पढ़ने में मन लगेगा नहीं। मंत्री वर्मा ने कहा कि वैसे ही हम अपने स्कूल शिक्षा विभाग, जो हमारे विधानसभा का है उसमें चाहते हैं कि हमारा शिक्षा में अच्छा नाम हो। हमारे बच्चे आगे बढ़ें। मेरा बहुत सपना है काम करने का। यह बलौदाबाजार विधानसभा 90 विधानसभाओं में एक मॉडल दिखाना चाहिए। हमारे सरपंचों को भी कहता हूं कि गांव में आप एक सीसी रोड मत बनवाइए चलेगा लेकिन स्कूल में बाउंड्रीवालों होना चाहिए। गांव में सामुदायिक नहीं हो लेकिन स्कूल में शौचालय और पीने के पानी व्यवस्था होना चाहिए।

मंत्री वर्मा ने कहा कि गांव में जितने लोग शरारती हैं। वे आत्मसमर्पण करते हैं तो स्कूल में ही करते हैं। यह बहुत तकलीफ है। हम सबको स्कूल की सुरक्षा में ध्यान देना है। कैसे हो हमारा स्कूल, शिक्षक के साथ तालमेल बिठाकर के काम करना है।

इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री और रायपुर जिला पंचायत सांसद प्रतिनिधि अनिल अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला खुमान वर्मा, जनपद सदस्य नरसिंह वर्मा, पलक विकाश सुखवानी, मनोज निषाद, नरसिंह वर्मा, टेकराम यादव, गोपाल साहू, आदर्श वर्मा उपस्थित रहे।

गणेशोत्सव पर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत किया जिपं उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने

बागबाहरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। भादो मास के पावन अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में गणेशोत्सव समिति के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने शिरकत किया। आयोजित कार्यक्रमों में नवांचल क्षेत्र के ग्राम मातरबाहरा (हाथीबाहरा) में मौर्य गणेश उत्सव समिति के तत्वाधान में एक दिवसीय रामचरित्र मानसगान एवं रात्रिकालीन मनोरंजन हेतु रंगधारा छत्तीसगढ़ी नाचा पार्टी का भव्य आयोजन हुआ। जहां अपने इष्ट मित्रों सहित पहुंचकर क्षेत्र की कुशलता, सुखी और समृद्ध जीवन की मंगलकामना करते हुए ग्रामवासियों को शुभकामनाएं दी। तथा श्री ठाकुर ने संबोधित कर कहा कि हमें अपने जीवन में श्री रामचंद्र जी के आदर्शों को आत्मसात करना चाहिए। कठिन से कठिन परिस्थितियों में परिवार जनों के साथ खड़ा होकर अपने दायित्व का

निर्वहन करना चाहिए। रामचरित्र मानस से हमें त्याग, प्रेम, स्नेह, मर्यादा और भाईचारे की सीख मिलती है। वहीं क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान एक अन्य कार्यक्रम में आतिथ्य स्वीकार कर ग्राम टेंगराही (गुलझर), ग्राम पंचायत भोथा में आयोजित एक दिवसीय रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होकर आयोजन समिति, समस्त ग्रामवासी व आगंतुक खेल प्रेमियों एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री ठाकुर ने उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे जीवन में खेलों का भी बहुत बड़ा महत्व होता है। खेल केवल एक मनोरंजन ही नहीं अपितु खेल हमारे जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। खेल से हमें अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास का विकास होता है। खेल शारीरिक रूप से सशक्त ही नहीं बनाते, बल्कि एकाग्रता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को भी बढ़ाते हैं। संबोधन की कड़ी में आगे श्री ठाकुर ने कहा कि सभी कार्यों के साथ शिक्षा और रोजगार को भी महत्व देना आवश्यक बताया। तथा युवाओं को नशामुक्ति पर जोर देते हुए नशापान से दूर रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सुखी जीवन जीने के लिए नशापान का त्याग करना अति आवश्यक है। क्योंकि कहा जाता है- 'स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।' श्री ठाकुर ने आत्मीय स्वागत अभिनंदन एवं अपार प्रेम - स्नेह और आशीर्वाद के लिए आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए धन्यवाद और आभार प्रकट किया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भीखम सिंह ठाकुर सहित तुलाराम ठाकुर सभापति जनपद पंचायत बागबाहरा, पूरन सबर भाजपा नेता, ओमप्रकाश ध्रुव, बहुर देशकर एवं अधिक संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

दीपा ने बढ़ाया संकुल केंद्र देवरी का मान

बागबाहरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। रजत जयंती वर्ष 2025 हेतु उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह के लिए जिला स्तर पर सुश्री दीपा महार का चयन होने पर संकुल प्राचार्य डी एस टंडन एवं संकुल समन्वयक शमनोज चक्रधारी ने हर्ष व्यक्त किया है। उसके उपलब्धि पर संकुल केंद्र देवरी के समस्त शाला परिवार समेत ग्राम पंचायत देवरी की सरपंच श्रीमती अहिल्या बाई शांता राम साहू, शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रमेश पटेल, जनपद सदस्य राहुल चंद्राकर, सदस्य राकेश चंद्राकर, पंचायत सचिव प्रीतम यादव आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष का बागबाहरा में स्वागत

बागबाहरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का बागबाहरा नगर में आगमन होने पर भाजपाइयों ने उनसे सौजन्य भेंट मुलाकात कर उनका आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, नरेश चंद्राकर वरिष्ठ भाजपा नेता, हीरा साहू, अजय ध्रुव, ओमप्रकाश ध्रुव आदि उपस्थित थे।

न्यायालय जिला विवाह अधिकारी महासमुंद
फार्म अ

सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि आवेदक देवाशीष गोस्वामी पिता श्री सतीश गोस्वामी उम्र 22 वर्ष जाति गोस्वामी, निवासी ग्राम छिबर्रा थाना कोमाखान तहसील बागबाहरा जिला महासमुंद (छ.ग.) एवं अंजली ठाकुर पिता श्री उत्तम ठाकुर निवासी ग्राम छिबर्रा थाना कोमाखान तहसील बागबाहरा जिला महासमुंद छ.ग. ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 01 अक्टूबर 2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा वह शून्य माना जावेगा।

आज दिनांक 01.09.2025 को इस न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित जारी किया गया।

जिला विवाह अधिकारी
मुहर महासमुंद

शपथ पत्र

मैं विमला पति श्री राम हरी पटेल उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम टेकापार पो. बोरी तह.धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन 491001 निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूँ :-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।
2 यह कि मैं बिमला पटेल उर्फ विमला पति श्री राम हरी पटेल उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम टेकापार पो. बोरी तह.धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन 491001 मैं स्वयं आवेदिका हूँ।
3 यह कि बिमला पटेल उर्फ विमला पति श्री राम हरी पटेल उम्र 32 वर्ष का नाम मतदाता परिचय पत्र व स्कुल रिकार्ड में विमला नाम से दर्ज है। तथा आधार कार्ड में मेरा नाम बिमला पटेल नाम दर्ज है, जिसे परिवर्तित कर वास्तविक नाम विमला पति हरी सिंह नाम विधिक दस्तावेजों (मतदाता परिचय पत्र, व स्कुल एवं अन्य शासकीय रिकार्ड) में दर्ज नाम अनुसार जाना पहचाना व पुकारा जाए जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।
4. यह कि मेरे द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र नाम सुधार हेतु समक्ष अधिकारी के समक्ष पेश है।

शपथकर्ता

आमसूचना

मैं मेरे पक्षकार श्री राजकुमार प्रजापति पुत्र स्व. नवरंग प्रजापति उम्र लगभग 60 वर्ष, निवासी - न्यू शांति नगर, रायपुर (छ.ग.) की ओर से उनके निर्देशानुसार इस आम सूचना के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार ने अपने पुत्र श्री तरूण प्रजापति उम्र लगभग 25 वर्ष, उसकी पत्नि श्रीमती जयश्री प्रजापति तथा उसके पुत्र भव्य प्रजापति को उसकी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब इन व्यक्तियों का मेरे पक्षकार की चल व अचल सम्पत्ति जो उसने स्वयं के व्यापार व्यवसाय से अर्जित की है, मे कोई हक शेष नहीं है नहीं है और ना ही मेरे पक्षकार का उसके पुत्र और उसके परिवार से कोई लेना-देना शेष है।

मेरा पक्षकार यह घोषणा करता है कि, अब उसका उपरोक्त व्यक्तियों से कोई संबंध अथवा सरोकार नहीं है और वह सर्वसाधारण को सूचित करता है कि कोई भी व्यक्ति, संस्था अथवा निकाय इनसे उसकी चल व अचल सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार ना करे यदि कोई व्यक्ति इनसे उसकी चल व अचल सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार करता है तो उसके लिये मेरा पक्षकार जिम्मेदार नहीं होगा और परिणाम के लिये वह व्यक्ति स्वंय जिम्मेदार होगा।

तद्अनुसार सर्वसाधारण सूचित हो !
सूचनाकर्ता
चन्द्रशेखर दुबे (अधिवक्ता)
23ए, पुराना पंचशील नगर,
सिविल लाईन्स, रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 9981921050

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम पंकज कुमार भानूशाली पिता किशोर भानूशाली निवासी मकान नं. 28, सिविल लाईन वार्ड नं. 07 जगदलपुर, जिला बस्तर छ.ग. यह शपथ करती/करता हूँ कि मैंने अपना पुराना नाम पंकज कुमार भानूशाली को त्याग कर नया नाम पंकज भानूशाली पिता किशोर भानूशाली रख लिया हूँ। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम पंकज भानूशाली से ही जाना पहचाना जावे।

पंकज भानूशाली
निवासी-मकान नं. 28.
सिविल लाईन वार्ड नं. 07
जगदलपुर, जिला बस्तर छ.ग.

न्यायालय आयुक्त, कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम, श्रम न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)
सूचना-पत्र

प्रकरण क्रमांक-39/ई.सी.एक्ट/2025 विविध
पेशी तिथि 29.09.2025
श्रीमती रमा ध.प. स्व. युगल किशोर व अन्य वि
मेसर्स ओम साई कान्ट्रेक्टर प्रो. सौरभ सिंह

सर्व संबंधित पक्षकारो को सूचित किया जाता है कि श्रमिक /कर्मचारी मृतक युगल किशोर / आत्मज छगन लाल का दिनांक 07.06.2025 को नियोजक के नियोजन में हुई मृत्यु का क्षतिधन राशि 10,91,584/- (दस लाख इन्क्यानबे हजार पांच सौ चौरासी रूपये) नियोजक / बीमा कंपनी ने जमा किया है।

उक्त मृतक का कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम के तहत जो अपने आपको आश्रित व क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त करने का अधिकारी समझते हों, वे इस न्यायालय में समाबेशी तिथि 29.09.2025 को प्रात: 11.00 बजे उपस्थित होकर आवेदन अभिप्रमाणित फोटो, बैंक पास मूल एवं फोटो प्रति, दो स्वतंत्र साक्षी तथा अन्य दस्तावेज प्रमाण के साथ उपस्थित होवे। जमा राशि आबंटन में यदि कोई आपत्ति हो तो वे आपत्ति पेश करें। आपत्ति पेश ना होने की स्थिति में जमा राशि भुगतान बाबत् अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 04.01.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्याायलय की मुद्रा से जारी किया गया।

(यशवंत कुमार सारथी)
न्यायालय आयुक्त, कर्मचारी प्रतिकर
मुहर अधिनियम, श्रम न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)
फार्म - अ
सार्वजनिक सूचना (नियम 6 देखिए)

सर्व साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है श्री उमेश साहू पिता सदाराम साहू, उम्र 30 वर्ष, निवास-ग्राम पो.आ. आड़ावाल तहसील जगदलपुर, जिला बस्तर, छ.ग. एवं कु. रीता पिता रघुनाथ पटेल, उम्र 27 वर्ष, निवासी-ग्राम नगरनार, उपनपाल रोड, नाकापारा, तहसील जगदलपुर, जिला बस्तर छ.ग. के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत अपने विवाह के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

प्रस्तावित विवाह के आपत्ति करने इच्छुक व्यक्ति कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 12/09/2025 के पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा वह शून्य माना जावेगा ।

आज दिनाक 06/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी।

अपर कलेक्टर
एवं विशेष विवाह अधिकारी
मुहर जिला - बस्तर (छ.ग.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, KALYAN SINGH BHARADWAJ S/O MANBAHAL SINGH BHARDWAJ resident of QTR NO.-1/A, STREET-27/B, SECTOR-07, BHILAI NAGAR DISTT- DURG (C.G.) 490006 have changed my old name KALYAN SINGH BHARADWAJ S/O MANBAHAL SINGH BHARDWAJ so in future I should be recognized by my new name that is KALYAN SINGH BHARDWAJ S/O MANBAHAL SINGH BHARDWAJ in all Government and other documents.

KALYAN SINGH BHARDWAJ
QTR NO.-1/A, STREET-27/B,
SECTOR-07, BHILAI NAGAR
DISTT- DURG (C.G.) 490006

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, VIKRAM SINGH BHARADWAJ S/O KALYAN SINGH BHARDWAJ resident of QTR NO.-1/A, STREET-27/B, BOIRYA TUYPE, ANENUE-B SECTOR-07, BHILAI NAGAR DISTT- DURG (C.G.) 490006 have changed my old name VIKRAM SINGH BHARADWAJ S/O KALYAN SINGH BHARDWAJ so in future I should be recognized by my new name that is VIKRAM SINGH BHARDWAJ S/O KALYAN SINGH BHARDWAJ in all Government and other documents.

VIKRAM SINGH BHARDWAJ
QTR NO.-1/A, STREET-27/B,
BOIRYA TUYPE, ANENUE-B
SECTOR-07, BHILAI NAGAR
DISTT- DURG (C.G.) 490006

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, KARISHMA D/O AADO RAM SARWA resident of HOUSE NO.-13, SCHOOL PARA VILLAGE AND POST BAGODAR DISTT- KANKER (C.G.) 494334 have changed my old name KARISHMA D/O AADO RAM SARWA so in future I should be recognized by my new name that is KARISHMA SARWA D/O AADO RAM SARWA in all Government and other documents.

KARISHMA SARWA
HOUSE NO.-13, SCHOOL
PARA VILLAGE AND POST
BAGODAR DISTT- KANKER
(C.G.) 494334

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, SANDEEP KUMAR PARAKH S/O LAXMI CHAND PARAKH resident of HOUSE NO 02 WARD NO 41 NAVKAR PARISAR CHOUKHDIYA PARA NEAR GAURAV PATH RAJNANDGAON (C.G.) have changed my old name SANDEEP KUMAR PARAKH S/O LAXMI CHAND PARAKH so in future I should be recognized by my new name that is SANDEEP PARAKH S/O LAXMI CHAND PARAKH in all Government and other documents.

SANDEEP PARAKH
HOUSE NO 02 WARD NO 41
NAVKAR PARISAR
CHOUKHDIYA PARA NEAR
GAURAV PATH
RAJNANDGAON (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, DHARAMVEER PRASAD S/O RAJESHWAR PRASAD resident of HOUSE NO G-6/16, CHOUHAN TOWN, WARD NO.2, JUNWANI, BHILAI, DURG. (C.G.) 490020 have changed my old name DHARAMVEER PRASAD S/O RAJESHWAR PRASAD so in future I should be recognized by my new name that is DHARMVEER PRASAD S/O RAJESHWAR PRASAD in all Government and other documents.

DHARMVEER PRASAD
HOUSE NO G-6/16, CHOUHAN
TOWN, WARD NO.2, JUNWANI,
BHILAI, DURG. (C.G.) 490020

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, PRAMOD MOURYA S/O SUNDER LAL MOURYA resident of HOUSE NO.176, WARD NO.47, MOHARA ROAD, RAJNANDGAON, (C.G.). 491441 have changed my old name PRAMOD MOURYA S/O SUNDER LAL MOURYA so in future I should be recognized by my new name that is PRAMOD KUMAR MOURYA S/O SUNDER LAL MOURYA in all Government and other documents.

PRAMOD KUMAR MOURYA
HOUSE NO.176, WARD NO.47,
MOHARA ROAD,
RAJNANDGAON, (C.G.).
491441

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.....अ/2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नीरज पुंशी पिता रवि प्रकाश पुंशी निवासी बजरंग वार्ड भाटापारा, तहसील- आटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पटपर प.ह.न. 39, रा.नि.मं. पटपर, तहसील-भाटापारा जिल्ला-बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 200/23 रकबा 0.0196 हेक्टेयर अर्थात 2113 वर्गफुट, लगान 0.05 रुपये भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ खसरा, नक्शा, बी। प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/दावा हो तो प्रकरण नियत 12/09/2025 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी कियागया।

सील अनुविभागीय अधिकारी(रा.)
भाटापारा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र...अ/2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक ओम पुंशी पिता कमल कुमार पुंशी निवासी बजरंग वार्ड भाटापारा, तहसील- भाटापारा, जिला बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पटपर प.ह.न. 39, रा.नि.मं. पटपर, तहसील-भाटापारा जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 200/22 रकबा 0.0196 हेक्टेयर अर्थात 2112 वर्गफुट, लगान 0.05 रुपये भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ खसरा, नक्शा, बी-1 प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो प्रकरण नियत 12/09/2025 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति/ दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी कियागया।

सील अनुविभागीय अधिकारी(रा.)
भाटापारा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.....अ/2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक परदेशी देवांगन पिता बलदेव देवांगन निवासी ग्राम तरेंगा, तहसील-भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- हथनी प.ह.न. 40 तहसील-भाटापारा जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 661/9 रकबा 0.0116 हेक्टेयर अर्थात 1250 वर्गफुट, लगान 0.03 रुपये भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ खसरा, नक्शा, बी-१ प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/दावा हो तो प्रकरण नियत 12/09/2025 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

सील अनुविभागीय अधिकारी(रा.)
भाटापारा

न्यायालय नजूल अधिकारी भाटापारा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.क्र....अ/20 (1) वर्ष 2024-25
साकिन- भाटापारा

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण कमलेश कुमार पिता रावलदास जसवानी एवं अन्य 02 निवासी- महासती वार्ड भाटापारा तहसील- भाटापारा जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.) ने नगर भाटापारा स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 16, प्लाट नं. 42/1, क्षेत्रफल 108 वर्गमीटर, निर्धारण 6.40 रुपये एवं प्लाट नं.43/1, क्षेत्रफल 41 वर्गमीटर, निर्धारण 2.55 रुपये भूमि जो कि नजूल अभिलेख में आवेदकगण कमलेश कुमार, अनिल, सुनील कुमार पिता रावलदास जसवानी के संयुक्त नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि का प्रयोग आवासीय सह-व्यावसायिक प्रयोजन हेतु किया जा रहा है। उक्त पट्टे की लीज/अवधि वर्ष 2014 में समाप्त होने का उल्लेख करते हुए पट्टा नवीनीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ शपथपत्र एवं मेंटनेंस खसरा कि छायाप्रति संलग्न किया है। जिसके सम्बन्ध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी को आपत्ति / दावा करना हो तो अपना आपत्ति दावा प्रकरण सुनवाई हेतु नियत दिनांक 30/09/2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त दिनांक पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील नजूल अधिकारी
भाटापारा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.कं. अ/2 वर्ष 2024-25
वाद भूमि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक उन्नति एग्रो फार्म द्वारा पाटनर प्रकाश दावडा पिता मगनलाल कास्तकार ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं.29 तहसील सुहेला में स्थित भूमि खसरा नम्बर 315, 333, 377, 379, 391 रकबा क्रमश: 0.5000, 3.5700, 4.0900, 9.3400 हे. कुल खसरा नं. 05 कुल रकबा 24.2500 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवदेक के नाम पर दर्ज है। आवेदक उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने आवेदन पत्र मय शपथ पत्र बी-1 खसरा की प्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न कर निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 19.09.2025 तक अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 04.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा सहित जारी किया गया।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.कं. अ/2 वर्ष 2024-25
वाद भूमि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कुमारी प्रगति पिता प्रकाश दावडा कास्तकार ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला में स्थित भूमि खसरा नम्बर 319, 325, 371, 372 रकबा क्रमश: 0.8300, 1.5200, 0.6000, 0.5900 हे. कुल खसरा नं. 04 कुल रकबा 3.5400 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदिका के नाम पर दर्ज है। आवेदिका उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने आवेदन पत्र मय शपथ पत्र बी-1 खसरा की प्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न कर निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 19.09.2025 तक अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 04.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.कं. अ/2 वर्ष 2024-25
वाद भूमि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29,

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रकाश दावडा पिता मगनलाल कास्तकार ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला में स्थितभूमि खसरा नंम्बर 88/2, 322/2, 331/2, 331/4, 332, 383, 384, 385 रकबा क्रमश: 0.4000, 0.3000, 0.2000, 0.0700, 0.1300, 0.1600, 0.4800, 0.1600 हे. कुल खसरा नं. 08 कुल रकबा 1.9000 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने आवेदन पत्र मय शपथ पत्र बी-1 खसरा की प्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न कर निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 19.09.2025 तक अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 04.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.कं. अ/2 वर्ष 2024-25
वाद भूमि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं 29

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका ज्योति दावडा पति प्रकाश दावडा कास्तकार ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला में स्थित भूमि खसरा नम्बर 318/2, 322/3, 370/1 रकबा क्रमश: 0.4900, 0.4000, 2.2000 हे. कुल खसरा नम्बर 03 कुल रकबा 3.0900 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदिका के नाम पर दर्ज है। आवेदिका उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने आवेदन पत्र मय शपथ पत्र बी-1 खसरा की प्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न कर निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 19.09.2025 तक अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 04.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.कं. अ/2 वर्ष 2024-25
वाद भूमि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापार को सूचित किया जाता है कि आवेदक समृद्धि बीवरेज प्रा.लि. द्वारा प्रबंध संचालक चिन्मय दावडा पिता प्रकाश दावडा कास्तकारा ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 20 तहसील सुहेला में स्थित भूमि खसरा नम्बर 89, 318/5, 320, 321, 323, 324/2 326, 327, 331/3, 336/1, 374, 375, 376, 378, 388 रकबा क्रमश: 0.2600, 0.8200, 0.4400, 1.9500, 0.2000, 1.6200, 2.0000, 0.2000, 0.4000, 0.7300, 1.0700, 10.1500, 9.1900, 1.7200 हे. कुल खसरा नं. 15 कुल रकबा 31.0100 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने आवेदन पत्र मय शपथ पत्र बी-1 खरसा की प्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न कर निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 19.09.2025 तक आपत्ति दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 04.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.कं. अ/2 वर्ष 2024-25
वाद भूमि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29,

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक चिन्मय दावडा पिता प्रकाश दावडा कास्तकार ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सोनबरसा प.ह.नं. 29 तहसील सुहेला में स्थित भूमि खसरा नम्बर 334/1, शामिल 3351, 334/2 शामिल 335/2, 334/3, शामिल 335/3, 334/4 शामिल 335/4, 334/5 शामिल 335/5 रकबा क्रमश: 0.1000, 0.1000, 0.1100, 0.1000 हे. कुल खसरा नम्बर 05 कुल रकबा 0.5300 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने आवेदन पत्र मय शपथ पत्र बी-1 खसरा की प्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सौर ऊर्जा) हेतु पुर्न कर निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 19.09.2025 तक अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 04.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा

न्यायालय नजूल अधिकारी भाटापारा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.क्र....अ/20 (1) वर्ष 2024-25
साकिन- भाटापारा

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नंदलाल पिता नेभनदास जसवानी निवासी - महासती वार्ड भाटापारा तहसील- भाटापारा जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.) ने नगर भाटापारा स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 10, प्लाट नं. 27/1, क्षेत्रफल 135 वर्गमीटर, निर्धारण 8.20 रुपये भूमि जो कि नजूल अभिलेख में आवेदक के एकल नाम पर दर्ज है। सह-व्यावसायिक प्रयोजन हेतु किया जा रहा है। उक्त पट्टे की लीज/अवधि उल्लेख करते हुए पट्टा नवीनीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया पत्र के साथ शपथपत्र एवं मेंटनेंस खसरा कि छायाप्रति संलग्न किया है। न्यायालय में विचाराधीन है । उक्त भूमि का प्रयोग आवासीय वर्ष 2013 में समाप्त होने का है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन जिसके सम्बन्ध में प्रकरण इस

अत: उक्त संबंध में जिस किसी को आपत्ति / दावा करना हो तो अपना आपत्ति दावा प्रकरण सुनवाई हेतु नियत दिनांक 30/09/2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त दिनांक पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील नजूल अधिकारी
भाटापारा

न्यायालय नजूल अधिकारी भाटापारा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.क्र.....अ/20 (1) वर्ष 2024-25
साकिन- भाटापारा

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नंदलाल पिता नेभनदास जसवानी निवासी- महासती वार्ड भाटापारा तहसील- भाटापारा जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.) ने नगर भाटापारा स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 16, प्लाट नं. 47/1, क्षेत्रफल 85 वर्गमीटर, निर्धारण 15.20 रुपये भूमि जो कि नजूल अभिलेख में आवेदक के एकल नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि का प्रयोग आवासीय सह-व्यावसायिक प्रयोजन हेतु किया जा रहा है। उक्त पट्टे की लीज/अवधि वर्ष 2014 में समाप्त होने का उल्लेख करते हुए पट्टा नवीनीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ शपथपत्र एवं मेंटनेंस खसरा कि छायाप्रति संलग्न किया है। जिसके सम्बन्ध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है ।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी को आपत्ति / दावा करना हो तो अपना आपत्ति दावा प्रकरण सुनवाई हेतु नियत दिनांक 30/09/2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त दिनांक पश्चात् प्राप्त आपत्ति/ दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील नजूल अधिकारी
भाटापारा

रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में एक नया आयाम: मुख्यमंत्री

- एम्स रायपुर में 'देव हस्त' रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ
- मुख्यमंत्री ने स्वयं किया 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन
- मरीजों के परिजनों के लिए एम्स रायपुर में बनेगा सर्व-सुविधायुक्त परिजन निवास

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित टाटीबंध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मध्य भारत के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों के प्रथम रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम 'देव हस्त' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में एक नया आयाम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रदेश की जनता को अत्याधुनिक और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री साय ने स्वयं 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन कर इस अत्याधुनिक तकनीक की औपचारिक शुरुआत की। यह सिस्टम मध्य भारत के किसी शासकीय स्वास्थ्य संस्थान में स्थापित होने वाला पहला रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर एम्स रायपुर में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भर्ती होने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा हेतु एम्स रायपुर में सर्व-सुविधायुक्त परिजन निवास निर्माण की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों को धरती पर भगवान का रूप माना जाता है क्योंकि वे हमें जीवन प्रदान करते हैं। आज जिस रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ हो रहा है, उसे 'देव हस्त' नाम दिया गया है। इसका लाभ न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि एम्स रायपुर में भर्ती होने वाले अन्य राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा। एम्स रायपुर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में लगातार मील का पत्थर साबित हो रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एम्स रायपुर से मुझे विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि जब रायपुर एम्स के निर्माण को स्वीकृति मिली, उस समय मैं सांसद था और प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से छत्तीसगढ़ में एम्स की शाखा स्थापित करने का आग्रह किया था। यह आवश्यक था ताकि दिल्ली स्थित एकमात्र एम्स पर मरीजों का दबाव कम हो और अन्य राज्यों के लोगों को भी उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके राज्य में ही उपलब्ध हो। हमारा सौभाग्य है कि जिन छह राज्यों में एम्स स्थापित करने की स्वीकृति मिली, उनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि समय के साथ जहाँ चिकित्सा सुविधाएँ बढ़ रही हैं, वहीं बीमारियों का दायरा भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति में रोबोटिक सर्जरी का विशेष महत्व है। इसके माध्यम से चिकित्सकीय क्षमता और गुणवत्ता में कई गुना वृद्धि की जा सकती है। छत्तीसगढ़ को 'देव हस्त' रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का अत्यधिक लाभ मिलेगा और शीघ्र ही राजधानी रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भी रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने 'देव हस्त' के नामकरण हेतु आयोजित प्रतियोगिता की विजेता सुश्री ज्योत्स्ना किराडू को पाँच हजार रुपये की पुरस्कार राशि भेंट की। कार्यक्रम में एम्स रायपुर के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) डॉ. अशोक जिंदल, विभागाध्यक्ष डॉ. देवज्योति मोहंती, बड़ी संख्या में चिकित्सा छात्र और गणमान्यजन उपस्थित थे।

हाथियों का आतंक: कांसाबेल में चर्च पर धावा

जशपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। हाथी का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले जशपुर जिले में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात कांसाबेल के दोकड़ा में बिलिवर्स ईस्टर्न चर्च पर चार हाथियों ने जमकर कहर बरपाया।

हाथियों ने चर्च के चारों ओर की दीवारों को बुरी तरह तोड़ डाला और पीछे बने रूम को भी नुकसान पहुंचाया। यहां समाजसेवा कार्य के लिए रखे बर्तन, चावल व खाद्य सामग्री को हाथियों ने खा डाला।

स्थानीय लोगों के अनुसार ये हाथी पत्थलगांव से तीन और सीतापुर से एक हाथी होकर पिछले एक सप्ताह से दोकड़ा क्षेत्र में घूम रहे थे। देर रात विचरण करते हुए उन्होंने चर्च को निशाना बना लिया। ग्रामीणों ने शोर-शराबा कर उन्हें जंगल की ओर खदेड़ने की कोशिश की, लेकिन हाथियों ने तब तक काफी नुकसान कर दिया था।

रेंजर प्रभावती चौहान ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से यही चार हाथी इस इलाके में सक्रिय हैं। उन पर वन विभाग की टीम नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि क्षति का आकलन कर प्रभावितों को मुआवजा राशि दिलाई जाएगी।

राष्ट्रीय मॉडर्न पेंटाथलॉन में जिले के 5 खिलाड़ी शामिल

महासमुंद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। मॉडर्न पेंटाथलॉन ऑफइंडिया एवं बिहार मॉडर्न पेंटाथलॉन एसोसिएशन द्वारा 9 वीं लेजर रन नेशनल चैंपियनशिप 2025 का आयोजन बेगूसराय बिहार में 4 से 7 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा। चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ राज्य से महासमुंद जिले के भोरिंग, तुमगांव से 05 खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भागीदारी करने बुधवार को रवाना हुए। जिसमें सतीश कुमार मन्नाडे पिता चंद्रिका प्रसाद, ह्यूमेश निषाद पिता सोमनाथ निषाद, पंकज पिता मोतीलाल, लक्ष्य भोई पिता निमई भोई व महिला वर्ग में विजेता जोशी पिता भारत लाल जोशी शामिल हैं। चैंपियनशिप के इवेंट में खिलाड़ी निर्धारित कुल 3 किलोमीटर की दूरी दौड़ लगाएंगे एवं शूटिंग अलग अलग राउंड में करेंगे। इससे पहले विजेता जोशी ने मॉडर्न पेंटाथलॉन में 38 वीं नेशनल गेम्स उत्तराखंड में भागीदारी कर चुकी हैं। नेशनल मॉडर्न पेंटाथलॉन बिहार में शामिल होने पर विधायक योगेश्वर राजू सिंहा, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर रवि साहू, सचिन भूतड़ा, शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे, पंकज चंद्राकर, डॉ सुनील कुमार भोई, प्रमोद ठाकुर, दिलीप, उमेश ठाकुर, रवि धनगर, राकेश प्रधान, टी निंगराज रेड्डी, दिनेश तांडी, जगदीश धीवर, लिशांसु साहू, शुभांश शर्मा, ओंकार निषाद, अभिषेक नेहरू, सेवन साहू, प्रीतम साहू, निवेश मन्नाडे ने शुभकामनाएं दीं।

25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

रायपुर संभाग बना ओवर ऑल चैम्पियन

बलौदाबाजार, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन समारोह शनिवार को बलौदाबाजार स्थित पण्डित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल खेल मैदान में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, समारोह अध्यक्ष स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केसरवानी, सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, विशेष अतिथि सोनचंद वर्मा स्मृति फाउंडेशन के संयोजक पुष्पराज वर्मा, भारत स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष रामाधार पटेल, नगर पालिका उपाध्यख जितेन्द्र महले सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। चार दिवसीय राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता में रग्बी एवं कुराश खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रायपुर जोन ओवर ऑल चैम्पियन बना। इस अवसर पर खेल स्पर्धा के विजताओं को परितोषिक वितरण किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण के तहत 15 शिक्षकों को शिक्षादूत एवं 3 शिक्षकों को ज्ञानदीप पुरस्कार प्रदान किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले 14 शिक्षकों एवं बेहतर व नावाचरी कार्य करने वाले 25 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने कहा कि राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों ने अपने जोन का नाम रोशन किया है। आगे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रदेश का नाम राशन करेंगे। उन्होंने कहा कि खेल एक ऐसी विधा है जसमे विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को पूरे उत्साह और लगन से भाग लेने की प्रेरणा दी। समारोह अध्यक्ष विजय केसरवानी ने खिलाडियों को बधाई देते हुए उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए हमेशा आगे रहने को कहा। इन्होने सम्मानित शिक्षको को भी बधाई देते हुए उनके आदर्श पर चलने की बात भी कही। जबकि पुष्पराज वर्मा ने खिलाडियों को खेल भावना के साथ खेलने के साथ ही उन्हे अनेक उदाहरण देते हुए खेल के क्षेत्र में आगे आने हेतु प्रोत्साहित किया। जिला पंचायत सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल ने खिलाड़ियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों को निष्ठा और खेल भावना से खेलों में भाग लेने कहा। जिला शिक्षा अधिकारी संजय गुहे ने बताया कि 3 सितम्बर से 6 सितम्बर 2025 तक आयोजित चार दिवसीय 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में कुराश एवं रग्बी खेल शामिल था। इन दोनों खेल में प्रदेश के पांचो संभाग रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर एवं सरगुजा को अलग-अलग 5 जोन बनाया गया था। पांचो जोन से कुल 360 खिलाड़ियों ने भाग लिया। रग्बी खेल बालक एवं बालिका अंतर्गत कुल 24 विजेता तथा कुराश बालक एवं बालिका अंडर 14, 17 एवं 19 वर्ष अंतर्गत कुल 48 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन, आवागमन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

खेल परिणाम- कुराश अंडर 14 बालक प्रथम सरगुजा जोन, द्वितीय रायपुर जोन एवं तृतीय दुर्ग जोन, बालिका वर्ग में प्रथम रायपुर जोन, द्वितीय बिलासपुर जोन एवं तृतीय दुर्ग जोन, अंडर 17 बालक वर्ग में प्रथम रायपुर जोन, द्वितीय दुर्ग जोन एवं तृतीय सरगुजा जोन, बालिका वर्ग में प्रथम बिलासपुर जोन, द्वितीय दुर्ग जोन एवं तृतीय रायपुर जोन, अंडर 19 बालक वर्ग में प्रथम रायपुर जोन, द्वितीय दुर्ग जोन एवं तृतीय सरगुजा जोन,19 बालिका वर्ग में प्रथम रायपुर जोन, द्वितीय बिलासपुर जोन एवं तृतीय दुर्ग जोन रहा। रग्बी-बालक वर्ग प्रथम बस्तर जोन, द्वितीय रायपुर जोन एवं तृतीय बिलासपुर जोन, बालिका वर्ग में प्रथम रायपुर जोन द्वितीय बस्तर जोन एवं तृतीय दुर्ग जोन रहा।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण- इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण के तहत 15 शिक्षकों को शिक्षादूत एवं 3 शिक्षकों को ज्ञानदीप पुरस्कार प्रदान किया गया। विकासखंड बलौदाबाजार से सहायक शिक्षक शिवनारायण पैकरा, सहायक शिक्षक सुनीता पटेल, सहायक शिक्षक चंद्रकांता साहु, विकासखंड कसडोल से प्रधान पाठक परस राम तारक, सहायक शिक्षकएलबी शांति कुमार साहु, सहायक शिक्षक एलबी दिलीप कुमार यादव, विकासखंड पलारी से सहायक शिक्षक एलबी परमेश्वरी पैकरा, सहायक शिक्षक एलबी प्रकश कुमार सेन, सहायक शिक्षक एलबी अनिल कुमार आडिल, विकासखंड भाटापारा से सहायक शिक्षक पुष्पा देवांगन, सहायक शिक्षक अभिलाषा शर्मा, सहायक शिक्षक वीरेंद्र कुमार मानसरोवर, विकासखंड सिमगा से सहायक शिक्षक एलबी किशोर प्रसाद देवांगन, सहायक शिक्षक एलबी, नीलकंठ यादव, सहायक शिक्षक एलबी निरंजन कुमार वर्मा को शिक्षदूत सम्मान अंतर्गत शाल श्रीफल व 5 हजार रुपये की राशि प्रदान किया गया। ज्ञानदीप पुरस्कार में शिक्षक ज्ञानप्रकाश पाण्डेय, शिक्षक एलबी बिहारी लाल पटेल एवं शिक्षक गोपेश कुमार साहु को शाल, श्रीफल एवं 7 हजार रुपये की राशि प्रदान किया गया। इसके साथ है उत्कृष्ट कार्य करने वाले 14 शिक्षकों जिसमें एवं बेहतर व नावाचरी कार्य करने वाले 25 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारत स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष रामाधार पटेल, नगर पालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र महले, पार्षद जितेन्द्र डडसेना, शशि शुक्ला, रवि साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षा अधिकारी, कोच एवं बड़ी संख्या में खिलाडी उपस्थित थे।

NECC

07.09.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	535	90	185
चिल्हर	6.50	120	200
डिलीवरी	550 सैकड़ा		

मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.

CSPFA

प्रकाशक, मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए देशबन्धु परिसर रामसागरपारा रायपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव। प्रेस पंजीयन- 6072/59
फोन- (0771) 4077750, 4077760, email id: deshbandhuraipur@gmail.com, website:deshbandhu.co.in

उल्टा पुल्टा

संता बैठा मूंगफली खा रहा था कि तभी उसकी गर्लफ्रेंड आ गई.
गर्लफ्रेंड - क्या कर रहे हो?
संता- मूंगफली खा रहा हूं..
गर्लफ्रेंड - अच्छा, अकेले-अकेले?
संता- अब 10 रुपये की मूंगफली में तेरे पूरे खानदान को खिला दूं।

रुका वर्क आर्डर, जिला प्रशासन ने शुरू की जांच

प्रसाद ठेके का मसला उठने पर प्रशासन आया हरकत में

जगदलपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के प्रसाद ठेके के विवाद के बीच एक बड़ा खुलासा हुआ है कि प्रसाद आपूर्ति के कॉल किए गए टेंडर में सिर्फ एक समुदाय विशेष के ही तीन लोगों ने टेंडर जमा किए थे। खबर प्रकाशन के बाद इस मसले को लेकर प्रशासन हरकत में आ गया है। फिलहाल मिष्ठान्न प्रसाद आपूर्ति के लिए वर्क आर्डर रोक दिया गया है। प्रशासन ने मामले की जांच भी शुरू कर दी है। बस्तर दशहरा के प्रसाद की आपूर्ति ठेके का मामला इन दिनों विवादों में घिरा हुआ है। हालांकि प्रसाद में मांसाहार की मिलावट जैसी कोई बात अब तक सामने नहीं आई है, मगर प्रसाद निर्माण और उसकी वितरण व्यवस्था की जिम्मेदारी जिस शख्स को दी गई है, उसकी आस्था और धर्म को लेकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई जा रही है। इसका प्रबल विरोध शुरू हो गया है।

बस्तर दशहरा बस्तर संभाग समेत पूरे छत्तीसगढ़ के आदिवासियों तथा सर्व हिंदू समुदाय की आस्था से जुड़ा बड़ा पर्व है। बस्तर दशहरा का आयोजन विगत 6 सौ से अधिक वर्षों से होता आ रहा है। यह बस्तर के लोगों की आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। इस पर्व पर देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना, अनुष्ठान और भोग अर्पण अत्यंत श्रद्धा और निष्ठा से सभी समाज के सहभागिता से संपन्न होते आए हैं। इस वर्ष बस्तर दशहरे के प्रसाद मिष्ठान्न की निविदा एक ऐसे व्यक्ति को प्राप्त हुई है, जिसके प्रति आदिवासी समुदाय और सर्व सनातनी समाज के बड़े वर्ग में यह भावना है कि वह हमारे देवी-देवताओं और धार्मिक परंपराओं के प्रति आस्था और सम्मान नहीं रखता। विगत कुछ वर्षों के अनुभवों ने भी इस जनभावना को और प्रबल किया है। इसी वजह से उस व्यक्ति को प्रसाद मिष्ठान्न निर्माण एवं व्यवस्था का ठेका दिए जाने का पुरजोर विरोध शुरू हो गया है। ऐसे व्यक्ति के हाथों में प्रसाद की जिम्मेदारी होने से प्रसाद की पवित्रता और शुद्धता पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इस मसले को लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। विश्व हिंदू परिषद ने ज्ञापन में कहा है कि बस्तर दशहरे जैसे महान पर्व पर किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा आस्था को ठेस पहुंचाने वाला कार्य स्वीकार्य नहीं होगा। जिला प्रशासन से आग्रह करते हैं कि निविदा को निरस्त कर इसे ऐसे व्यक्ति या संस्था को दिया जाए जो परंपरा, आस्था और श्रद्धा का पूर्ण सम्मान करता हो। विहिप ने आगे कहा है- बस्तर दशहरा केवल उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारी अस्मिता, श्रद्धा और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक भी है। इसकी पवित्रता और गरिमा बनाए रखना प्रशासन और समाज, दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। विहिप नेताओं ने इस मुद्दे को बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं बस्तर सांसद महेश कश्यप के समक्ष भी रखा है। इस पर श्री कश्यप ने विहिप के लोगों को भरोसा दिलाया कि वे यह इसे बस्तर दशहरा समिति में उठाएंगे। ज्ञात हो कि बस्तर सांसद सनातनी नेता माने जाते हैं और सनातन एवं आदिवासी परंपराओं, प्रथाओं, पूजा प्रथा के संरक्षण के लिए और कन्वर्जन के खिलाफ सदैव मुखर रहे हैं। अब देखना होगा कि बस्तर दशहरा के प्रसाद की पवित्रता एवं शुद्धता को लेकर वे क्या कदम उठाते हैं।

प्रशासन ने दी ये जानकारी

प्रसाद ठेके पर विवाद का मसला चर्चा में आने के बाद बस्तर जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। प्रभारी तहसीलदार ,दशहरा समिति एवं टेंपल कमेटी के सचिव राहुल गुप्ता के मुताबिक प्रसाद आपूर्ति के लिए कॉल किए गए टेंडर प्रक्रिया में सिर्फ एक समुदाय के ही केवल तीन लोगों ने भाग लिया था। इसी आधार पर टेंडर स्वीकृत हुआ है। वहीं बस्तर कलेक्टर हरिस एस. का कहना है कि बस्तर दशहरा आयोजन के लिए अलग अलग सामग्री की आपूर्ति के ठेके दिए जाते हैं। उसी प्रक्रिया के तहत प्रसाद मिष्ठन्न के लिए टेंडर हुआ था, टेंडर खोले जा चुके हैं, मगर वर्क आर्डर अभी जारी नहीं किया गया है।

शिक्षा विभाग ने जिला स्तरीय मैराथन दौड़ का किया आयोजन

जगदलपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। शहर के महादेव घाट शिवमंदिर वार्ड गणेश उत्सव समिति द्वारा शनिवार को अन्न प्रसाद महाभंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें वार्ड सहित नगर के श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शिवमंदिर वार्ड मे गणेश उत्सव समिति के वार्ड के पार्षद एवं नगर निगम के पी डब्लू डी विभाग के सभापति निर्मल पानीग्राही ने बताया ईश्वर की कृपा से लगातार 20 वर्षों से गणेश जी स्थापना किया जाता रहा है। प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन होता है। आज इसी तारतम्य में हवन पश्चात भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी परिवार के द्वारा राजीव भवन के समक्ष महाभंडारा में प्रसाद का वितरण शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य, पूर्व विधायक रेखचंद जैन सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए ।काफी संख्या में लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया ।

बस्तर शिल्प हेंडिक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का उद्यमिता विकास कार्यक्रम

जगदलपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। बस्तर शिल्प हेंडिक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने हेतु छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला शहर के एक होटल में प्रारंभ हुई है, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यशाला में हस्तशिल्प उत्पादकों और युवाओं को व्यवसाय प्रबंधन, विपणन तकनीक, आधुनिक डिज़ाइन, वित्तीय साक्षरता तथा उद्यमिता के नए अवसरों की जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञ प्रशिक्षक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सफल उद्यमी बनने की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे। इसी कड़ी मे आज उद्यमिता और निर्यात विकास पर अजीत सुंदर बिलुँग मुख्य महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र जगदलपुर के द्वारा उद्यमिता का परिचय और उद्यमिता की मानसिकता हस्तशिल्प क्षेत्र में व्यावसायिक अवसरों की पहचान कारीगरों हेतु शासकीय योजनाओं एवं सहयोग निर्यात व्यवसाय का आधार वैश्विक बाजार के अवसर निर्यात प्रक्रियाओं में दस्तावेजीकरण निर्यात हेतु पैकेजिंग एवं गुणवत्ता मानक आदि के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बस्तर अंचल के शिल्पकारों और कारीगरों को संगठित कर उनके उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाना है, ताकि स्थानीय कला और शिल्प को नई पहचान मिल सके। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

शिक्षक भविष्य के निर्माता, सदैव सम्मानीय : किरण देव

जगदलपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों का समारोह पूर्वक सम्मान किया गया। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव विशेष रूप से शामिल हुये। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि गुरूजन हमारे मार्गदर्शक हैं, सदैव सम्मानीय है। सम्मानित किये गये सेवानिवृत्त शिक्षकों में सुश्री अनिता राज, के के द्विवेदी, गौतम आचार्य, हेमन्त पाणिग्रही, कीर्ति राम नाग शामिल हैं। जिनका भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय व वरिष्ठ नेताओं ने शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। श्री देव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक ही भविष्य का निर्माण करते हैं। गुरुजनों का सम्मान करके हम सभी स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने भी संबोधन दिया। कार्यक्रम के अंत में दक्षिण बस्तर में बलिदानी शिक्षा दूतों एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ

प्रचारक शांताराम सराफ, पूर्व विधायक संतोष बाफना की माता सोनीबाई बाफना के आकस्मिक निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दो मिनट का मौन धारण करके दी गयी। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री नरसिंह राव ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर, पूर्व विधायक डा सुभाऊ कश्यप, बैदूराम कश्यप, विद्याशरण तिवारी, योगेन्द्र पाण्डेय, निगम में शिक्षा विभाग सभापति कलावती कसेर, श्रीधर ओझा, रजनीश पाणिग्रही, प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, महेन्द्र सेठिया, पुरूषोत्तम जोशी, आर्येन्द्र आर्य, मनोहर तिवारी, रंजीत पाण्डेय, सुरेश गुप्ता, राजेन्द्र बाजपेयी, संग्राम सिंह राणा, त्रिवेणी रंधारी, छबिलेश्वर जोशी, राजेश श्रीवास्तव, रोहित त्रिवेदी, अतुल सिम्हा, शशिनाथ पाठक, योगेश शुक्ला, दशरथ गुप्ता, दिगम्बर राव, राकेश तिवारी, विक्रम सिंह यादव, राजा यादव, यशवर्धन राव, रौशन झा, राजपाल कसेर, गायत्री बघेल, गिरिजा गुप्ता, बसंती समरथ, प्रकाश रावल, बंटू पाण्डेय, शैलेन्द्र भदौरिया आदि सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा ने किया शिक्षकों का सम्मान

गणपति की प्रतिमाओं का विसर्जन जारी

जगदलपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। अनंत चतुर्दशी पर शहर के विभिन्न सार्वजनिक पंडालों में विराजित गणपति मूर्तियों के विसर्जन का क्रम आकर्षक झांकियों के साथ देर रात तक जारी है। श्रद्धालु धूमाल बैंड के साथ गणपति जी के भजनों पर झूमते नाचते चल रहे हैं।अन्य मार्गों के साथ में मैंन रोड में भी गणपति विसर्जन की झांकियां लोगों को आकर्षित कर रही है। सारा शहर गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के नारों से गुंजायमान हो रहा है। गणपति जी की मूर्तियों का विसर्जन इंद्रावती नदी के पुराने पुल के पास विधि पूर्वक किया जा रहा है। सारे शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जगह-जगह पर पुलिस के जवान तैनात हैं वह भीड़ को देखते हुए गणपति विसर्जन शोभायात्रा को मार्ग परिवर्तित कर संचालित कर रहे हैं।

आकर्षक झांकियां के साथ श्रद्धालु गणपति जी की भजनों पर झूमते नाचते हुए शामिल

जगदलपुर। जिले के बकावंड ब्लॉक मुख्यालय में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय प्रोसेस लैब का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस लैब में प्रतिभागियों को ग्राम विकास के विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराते हुए विकास के अन्य मापदंड की जानकारी दी गई ।

महादेव घाट शिवमंदिर वार्ड गणेश उत्सव समिति ने कराया अन्न प्रसाद महाभंडारा

जगदलपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। शहर के महादेव घाट शिवमंदिर वार्ड गणेश उत्सव समिति द्वारा शनिवार को अन्न प्रसाद महाभंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें वार्ड सहित नगर के श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया । शिवमंदिर वार्ड मे गणेश उत्सव समिति के वार्ड के पार्षद एवं नगर निगम के पी डब्लू डी विभाग के सभापति निर्मल पानीग्राही ने बताया ईश्वर की कृपा से लगातार 20 वर्षों से गणेश जी स्थापना किया जाता रहा है। प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन होता है। आज इसी तारतम्य में हवन पश्चात भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी परिवार के द्वारा राजीव भवन के समक्ष महाभंडारा में प्रसाद का वितरण शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य, पूर्व विधायक रेखचंद जैन सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए ।काफी संख्या में लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया ।

लालबाग मैदान में 1 से 8 अक्टूबर तक स्वदेशी मेले का आयोजन

जगदलपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। जिले के उद्यमियों को एक मंच प्रदान करने स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में लालबाग मैदान में स्वदेशी मेले का आयोजन पहली बार होने जा रहा है। जिसका उद्देश्य क्षेत्र के छोटे-बड़े स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन करने वाले उद्यमियों और स्व सहायता समूहों के साथ स्थानीय संस्कृति, स्थानीय कला और स्थानीय व्यंजन को एक मंच प्रदान कर उनके व्यापार तथा क्षेत्र को बढ़ावा देना है। यह स्वदेशी मेला शहर के लालबाग मैदान में 1 अक्टूबर से शुरू होगा। मेले का समापन 8 अक्टूबर को किया जाएगा। इस स्वदेशी मेले में 22 से अधिक राज्यों के स्टॉल लगाए जाएंगे। शुक्रवार को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और जगदलपुर विधायक किरण देव के मुख्य आतिथ्य में विधि विधान से हवन पूजन कर भूमि पूजन किया गया ।महापौर संजय पांडे इस पूजा विधान सपत्नीक सम्मिलित हुए और हवन संपन्न करवाया ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और जगदलपुर विधायक किरण देव ने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा वोकल फॉर लोकल का नारा दिया गया था, जिसके तहत उन्होंने देश में निर्मित स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की थी। इसी परिपक्ष में आज स्वदेशी जागरण मंच के द्वारा आगामी 1 अक्टूबर से लालबाग मैदान में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। विधायक किरण देव ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच द्वारा इस मेले का आयोजन आत्म निर्भर भारत की दिशा में एक कदम है। वहीं महापौर संजय पांडे ने स्वदेशी मेले के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि आगामी एक अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक लालबाग मैदान में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा है ।उन्होंने का कि जैसा कि विदित है कि आज समय की मांग है स्वदेशी। महात्मा गांधी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित बनाने के देश को आत्मनिर्भर और स्वालंबी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों और उद्यमियों को मंच और रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। वहीं स्वदेशी बचाओ फाउंडेशन में विपणन और नियोजन का कार्य देखने वाले जी आर जगत ने जानकारी देते हुए कहा कि स्वदेशी मेला एक सतत चलने वाला आंदोलन है जो आजादी से भी बड़ा आंदोलन है, 22 नवंबर 1991 में स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना के बाद स्वदेशी जागरण मंच ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने विभिन्न आयामों को अंजाम दिया ।उसका का ही एक प्रकल्प है स्वदेशी मेला , इस मेले के माध्यम से देश की >> शेष पृष्ठ 9 पर >

विधायक और महापौर ने स्वदेशी मेला स्थल का किया भूमिपूजन

47 स्कूलों के 550 शिक्षकों का हुआ सम्मान

भिलाई नगर 06 सितंबर। ष्शिक्षक हमारे भविष्य को आकार देते हैं और हमें नई ऊँचाइयों तक पहुँचने के लिए प्रेरित करते हैं। शिक्षक दिवस पर हम सभी शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए उनकी प्रशंसा और आभार व्यक्त करते हैं। वैशाली नगर विधायक रिकेश ने शिक्षक दिवस पर विभिन्न शासकीय और निजी विद्यालयों में आयोजित समारोह में उक्त विचार व्यक्त किए। श्री सेन ने कहा कि शिक्षक दिवस युवा पीढ़ी में ज्ञान नैतिकता और नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने में गुरूजनों के समर्पण और योगदान का सम्मान करने का एक स्मरणोत्सव और कार्य है। यह शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने और आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करने में उनके प्रति सम्मान का दिवस है। रिकेश सेन के द्वारा लगभग 47 स्कूलों में दो दिवस के भीतर लगभग 550 गुरुजनों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस वर्ष गुरुजनों का मैडल एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विधायक रिकेश सेन द्वारा हस्ताक्षरित सम्मान पत्र से अभिनंदन किया जा रहा है। समारोह में वरिष्ठ नेता त्रिलोचन सिंह, विजय सिंह, राजेन्द्र सिंह अरोरा, तरूण सिह, मुन्ना आर्य, लतेल यादव, विजय वर्मा, पार्षद विनोद चेलक, पप्पू यादव, शम्भू कुशवाहा, श्रीमती सविता राव, शोभा भगत, रामेश्वरी सिन्हा, अवतार सिंह, रिन्कु पाल आदि उपस्थित थे।

आरोपी से अवैध मादक पदार्थ बरामद

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। खुर्सीपार पुलिस की बड़ी कार्यवाही करते हुए ऑपरेशन विश्वास के तहत एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 4 सितम्बर को थाना खुर्सीपार पुलिस के व्दारा मुखबीर सुचना के आधार पर देवार बस्ती मछली मार्केट खुर्सीपार में एक व्यक्ति व्दारा अवैध मादक पदार्थ गांजा को रखकर बिक्री कर रहा है। इसकी सुचना पर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए संदेही को पकड़कर पूछताछ करने पर अपना नाम अनिकेत देवार खुर्सीपार का निवासी होना बताया जिसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा वजनी 3.706 किलोग्राम कीमती करीबन 20,000 रुपये को गवाहो के समक्ष जप्ती कार्यवाही की गई। आरोपी के खिलाफ धारा 20(ख) एक्ट का पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार किया गया।

चोरी के 2 आरोपी गिरफ्तार

गणेश नगर जामुल स्थित मकान में चोरी करने का मामला के पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी चोरी का जेवरात अपनी मां को देता था, मां उसे खपाने का काम करती थी। जामुल पुलिस की सक्रियता से आरोपी को पकड़ाया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुदर्शन कुमार कुर्रे निवासी गणेश नगर जामुल द्वारा थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 13 अगस्त को प्रार्थी अपने परिवार को लेकर बलौदाबाजार गया था। दूसरे दिन घर आने पर दरवाजा का ताला टूटा हुआ था घर अंदर देखने पता पता चला कि आलमारी में रखे सोने चांदी का जेवरात कीमती करीबन 1,50,000 रूपये को अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर ले गया है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जामुल पुलिस द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला गया। मुखबीर सूचना के आधार पर संदेही दीशु व उसकी माता अनुराध को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर पर पहले तो पुलिस को गुमराह करते रहे किन्तु जब बारिकी से पूछताछ करने पर प्रार्थी के घर चोरी करना स्वीकार किये। चोरी की गई जेवरात में से कुछ तो अपने पास रखे थे एवं कुछ सोना चांदी बिक्री कर आईफोन खरीदी किया था व कुछ जेवरात को दंतेवाड़ा में गिरवी व बिक्री किये थे। जिसे दंतेवाड़ा पुलिस टीम भेज कर बरामद किया गया है। इस प्रकार कुल कीमती 5,50,000 रूपये करीबन बरामद किया गया। आरोपीयो को आज को गिरफ्तर कर न्यायिक रिमाण्ड में केन्द्रीय जेल भेजा गया। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक राजेश मिश्रा, सउनि महफूज खान, आरक्षक चेतमान गुरूंग, रत्नेश शुक्ला, तिरिथ बंजारे, रूप नारायण बाजपेयी, चंदन सिंह का विशेष योगदान रहा। पुलिस ने धारा 331(4), 305, 3 (5) बीएनएस की कार्यवाही की गई।

गणेश विसर्जन हेतु 50 वाहन कराये नि:शुल्क उपलब्ध

भिलाईनगर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। बप्पा के विसर्जन के लिए भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के द्वारा निशुल्क वाहन उपलब्ध कराया जा रहा है। गणेश उत्सव समितियां आवश्यकता अनुसार संगठन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंग छोटू से संपर्क साधकर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है। सुबह से अब तक संगठन के द्वारा 50 से अधिक वाहन उपलब्ध कराए हैं। गणेश उत्सव पर अनंत चतुर्दशी के दिन से गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम आरंभ हो जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं और विभिन्न समितियों को सुविधा प्रदान करने हेतु भिलाई की हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत ट्रक एवं ट्रेलर वाहनों की विशेष व्यवस्था की है। समितियों की मांग के अनुसार प्रतिमाओं को सुरक्षित रूप से पंडाल से नदी एवं तालाब तक ले जाने का कार्य नि:शुल्क किया जा रहा है। इस वर्ष अभी तक भिलाई नगरवासियों के गणेश पंडालों की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए 50 से अधिक गाड़ियाँ भेजी जा चुकी हैं। समिति के प्रतिनिधि स्वयं संपर्क कर अपनी प्रतिमा के आकार व आवश्यकता अनुसार ट्रक अथवा ट्रेलर की व्यवस्था कर रहे हैं। इस पहल से श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिली है और विसर्जन का कार्य सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। इस संबंध में भिलाई ट्रक.ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंग ने बताया कि गणेश विसर्जन, दुर्गा पूजा, विश्वकर्मा पूजा सहित किसी भी धर्म के आयोजनों के लिए यह सेवा कई वर्षों से निरंतर जारी है और भविष्य में भी जीवनपर्यंत जारी रहेगी। कंपनी की यह पहल न केवल सामाजिक सहयोग का उदाहरण है, बल्कि सामुदायिक सद्भावना और धार्मिक आयोजनों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

दसलक्षण पर्व पर, धर्मध्यान व तपस्या की लहर

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना कठिनतम तप आज के भागमभाग भरे जीवन में तपसाधना के भाव बहुत देर से जागते है जब व्यक्ति के पास समय सीमित रह जाता है। परन्तु हर बार की तरह इस वर्ष भी पूरे भारत वर्ष में तपस्याओं का सिलसिला हर मंदिरों में जारी है। जिसमें बच्चे युवा, वृद्ध सभी उत्साहपूर्वक साधनारत है। शास्त्रों में 12 प्रकार के तप कहे गए हैं, उनमें रसना इन्द्रिय पर नियंत्रण महत्वपूर्ण माना जाता है जैन धर्म के अनुसार उपवास का अर्थ है 36 घंटे तक आहार का त्याग करना। इसके अतिरिक्त पर्व के दिनों में हर व्यक्ति अपनी क्षमतानुसार एकाशन, अन्न का त्याग, रस का त्याग आदि कर के अपनी आत्मा को पवित्र बनाने का प्रयास करता है। नेहरूनगर के 9 साधक इस वर्ष उत्कृष्ट साधना कर रहे है व दस उपवास की भावना लिए आज इनके 9 उपवास पूर्ण हो चुके हैं। संयंत्र से सेवानिवृत्त सीजीएम अनिल जैन, मेडिकल व्यवसायी पवन जैन, संदीप जैन विद्याश्री, विधानाचार्य अनेकान्त जैन, श्रीमती अर्चना जैन, श्रीमती साक्षी संदीप जैन, श्रीमती प्राची निखिल जैन, कु. वैशाली विजय जैन, कु.खुशी अजित जैन, दृढ़ संकल्प पूर्वक तपसाधना में अग्रसर है। दिगंबर जैन सभा नेहरूनगर के अध्यक्ष मनीत जैनए उपाध्यक्ष रमेश जैन नाहरए संरक्षक राजकुमार जैन, महावीर पाटनी, अशोक पहाड़िया, सचिव क्षितिज जैन, कोषाध्यक्ष गौरव जैन, चातुर्मास संयोजक जितेन्द्र जैन, आनंद जैन, सचिन जैनम आदि ने तपस्वियों के तप की अनुमोदना करते हुए पूरे परिवार को बधाई दी। आगामी 7 सितम्बर को जैन भवन नेहरूनगर में आयोजित विश्व सदभावना दिवस पर श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसके उपरांत अभिषेक . शांतिधारा एवं शास्त्र प्रवचन आर्यिका संघ के सांनिध्य में सम्पन्न होंगे। ततपश्चात सभी उपवासकर्ताओं का पारणा व सम्मान किया जायेगा। इसी कार्यक्रम में सभी प्रतियोगिताओं के पुरुस्कार वितरण, नये सदस्यों का स्वागत एवं वात्सल्य भोज आयोजित किया गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में हादसा

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। भिलाई इस्पात संयंत्र में वीति रात्रि हादसा हो गया है। बार एंड रॉड मिल.बीआरएम में तेज आवाज के साथ धमाका हुआ। बताया जा रहा है कि इसके कारण उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है। अगले सात दिनों के लिए मिल को कैपिटल रिपेयर पर ले लिया गया है। कार्मिकों का कहना है कि गैस लाइन में पहले से समस्या थी। इसकी वजह से घटना हुई है, ऐसा प्रतीत हो रहा है। अब अतिरिक्त गैस लाइन डालने में 15 से 20 दिन का समय लग सकता है। कम से कम 10 दिन तक प्रोडक्शन ठप हो सकता है। सीए फैन फर्नेस के तापमान को नियंत्रित रखता है। प्रबंधन ने 19 सितंबर से कैपिटल रिपेयर की तैयारी कर रखी थी। इससे पहले ही गुरुवार को घटना हो गई। फिलहाल, कैपिटल रिपेयर का कार्य ही शुरू कर दिया गया है। चेंजओवर करते समय रात करीब 8 बजे के आसपास तेज आवाज के साथ ब्लास्ट हुआ। जिस प्वाइंट पर ब्लास्ट हुआ है। वह एक तरह से सेल है, खुलने के बाद ही पता चलेगा कि कितना नुकसान हुआ है। मिल का प्रोडक्शन रुका हुआ था। चेकिंग आदि का कार्य करते समय यह घटना हुई है।

एससी-एसटी एम्प्लाइज प्रतिनिधि ने महाप्रबंधक से की भेट

भिलाइनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। संयंत्र एससी, एसटी एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेल एससी, एसटी फेडरेशन के उपाध्यक्ष कोमल प्रसाद के नेतृतव में एक प्रतिनिधिमंडल भिलाई इस्पात संयंत्र के जे.एन. ठाकुर महाप्रबंधक मानव संसाधन गैर संकार्य से सौजन्य मुलाकात किये। एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमल प्रसाद ने महाप्रबंधक मानव संसाधन गैर संकार्य को एसोसिएशन के गतिविधियों, चलाए जा रहे सदस्ता अभियान एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं, विभागीय समितियों के गठन, कर्मचारी एवं अधिकारी वर्ग से प्राप्त सुझावों को अमल में लाते हुए एसोसिएशन की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। जे एन ठाकर महाप्रबंधक से भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा एसोसिएशन को प्रदत्त डॉ आम्बेडकर भवन सेक्टर 6 हेतु किये जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही भिलाई टाउनशिप में भारत रत्न डॉ बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर के कृतित्व एवं व्यक्तित्त्व को जन सामान्य के बीच पहुंचाने एवं भावी पीढी में पढने एवं सफलता हासिल करने के लिए सतत प्रयत्न करने के लिए प्रेरित करने हेतु डा. आम्बेडकर पुस्तकालय एवं संग्रहालय के निर्माण हेतु किये जा रहे सार्थक पहल के लिए धन्यवाद दिये। प्रतिनिधि मंडल ने एसोसिएशन द्वारा आयोजित किये जाने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में भी जे एन ठाकुर महाप्रबंधक को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने हर संभव सहायता प्रदान करने की बात कही। प्रतिनिधि मडल में एसोसिएशन की ओर से कोमल प्रसाद अध्यक्ष, विजय कुमार रात्रे, महासचिव चेतन लाल राणा, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार खेलवार, कोषाध्यक्ष उपस्थित थे। भिलाई इस्पात सयत्र प्रबंधन की ओर से श्रीमती प्रियंका मीणा, वरिष्ठ प्रबंधक आई आर शशांक राव सहायक प्रबंधक आई आर उपस्थित थे।

सरस्वती सायकल योजना छात्राओं को मिली नि:शुल्क साइकिल

चारामा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शासकीय हाई स्कूल परसोदा ब्लाक चारामा में छत्तीसगढ़ शासन की बालिकाओं के लिए नि:शुल्क सरस्वती सायकल योजना के तहत कक्षा नवमीं अध्ययनरत् छात्राओं को साइकिल का वितरण किया गया। शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के द्वारा प्रति वर्ष कक्षा नवमीं पढ़ने वाली बालिकाओं को समय में स्कूल आने जाने के लिए नि:शुल्क साइकिल का वितरण किया जाता हैं, उक्त योजना का लाभ सभी वर्गों के लड़कियों मिलता हैं। इस योजना से सभी छात्राओं का सर्वांगीण विकास तो होता ही हैं, वे मुख्यधारा से जुड़ कर अपने परिवार का भी विकास करती हैं। इसी कड़ी में आज शासकीय हाई स्कूल परसोदा, ब्लाक चारामा में कक्षा नवमी के 10 छात्राओं को साईकिल वितरण करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें क्षेत्र के जनपद पंचायत चारामा के सदस्य परसादी राम नरेटी, सरपंच दशरथ केमरो, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष गोविन्द राम साहू, उपाध्यक्ष राधेलाल सिन्हा, उपसरपंच नवीन ध्रुवा, गणमान्य नागरिक दीनदयाल विश्वकर्मा, पालकों में नीलकंठ मंडावी और कमलेश साहू, संस्था के प्राचार्य आषाढू राम डाहरे, संस्था के व्याख्याता खिलेश्वर गवर्ना, जितन कुमार नरेटी, योगेश्वरी वंजारे, बसंत नेताम, रूना साहू और समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। उक्त जानकारी कमलेश गावड़े संकुल समन्वयक परसोदा के द्वारा दिया गया।*

बीएसपी द्वारा शिक्षक दिवस में शिक्षक हुए सम्मानित

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक सामग्री प्रबंधन ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक वित्त एवं लेखा प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक खदान बिपिन कुमार गिरी, कार्यपालक निदेशक वर्क्स राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ रवींद्रनाथ एम, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक रावघाट, अरुण कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक नगर प्रशास उत्पल दत्ता उपस्थित रहे। समारोह में विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधकए महाप्रबंधकए वरिष्ठ अधिकारीए ऑफिसर्स एसोसिएशनए यूनियनए एसण्सीण्ध्एसण्टीण् एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा बीएसपी विद्यालयों षिक्षिक.षिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती एवं डॉण् राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्र.छात्राओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुती दी। तत्पश्चात स्वागत गान एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि चित्त रंजन महापात्र ने शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा, धैर्य एवं विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि संयंत्र ने जहाँ इस्पात निर्माण के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिष्ठा अर्जित की है, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि भिलाई के विद्यार्थी आज विश्व के कोने कोने में अपनी प्रतिभा से गौरव बढ़ा रहे हैं। शिक्षकों की कर्तव्यपरायणता और धैर्य ही विद्यार्थियों को जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं। उन्होंने शिक्षकों को भावी नागरिकों का निर्माता बताते हुए कहा कि उनके योगदान से ही एक सशक्त और समृद्ध समाज की रचना संभव होती है। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। निदेशक प्रभारी 24 शिक्षक एवं गैर.शिक्षकीय कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही चार राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त भूतपूर्व शिक्षकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक शिक्षा श्रीमती शिखा दुबे ने स्वागत भाषण दिया व सभी अतिथियों एवं पुरस्कृत शिक्षकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नमिता देशपांडे एवं सुश्री महुआ चटर्जी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सेक्टर 10 की प्राचार्या श्रीमती सुमिता सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया।

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट की ऐतिहासिक सफलता पर केंद्रीय गृह मंत्री ने जवानों को किया सम्मानित

बीजापुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। देश के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट की अभूतपूर्व सफलता के उपलक्ष्य में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के हस्ते आज नई दिल्ली में डीआरजी, एसटीएफ, सीआरपीएफ, कोबरा और छत्तीसगढ़ पुलिस के वीर जवानों एवं उनके परिजनों से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। यह अभियान कर्रेगुट्टालु पहाड़ी क्षेत्र में संचालित किया गया था, जहाँ सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के गढ़ को ध्वस्त कर दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने सभी जवानों को केंद्रीय गृह मंत्री के हाथों मिले सम्मान के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, यह सम्मान हमारे जवानों की निष्ठा, साहस और समर्पण का प्रतीक है। बीजापुर पुलिस बल इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को जनसामान्य तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रादेशिकी का शेष...

लालबाग मैदान में 1 से...

आर्थिक स्थिति और बेहतर की जा सकती है साथ ही एक ही स्थान पर स्वदेशी उत्पादों की जानकारी दी जाती है । यह केवल छत्तीसगढ़ में ही नहीं समूचे भारत में आयोजित किया जा रहा है। जी आर भगत ने बताया कि पूरे भारत में 400 से अधिक स्वदेशी मेलों का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर में पहली बार इसका आयोजन लालबाग मैदान में 1 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से लोगों को पता चलेगा कि कौन सी वस्तु है स्वदेशी है जिसका उपयोग करना है और कौन सी वस्तु बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बनाई जा रही है जिसका बहिष्कार करना है। जी आर जगत ने कहा कि इस मेले में 22 राज्यों के प्रतिनिधि अपने उत्पादों के साथ हिस्सा लेंगे। इसके अतिरिक्त मेले विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन भी किए जाएंगे जिसमें बच्चों और महिलाओं को लेकर विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई जाएगी। जी आर जगत ने बताया कि इस स्वदेशी मेले में बस्तर के स्व सहायता समूहों का विशेष योगदान रहेगा ,जिला पंचायत के माध्यम से उद्यमी महिलाओं को यहां भागीदारी दी जाएगी। उन्होंने बस्तर के स्व सहायता समूहों की महिलाओ से स्वदेशी मेले में पंजीयन करवाने की भी अपील की है। भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थित महाराज कमल भंजदेव, मेला स्वागत समिति के अध्यक्ष श्याम सोमानी, , मेला संयोजक किशोर पारख, सह संयोजक द्वय लक्ष्मण झा, इंज़. देवेन्द्र देवांगन शिवनारायण पांडे, डॉ मनोज पाणिग्रही,सफीरा साहू,डॉ. राम राकेश जांगिड़, अभिषेक झा, महिला सह प्रमुख कल्पना शर्मा, प्राची गर्ग, जयेश पंचाल, भावेश सेन,अमरीक सिंह, संग्राम सिंह राणा , अनिल नुक्कड़, अलका गुप्ता ,हेमा गुरूवारा ,विनायक बेहरा, बड़ी संख्या मे स्वदेशी कार्यकर्ता व शहर के गणमान्य नागरिक और जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शिक्षक सम्मान और पूर्व छात्र मिलन समारोह ,48 साल का सफर, पुरानी यादें ताज़ा

फरसगांव 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्राथमिक पाठशाला बाजार पारा, फरसगांव के पूर्व छात्रों ने एक ऐसा यादगार आयोजन किया, जिसने 48 साल की स्कूल की यात्रा को फिर से जीवंत कर दिया। विद्यालय की स्थापना (1977) से लेकर अब तक पढ़ा चुके सभी सेवानिवृत्त और वर्तमान शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भावपूर्ण समारोह ने गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को एक बार फिर स्थापित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत फरसगांव के अध्यक्ष प्रशांत पात्र ने की। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, च्शिक्षक सिर्फ ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे हमारे जीवन की नींव रखते हैं। एक छात्र अपने शिक्षकों को कभी नहीं भूलता।

सम्मानित हुए गुरुजन

समारोह में उन शिक्षकों का सम्मान शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर किया गया जिन्होंने इन दशकों में हजारों छात्रों के भविष्य को संवारा है। इनमें सेवानिवृत्त शिक्षक निर्मला रावटे, रेखा जायसवाल, विद्या भारद्वाज, दीपेंद्र मसीह, बलराम नागवंशी, महेंद्र पांडे, योगेश्वर साहू, जिलानी मैम, बंधू नाग, कविलाश ठाकुर, मानस कुमार साहू, और महावीर जायसवाल शामिल थे। वहीं, वर्तमान में कार्यरत शिक्षक योगेश कुमार नाईक, कौशल्या नेताम और हेमलता सिंहा को भी उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सराहा गया। विशेष रूप से, विद्यालय के पहले शिक्षक, स्वर्गीय बरातुराम मच्छंदर, को भी याद किया गया और उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

पुरानी यादों का संगम

यह आयोजन सिर्फ सम्मान समारोह नहीं, बल्कि पूर्व छात्रों का एक भावुक मिलन भी था। वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलकर सभी ने अपने स्कूली दिनों की शरारतों, पढ़ाई और खेल के मैदान की यादें ताज़ा कीं। बलीराम कोर्राम, देवेंद्र निषाद, शिवनाथ नेताम और यशवंत साहू जैसे कई पूर्व छात्र इस अवसर पर उपस्थित थे, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिनमें माता पुजारी हेमलाल नेताम, प्रवीर सिंह बदेशा (पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष), मुलचंद पांडे (नगर पंचायत उपाध्यक्ष) और पूर्व अध्यक्ष गणेश दुग्गा सहित अन्य पार्षदगण शामिल थे।

इस कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि विद्यालय सिर्फ ईंटों और दीवारों से नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य के अटूट संबंधों से बनता है। यह समारोह नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा है कि कैसे अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। यह आयोजन निश्चित रूप से फरसगांव के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किया जाएगा।

निधन

पी. जयंत कुमार

जगदलपुर 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शहर के बालाजी वार्ड निवासी प्रतिष्ठित कर अधिवक्ता पी. जयंत कुमार का शनिवार की दोपहर निधन हो गया। वे करीब 62 वर्ष के थे। दोपहर अचानक उन्हें हृदयघात हुआ। उनका अंतिम संस्कार खड़कघाट स्थित मुक्तिधाम में रविवार को सुबह 9 बजे किया जाएगा। अधिवक्ता संघ के वरिष्ठतम सदस्य टैक्सेशन बार से व्यवसायरत रहे ।

कोण्डागांव प्रवास पर पहुंचे राज्य सभा सदस्य : पी संतोष कुमार

राज्य में आदिवासियों पर हो रहा है अन्याय, सरकार दिखा रही दोहरा चेहरा : पी संतोश

कोण्डागांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के राज्य सभा सदस्य एवं छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी पी.संतोष कुमार छत्तीसगढ़ राज्य प्रवास पर बुधवार को कोण्डागांव में पहुंचे, जहां सीपीआई जिला परिशद् कोण्डागांव के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। सीपीआई जिला परिशद् कोण्डागांव के सदस्यों के साथ पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस कोण्डागांव में आयोजित बैठक में पी.संतोष कुमार ने पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा किया और पार्टी को मज़बूती से आगे बढ़ाने और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्श करते हुए सीधे जुड़े रहने की रणनीति पर चर्चा करते हुए सांसद ने कहा कि आदिवासियों और आम जनता से झूठ बोलकर, राज्य सरकार सत्ता में आई है। सरकार दोहरी नीति अपना रही है। एक ओर आदिवासी समाज के अधिकार और विकास की बातें करती है, तो दूसरी ओर उन्हीं के अधिकारों का हनन कर रही है। उन्होंने कहा कि सीपीआई की जिम्मेदारी है कि सरकार के असली चेहरे को उजागर करके जनता के बीच रखे, ताकि लोग समझ सकें कि भाजपा किस तरह छल और भ्रम की राजनीति कर रही है।

आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय पर जताया चिंता

वहीं प्रेस से चर्चा के दौरान सांसद पी.संतोष कुमार ने कहा कि बस्तर के जनजातीय समाज के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। माओवाद के नाम पर स्थानीय युवाओं की हत्याएँ हो रही है। सीपीआई कभी भी माओवाद का समर्थन नहीं करती, बल्कि माओवादी हिंसा से पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि चुनाव के समय माओवादियों ने सीपीआई के गाड़ियों को जला दिया था और कार्यकर्ताओं पर हमले किए थे। सांसद ने कहा माओवाद के नाम पर जिन नौजवानों की हत्या हो रही है, वे भी इसी समुदाय से हैं और जो हत्या कर रहे हैं, वे भी इसी समुदाय से हैं। यदि किसी पर आरोप है, तो उसे सीधे मौत के घाट उतारने के बजाय कानून के हवाले किया जाना चाहिए। यह देश संविधान से चलता है और टेक्नोलॉजी के इस युग में कोई भी अपराधी बच नहीं सकता।

राज्य और देष की प्रमुख समस्या है महंगाई और बेरोजगारी

सांसद ने कहा कि आतंकवाद या माओवाद नहीं बल्कि राज्य और देष की प्रमुख और बड़ी समस्या महंगाई और बेरोजगारी है। आज महंगाई चरम पर है और बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। रोजगार के अभाव में स्थानीय नौजवान भटकाव का शिकार हो रहे हैं और हालात का उन्हें माओवाद की ओर धकेल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीपीआई इन सवालों को मजबूती से उठाएगी और जनता के हक की लड़ाई लड़ेगी। सांसद ने विश्वास जताया कि सीपीआई की नीतियाँ और संघर्षशील राजनीति ही बस्तर के आदिवासी समाज को न्याय दिला सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील किया कि वे गांव-गांव जाकर जनता के बीच सच को पहुँचाएँ और संगठन को मज़बूत करें। राज्य सभा सदस्य एवं छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी पी.संतोष कुमार से मुलाकात के दौरान तिलक पाण्डे, षैलष, जयप्रकाष, दिनेष, सोमारु, सरादू, बिसम्बर, रामचंद, दुबेष, घसियाराम, रमेष, चंदर आदि कम्युनिश्ट उपस्थित रहे।

कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई: उर्वरक विक्रेताओं के यहां औचक निरीक्षण

गड़बड़ी पाए जाने पर दूकानदार को नोटिस

फरसगांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। फरसगांव विकासखंड के बड़ेडोंगर क्षेत्र में उर्वरकों से संबंधित लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर, आज कृषि और राजस्व विभाग की एक संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अश्वन कुमार पुसाम के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम ने बड़ेडोंगर स्थित कृति एंटरप्राइजेज और रिद्धि श्री एंटरप्राइजेज के दुकानों और गोदामों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, कृति एंटरप्राइजेज में कई अनियमितताएं पाई गईं। दुकान में मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं थी, स्टॉक रजिस्टर का सही तरीके से रख-रखाव नहीं किया गया था, और पीओएस मशीन भी खराब पाई गई। इन अनियमितताओं के लिए दुकान मालिक को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया गया है।

इसके अलावा, टीम ने गोदाम में भंडारित उर्वरकों को व्यवस्थित करने और साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय दोनों ही संस्थानों में यूरिया उर्वरक का स्टॉक मौजूद नहीं था। गोदाम में 20-20-0, 14-28-0, छ्क स्स्कऔर स्स्क्कउर्वरक उपलब्ध पाए गए। इस औचक निरीक्षण दल में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अश्वन कुमार पुसाम, नायब तहसीलदार सुश्री निधि एस नेताम, उर्वरक निरीक्षक शेषमणि पाण्डेय, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अनिल मरकाम, मेघनाथ साहू और आशीष नेताम शामिल थे।

कोंडानार के शिक्षक संदीप सेन सीसीआरटी केंद्र दमोह में सम्मानित

कोण्डागांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका पर 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सीसीआरटी केंद्र दमोह (मध्यप्रदेश) में सम्पन्न होने के सम्बन्ध में जिला शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा से जिला मीडिया प्रभारी शिक्षक शैलेन्द्र ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा क्षेत्रीय केंद्र दमोह में 26 अगस्त से 4 सितम्बर 2025 तक प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका विषय पर 10 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें देश के 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 65 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया, जिसमें छत्तीसगढ़ से भी 9 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया, प्रतिभागियों ने प्रोजेक्ट कार्य, पाठ .योजनाएँ, वर्कशीट्स और अपने-अपने राज्य की संस्कृति को प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत कर भारत की विविध कला और संस्कृति पर प्रकाश डाला। शिक्षकों का कहना था कि इस कार्यशाला से मिली सीख को वे अपने विद्यालयों में बच्चों तक पहुँचाकर शिक्षा को और अधिक सार्थक और संस्कृति से जोड़ेंगे। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को खजुराहो भ्रमण पर भी ले जाया गया, जिसे उन्होंने अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव बताया, दमोह शहर में रानी दमयंती पुरातात्विक संग्रहालय को भी भ्रमण किया, जाना समझा। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि वाय.ए.कुरैशी (दमोह जिला प्रशासनिक अधिकारी) ने शिक्षकों से संवाद किया और आयोजन की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह दमोह के लिए गौरव की बात है कि देशभर के शिक्षक यहाँ आकर स्थानीय कला और संस्कृति का अध्ययन कर रहे हैं। कार्यक्रम का समापन शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। यह केवल कार्यशाला का समापन नहीं बल्कि कला-एकीकृत और संस्कृति-आधारित शिक्षा को कक्षाओं तक पहुँचाने की नई शुरुआत भी रहा।

शिक्षकों का कहना था कि इस कार्यशाला से मिली सीख को वे अपने विद्यालयों में बच्चों तक पहुँचाकर शिक्षा को और अधिक सार्थक और संस्कृति से जोड़ेंगे। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को खजुराहो भ्रमण पर भी ले जाया गया, जिसे उन्होंने अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव बताया, दमोह शहर में रानी दमयंती पुरातात्विक संग्रहालय को भी भ्रमण किया और जाना समझा। ऐसा आयोजन विद्यालय स्तर पर होने से बच्चों का विद्यालय से लगाव और बढ़ जाएगा, बच्चों के मन मे जिज्ञासा आएगी अपने अपने प्राकृतिक और स्थानीय धरोहरों के संरक्षण में उनका योगदान बढेगा। अंत में त्रिपाल सिंह (सीसीआरटी कोऑर्डिनेटर दमोह) द्वारा आभार प्रकट किया गया।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के बावजूद, सरकारी दावों की खुली पोल

जर्जर स्कूल भवन: फरसगांव के कुम्हार बड़गांव में नौनिहालों का भविष्य और जान दोनों अधर में

फरसगांव 6 सितम्बर (देशबन्धु)। विकास खंड फरसगांव के प्राथमिक शाला चांदापारा कुम्हार बड़गांव का स्कूल भवन अब सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि 19 मासूमों के लिए जान का खतरा बन गया है। यह स्थिति तब है, जब राज्य सरकार च्मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजनाज् के तहत प्रदेश के स्कूलों की मरम्मत और उन्नयन का दावा करती है। स्कूल की जर्जर हालत के कारण, कक्षा पहली से पांचवीं तक के बच्चों को गांव की ही माध्यमिक शाला के एक छोटे से कमरे में पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा दोनों के साथ एक बड़ा खिलवाड़ है। प्रशासन की उदासीनता और अधिकारियों की कागजी कार्रवाई

शिक्षा विभाग और प्रशासन की लापरवाही

स्कूल के प्रधान पाठक अनिल कन्यारी ने बताया कि उन्होंने भवन की दयनीय स्थिति के बारे में कई बार उच्च अधिकारियों को लिखित में सूचना दी है। शाला विकास समिति के माध्यम से मरम्मत का प्रस्ताव भी भेजा गया, लेकिन शिक्षण सत्र शुरू हुए तीन महीने बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यह स्पष्ट रूप से स्थानीय शिक्षा विभाग और प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। एक छोटे से कमरे में पांच कक्षाओं के बच्चों को एक साथ पढ़ाना शिक्षकों के लिए भी एक बड़ी चुनौती है, जिससे उनकी पढ़ाई पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

डीईओ का वयान सिर्फ कागजी कार्रवाई तक सीमित

इस गंभीर मामले में जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान का बयान सिर्फ कागजी कार्रवाई तक सीमित दिखता है। उन्होंने कहा कि विभाग ने नए भवन के लिए प्रस्ताव भेजा है और जैसे ही स्वीकृति मिलेगी, निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। हालांकि, यह बयान बच्चों की वर्तमान समस्या का कोई समाधान नहीं देता है। बच्चों को कब तक इसी तरह की असुविधा और जोखिम में रहना पड़ेगा, यह एक बड़ा सवाल है।

सरकारी तंत्र पर सवाल

यह घटना सिर्फ एक स्कूल की समस्या नहीं है, बल्कि शिक्षा के प्रति सरकारी तंत्र की उदासीनता का एक जीता-जागता उदाहरण है। एक ओर सरकार शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों को बेहतर भविष्य देने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर बुनियादी सुविधाओं से वंचित ये बच्चे डर के साए में जीने को मजबूर हैं। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यह सिर्फ स्कूल भवन की मरम्मत का मामला नहीं है, बल्कि यह बच्चों के भविष्य और सुरक्षा का सवाल है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है।

सीआरपीएफ महानिदेशक ने शहीद स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

सीआरपीएफ 188 वीं बटा.मुख्यालय कोण्डागांव के दौरे पर

कोण्डागांव 6 सितम्बर (देशबन्धु)। सीआरपीएफ महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को कोण्डागांव का दौरा करके सीआरपीएफ 188 वीं बटालियन मुख्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से परिचालनिक कर्तव्यों और रणनीतिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली तथा नक्सल उन्मूलन संबंधी कार्यों की समीक्षा की। महानिदेशक ने जवानों से मुलाकात कर उनके साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने जवानों को उच्च मनोबल बनाये रखने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापना के लिए उनका योगदान ऐतिहासिक और अनुकरणीय है। इसके बाद महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग-30 स्थित शबरी इम्पोरियम के सामने नव निर्मित भव्य शहीद स्मारक पर पहुंचकर शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह स्मारक 1 जनवरी 2003 से 15 अगस्त 2025 तक गुरिल्ला युद्ध और विभिन्न मुठभेड़ों में शहीद हुए 20 अधिकारियों सहित 460 सीआरपीएफ जवानों की अमर गाथा को समर्पित है। इस अवसर पर विशेष महानिदेशक वितुल कुमार, अपर महानिदेशक मध्य अंचल क्षेत्र अमित कुमार, छत्तीसगढ़ सेक्टर के महानिरीक्षक शालिन, द्वितीय कमान अधिकारी नीतीन्द्र नाथ एवं अभिज्ञान कुमार, उप कमांडेंट कमल सिंह मीणा, सहायक कमांडेंट ओमप्रकाश विश्नोई, चिकित्सा अधिकारी डॉ.राहुल चन्द्रन सहित बटालियन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। सभी ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम के अंत में अमर शहीद जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से गूंज उठा।

प्राथमिक शाला बिंजोली में मनाया गया शिक्षक दिवस

कोण्डागांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले के विकास खंड माकड़ी अंतर्गत आने वाले ग्राम बिंजोली में संचालित प्राथमिक शाला में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला विभाग समग्र शिक्षा से जिला मीडिया प्रभारी शिक्षक शैलेन्द्र ठाकुर ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। पालकों ने भी मंच से गुरुजनों के योगदान को सराहा और उनके मार्गदर्शन को अमूल्य बताया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों को पुष्पगुच्छ और कार्ड भेंट कर आभार जताया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार में आपसी सौहार्द और गुरु-शिष्य परंपरा की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर पालकगण, रबि बघेल मगडू सेमलाल, रंजीत,

रायधर, दुलमा रतनदई, जगबती, सबिता, दशमी टेक्सर, तिलक, नन्दलाल, हेमराज कुलेश्वर, सूजनबती, बसमती, भगवती, नीला, सरपंच चंदूलाल बघेल एवं समस्त पंच विद्यार्थी एवं संतोष पोर्ते, सुदामा नाग, वेदप्रकाश कवर, रमाकांत दिवाकर, मांझी, संदीप तिर्की, प्राचार्य नरेंद्र राठौर उपस्थित थे। अंत में प्रधानाध्यापक भोलानाथ सूर्यवंशी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

संकुल केंद्र सोनाबाल में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया गया

कोण्डागांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले के विकास खंड कोंडागांव व तहसील मर्दापाल के ग्राम सोनाबाल शासकीय उच्च प्राथमिक शाला तथा सोनाबाल बड़ेपारा शासकीय प्राथमिक शाला के संयुक्त तत्वावधान में संकुल केंद्र अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 2025 का आयोजन 06 सितंबर 2025 शनिवार को आयोजित किया गया। जिसमें संकुल सोनाबाल समन्वयक जगतराम शोरी, प्रधान अध्यापक द्वय पुरषोत्तम दीक्षित, ईश्वरी कौमार्य शिक्षिका श्री साहू, सहायक शिक्षक पूनम ठाकुर तथा दोनों विद्यालयों के विद्यार्थीगण शामिल रहे।

इस सुअवसर पर डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जीवनी को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि एक शिक्षक होते हुए भी उन्होंने राष्ट्र के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया तथा शिक्षक की महिमा को न केवल राष्ट्र में वरन् विश्व के समक्ष स्थापित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति उनके योगदान के लिए आभार अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम स्थल को भली-भांति गुब्बारों तथा पुष्पों से सुसज्जित कर बाल सुलभ माहौल में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 2025 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शासकीय प्राथमिक शाला बड़ेपारा सोनाबाल के प्रधान अध्यापक तथा विद्यार्थियों द्वारा हस्तनिर्मित डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की चित्र कलाकृति आकर्षण का केंद्र बिंदु रहा।

कोंडागांव के नवाचारी शिक्षक सूरज नेताम राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए नामांकित

कोण्डागांव 6 सितम्बर (देशबन्धु)। राजभवन रायपुर में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह के अवसर पर प्रदेश के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय, राज्यपाल रमेन डेका और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान पुरस्कार 2025 की घोषणा की गई। इस अवसर पर कोंडागांव जिले से शिक्षक सूरज नेताम को राज्य पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। जिले के कोंडागांव विकास खंड अंतर्गत ग्रामीण अंचल के ग्राम बुनागाँव के जनपद प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक सूरज नेताम को उनके नवाचारी शिक्षण गतिविधियों और शिक्षा के प्रति समर्पण हेतू राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार सम्मान 2025 हेतु नामांकित किया गया है। ज्ञात हो कि बच्चों को पढ़ाने के अद्भुत शिक्षण शैली, रोचक गतिविधियों के चलते जिस स्कूल में जाते हैं, वहां का शैक्षिक और भौतिक वातावरण माडल स्कूल के रूप में विकसित हो रहा है। न्यूनतम संसाधनों के बावजूद शिक्षक के स्वयं के व्यय और सामुदायिक सहभागिता से स्कूल परिसर की सजावट जिले में सुंदर और स्वच्छ स्कूलों में शुमार है। स्वयं के व्यय से शिक्षण सामग्री व फार्म भरवाकर अवकाश और अन्य दिनों में शिक्षक के मार्गदर्शन में नि:शुल्क प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी ऐसी कि बड़े-बड़े निजी स्कूल को मात दे। अब तक 50 से अधिक बच्चों का उच्च शैक्षणिक संस्थाओं जैसे नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, एकलव्य, आदर्श, बुनियादी, प्रयास, जवाहर उत्कर्ष में चयन हुआ है। बच्चों के द्वारा बनाए गणित, विज्ञान और हिन्दी मॉडल से अध्यापन, टीएलएम विगत कई वर्षों से ब्लॉक और जिला स्तरीय प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के कारण अब तक 40 से अधिक बच्चों ने प्रतिष्ठित निजी स्कूलों से आकर इस स्कूल में दाखिला करवाया है। विभिन्न अवसरों पर बेबाकी से बच्चों का हिंदी और अंग्रेजी में सटीक सवाल-जवाब से अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के द्वारा बच्चों की सराहना की जाती है। आदर्श शिक्षक के रूप में अपनी छाप छोड़ने वाले शिक्षक को अब तक कई सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 2021, जिला स्तर पर मुख्य मंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान 2022, रेयर रक्तग्रुप ओ निगेटिव 14 बार रक्तदान करने के साथ ही 100 से अधिक जरूरतमंदों को तत्काल रक्त उपलब्ध कराने हेतु उत्कृष्ट रक्तदाता सम्मान, समाज में सकारात्मक योगदान के लिए श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान 2023 प्राप्त कर चुके हैं। शिक्षक ने चर्चा में बताया कि जिस स्कूल से मैंने प्राथमिक शिक्षा ग्रहण किया उसी स्कूल में प्रधान अध्यापक बनकर आया अब राज्य स्तरीय पुरस्कार मिलने पर सुखद अनुभूति हो रही है। राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित होने पर जिले के समस्त अधिकारियों, शिक्षकों, मित्रों, परिवारजनों और जनप्रतिनिधियों ने शिक्षक सूरज नेताम को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर का फरसगांव में भव्य स्वागत: किसानों के मुद्दों पर हुई चर्चा

फरसगांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। 6 सितंबर को फरसगांव में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर का भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जोशीला स्वागत किया गया। रेस्ट हाउस में आयोजित इस सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर का अभिनंदन किया। स्वागत से अभिभूत आलोक सिंह ठाकुर ने सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया और किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। ठाकुर ने कहा, च्किसान हमारे देश की रीढ़ हैं और भाजपा सरकार हमेशा किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रही है। हम किसानों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने आगे कहा कि किसान मोर्चा का उद्देश्य किसानों को संगठित करना, उनकी आवाज़ को बुलंद करना और सरकार की नीतियों को उन तक पहुंचाना है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर किसानों से संपर्क करें और उन्हें भाजपा की किसान हितैषी योजनाओं से अवगत कराएं। इस अवसर पर स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में सेवक नेताम, प्रवीर बदेशा, तरुण साना, आकाश मेहता, प्रशांत पात्र, प्रवीण राव, धनराज पांडे, अंजोरी नेताम, मानी राम, तुलसी साहू, हेमचंद देवांगन, सोमा दास और अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभी ने ठाकुर के मार्गदर्शन में किसानों के उत्थान के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। यह आयोजन फरसगांव में भाजपा की सांगठनिक मजबूती और किसानों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उल्टा पुल्टा

अगर कोई सबह-सुबह उठने में नखरें दिखाए, तो बस एक तरीका आजमाना है, वह अपने आप उठ जाएगा, उसके कान में जाकर धीरे से कह दो तेरे पापा तेरा मोबाइल चेक कर रहे हैं। बस तुरंत उठ जाएगा।

नम आंखों से भक्तों ने दी विघ्नहर्ता को बिदाई

स्वच्छ गणेशोत्सव अभियान

पहले दिन 2238 छोटी और 523 बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। स्वच्छ गणेशोत्सव अभियान 2025 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण के दिशा - निर्देश अनुसार रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा महादेवघाट खारून नदी के समीप विसर्जन कुण्ड में इको फ्रेंडली श्रीगणेश उत्सव के अंतर्गत खारून नदी के पास विसर्जन कुण्ड तैयार किया है. जिसमें आज अनंत चतुर्दशी पर्व पर सुबह से ही श्रीगणेश भक्तों का संगम बना रहा और रात्रि 9 बजे तक श्रीगणेश की 2238 छोटी मूर्तियों और 523 बड़ी मूर्तियों का विसर्जन श्रीगणेश के भक्तजन श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा - अर्चना करके और विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश से अगले वर्ष जल्दी आने की विनम्र प्रार्थना करते हुए कर चुके हैं. श्रीगणेश की मूर्तियों का श्रद्धा और भक्ति के साथ विसर्जन कुण्ड में विसर्जन का सिलसिला लगातार जारी है और इस हेतु महादेवघाट के पास नगर निगम रायपुर का विसर्जन कुण्ड प्रथम पूज्य देव गणपति के भक्तों का संगम बन गया है.

इको फ्रेंडली गणेशोत्सव को साकार करने आगे आये भक्तजन

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में और रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी,सभी एम आई सी सदस्यों, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के दिशा - निर्देशन में रायपुर नगर निगम द्वारा रायपुर जिला प्रशासन और रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के दिशा - निर्देश पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग, विद्युत पावर कम्पनी, अग्निशमन विभाग, होमगार्ड, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, पीएचई विभाग संस्कृत कॉलेज के सहयोग से 10 पंडितों, 5 क्रेन वाहनों,80 गोताखोरों, नावों की प्रशासनिक व्यवस्था देने सहित सभी विभागों, रायपुर नगर निगम की मुख्यालय और जोनों की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर 24 घण्टे 8-8 घण्टे की 3 पालियों मैं ड्यूटी पर लगी हुए है.

वहीं बूढ़ातालाब, तेलीबाँधा तालाब सहित लगभग 3 दर्जन मुख्य विभिन्न तालाबों में नगर निगम रायपुर द्वारा श्रीगणेश भक्तों की सुविधा हेतु अस्थायी विसर्जन कुण्ड रखवाये गए हैं, जहां आज अनंत चतुर्दशी पर्व के पावन दिवस पहुंचकर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन पहुंचकर श्रीगणेश की छोटी मूर्तियों का श्रद्धापूर्ण विसर्जन कर रहे हैं.बड़ी संख्या में विभिन्न तालाबों में मोहल्लों से बच्चों और महिलाओं ने तालाबों के अस्थाई विसर्जन कुण्ड में श्रीगणेश की छोटी मूर्तियीं का विसर्जन कर गणपति बप्पा को नम आँखों से विदाई देकर पूजा, अर्चना, आरती सहित भगवान से अगले वर्ष जल्दी आने की विनम्र प्रार्थना की. विभिन्न तालाबों में पहुंचकर बड़ी संख्या में श्रीगणेश भक्तों ने श्रद्धापूर्ण विसर्जन इको फ्रेंडली अस्थाई विसर्जन कुण्ड में किया और खारून नदी और तालाबों को सुरक्षित रखने के अभियान में सम्मिलित हुए।

गणेश विसर्जन झांकी कल, तैनात रहेंगे 800 जवान

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। राजधानी में गणेश विसर्जन झांकी पुराने रूट पर सोमवार 8 सितंबर की रात निकलेगी झांकी रूट को सुरक्षा के लिहाज से छह सेक्टरों में बांटकर 8 सौ पुलिस जवान और अधिकारी तैनात किए जाएंग गणेशोत्सव के दौरान डीजे बैन कर दिया था अब विसर्जन झांकी में डीजे के साथ पटाखे भी प्रतिबंधित किए गए हैं झांकी मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे के साथ ड्रोन से भी निगरानी और रिकॉर्डिंग की जाएगी इस रात भारी वाहनों को शहर के बाहर रोका जाएगा झांकियां शारदा चौक जयस्तंभ चौक कोतवाली चौक सदरबाजार कंकालीपारा पुरानीबस्ती से लाखेनगर होते हुए रायपुरा महादेव घाट जाएगी लिहाजा पूरी रात उक्त रूट पर केवल श्रद्धालु पैदल ही पहुंच पाएंगे उनकी सुविधा के लिए वाहन पार्किंग स्थल तय किए गए हैं

■ डीजे के साथ पटाखों पर भी रहेगा प्रतिबंध

विसर्जन के बाद अमलेश्वर या भाठागांव होकर लौटेंगे वाहन-महादेव घाट में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद झांकियों में शामिल वाहन अमलेश्वर या भाठागांव होकर वापस लौटेंगे इसी तरह नौ सितंबर को अमलेश्वर की ओर किसी भी वाहन को खारून नदी पुल से नहीं आने दिया जाएगा अमलेश्वर की ओर से आने वाले भाठागांव काठाडीह दतरेंगा होकर आवागमन कर सकेंगे तेलीबांधा.शास्त्री चौक से जी. ई.रोड होकर टाटीबंध की ओर जाने वाले वाहन शास्त्री चौक से कालीबाड़ी पचपेढ़ी नाका से रिंग रोड एक होकर निकलेंगे वहीं फफाडीह चौक से स्टेशन रोड चौबे कॉलोनी समता कॉलोनी होकर आवागमन कर सकेंग

शारदा चौक से टोकन लेकर झांकियां करेंगी प्रवेश-रात आठ बजे तक झांकी रूट पर खुलने वाले सभी रास्ते बैरिकेड से बंद कर दिए जाएंगे झांकियां राठौर चौक से गुरुनानक चौक एम जी रोड होते हुए शारदा चौक आएंगी यहां से टोकन लेकर झांकी रूट में प्रवेश करके जयस्तंभ चौक की ओर बढ़ेंगी शारदा चौक पर तात्यापारा चौक से आने वाली झांकियों को एक के बाद एक सिस्टम से प्रवेश दिया जाएगा।

सादी वर्दी में तैनात टीम करेगी संदिग्धों को गिरफ्तार-पुलिस के उच्च अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं सभी सेक्टरों में एएसपी स्तर के अधिकारी प्रभारी के रूप में तैनात रहेंगे उनके अधीन छोटे.छोटे सेक्टरों में टीआई और एसआई सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे सादी वर्दी में भी पुलिस टीम तैनात रहेगी जो संदिग्धों की जांच व धरपकड़ करेगी झांकी मार्ग पर भीड़ में नशेड़ियों संदिग्ध लोगों और प्रतिबंधित चीजें मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बंधक बनाकर कार की लूट, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। राजधानी में पुलिस ने कार लूट मामले में एक आरोपी को पकड़ लिया है दो अन्य फरार है जिनकी तलाश पुलिस कर रही है बताया गया कि प्रार्थी कुलदीप यादव ने थाना कबीर नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह जनता कॉलोनी दुर्ग में रहता है तथा ट्रांसपोर्ट का कार्य करता है। वह 4 सितबंर को करीबन 12.00 बजे अपने ट्रांसपोर्ट के काम से अपने वेन्यु कार क्रमांक सीजी04 एन डी5577 से अकेला हीरापुर रायपुर शिवाय रोड कैरियर रोड में आया था वहां से काम होने पर 02.30 बजे दोपहर वापस घर जाने के लिये कुम्हारी के लिये निकला था रास्ते में अटारी चौक के साहू पान ठेला में सिगरेट लेने रूका सिगरेट लेकर निकला एच पी गैस एजेंसी अटारी के रूका था उसी दौरान लाल रंग की दोपहिया मोपेड वाहन में दो व्यक्ति प्रार्थी के पास आय मोबाईल नहीं है कहते हुए बात करने के लिये मांगे जिसपर प्रार्थी द्वारा उन्हें अपना मोबाईल फोन दिया गया जो बात करने के पश्चात् प्रार्थी के मोबाईल फोन को अपने पास रख लिये तथा दोपहिया वाहन में पेट्रोल नही है कहते हुए प्रार्थी को आर डी ए कॉलोनी छोड़ने के लिये बोले तथा प्रार्थी की चारपहिया वाहन में सभी बैठ गये एवं एक लड़का प्रार्थी की चारपहिया वाहन को चलाने लगाए उन्होने रास्ते में अपने 01 साथी को भी चारपहिया वाहन में बैठा लिया रास्ते में उनके द्वारा प्रार्थी को 2000 रूपये शराब पिने के लिये मांगे तथा चाकू दिखाकर डराने लगे इसी बीट प्रार्थी के मोबाईल फोन से अपने बैंक खाते में 2000 रूपये पैसा ट्रांसफर किये एवं प्राथी को जबरदस्ती चारपहिया वाहन में मंदिर हसीद टोलनाका से महासमुंद रोड़ जाने लगे कि रात्रि करीबन 09.00 बजे पलौद चौक के पास पहुंचे थे तभी प्रार्थी ने उनको बोला वासरूम जाना के लिये चारपहिया वाहन से उतरा तथा मौका पाकर वहां से भाग गया तथा उन लोगों के द्वारा प्रार्थी की चारपिहया वाहन को लूट के जाने के बाद पास गांव के लोगों को बताया। जिसपर आरोपियों के विरूद्ध थाना कबीर नगर में धारा 140;3द्धए 309 3;5 बी एनएएसण् का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना कबीर नगर पुलिस की टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ करते हुए प्रकरण में आरोपियों के छिपने के हर संभावित ठिकानों में लगातार रेड कार्यवाही करते हुए प्रकरण में मोवा निवासी आरोपी ललित यादव उर्फलल्ला की पतासाजी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा अपने अन्य 02 साथी के साथ मिलकर उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। जिस पर आरोपी ललित यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से प्रार्थी की लूट की चारपहिया वाहन जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है। प्रकरण में 02 आरोपी फरार है जिनकी पतासाजी कर गिरफ्तार करने के हरसंभव प्रयास किये जा रहे है।

प्रदेश में अब तक 952.4 मिमी औसत वर्षा

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)।छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 952.4 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1329.0 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 461.7 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 810.7 मि.मी., बलौदाबाजार में 702.0 मि.मी., गरियाबंद में 786.0 मि.मी., महासमुंद में 695.9 मि.मी. और धमतरी में 839.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 742.9 मि.मी., कबीरधाम में 672.0 मि.मी., राजनांदगांव में 830.8 मि.मी. और बालोद में 1013.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बस्तर में बाढ़ राहत पैकेज की मांग

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)।बस्तर में बाढ़ राहत पैकेज देने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री साय को लिखे पत्र में उन्होंने कहा हैविगत दिनों बस्तर संभाग में भारी बारिश से आई बा ने कई वहां के जन जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। बाढ़ से कई घर बह गए, लोग बेघर हो गए, घरों में रखे सामान बह गए, जनहानि तथा फसलों को भारी नुकसान हुआ है। साथ ही पशुधन की भी हानि हुई है। बाढ़ प्रभावितों की जीवन भर की जमा पूंजी पल भर में ही तबाह हो गया। वे लगातार मदद की मांग कर रहे है। जबकि बस्तर में भरपूर खनिज संसाधन है और उनका दोहन भी हो रहा है। जिससे राज्य सरकार को डीएमएफ व सीएसआर से प्रतिवर्ष लगभग 1500 करोड़ रूपये से अधिक राजस्व प्राप्त हो रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा बाढ़ पीड़ित परिवारों को जो राशि दी जा रही है, वह इस भयावह आपदा की तुलना में पर्याप्त नहीं है। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार प्रभावित क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार को ''विशे1ष बाढ़ राहत पैकेज'' उपलब्ध कराई जाए-।

जिन परिवारों के पक्के मकान पूरी तरह ढह गए उन्हें 10 लाख रूपये व जिनके कच्चे व क्षतिग्रस्त मकान को 5 लाख रूपये की मुआवजा प्रदाय किया जाए। बाढ़ से किसानों को हुई फसल क्षति का मुआवजा राशि कम है, जिसे बढ़ाया जाए। स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्कूल फीस, नि:शुल्क कॉपी, किताब, ड्रेस एवं बैग की व्यवस्था की जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित ना हो। बाढ़ से पशुधन बह गए उनका सर्वे कर उचित मुआवजा दिया जाए। बाढ़ प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर विस्थापन करते हुए पुनर्वास के लिए दीर्घकालीन योजना बनाई जाए।

अंबेडकर में चूहों का आतंक, कुतर डाले 20 लाख रुपए

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। अंबेडकर अस्पताल में चूहों की समस्या से निजात पाने और उन्हें मारने के लिए करीब 20 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं। इसके बाद भी चूहों की धमाचौकड़ी अस्पताल में खत्म नहीं हो रही है। ये चूहे न केवल दवाइयां को नुकसान पहुंचा रहे हैंए अपितु करोड़ों की मशीनों व उपकरणों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन ने 11 साल पहले चूहों को मारने के लिए टेंडर निकाला था। इसमें 15 लाख रुपए खर्च किए गए थे। इसके बाद 5 लाख रुपए और खर्च किए गए। अभी भी चूहों को मारने के लिए अस्पताल में पेस्ट कंट्रोल का काम चल रहा है। जल्द ही नए सिरे से टेंडर भी मंगाने वाले हैं। किसी अस्पताल द्वारा चूहों को मारने के लिए टेंडर बुलाना पहली घटना थी।

लाखों रुपए खर्च किए फिर भी चूहों की धमाचौकड़ी

यह मामला काफी चर्चित भी रहा। इसके पहले इंदौर के एमवाय अस्पताल में चूहों के खात्मे के लिए टेंडर निकाला जा चुका है। देश में भी इस तरह के कम ही मामले हैं। अस्पताल के किचनए मेन दवा स्टोरए आईसीयू समेत विभिन्न वार्डों में चूहों को मारने के लिए जाली लगाई गई। चूहे मर जाएंए इसके लिए जालियों में खास जेल भी लगाया गया। किचन के आसपास गड्ढों में जहर भी डाला गया जिससे चूहे मर जाएं। काफी चूहे तो मर गएए लेकिन चूहों से परेशानी का स्थायी समाधान अब तक नहीं मिला। तब चूहा मारने वाली एजेंसी का दावा था कि अस्पताल में कम से कम 10 से 15 हजार चूहे मारे गए। हालांकि गिनती के लिए कोई खास तकनीक नहीं अपनाई गई। ये केवल अनुमान था। मुश्किल से एक महीना ही सब कुछ ठीक.ठाक चला। उसके बाद चूहों ने सबसे पहले किचन में धावा बोला।

उसके बाद आईसीयू व विभिन्न वार्ड समेत दवा स्टोर में लाखों की दवाइयां व खाद्य सामग्रियों को नुकसान पहुंचाया।

एजेंसी का गड़बड़झाला

अस्पताल प्रबंधन ने इंदौर के लक्ष्मी फिमिगेशन एंड पेस्ट कंट्रोल लिमिटेड को चूहा मारने का ठेका दिया था। एजेंसी ने दावा किया था कि एक दिन में चूहों के डेढ़ हजार बिल मिले थे। रिपोर्टर ने मौके पर जाकर देखा तो इतने बिल हैं ही नहीं। किचन के बाहर चार से पांच बिल एजेंसी के कर्मचारियों ने दिखाए। बाकी बिल के बारे में पूछने पर बगले झांकने लगे। एजेंसी के चेयरमैन डॉण् कर्मरकर ने भी चूहों को चारा डालने के लिए बिल में सेव बूंदीए चना बिस्किट रखने का दावा किया था। लेकिन ऐसा कुछ नहीं मिला।

मशीनों के केबल काट रहे, सीरप पी जाते हैं

अस्पताल में चूहे लाखों का सीरप पी जाते हैंए बेड तक कुतर देते हैं। एमआरआई व सीटी स्कैन जैसी मशीनों और ऑपरेशन थिएटर में केबल को नुकसान पहुंचाते हैं। अनुमान के अनुसार दवाई स्टोर में ज्यादा नुकसान चूहे ही पहुंचाते हैं। गंदगी भी फैलाते हैंए जिससे अजीब सी दुर्गंध यहां से आती है। इससे डॉक्टर समेत नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ परेशान है। अधीक्षक आंबेडकर अस्पताल डा संतोष सोनकर ने कहा की चूहों को मारने के लिए पेस्ट कंट्रोल कार्यक्रम चल रहा है। नए सिरे से टेंडर भी किया जाएगा। हमारा पूरा फोकस इचिपमेंट व महंगी मशीनों को बचाने का रहता है। पिछले एक साल में किसी मशीन के केबल काटने की शिकायत नहीं है। अब तक एनआईसीयू या दूसरे वार्डों में बच्चे या किसी मरीज को कुतरने की घटना भी नहीं हुई है।

छात्रों के लिए मेडिकल कॉलेज में 65 करोड़ की लागत से बनेगा छात्रावास : साय

■ मुख्यमंत्री ने किया एरोकॉन 2025 का शुभारंभ, कैंसर उपचार और शोध में मिलेगी नई दिशा

■ कैंसर के शोध, रोकथाम और इलाज में उपयोगी साबित होगी

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में वित्तीय संसाधन कभी बाधा नहीं बनेंगे। मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सभागार में 'एरोकॉन 2025' छत्तीसगढ़ङ्कमध्यप्रदेश चैप्टर के दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ कर विशेषज्ञों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मेडिकल कॉलेज रायपुर के छात्रों के लिए 65 करोड़ रुपये की लागत से नए छात्रावास निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हजारों मरीज आज विशेषज्ञ चिकित्सकों के परिश्रम और नवीनतम चिकित्सा पद्धतियों के कारण संजीवनी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते दो दशकों में कैंसर की प्रारंभिक पहचान और उपचार के क्षेत्र में हुए शोध से भविष्य के लिए नई उम्मीदें जगी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक जिले में कैंसर डे-केयर सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं और छत्तीसगढ़ भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत प्रदेश में अनेक मरीजों का इलाज संभव हुआ है। जीएसटी में कैंसर की दवाइयों और उपकरणों को सस्ता किए जाने से मरीजों को बड़ी राहत मिली है। साय ने बताया कि राज्य के अस्पतालों में कैंसर उपचार के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं और आज ही एम्स रायपुर में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ किया जा रहा है, जो यह प्रमाणित करता है कि सरकारी अस्पताल नवीनतम तकनीक अपनाने में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (द्ब) कैंसर की पहचान में बेहद उपयोगी सिद्ध हो रही है और राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में इसे तेजी से शामिल कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार लगातार स्वास्थ्य बजट में वृद्धि कर रही है और नये मेडिकल कॉलेज खोल रही है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में 5,000 बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है। बस्तर और सरगुजा जैसे दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार हर विकल्प पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सरगुजा, धरमजयगढ़ और बस्तर में नये अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एरोकॉन 2025 संगोष्ठी कैंसर की रोकथाम और उपचार की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एरोकॉन 2025 के सातवें आयोजन में कैंसर उपचार से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ एक मंच पर आए हैं। इससे इस बीमारी के इलाज में नये आयाम खुलेंगे। उन्होंने कहा कि रायपुर स्थित मेकाहारा अस्पताल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि मध्यभारत के अन्य राज्यों के मरीजों के लिए भी प्रमुख उपचार केंद्र है। भविष्य में अत्याधुनिक तकनीकों और मशीनों के माध्यम से यहां चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज रायपुर राज्य का सबसे बड़ा कैंसर सेंटर है, जहाँ आधुनिकतम सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि आने वाले समय में प्रदेश में छह फिजियोथेरेपी कॉलेज स्थापित होंगे, बस्तर और सरगुजा में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रारंभ होंगे, मानसिक रोगियों के लिए पृथक चिकित्सालय और नेचुरोपैथी कॉलेज खोले जाएंगे। मेकाहारा में 232 करोड़ रुपये की लागत से 700 बिस्तरों की वृद्धि की जाएगी तथा रोबोटिक सर्जरी और आईवीएफ सेंटर जैसी नवीनतम सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, मेडिकल कॉलेज रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. पात्रा, विशेषज्ञ चिकित्सकगण, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पहले पात्र बनो फिर कार्य करो : मनीष सागर

जिसका खुद पर नियंत्रण होगा, वह जीवन में भटकेगा नहीं

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। टैगोर नगर पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में शनिवार को परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने पात्रता हासिल करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य करने से पूर्व पात्रता आवश्यक है। कुछ लोग सोचते हैं कार्य करने के बाद पात्रता आ जाएगी। कार्य तभी सफल होगा जब पात्रता होती है। शिक्षा प्राप्त करने के पहले शिष्टता चाहिए। शिष्टता नहीं होगी तो शिक्षा प्राप्त नहीं होगी। व्यवहार कुशलता नहीं होगी तो व्यापार में भी निष्फल हो जाओगे।उपाध्याय भगवंत ने कहा कि भगवान की आज्ञा में जीना है ये अच्छी बात है। इससे पहले माता-पिता की आज्ञा में जीने की पात्रता होनी चाहिए। जो माता-पिता की आज्ञा में जी नहीं पाएगा, वह कुछ नहीं कर पाएगा। यदि भगवान मिल भी जाए तो भगवान की आज्ञा में जी नहीं पाएगा। यह पात्रता, योग्यता है। व्यापार सीखने के लिए बड़ी-बड़ी डिग्री ले लोगे लेकिन आपने व्यवहार कुशलता नहीं सीखी तो कुछ नहीं होगा। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जो क्रम से आगे बढ़ता है उसे कठिनाइयां नहीं आती है।पहले पात्रता हो फिर कार्य हो यह नियम है। प्रवचन में आ रहे हो तो मन में भाव हो। मन में जिज्ञासा हो। पहले जिज्ञासा हो फिर श्रवण हो। जिज्ञासा के बगैर श्रवण होगा तो कार्यकारी नहीं होगा। जिज्ञासा बहुत हो और श्रवण कम हो तो भी कार्य हो जाएगा। यदि श्रवण ही श्रवण हो लेकिन जिज्ञासा नहीं हो तो सब व्यर्थ हो जाएगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि संसार में लोगों को भीतर में हमेशा भय सताता रहता है। भोग में इतना डूब जाते हैं की इच्छाएं और तीव्र हो जाती है। भोग विलासिता से पूर्ण जीवन मन को लगातार कमजोर करता रहता है। कर्म बंधन बढ़ाते हैं। मन से विचलित नहीं होना है तो सतर्क रहना होगा। कई लोग ठोकर खाकर संभल जाते हैं। कई लोग ठोकर खाने के बाद भी संभाल नहीं पाते। मन और विवेक को जागृत रखें। देखें स्व पर नियंत्रण जिसका होगा वह व्यक्ति जीवन में भटकेगा नहीं। हमेशा सुधार का प्रयास करने के लिए तत्पर होना चाहिए।

इंद्रियों पर नियंत्रण, वासनाओ से मुक्ति ही ब्रम्हचर्य धर्म है: सुरेश मोदी

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के चल रहे दसलक्षण धर्म (पर्युषण पर्व)के अंतिम दीन 'उत्तम ब्रम्हचर्य ' धर्म की आराधना की गई,1008 श्री मुनिसुव्रत नाथ भगवान को पांडुक शिला पर वीराजित कर अभिषेक एवं संदीप जैन ऋद्धु, काव्या जैन परिवार,,, एन एल जैन, कल्पना, सुशील, सुमन,रेयॉन् परिवार,,,सुरेश, कल्पना, सुमित, अभिषेक काला परिवार एवं रीया, शशि, नरेंद्र पालीवाल परिवार द्वारा शांति धारा की गई। 1008 श्री वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। उपरोक्त जानकारी मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने दी , श्री जैन ने आगे बताया कि साम को आरती के पश्चात 8 बजे से बड़ा प्रतिक्रमण भाई सुरेश मोदी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।रविवार को प्रात: 9 ,30 बजे त्यागी व्रतियों के सम्मान के पश्चात व्रतियों का पारणा होगा।

उत्तम ब्रम्हचर्य व्रत को विस्तार से बताते हुए सुरेश भाई मोदी ने बताया कि आज दशलक्षण पर्व के अंतिम दिवस पर उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा की गई ब्रह्मचर्य का अर्थ क्या होता है ब्रह्मा का अर्थ होता है आत्मा अर्थात उसमें आचरण करना आत्मा में रमण करना इंद्रियों पर नियंत्रण रखना और वासनाओं से मुक्ति प्राप्त कर शुद्ध एवं संयमित जीवन जीना यही ब्रह्मचर्य है इसके अतिरिक्त 0 मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर भी शुद्धता एवं पवित्रता को महत्व दिया जाता है इस धर्म का पालन करने से व्यक्ति आत्म नियंत्रण इच्छा शक्ति और ज्ञान के विकास की ओर निरंतर बढ़ता जाता है जिससे कि अंत में अपनी आत्मा को मोक्ष के मार्ग की ओर ले जाता है और मोक्ष मार्ग खुल जाता है हम सभी उत्तम क्षमा धर्म से लेकर उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म तक सभी दश धर्म का पालन करते हुए अपना यह मानव जीवन सफल करना चाहिए ताकि आने वाले भव में इस जन्म मरण के दुख से मुक्त होकर हम सभी उसे परम पद को प्राप्त करें।

जिजाऊ ब्रिगेड रायपुर द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। मराठा सेवा संघ अंतर्गत जिजाऊ ब्रिगेड रायपुर के द्वारा 5 सितंबर श्रीसर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस शिक्षक दिवस के अवसर पर समाज के सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया गया सर्वप्रथम राष्टीय महासचिव शिवमती वैशाली ताई पवार द्वारा द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षिका शिवमती जयश्री यशवंत राव गरड, सुश्री लता इंदुरकर , शिवमती आशा जाधव का श्रीफल से सम्मान किया गया तथा जिला अध्यक्ष शिवमती मनीषा गायकवाड , शिवमती श्रेया शिंदे द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा जिजाऊ ब्रिगेड रायपुर जिला उपाध्यक्ष शिवमती मंजू इंगले , शिवमती मेघा इंगले , शिवमती मनीषा इंगले द्वारा श्री सेवानिवृत्ति शिक्षिका शिवमती सरोज परहाड एवं शिवमती छाया चौहान का शाल और श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर इन शिक्षकों के कार्यकाल एंव अनुभव साझा किया गया उन्होंने अपने शिक्षकीय जीवन के स्वर्णिम अनुभव एवं प्रेरक पलो को हमारे समक्ष साझा किया।

कैट की जंबो जेट कार्यकारिणी घोषित

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की आज बहुप्रतीक्षित प्रदेश कार्यकारणी की घोषणा कर दी गई। कैट की जंबो जेट कार्यकारिणी में आधा दर्जन कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए है। 161 उपाध्यक्ष और 121 मंत्री बनाए गए है। प्रदेश वाईस चेयरमेन जीवत बजाज को बनाया गया है। उमेश सिरोथिया, संजय चौबे, शरद अग्रवाल, पवन वाधवा को सलाहकार बनाया गया है। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन और प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन की सहमति से जारी प्रदेश कार्यकारिणी इस प्रकार है । प्रदेश सलाहकार = उमेश सिरोथिया, संजय चौबे, शरद अग्रवाल, पवन वाधवा, प्रदेश समन्यवक : अवनीत सिंह, प्रदेश कार्यकारी महासचिव - जय नानवानी, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष :- राजेंद्र खटवानी, प्रदेश आईटी सेल प्रभारी - दीपक विधानी,प्रदेश कार्यालय प्रभारी :- नरेश गंगवानी, प्रदेश एमएसएमई प्रभारी - मो. अली हिरानी, प्रदेश संपादक :- सतीश श्रीवास्तव,प्रदेश पर्यावरण संयोजक :- मोहन वर्ल्यानी,प्रदेश संस्कृति मंत्री :- तेजेश मुखर्जी,प्रदेश संगठन मंत्री :- अजय तनवानी, प्रदेश संगठन मंत्री:- कन्हैया गुप्ता,प्रदेश संगठन मंत्री :- अमर धिंगानी। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष - जयराम कुकरेजा, कैलाश खेमानी, राजू सलूजा, सुनील धुप्पड़, बलराम आहूजा, राजेंद्र जैन, संजय जादवानी, महेश खिलोसिया, महेश जेठानी, नरेश कुमार पाटनी, प्रीतपाल सिंह बग्गा, नीलेश मूंदड़ा, मनोज कुमार जैन, पृथ्वीपाल सिंह छाबड़ा, टी. श्रीनिवास रेड्डी, नीलेश सेठ, भगवान रेलवानी, कमल लाहेजा, संजय अमरानी, अशोक छेतिजा, विक्रम केवलानी, सतीश छुगानी, विजय जादवानी, रामकुमार शुक्ला, चरणजीत सिंह ओबराय, मनीष दुबे, सूरज उपाध्याय, प्रहलाद शादीजा, विजय शर्मा, राजकुमार अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, विजय मंगवानी, सुशील सराफ, आकाश आहुजा।

प्रदेश उपाध्यक्ष - तनेश आहूजा, संजय जयसिंह, अजन्त अग्रवाल, हीरा माखीजा, नागेंद्र कुमार तिवारी, जीतेन्द्र गोलछा, दिनेश पटेल, राजेश माखीजा, जनक वाधवानी, लोकेश साहू, प्रशांत गुप्ता,मनोज बागड़ी, सुनील कुमार मनशानी, दीपचंद कोटडिया, महावीर मालू, गोविंद चिमनानी, महेश प्रसाद राय,नाथूलाल धनवानी, बी.के. सिंह, अनूप वाधवानी, विनोद कुमार साहू, अनिल तुलयानी, अनिल केवलानी, हितेश रायचूरा, मनोज कुमार अग्रवाल, गोविंद माहेश्वरी, रजत छाबड़ा, विजय जैन, विनोद तिवारी, विकास तिवारी, विजय जीवन, प्रशांत देशकर, रमेश ठाकुर, मोहन होतवानी, गौरव मंधानी, हेमराज कृपलानी, नानक तनवानी, सुशील धारिया, घनश्याम होतवानी, संजय जैन, कन्हैया अग्रवाल, पी.एल. डागा, विजय बटेजा, दर्शन निहाल, मोतीलाल सचदेव, योगेश पटेल, मोहित केशवानी, मोहन वाधवानी, ऋषि अग्रवाल, तेज कुमार बजाज, रविन्दर सिंह आहूजा, गुरदीप सिंह भाटिया, दिलीप केवलानी, सुरेश पारख, गीतेश पटेल, गोल्डी लूनिया, मुकेश रोचलानी, दिनेश साहू, रामबिलास गुप्ता, जगदीश चांडक, रमाकांत देवांगन, विजय कुमार अग्रवाल, राम सेवलानी, अनिल अग्रवाल, सुनील भोजवानी, हरीश शोभवानी, नीरज चौधरी, राकेश शर्मा, मनीष नागपाल, प्रभु दास पटेल, प्रकाश कुंडलिया, डॉ. मनीष गुप्ता, शैलेश अग्रवाल, जिनेश जैन, छगन पटेल, विमल बफना, गिरधारी लाल तेजवानी, नरेंद्र सिंह, अभिषेक अग्रवाल, सुरेश खिलनानी, प्रकाश गर्ग, कपिल राठौर, रमेश मेंघानी,सत्यनारायण महावर, विकास चड्ढा, देवराज गुरनानी, दामोदर पारख, अमनप्रीत सिंह आनंद, मनीष कुमार मालू, अंशुमन आर्यभट्ट, राम चौरसिया, ललित चांडक, सुरेश शादीजा, परविन्दर सिंह, विकास पंजवानी विक्रम ब्यास। प्रदेश मंत्री - भगवान दास अग्रवाल, ललित जैन (सेठिया), प्रफुल कुमार बरमेड़ा, जयन्त कुमार मोहता, द्वारिका लखवानी, नानक केशवानी, आनंद क्षत्री, विक्की टेकवानी, योगेश भानुशाली, राजा अर्थवानी, संतोष छिंदवानी, बसंत अग्रवाल, हितेश तातिया, अशोक लालवानी, दीपक पटेल, अनिल दुर्गा, अजय सूरी, प्रमोद शर्मा, सुधांश अग्रवाल, लक्ष्मण अग्रवाल, प्रदीप पटेल, विजय जैन, आनंद आहूजा, उज्जवल जैन, रोहित राठौड़, रवि कुकरेजा, जैनेन्द्र कुमार जैन, नारायण सेन, अजीत द्विवेदी, प्रह्लाद रूंगटा, हेमन्त जैन, वैभव श्रीवास्तव, संतोष अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, जीतू भाई पटेल, दीपक कृपलानी, अजय देवांगन, राम चौरसिया, शिव रूंगटा, रमन पिल्ले, आनंद श्रीवास्तव, नवदीप लाहोटी, विजय भोजवानी, वरुण चिमनी, राम धनवानी, कमल वधवा, सुधीर मग्गू, शंकर सुंदरानी, अनिल राघवानी, पवन वर्ल्यानी, अशोक शेरवानी, सुनील कोडवानी, आशीष अटलानी, अफसर खान, सुमित मेंघानी, जीतेन्द्र सिंह, नवीन अग्रवाल, रितेश मूंदड़ा, अनिर्बन चटर्जी, दिलीप केडिया, जीतेन्द्र कुशवाहा, मनीष पंजवानी, प्रवीण पटेल, झामदास बजाज, अजीत मोटवानी, नरसाराम लालवानी, बलविन्दर सिंह अरोड़ा (लवली), अमित नायडू, मंयक त्रिपाठी, गुरनेश पाल सिंह हंस, पीतांबर कोडवानी, सुनील कुमार दौलतानी, बलराम रोहरा, आनंद गुप्ता, दीपक पोटानी, अंकित डागा, टीकम होतवानी, दिनेश साहू, संतोष डोडानी, सुजीत चौरसिया, हरीश संतवानी, राम चौरसिया, रतन परयानी, गोपाल मरोदिया, प्रमोद शर्मा, सुमीत मेंघानी, राजेश वाधवानी, संजय नानवानी, हरजोत सिंह सैलानी, अविनाश दरयानी, कंवलजीत सिंह बग्गा, राजेश अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल (अभनपुर), रोहित तरवानी (अभनपुर), लवेश राठौर, अमर चंदानी, संदीप अग्रवाल, राजेश वर्मा, कैलाश वाधवानी, कृष्ण कुमार शर्मा, ऋषभ चोपड़ा, जीतू ब्रिजवानी, सुखराम बदलानी, जीतेन्द्र गुप्ता, दीपक ठाकुर, रशिक खंडेलवाल, जिवेन्द्र वर्मा, कृष्णपाल गुप्ता, भीमवंत निषाद, तरूण प्रधानानी, प्रतीक देवांगन, गणेश पवार, संदीप घोरपड़े, शंकर सूर्यवंशी, घनश्याम सोनी, काली राम साहू, मुकेश मिश्रा, बलविंदर सिंह अरोड़ा, नरेश माखीजा, राम घुरिया।

एसबीआई लाइफ ने रायपुर में 250 शिक्षकों के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यशाला के साथ पूरे किए 25 साल

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। देश के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने इस शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के लिए एक खास पहल के साथ अपने 25 साल पूरे किए। कंपनी ने छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों से आए 250 शिक्षकों के लिए रायपुर में वित्तीय साक्षरता और बीमा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। इस पहल ने कंपनी की इस प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत किया कि वह समुदायों को वित्तीय ज्ञान और सुरक्षा के ज़रिए सशक्त बनाना चाहती है। इस पहल में रायपुर, छत्तीसगढ़ के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. गौरव कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भरतिया, अतिरिक्त वित्त निदेशक अंकित मोदी, ब्लॉक एजुकेशन जिला से शिरीष तिवारी और अमित तिवारी के साथ साथ एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के वरिष्ठ अधिकारीगण एम आनंद, प्रेसिडेंट और चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, ई. तिरुमूड़ी, जोनल डायरेक्टर वेस्ट, और योगेश शर्मा, रीजनल डायरेक्टर भोपाल मौजूद रहे। इन सभी की मौजूदगी ने इस बात को रेखांकित किया कि वित्तीय तैयारी को बढ़ावा देना हम सबकी साझा ज़िम्मेदारी है।

ज्ञान गंगा में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। गुरु जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाकर शिष्य के जीवन को प्रकाशित करता है। उसे समाज में उच्च पद पर प्रतिष्ठित करता है। गुरु जो अपने दिव्य ज्ञान से समाज का निर्माण करता है, इसी गुरु की महत्ता को प्रदर्शित करता 'शिक्षक दिवस 'ज्ञान गंगा प्रार्थना सभा तथा शाला सभागार में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम देश के महान शिक्षाविद पूर्व राष्टपति डॉ. राधाकृष्णनन् के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के बाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस भव्य कार्यक्रम में शाला की प्राचार्या प्रतिमा राजगोर तथा वाइस प्रिंसिपल संजय चौहान, सी.पी. परिमल तथा एल.डी. उपाध्याय पूरे समय कार्यक्रम में उपस्थित रहकर छात्रों का मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत सभी शिक्षकों को तिलक लगाकर तथा श्रीफल भेंट कर किया गया। सम्मान के पश्चात् शिक्षकों के लिये भी कई मनोंरजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया तथा विद्यार्थियों का मनोरंजन किया। छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की छटा बिखेरी गई। गायन, एकल नृत्य, समूह नृत्य की विशेष प्रस्तुति दी गई। मनोरंजक प्रतियोगिताओं में विजेता शिक्षकों को शाला की प्राचार्या के द्वारा सम्मानित किया गया। शाला की प्राचार्या ने सभी छात्र- छात्राओं को शिक्षक दिवस के शानदार आयोजन के लिये बधाई देते हुए हमेशा शिक्षकों के सम्मान और दिशा निर्देशों को पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में हेड गर्ल लावन्या सिंह बिसेन ने सभी का आभार प्रकट किया। मंच संचालन सजला सरकार ने किया। सभी हाउस कैप्टन तथा वाइस कैप्टन ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा सहयोग

जतिन नचरानी को छत्तीसगढ़ चेंबर में मिला मंत्री पद का दायित्व

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (सीसीसीआइ) के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने जतिन नचरानी को संगठन के मंत्री पद पर मनोनीत किया है। वहीँ चेंबर के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी ने श्री नचरानी के मंत्री बनने पर हर्ष व्यक्त किया है। यह नियुक्ति 2028 तक प्रभावी रहेगी। 2 सितंबर को जारी आदेश के माध्यम से थौरानी ने श्री नचरानी को औपचारिक पत्र सौंपा। सीसीसीआई छत्तीसगढ़ के औद्योगिक एवं व्यापारिक हितों का प्रमुख प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन है। सतीश थौरानी ने नियुक्ति के दौरान कहा कि जतिन नचरानी का अनुभव और नेतृत्व क्षमता संगठन को मजबूत बनाएगी। नचरानी, जो रायपुर के प्रमुख व्यापारी हैं, ने पूर्व में विभिन्न व्यापारिक मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी नियुक्ति से युवा उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा। नचरानी ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा, मैं संगठन की सेवा में समर्पित रहूंगा तथा स्थानीय व्यापारियों की आवाज को मजबूत करूंगा। सीसीसीआई के सदस्यों ने इस फैसले का स्वागत किया।

विशेष बच्चों के टैलेंट को सामने लाने में जुटी रोटरी

क्लब ऑफ़ रायपुर क्वीन्स

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु) रोटरी क्लब ऑफ़ रायपुर क्वीन्स की सोच है कि विशेष बच्चों के टैलेंट को पूरे शहर के सामने लाया जाए। इसी उद्देश्य से 2016 में क्लब ने अपने सिग्नेचर प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी, जो इस वर्ष अपनी 9वीं कड़ी तक पहुँचा। क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन दीपिन्दर कौर रेहाल ने इसे बेहद भावुक अनुभव बताते हुए कहा कि च्इन बच्चों को मंच देना और उनकी मुस्कानें देखना हमारे लिए सबसे बड़ा उपहार है। इस अवसर पर डीजी अमित जायसवाल, फर्स्ट लेडी रोटेरियन पल्लवी जायसवाल, एजी मयंक रोजिन्दर, पीडीजी रंजीत सिंह सैनी (क्लब एडवाइज़र), डीएसजी सोमनाथ अग्रवाल, सिटी कोऑर्डिनेटर रोटेरियन भारत डागा, रोटेरियन सुमन भावसार (जगदलपुर) तथा आकांक्षा स्कूल के संचालक श्री एवं श्रीमती नायक ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाईऔर इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में आकांक्षा एवं प्रज्ञा विद्यालय के 200 से अधिक बच्चों ने नृत्य, गीत और नाटक से सबका दिल जीत लिया। उपहार और पुरस्कारों ने उनके चेहरों पर मुस्कान भर दी। क्लब सचिव रोटेरियन प्रभजीत कौर भाटिया का पूरा साथ मिला ।इस आयोजन की सफलता के पीछे क्लब की 30 क्वीन्स कऔर हमारी दिव्य टीम शामिल थी।

कबीरपंथ का वृहद आयोजन

वंश गुरुगद्दी स्थापना दिवस एवं भादो पूर्णिमा महोत्सव आज

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। वंश गुरुगद्दी स्थापना दिवस एवं भादो पूर्णिमा महोत्सव कबीरपंथ दामाखेड़ा के वंशप्रतापाचार्य पंथश्री हुजूर प्रकाशमुनि नाम साहेब एवं पंथश्री हुजूर उदीतमुनि नाम साहेब जी के पावन सानिध्य में 7 सितम्बर रविवार को सम्पन्न होगा जिसमें देश विदेश से आये हुए हजारो भक्तजनों को पंथश्री के दर्शन बंदगी का लाभ प्राप्त होगा साथ ही साथ विशाल भोजन भंडारा का भी आयोजन रहेगा। आयोजन समिति सदगुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन के डी वी मिशन ने बताया की सदगुरु कबीर साहेब जी 650 वर्ष पूर्व आज ही के दिन धर्मदास साहेब को 42 बंश का आशीर्वाद प्रदान किया था तबसे वंशप्रणाली आज तक अनवरत जारी है। आयोजन का यह 40 वा वर्ष है।

निधन

श्रीमती रमन अग्रवाल

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु) । 304, समृद्धि एवेन्यू, अवंती विहार निवासी श्रीमती रमन अग्रवाल (ग्वालियर वाले) का निधन शनिवार, दिनांक 6 सितंबर, 2025 को हो गया है। वे 72 वर्ष की थीं। उनकी अंतिम यात्रा आज, दिनांक 7 सितंबर, 2025 को उनके निवास स्थान से सुबह 11 बजे मारवाड़ी मुक्ति धाम के लिए निकलेगी। वे कृष्ण कुमार जी अग्रवाल की धर्मपत्नी, ज्योति, रश्मि और अभिषेक अग्रवाल की माता और डॉ. चंदन अग्रवाल व अजय अग्रवाल की चाची

छग सिंधु महापंचायत की किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं : श्रीचंद सुंदरानी

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। छग सिंधु महापंचायत की आवश्यक बैठक शनिवार को पूर्व विधायक व पंचायत के संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी के कार्यालय में हुई। संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी ने बैठक में बताया,सिंधी समाज एक है व सम्पूर्ण संगठित है ।जब भी देशहित की बात हुई,समाज आगे रहा, चाहे पूर्व में जयरामदास दौलतराम-चोइथराम गिदवानी रहे, चाहे लालकृष्ण आडवानी- राम जेठमलानी जैसे* सामाजिक-राजनीतिक महा विभूतियों का समयकाल रहा हो ।आज भी सिंधी समाज पंचायतों की व्यवस्था बनाकर जो समाज की छवि एवं नेतृत्व को उभारकर सामने लाया गया है,बल्कि आज पंचायत में यह व्यवस्था रखी जा रही है ।क्षेत्रीय इकाई पंचायतें,जिला पंचायतें,राज्य स्तरीय पंचायतों के गठन की प्रक्रिया जारी है। ।हमें आगे बढ़ने की दिशा तैयार रखनी है ।किसी से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं रखना है। कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी ने कहा समाज की पंचायतों का गठन योग्यता के आधार पर हो,बालक-बालिकाओं को भी टीम में लिया जाए ।यही हमारा प्रथम प्रयास भी रहेगा। प्रमुख सलाहकार अमित जीवन ने कहा विस्थापित होकर आए सिंधी समाज ने आज देश में प्रत्येक क्षेत्र में समाज की स्पष्ट छवि बनाई है ।हमें पूर्व में केवल व्यापारी कौम समझा जाता था। समाज को राजनीति में भी आगे आना चाहिए, इस हेतु निकट भविष्य में स्पष्ट रणनीति बनेगी।

शिक्षक दिवस पर शैक्षणिक संस्थाओं के महासंघ ने 160 शिक्षकों का किया सम्मान

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शैक्षणिक संस्थाओं के महासंघ द्वारा 160 शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह की शोभा मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरिंदर मिश्रा और महापौर श्रीमती मीनल चौबे सहित महासंघ के सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति से बढ़ गई। मिश्रा जी की उपस्थिति ने समारोह को उत्साह और प्रेरणा से भर दिया। उन्होंने समाज के निर्माण में शिक्षकों की अमूल्य भूमिका पर प्रकाश डाला और भविष्य की पीढ़ी को संवारने में उनकी महत्ता को रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने सभी को आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। यह दिन दशहरा उत्सव के साथ मेल खाता हैए जिसे उन्होंने राम विजय दिवस के रूप में मान्यता देने का आह्वान कियाकृजो निश्चित रूप से हम सबके लिए एक प्रेरणादायी पहल है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के महत्व पर भी बल दिया गया तथा शिक्षकों से अपील की गई कि वे विद्यार्थियों को भी स्वदेशी मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करें। समारोह की सांस्कृतिक छटा को और मनोरम बनाते हुएए कई शिक्षकों ने अपने गायन प्रतिभा का प्रदर्शन कियाए जिससे कार्यक्रम और भी यादगार बन गया।

राजधानी में गणेशोत्सव की धूम

श्री जय बजरंग बाल गणेशोत्सव समिति, यादव मोहल्ला, टिकरापारा

श्री महाकाल गणेशोत्सव समिति, सुदामा नगर, टिकरापारा

श्री महाकाल परिवार, अमलीडीह

श्री महाकाल परिवार, नयापारा, सदरबाजार

री-एजेंट स्कैम

ईडी ने अबकी बार जब्त की मोक्षित कॉर्पोरेशन की दो कारें

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने श्री.एजेंट प्रोक्योरमेंट स्कैम में शामिल मेसर्स मोक्ष कॉर्पोरेशन की दो लक्जरी कार ;पोर्श केयेन कूप और मर्सिडीज.बेंज जब्त किया है फर्म शशांक चोपड़ा और उनके पिता शांतिलाल चोपड़ा के नाम से पंजीकृत है मिली जानकारी के अनुसार ईडी ने 28 अगस्त को दुर्ग में श्री.एजेंट प्रोक्योरमेंट स्कैमश् में तलाशी अभियान चलाया मामला टेंडर प्रक्रियाओं में हेरफेर करने मनगढ़ंत मांग करने और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड को बढ़ी हुई कीमत पर मेडिकल उपकरण और री.एजेंट की आपूर्ति करने की आपराधिक साजिश से संबंधित है तलाशी अभियान के दौरान पीएमएलएए 2002 की धारा 17;1 के तहत शशांक चोपड़ा और उनके पिता शांतिलाल चोपड़ा के नाम पर पंजीकृत फर्म मेसर्स मोक्ष कॉर्पोरेशन की एक पोर्श केयेन कूप और एक मर्सिडीज.बेंज को जब्त किया गया

करीब साढ़े 4 सौ करोड़ के दवा खरीद घोटाले की ईडब्लूओ एसीबी जांच कर रही है इस मामले में स्वास्थ्य विभाग में बड़े सप्लायर मोक्षित कार्पोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा समेत अन्य 6 लोग जेल में हैं घोटाले की जांच में ईडी की भी एंट्री हो चुकी है इसके पहले ईडी ने 30 और 31 जुलाई को कारोबारी शशांक चोपड़ा उनके परिवार के सदस्यों के अलावा स्वास्थ्य अफसरों के कुल 20 ठिकानों पर छापेमारी कर 40 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी सीजीएमएससी री.एजेंट घोटाले में शामिल मोक्षित कार्पोरेशन पर आरोप है कि निविदा हथियाने के लिए पहले तकनीकी अधिकारियों को अपने पक्ष में किया और फिर पर्चेस आर्डर का 0.2 से 0.5 प्रतिशत बतौर कमीशन रिश्वत भी दिया मोक्षित कार्पोरेशन ने कुछ दूसरी कम्पनियों से मिलकर पूल टेंडरिंग कीण् दूसरी कम्पनियों के दाम अधिक थेए कम दाम होने पर मोक्षित को ठेका दे दिया गयाण् इसके बाद मोक्षित ने काफी ज्यादा दामों पर सप्लाई की 8 रुपए में आने वाली क्रीम 23 रुपए में बेची गई री.एजेंट और ट्रीटमेंट मशीनों के दाम भी बहुत अधिक थे मशीन को हर जगह स्थापित करना था मगर ऐसा नहीं किया गया जिस जगह मशीनें स्थापित की गईं वहां भी इन्हें अचानक लॉक कर दिया गया इसका परिणाम यह हुआ कि शासन को करीब 400 करोड़ का घाटा हुआ है इस दौरान 95 लाख के री.एजेंट ही बर्बाद हुए थे इस मामले में ईओडब्ल्यू और एसीबी ने भारतीय दंड संहिता की धारा 409 एवं 120 बी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियमए 1988 की धारा 13;1 13;2 एवं 7;सी के तहत अपराध दर्ज कर कई सरकारी अफसरों को भी गिरफ्तार किया है

खुला पलक झपकाने वाले बप्पा का पंडाल

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर के लाखे नगर चौक स्थित पलक झपकाने वाले भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन अब श्रद्धालु फिर से कर सकेंगे पंडाल में अश्लील गाना चलाने और उसपर डांस किए जाने के बाद इसे बंद करा दिया गया था लेकिन बुधवार रात 5 सितंबर को रात 11 बजे पंडाल के पर्दे खोले गए इस मौके पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी पहुंचे और भगवान गणेश की पूजा.अर्चना की समिति ने जानकारी दी कि आज शाम 5 बजे से श्रद्धालुओं के लिए निरंतर दर्शन की व्यवस्था रहेगी 4 सितंबर की रात को विवाद के चलते पंडाल की लाइट बंद कर प्रतिमा को ढक दिया गया था सिंधु युवा एकता गणेश उत्सव समिति द्वारा लगाए गए पंडाल में बजरंग दल ने देर रात फिल्मी और अशोभनीय गाने बजाने पर आपत्ति जताई थी इसके बाद कार्यकर्ताओं ने भारी प्रदर्शन करते हुए प्रतिमा विसर्जन की मांग की थी बजरंग दल का आरोप था कि न सिर्फअशोभनीय गाने बजाए गए बल्कि प्रतिमा के स्वरूप के साथ भी छेड़छाड़ की गई इस विवाद के बाद समिति से प्रतिमा को मूल स्वरूप में स्थापित करने की बात कही गई थी अंततः पंडाल दोबारा खोला गया और पूजा.अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की अनुमति दी गई

अश्लील गाने चलाने पर कराया गया था बंद

मादक पदार्थ गांजा के साथ 2आरोपी युवक गिरफ्तार

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। नशे की सामाग्री बिक्री करने वालों एवं सप्लाई करने वालों पर कठोर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि खादी भंडार पंडरी के पास एक व्यक्ति क्रीम कलर का टीशर्ट एवं भूरे रंग का पैंट पहना हुआ प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा रखा है तथा बेचने की फिराक में ग्राहक तलाश कर रहे है। थाना प्रभारी सिविल लाईन एवं एसीसीयू की टीम को सूचना की तस्दीक कर आरोपी को गांजा के साथ रंगे हाथ पकड़ने निर्देशित किया गया जिस पर व थाना सिविल लाईन एवं एसीसीयू की पुलिस टीम द्वारा उक्त स्थान में जाकर रेड कार्यवाही कर मुखबीर द्वारा बताये हुए हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। जिससे पूछताछ करने पर अपना नाम उत्तम दीप पिता जागेश्वर दीप उर्फबबलू पता तरूण नगर पंडरी रायपुर का होना बताये। टीम के सदस्यों द्वारा तलाशी लेने पर आरोपी के पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 11.100 किलोग्राम गांजा जप्त किया गया है। गांजा के संबंध मे कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी उत्तम दीप के द्वारा गांजा को उड़ीसा भवानी पटना से लाकर अविनाश मंधानी एवं एक स्थानीय महिला को देना जिसके एवज में प्रति किलो 1000 रूपये कमीशन एवं उड़ीसा आने जाने का खर्च मिलना बताया। आरोपी उत्तम दीप के निशानदेही पर अविनाश मंधानी को पकड़कर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करने पर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 नग मोबाइल फोन जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में धारा 20;बी 27 ;क नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही किया गया है।

हाई प्रोफाइल ड्रग्स मामला

आरोपी नव्या मलिक और विधि अग्रवाल की बढ़ी मुश्किलें

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। हाईप्रोफाइल ड्रग्स मामले में आरोपी नव्या मलिक और विधि अग्रवाल की 2 दिन की रिमांड खत्म होने बाद उन्हें विशेष कोर्ट में पेश किया गया सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 15 सितंबर तक की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है हाईप्रोफाइल ड्रग्स केस में अब तक गिरफ्तार नव्या मलिक अयान परवेज विधि अग्रवाल ऋषिराज टंडन सोहेल खान जुनैद अख्तर हर्ष आहूजा और मोनू विश्नोई को एक साथ 15 सितंबर को कोर्ट में पेश किया जाएगा

पूछताछ में हुए बड़े खुलासे : पुलिस सूत्रों के अनुसारए नव्या और विधि हर माह मुंबई और गोवा का दौरा करती थीं जहां संभ्रांत घरानों के युवक.युवतियां रातभर चलने वाली इन पार्टियों में शामिल होते थे दोनों ने रायपुर नवा रायपुर मंदिर हसौदए वीआईपी रोड और चंद्रखुरी के होटल रिसॉर्ट क्लब और फार्महाउस की जानकारी दी जहां ये पार्टियां आयोजित होती थीं विधि की इवेंट कंपनी बिहाइंड द सीन्स रायपुर के बड़े होटल क्लब और मैरिज पैलेस में न्यू ईयर सेलिब्रेशन सहित कई इवेंट्स ,आयोजित करती थी पूछताछ में खुलासा हुआ कि ये पार्टियां 25.30 लोगों केगुप्र के साथ शुरू होती थीं लेकिन रात 1 बजे के बाद करीब 10.15 लोग ही रुकते थे इन फार्महाउस में ड्रग्स के साथ अश्लील गतिविधियां भी होती थीं तीनों का संपर्क बड़े उद्योगपतियों कारोबारियों सीए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से था जिनके साथ पार्टी करने की बात भी कबूल की गई है पुलिस को आरोपियों के मोबाइल से चैट्स मिले हैं जिनके आधार पर ड्रग्स खरीदने वालों की सूची तैयार की जा रही ह इन लोगों को काउंसिलिंग के लिए बुलाया जाएगा और उनके परिजनों को भी सूचित किया जाएगा क्योंकि कई माता.पिता को अपने बच्चों की गतिविधियों की जानकारी नहीं है पुलिस अब इन फार्महाउस और क्लब के मालिकों को पूछताछ के लिए बुलाने की तैयारी में है।

ऑपरेशन निश्चय में पुलिस को मिली सफलता : गंज थाने में दर्ज ड्रग्स केस में पुलिस की कार्रवाई जारी है मामले में गिरफ्तार नव्या और अयान परवेज की निशानदेही पर गुरुवार को 4 और ड्रग पैडलर्स को गिरफ्तार किया गया इनमें विधि अग्रवाल ऋषिराज टंडन सोहेल खान और जुनैद अख्तर के नाम शामिल हैं विधि अग्रवाल और ऋषिराज टंडन शहर की पार्टियों में बतौर इवेंट मैनेजर सक्रिय थे और मुख्य चेहरे थे वहीं सोहेल खान और जुनैद अख्तर नव्या और अयान के करीबी सहयोगी बताए जा रहे ह इस मामले में अब तक कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है

कोर्ट ने 15 सितंबर तक न्यायिक रिमांड पर भेजा

पहले इन लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी : इस मामले में सबसे पहले हर्ष आहूजा मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया को पकड़ा गया था इनके पास से 27.58 ग्राम एमडीएमएए 85,300 रुपये नगदए एक कार और 5 मोबाइल फोन बरामद हुए थे इसके बाद नव्या मालिक और अयान परवेज को भी गिरफ्तार किया गया ताजा कार्रवाई में 4 और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय से पुलिस अभिरक्षा में लेकर उनसे बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंकेज के संबंध में पूछताछ की जा रही है साथ ही इन्हीं लिंकेज के आधार पर अन्य आरोपियों के बारे में भी विस्तृत पूछताछ जारी है

ऐसे सामने आया था मामला : यह पूरा मामला 23 अगस्त 2025 को सामने आया था जब एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने देवेंद्र नगर ओवरब्रिज के पास एक कार को रोककर कार्रवाई की थी कार में सवार तीन आरोपियों हर्ष आहूजा ;23 वर्ष निवासी रायपुर मोनू विश्नोई ;29 वर्षद्ध निवासी हिसार ;हरियाणा और दीप धनोरिया ;41 वर्ष निवासी रायपुर को गिरफ्तार किया गया था पुलिस ने इनके कब्जे से 27.58 ग्राम एमडीएम ड्रग्स सोनेट कार ;सीजी 04 क्यूजे 5466 85 300 रुपये नगद और 5 मोबाइल फोन बरामद किए थे जब्त की गई संपत्ति की कुल कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई थी इसी आधार पर गंज थाने में धारा 21;सी 29 नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

बदलने वाला है आपके बच्चे के स्कूल का समय

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। आखिरकार शिक्षक संगठनों के दबाव के बाद शनिवार को स्कूल संचालन का समय पूर्व की भांति सुबह 7.30 बजे होगा व्यावहारिक दिक्कतों को देखते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के निर्देश पर लोक शिक्षण संचालनालय ने शिक्षा सचिव को शनिवार को स्कूल का समय 7.30 बजे रखने का प्रस्ताव भेजा है संभवतः सोमवार को अनुमोदन होने के बाद अधिकृत रूप से आदेश जारी कर दिया जाएगा चालू शिक्षा सत्र के लिए शिक्षा विभाग ने अपने शैक्षणिक कैलेण्डर में सालों से शनिवार को स्कूल के समय को लेकर चली आ रही व्यवस्था को बदल दिया था पूर्व में शनिवार को एक पाली वाले स्कूल सुबह 7.30 बजे से संचालित होते थे इसमें बदलाव करते हुए स्कूल के समय को सोमवार से शुक्रवार की तरह सुबह 10 बजे से कर दिया चूंकि शनिवार को बैगलेस डे घोषित किया गया है लिहाजा इस दिन योग.व्यायाम समेत अन्य खेल एवं शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जाती है सुबह 10 बजे से स्कूल खुलने की वजह से योग.व्यायाम समेत अन्य व्यवहारिक दिक्कतें बच्चों और शिक्षकों को हो रही हैं

डीपीआई ने शासन को भेजा प्रस्ताव

नया आदेश जारी होगा: शिक्षा मंत्री ने भी शिक्षक संगठन प्रतिनिधियों को शनिवार को स्कूल का समय पूर्ववत रखने का भरोसा दिलाया थाण् उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए थे जिसके बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने एक पाली वाले स्कूलों में समय सुबह 7ण्30 बजे से 11.30 बजे और दो पाली वाले स्कूलों में हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल का समय सुबह 7.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 बजे तथा प्राइमरी और मिडिल स्कूल का समय दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक रखने का प्रस्ताव शिक्षा सचिव को भेजा है प्राप्त जानकारी के अनुसार संभवतः सोमवार को लोक शिक्षण संचालनालय के प्रस्ताव के आधार पर शनिवार को स्कूल संचालन के समय को लेकर नया आदेश राज्य शासन द्वारा जारी कर दिया जाएगा।

रायपुर में किसान के साथ मारपीट

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। रायपुर में एक किसान के साथ मारपीट हुई है। किसान अपने पैरों का इलाज करवाने बेटे के घर आया था। उसके पैर में रॉड लगा हुआ है। वो घर के पास सड़क किनारे आराम करने के लिए बैठ गया। इसी दौरान वहां रहने वाले एक बदमाश ने जबरन गाली गलौज कर मारपीट की। इस मामले में डीडी नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है।

रिखी राम चंद्राकार ने शिकायत में बताया कि वह कुरूद धमतरी का रहने वाला है। पेशे से किसान है। उसके पैर में रॉड लगा हुआ है जिसको निकलवाने और इलाज के लिए वह अपने बेटे के पास सत्यम विहार कॉलोनी आया था। रास्ते में उसे थकावट लगी तो उसे सड़क किनारे बैठ गया। तभी वहां रहने वाले सोहन मानिकपुरी ने उसके साथ यहां क्यों बैठे हो बोलकर गाली.गलौज शुरू कर दी। फिर अश्लील गाली गलौज देने लगा।

पैर में रॉड लगने से सड़क किनारे आराम करने रुका था

मुक्का और लात से की मारपीट : फिर आरोपी सोहन ने मारपीट शुरू कर दी। उसने मुक्के और लात से मारते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस घटना में पीड़ित की आंख और पीठ से खून निकलने लगा। इस मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

10–12 लाख में फर्जी पुलिस कर्मी आशीष ने क्राइम ब्रांच से लेकर थानों में कराई पोस्टिंग

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। पुरानी बस्ती में गिरफ्तार फर्जी पुलिस आशीष घोष से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं उसने क्राइम ब्रांच से लेकर थानों ट्रैफिक एमटीओ में कई सिपाही हवलदार और एएसआई की पोस्टिंग कराई है पोस्टिंग के बदले उनसे हर माह पैसा लेता रहा उसे किसी माह पैसा नहीं मिलता है तो वह गाली.गलौज करता इतना ही नहीं एसएसपी एडिशनल एसपी या किसी नेता को बोलकर उनके स्टाफको हटवा देता उसने कई लोगों के साथ ऐसा किया है उसने पुलिस के एमटीओ में कई लोगों को पदस्थ किया है उनसे गाड़ी व पेट्रोल तक लेता रहा पिछले 10 साल में रायपुर में पदस्थ कई आईपीएस से भी जुड़ा रहा बिना किसी रोक.टोक के उनके घर आना.जाना करता था उनके नाम से लोगों को धौंस दिखाता आरोपी के मोबाइल में कुछ ऑडियो भी मिले हैं उसमें वह पुलिस सिपाही हवलदार को धमकी दे रहा है आरोपी ने कुछ टीआई और एसआई की पोस्टिंग कराने का भी दावा किया है वह अभी भी कुछ टीआई और एसआई की पोस्टिंग के लिए लगा हुआ था कुछ नेता और संगठनों के लोगों से ट्रांसफर.पोस्टिंग के लिए मुलाकात की वह पोस्टिंग के एवज में 10.12 लाख लेता था।

बिना रोक–टोक आईपीएस अधिकारियों के घर था जाना–आना

फर्जी आईडी का खुलासा: आशीष ने पूछताछ में बताया कि उसने एसीबी.ईओडब्ल्यू के सिपाही उमेश कुर्रे के पुलिस आईडी की फोटो खींचकर उसमें अपनी तस्वीर लगाकर फर्जी आईडी बनवाया् घड़ी चौक के वीर नारायण परिसर में एक दुकानदार ने इस काम में उसकी मदद की् फर्जी आईडी पर डीजी जीपी सिंह के हस्ताक्षर भी थे आशीष की गाड़ी से थाने का सील.मोहर ड्यूटी चार्ट और गश्त पॉइंट भी बरामद हुआ

पश्चिम बंगाल में छत्तीसगढ़ के नामी ब्रांड की नकली साबुन की बिक्री, 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। रायपुर के तारवानी सोप इंडस्ट्रीज के प्रोडक्ट बोस्की साबुन की डुप्लीकेट बिक्री का मामला सामने आया है पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर जिले में आरोपी नकली बोस्की साबुन बनाकर बाजार में बेच रहे थे इसकी सूचना मिलने पर कंपनी के सदस्य स्थानीय डीलर के साथ थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जानकारी के अनुसारए इस्लामपुर जिले में बीते कई दिनों से दोनों आरोपी नकली बोस्की साबुन बनाकर बेच रहे थे मामले की जानकारी कंपनी स्टाफको होने पर उन्होंने चुकलिया थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की कार्रवाई करते हुए आरोपी अली मूर और हसनैन को गिरफ्तार कर लिया गया् दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया बिहार के किशनगंज जिले के ग्राम पीपला में स्थित एक फैक्ट्री में तारवानी सोप इंडस्ट्रीज के नाम पर नकली साबुन तैयार किया जा रहा था कुछ दिन पहले पुलिस ने यहां छापेमारी की थी बड़ी मात्रा में नकली साबुन रैपर और मशीनें जब्त कर फैक्ट्री को सील कर दिया गया था

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस लौकर आ के उद्घोष के साथ देर रात तक किया जाता रहा विसर्जन

■ डीजे बिना निकले जुलूस मगर उत्साह बराबर बना रहा

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। ग्यारह दिन विराजने के बाद आज विध्नहर्ता गणेश जी की धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धाभाव से विदाई दी गई। शहर के सभी सार्वजनिक गणेश मंडपों में दिनभर हवन पूजन पूर्णाहूति के मंत्रोंचार गूंजते रहे। दोपहर बाद शाम होते होते गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस फिर लौकर आ जैसे उद्घोष के साथ श्री गणेश की झांकी शोभायात्रा निकाली गई और शिवनाथ नदी सहित शहर के सभी पवित्र जलाशयों में विसर्जन किया गया। आज के गणपति जुलूस का यह उल्लेखनीय पक्ष रहा कि बाजेगाजे शंख घंटा ध्वनि का तो भरपूर उपयोग किया गया किंतु प्रतिबंधात्मक डीजे का उपयोग नहीं किया गया। आज विसर्जन के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था भी काफी चुस्त दुरूस्त रही।

आज गणेश विसर्जन सर्वाधिक रूप से शिवनाथ नदी के महमरा घाट में किया गया। इसके अलावा मां सतरूपा शीतला मंदिर कसारीडीह तालाब, धमधा नाका पटरीपार के तालाबों में किया गया। पुलगांव-अंजोरा मार्ग पर सिक्ख गुरूद्वारा के पास शिवनाथनदी में भी बड़ी संख्या में बड़ी झांकियों के साथ पहुंचकर गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन किया। इसके अलावा छोटे छोटे बाल गणेश का विसर्जन लुचकी तालाब, पोलसाय तालाब, बघेरा तालाब, बोरसी तालाब, उरला स्थित तालाब, टप्पा तालाब नयापारा में भी किया गया। सभी जगह पुलिस बल के साथ ही निजी वालिंटियर्स भी अपनी स्वस्फूर्त सेवाएं दे रहे है।

महमरा एनिकेट शिवनाथ नदी में गणेश विसर्जन करने वालों का गत वर्षो की तरह आज भी हुजूम हो गया। बाजे गाजे फटाके साथ एक दो तीन चार, गणपति जी की जय जयकार का उद्घोष करते हुए सैकड़ों श्रद्धालु मोहन नगर, आर्य नगर, दीपक नगर, संतराबाड़ी, शिक्षक नगर, ठेठवार पारा से लेकर मरार पारा, राजीव नगर, तथा धमधा नाका पटरीपार की भी गणेशोत्व की झांकियां महमरा घाट लाई जाती रहीं जहां पर देर रात्रि गणेश जी का विसर्जन किया जाता रहा। सभी जलाशयों में सुरक्षा के प्रबंध पुलिस प्रशासन द्वारा किये गये है। शिवनाथ नदी महमरा घाट में गणेश विसर्जन के लिये क्रेन भी रखी गई थी। इसके अलावा गोताखोर जवानों का दस्ता भी तैयार किया गया है। यहां पर पर्याप्त विद्युत व्यवस्था भी की गई है। शामियाना लगाकर समिति के लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। शिवनाथ नदी के पुलगांव-अंजोरा पुल के पास भी इसी तरह की व्यवस्था की गई है। रात्रि 8 बजे तक गणेश विसर्जन का कार्य शांति पूर्वक चलने की सूचना पुलिस द्वारा दी गई है।

संयुक्त कलेक्टरों एवं डिप्टी कलेक्टरों के मध्य कार्यों का विभाजन

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले में पदस्थ संयुक्त कलेक्टरों सिल्ली थामस व हरवंश मिरी और डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा व उत्तम कुमार ध्रुव के मध्य कार्य विभाजन किया गया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थामस को अधीक्षकए वित्त स्थापना शाखा, नोडल अधिकारी पेंशन, प्रस्तुतकार शाखा, न्यायालय कलेक्टर, भू.अभिलेख शाखा, डायवर्सन शाखा, नजूल, नजूल जांच, सहायक अधीक्षक राजस्व, राजस्व मोहर्रिर शाखा, राजस्व लेखा शाखा, बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन, सूखा राहत शाखा, पर्यावरण अद्योसरंचना मद, लायसेंस शाखा, जिला नाजिर शाखा, सीएसआर मद शाखा, डीएमएफमद शाखा, जिला कार्यालय परिसर के कार्यालयों, विभिन्न शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण, नोडल अधिकारीए मावन अधिकार आयोग के प्रकरण, नागरिकता प्रमाण पत्र शाखा, नोडल अधिकारी, नशा मुक्ति अभियान, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय.समय पर सौंपे गए अन्य कार्य शामिल है। संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी को प्रोटोकाल अधिकारी ;अतिरिक्त प्रभारद्ध सौपा गया है।

इसी प्रकार डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा को अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिलाई नगर.भिलाई नगर के अंतर्गत थाना भिलाई नगर, भिलाई भठ्ठी, नेवई क्षेत्र के के तहत दाण्डित प्रकरणों का निपटारा एवं क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं शांति कायम रखना। अनुविभागीय दण्डाधिकारी छावनी.छावनी के अंतर्गत थाना छावनी, सुपेला, खुर्सीपार, जामुल, क्षेत्र के तहत दाण्डिक प्रकरणों का निपटारा एवं क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं शांति कायम रखना।

डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव को अनुविभागीय दण्डाधिकारी दुर्ग (शहर). दुर्ग शहर के अंतर्गत थाना दुर्ग, मोहन नगर, पदमनाभपुर, एवं जी,आर.पी. दुर्ग क्षेत्र के तहत् दाण्डिक प्रकरणों का निपटारा एवं क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं शांति कायम रखना।

संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थामस के लिंक अधिकारी डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा, डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा के डिप्टी कलेक्टर उत्तम कुमार ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर उत्तम कुमार ध्रुव के डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा होंगे।

अपर कलेक्टरों के मध्य कार्यो का विभाजन

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले में पदस्थ अपर कलेक्टरों अभिषेक अग्रवाल, योगिता देवांगन एवं वीरेन्द्र सिंग के मध्य कार्य विभाजन किया गया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार अपर कलेक्टर अभिषेक अग्रवाल को अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जिला दुर्ग के न्यायालयीन कार्य, रोस्टर के अनुसार तहसील, अनुविभाग कार्यालय, उप पंजीयक कार्यालय, जनपद कार्यालय का निरीक्षण। समयावधि में पेश शस्त्र लाईसेंसों का नवीनीकरण, शस्त्र अनुज्ञप्ति स्वीकृति एवं नवीनीकरण आदेश के पश्चात लायसेंस बुक तथा लायसेंस पंजी के प्रविष्टियों पर हस्ताक्षर एवं सत्यापन। अस्थायी फ्टाका लाईसेंसों का नवीनीकरण, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, नोडल अधिकारी धान उपार्जन, धान संग्रहण, नोडल अधिकारी कस्टम मिलिंग, नोडल अधिकारी एग्रीस्ट्रेक परियोजना, नोडल अधिकारी डिजिटल कॉप सर्वे, नोडल अधिकारी वेटलैंड सर्वे, नोडल अधिकारी वन भूमि सत्यापन, नोडल अधिकारी पीडीएस, पासपोर्ट शाखा, कलेक्टर द्वारा समय.समय पर सौंपे गये अन्य कार्य शामिल है।

अपर कलेक्टर योगिता देवांगन को न्यायालय अपर कलेक्टर दुर्ग ;अनुभाग धमधा व पाटन हेतु धमधा पाटन अनुभाग के अंतर्गत छ.ग. भू.राजस्व संहिता से संबंधित अपील पुनरीक्षण एवं पुर्नविलोकन प्रकरण के निराकरण हेतु कलेक्टर की शक्तियों का उपयोग ;प्रत्येक दसवा प्रकरण कलेक्टर न्यायालय को अंतरित किया जाएगा ।तहसील दुर्गभिलाई.3धमधा पाटन के अवैध उत्खनन के प्रकरणों का प्रावधान अनुसार निराकरण, शासकीय कर्मचारियों के लिए शासन से प्राप्त होने वाले स्वत्वों के संबंध में वैध वारिसान प्रमाण पत्र जारी करना।

अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंग को न्यायालय अपर कलेक्टरए दुर्ग ;अनुभाग दुर्ग व भिलाई.3 हेतु, दुर्गध्मिलाई.3 अनुभाग के अंतर्गत छण्गण् भू.राजस्व संहिता से संबंधित अपील पुनरीक्षण एवं पुर्नविलोकन प्रकरण के निराकरण हेतु कलेक्टर की शक्तियों का उपयोग ;प्रत्येक दसवा प्रकरण कलेक्टर न्यायालय को अंतरित किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सामान्य निर्वाचन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन, परिसीमन ;पंचायत एवं नगरीय निकाय, राजस्व विभाग से संबंधित विधानसभा प्रश्नों की जानकारी समय पर भेजने हेतु नस्ती कलेक्टर के समक्ष पेश करना।

दक्षिण ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष पद हेतु 8 लोगों ने पेश की दावेदारी

पहली बार नजर आई शहर कांग्रेस में पारदर्शिता

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ब्लाक कांग्रेस इकाईयों की चुनावी प्रक्रिया के परिप्रेक्ष्य में आज पहली बार कांग्रेस की ओर से अधिकारिक जानकारी दी गई । प्रेस को दी गई जानकारी में बताया गया है कि आज खेल एवं सांस्कृतिक भवन सिविल लाईन में हुई बैठक में दक्षिण ब्लाक कांग्रेस की चुनाव पर्यवेक्षक पूर्व विधायक छन्नी साहू उपस्थित थीं। बैठक में पर्यवेक्षक श्रीमती साहू के समक्ष 8 दावेदारों ने अध्यक्ष पद के लिये अपनी दावेदारी प्रस्तुत की।

संगठन चुनाव को लेकर कांग्रेस के भीतर अब कार्यकर्ताओं की कड़ी आपत्ति के बाद चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाते हुए दक्षिणी ब्लाक कांग्रेस कमेटी की बैठक ली गई। बैठक में पूर्व विधायक अरूण वोरा, पूर्व महापौर आर.एन.वर्मा, वरिष्ठ नेता दीपक दुबे, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, वरिष्ठ पार्षद दीपक साहू, परमजीत भुई, छाया महापौर प्रेमलता साहू, एवं वरिष्ठ कई नेता कार्यकर्ता ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

राजेन्द्र चौक में निर्मित लेफ्ट टर्न फ्री को मानक के अनुरूप सकरा किया जाएगा

यातायात पुलिस ने नगर निगम को दिये सुझाव

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। आपरेशन सुरक्षा के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा राजेन्द्र चौक में यातायात संबंधी निरीक्षण के बाद यातायात पुलिस की टीम ने लेफ्ट टर्न फ्री को निर्धारित मानक के अनुरूप सकरा किया जाये। वर्तमान में लेफ्ट टर्न का मार्ग काफी चौड़ा है जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। यातायात पुलिस अधिकारियों ने नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल को लेफ्ट टर्न की वास्तविकता से अवगत कराते हुए इसे मानक अनुरूप सकरा करने के सुझाव दिये है।

यातायात पुलिस द्वारा जारी एक सूचना में बताया गया है कि आज यातायात पुलिस की टीम ने राजेन्द्र चौक का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में यह तथ्य पाया गया कि न्यू सिविल लाईन मार्ग से आने वाले वाहनों हेतु निर्मित लेफ्ट टर्न फ्री मानक के विपरीत काफी चौड़ा मार्ग है। इसकी वजह से आम लोगों को आवागमन में काफी असुविधा हो रही है। इससे यातायात भी प्रभावित हो रहा है और दुर्घटनाओं की संभावनाएं भी बढ़ रही है। इसे महसूस करते हुए इस ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

पुलिस की सक्रियता से मासूम बच्ची की मौत का आरोपी गिरफ्तार

थानखमरिया, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। नगर में मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत से उपजे आक्रोश के बीच पुलिस ने सक्रियता और कड़ी मेहनत से आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की है।

विगत दिनों नगर में जन्मी नवजात बच्ची नवजात हालात में मिली थी, जिसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पश्चात बेमेतरा और रायपुर रेफ़र किया गया। उपचार के दौरान बच्ची ने दम तोड़ दिया। इस घटना ने पूरे नगर और क्षेत्र को झकझोर दिया था।

नगरवासियों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज की। लगातार

दिन-रात की मेहनत के बाद पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा और उसे पूछताछ के लिए बेमेतरा ले जाया गया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

पुलिस की जांच में सामने आया कि बच्ची जन्म के समय स्वस्थ थी, किंतु देर से इलाज मिलने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। नगर में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने मांग की है कि नाबालिग को गर्भवती बनाने वाले दोषी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस ने आरोपी का नाम उजागर नहीं किया है और पूरे मामले की गहन जांच एवं आरोपी से पूछताछ जारी है।

'पुलिस आरोपी तक पहुंच पाये इसमें आमजन, मिडिया, पत्रकारों की भी भुमिका महत्वपूर्ण रही है, फिलहाल पूछताछ जारी है मामले का खुलासा जल्द ही करेंगें।'

मनोज तिर्की
एसडीओपी बेमेतरा

खैरागढ़ के तत्कालीन नायब तहसीलदार रश्मि दुबे निलंबित

■ भू.राजस्व संहिता के प्रावधानों के विपरीत जाकर किया था आदेश पारित

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने खैरागढ़ के तत्कालीन नायब तहसीलदार एवं वर्तमान तहसीलदार जिला कबीरधाम रश्मि दुबे को छत्तीसगढ़ भू.राजस्व संहिता 1959 के प्रावधानों के विपरीत जाकर हितबद्ध पक्षकार को सुनवाई का अवसर प्रदान किये बगैर ही आदेश पारित कर कर्त्तव्य निवर्हन में गंभीर अनियमितता एवं लापरवाही के आरोप में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा के नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में तहसीलदार श्रीमती दुबे का मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर कबीरधाम निर्धारित किया गया है। रश्मि दुबे तहसीलदार को निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वह भत्ते की पात्रता होगी। ज्ञात हो कि पक्षकार मनोज कुमार पिता स्व. छदामी लाल एवं अन्य के द्वारा न्यायालय आयुक्त दुर्ग संभाग दुर्ग में प्रस्तुत द्वितीय अपील में अधीनस्थ विचारणीय न्यायालय नायब तहसीलदार खैरागढ़ के द्वारा राजस्व प्रकरण वर्ष 2020.21 में पारित आदेश दिनांक 21.10.2021 जिसे अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खैरागढ़ एवं न्यायालय आयुक्त दुर्ग संभाग दुर्ग के द्वारा विधि विपरीत पाते हुए निरस्त किया गया है।

निषाद परिवार से दुर्व्यवहार के विरोध में बजरंग दल ने किया प्रदर्शन

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ बजरंग दल ने आज ग्राम मचांदुर में नेहा निषाद व परिवार के साथ मारपीट दुर्व्यवहार करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर दुर्ग कलेक्ट्रेट में जबर्दस्त प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद एसपी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में आरोप लगाया है कि ग्राम मचांदुर के कतिपय लोगों ने निषाद परिवार के साथ मारपीट करते हुए दुर्व्यवहार किया गया। श्रीमती निषाद के सेना में तैनात जवान पुत्र कौशल निषाद के साथ भी मारपीट की। छत्तीसगढ़ बजरंग दल के लोगों ने इस प्रकरण में कतिपय पुलिस कर्मियों के भी संदिग्ध रूप से शामिल होने का आरोप लगाया है। ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

हितग्राहियों को 3.15 करोड़ की सब्सिडी भेजी गई

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन संचालन को बढ़ावा देने हेतु दोपहियाए तिपहियाए चार पहिया (नान कमर्शियल), चार पहिया(कमर्शियल) माल वाहन, यात्री यान एवं अन्य श्रेणी के बैटरी चलित वाहनों के इलेक्ट्रिक संचालन हेतु इलेक्ट्रिक वाहन नीति लागू किया गया है। जिसके तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के हितग्राहियों को सब्सिडी राशि प्रदान किये जाने का कार्य क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय दुर्ग द्वारा कार्य तीव्र गति से संचालित है। आरटीओ एस.एल.लकड़ा से प्राप्त जानकारी अनुसार अब तक लगभग 3 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि, 1131 हितग्राहियों के खाते में भेजी जा चुकी है। शेष वाहनों की सूची तैयार कर शीघ्र हितग्राहियों के बैंक खाते में सब्सिडी राशि प्रदान किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

किसानों ने कहा शासन अपनी घोषणा के अनुरूप दे मुआवजा, अन्यथा 9 को आंदोलन

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। चार सौ केवी ट्रांसमिशन लाईन परियोजना से प्रभावित किसानों ने ग्राम नगपुरा में बैठक लेकर शासन से कहा कि शासन अपनी नीतियों के अनुरूप ही टावरबेस हेतु भूमि मूल्य का 2 सौ प्रतिशत मुआवजा तथा शेष अधिग्रहीत की गई भूमि पर 30 प्रतिशत अतिरिक्त दिया जाना चाहिए। तत्संबंध में 10 मार्च 2025 को शासन द्वारा जारी किये गये आदेश में ही कहा गया है कि अत: किसान यह कोई मांग नहीं रख रहे बल्कि शासन के आदेश के अनुरूप ही अपनी मुआवजा राशि का भुगतान पाने दावा ठोंक रहे है। यह जानकारी देते हुए किसान नेता जनपद सदस्य ढालेश साहू ने यदि शासन शीघ्र भुगतान नहीं करता तो 9 सितंबर को नगपुरा चौक में किसान सभा के साथ आंदोलन किया जायेगा। आंदोलन के बाद मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जायेगा।

ढालेश साहू ने कहा कि यदि किसानों को शासन के आदेश के अनुसार ही मुआवजा राशि भुगतान में सरकार कोताही करती है तो किसान सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करेगें। बैठक में किसान ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

शिक्षक दिवस पर लॉ कालेज के दो अध्यापकों का वोरा ने किया सम्मान

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस पर वोरा निवास पद्मनाभपुर में एक कार्यक्रम कर शहर के वरिष्ठ अधिवक्तागण जो विगत लगभग 15 वर्षो से मानसेवी प्राध्यापकों के रूप में लॉ कालेज में अपनी सेवाएं दे रहे है का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। प्राध्यापकों को यह सम्मान पूर्व विधायक अरूण वोरा ने अपने हाथों से प्रदान किया।

शिक्षक दिवस पर जिन प्राध्यापकों का सम्मान किया गया उनमें सेठ रतन चंद सुराना विधि महाविद्यालय के मानसेवी प्राध्यापक आर.एन.वर्मा, एवं कौशल किशोर सिंह शामिल है। श्री वर्मा शहर के पूर्व महापौर भी है। उन्होंने लोक प्रशासन एवं हिन्दू लॉ का विशेष अध्ययन किया है। उनके मार्गदर्शन में शहर के अनेक छात्रों ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज भाजपा की कार्यशाला

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक भाजपा द्वारा सेवा पखवाड़ा मनाया जायेगा। इसके लिये जिला भाजपा कार्यालय में कल 7 सितंबर को दोपहर 2 बजे से सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक करेगें। उक्त कार्यशाला में मुख्य वक्ता पूर्व सांसद महासमुंद चुन्नीलाल साहू एवं सहवक्ता प्रदेश मंत्री भाजपा संध्या परगनिहा होगीं। कार्यशाला में जिले में निवासरत सांसदगण, विधायकगण, निगम बोर्ड, मंडल के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, भाजपा के जिला पदाधिकारी, सभी मोर्चा प्रकोष्ठ जिला पंचायत जनपद पंचायतों, नगर निगम, नगर पालिका, भाजपा मंडल अध्यक्ष महामंत्रीगण उपस्थित रहेगें।

जिला साहू संघ ने नवनिर्वाचित प्रदेश पदाधिकारियों का किया सम्मान

दुर्ग, 6 सितंबर (देशबन्धु)। जिला साहू संघ द्वारा आज साहू सदन में एक कार्यक्रम कर प्रदेश साहू संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू एवं सभी नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। पूरा आयोजन साहू संघ के जिला अध्यक्ष नंदलाल साहू के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री जागेश्वर साहू, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू पूर्व मंत्री रमशीला साहू हस्तशिल्प बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष दीपक ताराचंद साहू ने अपने उद्बोधन में समाज में हुए निर्विरोध चुनाव की सराहना की।

भक्त मां कर्मा की पूजा अर्चना व आरती से प्रारंभ कार्यक्रम में संघ के जिला ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

हाईवे चैनल

एजेंसी देना है

छत्तीसगढ़ प्रदेश की सर्वाधिक प्रसारित लोकप्रिय व विश्वसनीय अखबार सांध्य दैनिक हाईवे चैनल को भिलाई /दुर्ग में ब्यूरो प्रमुख के पद पर नियुक्त करना है। विज्ञापन, प्रसार व समाचार प्रेषण में रुचि रखने वाले व्यक्ति तत्काल संपर्क करें।

प्रबंधक
मो. 7000480650

47 स्कूलों के 550 शिक्षकों का हुआ सम्मान

भिलाई नगर 06 सितंबर। ष्शिक्षक हमारे भविष्य को आकार देते हैं और हमें नई ऊँचाइयों तक पहुँचने के लिए प्रेरित करते हैं। शिक्षक दिवस पर हम सभी शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए उनकी प्रशंसा और आभार व्यक्त करते हैं। वैशाली नगर विधायक रिकेश ने शिक्षक दिवस पर विभिन्न शासकीय और निजी विद्यालयों में आयोजित समारोह में उक्त विचार व्यक्त किए। श्री सेन ने कहा कि शिक्षक दिवस युवा पीढ़ी में ज्ञान नैतिकता और नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने में गुरूजनों के समर्पण और योगदान का सम्मान करने का एक स्मरणोत्सव और कार्य है। यह शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने और आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करने में उनके प्रति सम्मान का दिवस है। रिकेश सेन के द्वारा लगभग 47 स्कूलों में दो दिवस के भीतर लगभग 550 गुरुजनों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस वर्ष गुरुजनों का मैडल एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विधायक रिकेश सेन द्वारा हस्ताक्षरित सम्मान पत्र से अभिनंदन किया जा रहा है। समारोह में वरिष्ठ नेता त्रिलोचन सिंह, विजय सिंह, राजेन्द्र सिंह अरोरा, तरूण सिह, मुन्ना आर्य, लतेल यादव, विजय वर्मा, पार्षद विनोद चेलक, पप्पू यादव, शम्भू कुशवाहा, श्रीमती सविता राव, शोभा भगत, रामेश्वरी सिन्हा, अवतार सिंह, रिन्कु पाल आदि उपस्थित थे।

आरोपी से अवैध मादक पदार्थ बरामद

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। खुर्सीपार पुलिस की बड़ी कार्यवाही करते हुए ऑपरेशन विश्वास के तहत एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 4 सितम्बर को थाना खुर्सीपार पुलिस के व्दारा मुखबीर सुचना के आधार पर देवार बस्ती मछली मार्केट खुर्सीपार में एक व्यक्ति व्दारा अवैध मादक पदार्थ गांजा को रखकर बिक्री कर रहा है। इसकी सुचना पर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए संदेही को पकड़कर पूछताछ करने पर अपना नाम अनिकेत देवार खुर्सीपार का निवासी होना बताया जिसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा वजनी 3.706 किलोग्राम कीमती करीबन 20,000 रुपये को गवाहो के समक्ष जप्ती कार्यवाही की गई। आरोपी के खिलाफ धारा 20(ख) एक्ट का पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार किया गया।

चोरी के 2 आरोपी गिरफ्तार

गणेश नगर जामुल स्थित मकान में चोरी करने का मामला के पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी चोरी का जेवरात अपनी मां को देता था, मां उसे खपाने का काम करती थी। जामुल पुलिस की सक्रियता से आरोपी को पकड़ाया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुदर्शन कुमार कुर्रे निवासी गणेश नगर जामुल द्वारा थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 13 अगस्त को प्रार्थी अपने परिवार को लेकर बलौदाबाजार गया था। दूसरे दिन घर आने पर दरवाजा का ताला टूटा हुआ था घर अंदर देखने पता पता चला कि आलमारी में रखे सोने चांदी का जेवरात कीमती करीबन 1,50,000 रूपये को अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर ले गया है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जामुल पुलिस द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला गया। मुखबीर सूचना के आधार पर संदेही दीशु व उसकी माता अनुराध को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर पर पहले तो पुलिस को गुमराह करते रहे किन्तु जब बारिकी से पूछताछ करने पर प्रार्थी के घर चोरी करना स्वीकार किये। चोरी की गई जेवरात में से कुछ तो अपने पास रखे थे एवं कुछ सोना चांदी बिक्री कर आईफोन खरीदी किया था व कुछ जेवरात को दंतेवाड़ा में गिरवी व बिक्री किये थे। जिसे दंतेवाड़ा पुलिस टीम भेज कर बरामद किया गया है। इस प्रकार कुल कीमती 5,50,000 रूपये करीबन बरामद किया गया। आरोपीयो को आज को गिरफ्तर कर न्यायिक रिमाण्ड में केन्द्रीय जेल भेजा गया। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक राजेश मिश्रा, सउनि महफूज खान, आरक्षक चेतमान गुरूंग, रत्नेश शुक्ला, तिरिथ बंजारे, रूप नारायण बाजपेयी, चंदन सिंह का विशेष योगदान रहा। पुलिस ने धारा 331(4), 305, 3 (5) बीएनएस की कार्यवाही की गई।

गणेश विसर्जन हेतु 50 वाहन कराये निःशुल्क उपलब्ध

भिलाईनगर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। बप्पा के विसर्जन के लिए भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के द्वारा निशुल्क वाहन उपलब्ध कराया जा रहा है। गणेश उत्सव समितियां आवश्यकता अनुसार संगठन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंग छोटू से संपर्क साधकर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है। सुबह से अब तक संगठन के द्वारा 50 से अधिक वाहन उपलब्ध कराए हैं। गणेश उत्सव पर अनंत चतुर्दशी के दिन से गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम आरंभ हो जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं और विभिन्न समितियों को सुविधा प्रदान करने हेतु भिलाई की हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत ट्रक एवं ट्रेलर वाहनों की विशेष व्यवस्था की है। समितियों की मांग के अनुसार प्रतिमाओं को सुरक्षित रूप से पंडाल से नदी एवं तालाब तक ले जाने का कार्य निःशुल्क किया जा रहा है। इस वर्ष अभी तक भिलाई नगरवासियों के गणेश पंडालों की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए 50 से अधिक गाड़ियाँ भेजी जा चुकी हैं। समिति के प्रतिनिधि स्वयं संपर्क कर अपनी प्रतिमा के आकार व आवश्यकता अनुसार ट्रक अथवा ट्रेलर की व्यवस्था कर रहे हैं। इस पहल से श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिली है और विसर्जन का कार्य सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। इस संबंध में भिलाई ट्रक.ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंग ने बताया कि गणेश विसर्जन, दुर्गा पूजा, विश्वकर्मा पूजा सहित किसी भी धर्म के आयोजनों के लिए यह सेवा कई वर्षों से निरंतर जारी है और भविष्य में भी जीवनपर्यंत जारी रहेगी। कंपनी की यह पहल न केवल सामाजिक सहयोग का उदाहरण है, बल्कि सामुदायिक सद्भावना और धार्मिक आयोजनों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

दसलक्षण पर्व पर, धर्मध्यान व तपस्या की लहर

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना कठिनतम तप आज के भागमभाग भरे जीवन में तपसाधना के भाव बहुत देर से जागते है जब व्यक्ति के पास समय सीमित रह जाता है। परन्तु हर बार की तरह इस वर्ष भी पूरे भारत वर्ष में तपस्याओं का सिलसिला हर मंदिरों में जारी है। जिसमें बच्चे युवा, वृद्ध सभी उत्साहपूर्वक साधनारत है। शास्त्रों में 12 प्रकार के तप कहे गए हैँ, उनमें रसना इन्द्रिय पर नियंत्रण महत्वपूर्ण माना जाता है जैन धर्म के अनुसार उपवास का अर्थ है 36 घंटे तक आहार का त्याग करना। इसके अतिरिक्त पर्व के दिनों में हर व्यक्ति अपनी क्षमतानुसार एकाशन, अन्न का त्याग, रस का त्याग आदि कर के अपनी आत्मा को पवित्र बनाने का प्रयास करता है। नेहरूनगर के 9 साधक इस वर्ष उत्कृष्ट साधना कर रहे है व दस उपवास की भावना लिए आज इनके 9 उपवास पूर्ण हो चुके हैँ। संयंत्र से सेवानिवृत्त सीजीएम अनिल जैन, मेडिकल व्यवसायी पवन जैन, संदीप जैन विद्याश्री, विधानाचार्य अनेकान्त जैन, श्रीमती अर्चना जैन, श्रीमती साक्षी संदीप जैन, श्रीमती प्राची निखिल जैन, कु. वैशाली विजय जैन, कु.खुशी अजित जैन, दृढ़ संकल्प पूर्वक तपसाधना में अग्रसर है। दिगंबर जैन सभा नेहरूनगर के अध्यक्ष मनीत जैनए उपाध्यक्ष रमेश जैन नाहरए संरक्षक राजकुमार जैन, महावीर पाटनी, अशोक पहाड़िया, सचिव क्षितिज जैन, कोषाध्यक्ष गौरव जैन, चातुर्मास संयोजक जितेन्द्र जैन, आनंद जैन, सचिन जैनम आदि ने तपस्वियों के तप की अनुमोदना करते हुए पूरे परिवार को बधाई दी। आगामी 7 सितम्बर को जैन भवन नेहरूनगर में आयोजित विश्व सदभावना दिवस पर श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसके उपरांत अभिषेक . शांतिधारा एवं शास्त्र प्रवचन आर्यिका संघ के सांनिध्य में सम्पन्न होंगे। ततपश्चात सभी उपवासकर्ताओं का पारणा व सम्मान किया जायेगा। इसी कार्यक्रम में सभी प्रतियोगिताओं के पुरुस्कार वितरण, नये सदस्यों का स्वागत एवं वात्सल्य भोज आयोजित किया गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में हादसा

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। भिलाई इस्पात संयंत्र में वीति रात्रि हादसा हो गया है। बार एंड रॉड मिल.बीआरएम में तेज आवाज के साथ धमाका हुआ। बताया जा रहा है कि इसके कारण उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है। अगले सात दिनों के लिए मिल को कैपिटल रिपेयर पर ले लिया गया है। कार्मिकों का कहना है कि गैस लाइन में पहले से समस्या थी। इसकी वजह से घटना हुई है, ऐसा प्रतीत हो रहा है। अब अतिरिक्त गैस लाइन डालने में 15 से 20 दिन का समय लग सकता है। कम से कम 10 दिन तक प्रोडक्शन ठप हो सकता है। सीए फैन फर्नेस के तापमान को नियंत्रित रखता है। प्रबंधन ने 19 सितंबर से कैपिटल रिपेयर की तैयारी कर रखी थी। इससे पहले ही गुरुवार को घटना हो गई। फिलहाल, कैपिटल रिपेयर का कार्य ही शुरू कर दिया गया है। चेंजओवर करते समय रात करीब 8 बजे के आसपास तेज आवाज के साथ ब्लास्ट हुआ। जिस प्वाइंट पर ब्लास्ट हुआ है। वह एक तरह से सेल है, खुलने के बाद ही पता चलेगा कि कितना नुकसान हुआ है। मिल का प्रोडक्शन रुका हुआ था। चेकिंग आदि का कार्य करते समय यह घटना हुई है।

एससी-एसटी एम्प्लाइज प्रतिनिधि ने महाप्रबंधक से की भेट

भिलाइनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। संयंत्र एससी, एसटी एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेल एससी, एसटी फेडरेशन के उपाध्यक्ष कोमल प्रसाद के नेतृतव में एक प्रतिनिधिमंडल भिलाई इस्पात संयंत्र के जे.एन. ठाकुर महाप्रबंधक मानव संसाधन गैर संकार्य से सौजन्य मुलाकात किये। एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमल प्रसाद ने महाप्रबंधक मानव संसाधन गैर संकार्य को एसोसिएशन के गतिविधियों, चलाए जा रहे सदस्ता अभियान एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं, विभागीय समितियों के गठन, कर्मचारी एवं अधिकारी वर्ग से प्राप्त सुझावों को अमल में लाते हुए एसोसिएशन की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। जे एन ठाकर महाप्रबंधक से भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा एसोसिएशन को प्रदत्त डॉ आम्बेडकर भवन सेक्टर 6 हेतु किये जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही भिलाई टाउनशिप में भारत रत्न डॉ बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर के कृतित्व एवं व्यक्ति्तत्त्व को जन सामान्य के बीच पहुंचाने एवं भावी पीढी में पढने एवं सफ्लता हासिल करने के लिए सतत प्रयत्न करने के लिए प्रेरित करने हेतु डा. आम्बेडकर पुस्तकालय एवं संग्रहालय के निर्माण हेतु किये जा रहे सार्थक पहल के लिए धन्यवाद दिये। प्रतिनिधि मंडल ने एसोसिएशन द्वारा आयोजित किये जाने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में भी जे एन ठाकुर महाप्रबंधक को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने हर संभव सहायता प्रदान करने की बात कही। प्रतिनिधि मडल में एसोसिएशन की ओर से कोमल प्रसाद अध्यक्ष, विजय कुमार रात्रे, महासचिव चेतन लाल राणा, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार खेलवार, कोषाध्यक्ष उपस्थित थे। भिलाई इस्पात सयत्र प्रबंधन की ओर से श्रीमती प्रियंका मीणा, वरिष्ठ प्रबंधक आई आर शशांक राव सहायक प्रबंधक आई आर उपस्थित थे।

अहिवारा में लोक धारा लोक कला की प्रस्तुति आयोजित

भिलाईनगर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर ग्राम अहिवारा के क्रांति चौक में विराट गणेश का उत्सव का आयोजन में लोक धारा लोक कला समिति ग्राम कड़रका अध्यक्ष राजेंद्र साहू का सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया था जिसमें रंगारंग प्रस्तुति भगवान गणेश की वंदना हमारी लोक कला की झांकियां और बेहतरीन गीतों से अपनी प्रस्तुति दी। इसके गायक थे खुद लोकधारा के अध्यक्ष राजेंद्र साहू जिन्होंने मुंबई में दो माह रह कर पद्मश्री कैलाश खेर से गाय की सीख कर आए हैं, गंगा प्रसाद साहू, रीटा एवं निधि इस टीम के गायक बेहतरीन सुरों के साथ उनके बजाने वालों ने मंत्र मुक्त कर दिया और बहुत ही मर्यादित एवं संस्कारित कला का प्रदर्शन नृत्यांगनाओं ने किया। जिसमें राउत नाचा गौरा गौरी जावरा झांकी एवं भरथरी और वासुदेव गीत प्रस्तुत किया। लाभचंद बाफना पूर्व विधायक अशोक बाफना पार्षद, सतीश साह विधायक प्रतिनिधि पार्षद अनुज और डॉक्टर लीलाधर महंत, पार्षद गणभी सारे उपस्थित थे। मंच संचालन के लिए माहिर महेश वर्मा ने किया एवं कई टेली फिल्म गीतों का रचना किए हैं। ऐसे टीम को देखने से लगता है कि हमारी कला हमारी संस्कृति आज जीवित है।

बीएसपी द्वारा शिक्षक दिवस में शिक्षक हुए सम्मानित

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक सामग्री प्रबंधन ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक वित्त एवं लेखा प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक खदान बिपिन कुमार गिरी, कार्यपालक निदेशक वर्क्स राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ रवींद्रनाथ एम, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक रावघाट, अरुण कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक नगर प्रशास उत्पल दत्ता उपस्थित रहे। समारोह में विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधकए महाप्रबंधकए वरिष्ठ अधिकारीए ऑफिसर्स एसोसिएशनए यूनियनए एसण्सीण्ध्एसण्टीण् एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा बीएसपी विद्यालयों षिक्षिक.षिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती एवं डॉण् राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्र.छात्राओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुती दी। तत्पश्चात स्वागत गान एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि चित्त रंजन महापात्र ने शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा, धैर्य एवं विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि संयंत्र ने जहाँ इस्पात निर्माण के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिष्ठा अर्जित की है, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि भिलाई के विद्यार्थी आज विश्व के कोने कोने में अपनी प्रतिभा से गौरव बढ़ा रहे हैं। शिक्षकों की कर्तव्यपरायणता और धैर्य ही विद्यार्थियों को जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं। उन्होंने शिक्षकों को भावी नागरिकों का निर्माता बताते हुए कहा कि उनके योगदान से ही एक सशक्त और समृद्ध समाज की रचना संभव होती है। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। निदेशक प्रभारी 24 शिक्षक एवं गैर.शिक्षकीय कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही चार राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त भूतपूर्व शिक्षकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक शिक्षा श्रीमती शिखा दुबे ने स्वागत भाषण दिया व सभी अतिथियों एवं पुरस्कृत शिक्षकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नमिता देशपांडे एवं सुश्री महुआ चटर्जी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सेक्टर 10 की प्राचार्या श्रीमती सुमिता सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया।

छत्तीसगढ़ स्पोर्ट्स जिमनास्टिक एसोसिएशन द्वारा खेल का आयोजन

भिलाईनगर 6 सितम्बर (देशबन्धु)। सेक्टर 4 खेल परिसर में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ स्पोर्ट्स जिमनास्टिक एसोसिएशन द्वारा विभिन्न मनोरंजनात्मक खेल गतिविधियो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ख्याति प्राप्त मैराथन रनर एवं मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन के महासचिव तथा एनआईओएस कोच मो. ताजुद्दीन द्वारा भारत सरकार के खेल मंत्रालय तथा फिट इंडिया मिशन के आव्हान पर भारतीय जिमनास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार संपन्न किया गया। इस वर्ष का विशेष अभियान हर गली हर में हर खेल मैदान में खेल सारा हिंदुस्तान रहा। छत्तीसगढ़ स्पोर्ट्स जिमनास्टिक एसोसिएशन की यह कोशिश रहेगी कि खेल और फिजिकल फिटनेस की संस्कृति को धीर धीरे हर जिले और हर गांव गांव में विकसित करना है। इस अवसर खिलाड़ियों के लिए सटल रन दौड़, टी.टी.बॉल बैलेंस, बॉल थ्रो, रोप स्किपिंग, गेड़ी दौड़ सहित अन्य खेलों की प्रतियोगिता आयोजित की गई। मो. ताजुद्दीन ने कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ाते हैं और युवाओं को खेल एवं फिटनेस की और आकर्षित करते हैं।

सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षकों का किया सम्मान

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। ओम् वरिष्ठ नागरिक संघ ने शिक्षक दिवस पर गणेश उद्यान नेहरू नगर ईस्ट में आयोजित समारोह में सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षकों पुरषोत्तम साहू, विनायक राव देशमुख, धानेश्वर निर्मल, राजकुमार गुप्ता एवं भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन का शॉल, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया। आरंभ में उद्यान में स्थित शिव मंदिर में पूजा के पश्चात पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह को घनश्याम देवांगन ने डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिक्षक से राष्ट्रपति पद तक पहुंचने एवं उनका शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में प्रभावी योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि डॉ. राधाकृष्णन ने शिक्षा को चरित्र निर्माण एवं समाज सुधार से जोड़कर देश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षक पुरूषोत्तम साहू ने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों, पालकों एवं समाज के सामने श्रेष्ठ आचरण प्रस्तुत करना चाहिए। समारोह को विनायक राव देशमुख, धानेश्वर निर्मल, राजकुमार गुप्ता ने भी संबोधित करते हुए शिक्षक दिवस की महत्ता प्रतिपादित किया। कार्यक्रम में तृष्ला सेन ने मधुर भजन एवं कन्हैयालाल देवांगन ने गीत प्रस्तुत किया। महिला मंडली ने मंदिर प्रांगण में भक्ति से ओत प्रोत भजन एवं आरती की। इस अवसर पर ओम वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष अनंतराम वर्मा, उपाध्यक्ष तुलसी वृंदा देवांगन, डब्ल्यू जी समर्थ, दुबे लाल सेन, जीवनलाल वर्मा, पवन कुमार पांडेय पांडेय आदि सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे। संचालन रामकुमार वर्मा एवं आभार प्रदर्शन के.के. मनसाना ने किया।

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण नंबर प्लेट शिविर आज से शुरु

भिलाईनगर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय दुर्ग द्वारा वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण नम्बर प्लेट हेतु 7 से 30 सितंबर तक भिलाई के विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस्पात क्लब मरोदा में 7, 8 एवं 9 सितंबर को, इस्पात क्लब सेक्टर 2 में 10, 11 एवं 12 सितंबर को, इस्पात क्लब सेक्टर 1 में 16, 17 एवं 18 सितंबर को, इस्पात क्लब सेक्टर 5 में 22, 23 एवं 24 सितंबर तथा इस्पात क्लब सेक्टर 6 भिलाई में 28, 29 एवं 30 सितंबर को शिविर आयोजित की जाएगी। उक्त शिविर में अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड के साथ उपस्थित होकर निर्धारित शुल्क जमाकर हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट हेतु आर्डर किया जा सकता है।

महिला दो दिनों से लापता

भिलाईनगर। सेक्टर-6, सकड़-53, क्वॉटर-2/ए निवासी फिरुतीन बाई

साहू 5 सितम्बर को दोपहर 2 बजे से बिना बताये घर स कही चले गई है। जिसकी लिखित जानकारी स्थानीय कोतवाली थाना में दी गई है। गुम इंसान क्रमांक 55/25 के तहत जांच की जा रही है। उनके पुत्र धनुष साहू ने बताया कि उनकी माता की आयु लगभग 82 वर्ष है। जो नीले व सफेद रंग की साड़ी पहनी हुई है। जो अपना पता ठीक से नही बता सकती है। जिस किसी सज्जन के देख तो वे उपरोक्त पते अथवा मो.न. 97542-90576 पर सूचित करे।

आयुक्त हुडको में निर्माणाधीन मंगल भवन का किया निरीक्षण

भिलाईनगर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा जोन 5 अंतर्गत हुडको में निर्माणाधीन मंगल भवन एवं सीवरेज लाइन सहित उद्यानों का निरीक्षण किया गया है। निगम आयुक्त हुडको में निर्माणाधीन मंगल भवन का बारीकी से अवलोकन किए। भवन का कार्य अविलंब पूर्ण करने हेतु एजेंसी को निर्देशित किया गया है। जिससे आगामी समय में शादी एवं अन्य समारोह का आयोजन हेतु उपयोग किया जा सके। इस क्षेत्र में मंगल भवन के निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को शादी समारोह एवं अन्य आयोजन हेतु विशेष सुविधा हो जाएगी। इस मंगल भवन में 22 रूम सहित बड़े हॉल का निर्माण किया गया है। मंगल भवन के सुरक्षित कैंपस में लॉन एवं पार्किंग की व्यवस्था होगी। निगम आयुक्त हुडको में चल रहे सीवरेज लाइन कार्य का अवलोकन किये। कार्य की गुणवत्ता और समयावधि को विशेष रूप से ध्यान देने हेतु निर्देशित किये हैं। सुभाष उद्यान का औचक निरीक्षण किया गया। ग्रास कटिंग हेतु उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को निर्देशित किये हैं। वूमेन फॉर ट्री योजना अंतर्गत लगाए जाने वाले पौधों के रोपण के लिए उपस्थित स्व सहायता समूह के महिलाओं को विधिवत लगाने संबंधी निर्देश किए हैं। वूमेन फॉर ट्री योजना से सेक्टर 10 में 300 रोपित पौधों का अवलोकन कर संरक्षण हेतु स्वसहायता समूह के महिलाओं को दिशा निर्देश किये। आयुक्त हुडको में संयंत्र द्वारा पूर्व निर्मित पानी टंकी का निरीक्षण किएए उपस्थित पंप ऑपरेटर से आवश्यक जानकारी प्राप्त किये हैं । निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, उप अभियंता दीपक देवांगन, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

कबीरधाम को मिली न्याय की नई शक्ति, उपमुख्यमंत्री ने किया फॉरेंसिक लैब का शुभारंभ

कवर्धा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। कबीरधाम जिले के लिए आज का दिन ऐतिहासिक बनाते हुए उपमुख्यमंत्री, गृहमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने जिलेवासियों को एक बड़ी सौगात दी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा में प्रदेश की 5वीं क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा के निरंतर प्रयासों से साकार हुआ यह महत्वपूर्ण कदम न केवल कबीरधाम जिले के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इस प्रयोगशाला की स्थापना से अपराध जांच की प्रक्रिया और अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी तथा त्वरित होगी, साथ ही न्यायिक कार्यवाही को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। यह प्रयोगशाला आने वाले समय में प्रदेश में अपराध नियंत्रण और न्याय व्यवस्था सुदृढ़ करने में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर पंडरिया की विधायक श्रीमती भावना बोहरा, पूर्व संसदीय सचिव डॉ सियाराम साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुषमा गणपत बघेल, विशेष कर्तव्यस्त अधिकारी सुशील द्विवेदी, कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र छवई, डॉ. चन्द्रा विशेष रूप से उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने शुभारंभ के अवसर पर कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान आज आधुनिक अपराध जांच की रीढ़ बन चुका है। हत्या, बलात्कार, लूट, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर मामलों में अब केवल पारंपरिक तरीकों से न्याय पाना संभव नहीं है। आज के दौर में वैज्ञानिक साक्ष्य ही अपराधियों को बेनकाब करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने का सबसे सशक्त माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर छोड़ा गया डीएनए का अंश, खून का एक छोटा सा धब्बा, बाल का तंतु, जूतों के निशान, बारूद के कण या फिर डिजिटल उपकरणों में छिपा डेटा, यही सबूत अपराधियों तक हमें पहुंचाते हैं और अदालत में उन्हें कठोर सजा दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आगे बताया कि कबीरधाम जिले में स्थापित यह अत्याधुनिक क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला हमारी जांच व्यवस्था को नई गति और सटीकता प्रदान करेगी। यहां उपलब्ध आधुनिक उपकरण और

प्रशिक्षित वैज्ञानिक अधिकारी हर तरह के अपराध की जांच को और अधिक मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस प्रयोगशाला के माध्यम से न केवल अपराधियों पर शिकंजा कसना आसान होगा, बल्कि आम जनता का न्याय व्यवस्था पर भरोसा और भी मजबूत होगा। यह प्रयोगशाला कबीरधाम ही नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ के लिए न्याय और सुरक्षा की नई उम्मीद लेकर आई है। इस प्रयोगशाला की स्थापना से कबीरधाम जिले व आस-पास के जिलों में अपराधों के साक्ष्यों की त्वरित जांच की सुविधा मिलेगी साथ ही कानून व्यवस्था सुदृढ़ होगी और आम जनता में कानून के प्रति और विश्वास बढ़ेगा साथ ही न्यायिक प्रक्रिया न केवल तेज होगी बल्कि अधिक पारदर्शी होगी।

पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में और उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के अथक प्रयासों से प्रदेश में सामाजिक न्याय को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अपराधों से संबंधित साक्ष्यों का अब वैज्ञानिक आधार पर परीक्षण होगा, जिससे दोषियों को त्वरित और निश्चित सजा दिलाना संभव होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला केवल अपराध जांच की प्रक्रिया को गति नहीं देगी, बल्कि समाज में न्याय और समानता की भावना को और अधिक सशक्त करेगी। वैज्ञानिक तकनीक के इस्तेमाल से निर्दोषों की बेगुनाही शीघ्र सिद्ध होगी और अपराधियों को कठोर दंड मिलेगा। इससे न्यायपालिका पर जनता का विश्वास बढ़ेगा और समाज में शांति व सुरक्षा की भावना और प्रबल होगी। विधायक श्रीमती बोहरा ने इसे कबीरधाम के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि कबीरधाम की यह प्रयोगशाला आने वाले समय में न केवल जिले, बल्कि आसपास के सभी जिलों के लिए भी न्याय और सुरक्षा का मजबूत आधार बनेगी। विशेष कर्तव्यस्त अधिकारी पुलिस मुख्यालय छ ग. सुशील द्विवेदी ने कहा कि कवर्धा विधायक व उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि अपराध जांच को केवल गवाहों या पारंपरिक तरीकों पर निर्भर नहीं होना चाहिए, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उनके नेतृत्व में प्रदेश की सभी प्रयोगशालाओं को आधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि पुलिस विभाग के अलावा आबकारी, वन विभाग, एसीबी, एफओडब्ल्यू और केंद्रीय एजेंसियों के प्रकरण भी राज्य की प्रयोगशालाओं में जांचे जा सकें।

कवर्धा एवं पंडरिया डिविजन के सब-स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने पर दिया जोर

कवर्धा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। कबीरधाम जिले के प्रत्येक ग्राम, पारा, मन्ज़रे टोले, और नई बसाहवत घरों तक विद्युत एवं क्रेडा के माध्यम से बिजली पहुँचाने के लिए कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने विशेष जोर दिया है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने आज शनिवार को जिला मुख्यालय में विद्युत विभाग कवर्धा एवं पंडरिया डिविजन के कार्यपालन अभियंता तथा एसडीओ की बैठक लेकर बिजली आपूर्ति व्यवस्था की गहन समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन की प्राथमिकता वाली प्रधानमंत्री जनमन योजना और आदिकर्म योगी कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के आदिवासी बहुल क्षेत्रों, विशेष पिछड़ी जनजातियों के ग्रामों, वनांचल, पारा-टोले और नई बस्तियों तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए उन्होंने विशेष सर्वे कर कार्ययोजना बनाने और क्षेत्रवार निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले के दोनों डिविजन में स्थापित विद्युत सब-स्टेशनों की क्षमता और पॉवर सप्लाई की समीक्षा की तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए क्षमता विस्तार पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर नए घर, हर नई बसाहट और हर पंचायत तक बिजली पहुँचाना शासन की प्राथमिकता है, और इसके लिए विभागीय अधिकारियों को पूरी तत्परता से कार्य करना होगा। बैठक में बताया गया

कि आदिकर्म योगी योजना के अंतर्गत जिले के 275 ग्राम शामिल किए गए हैं। यह योजना वनांचल क्षेत्र के सभी नागरिकों के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए है, जबकि प्रधानमंत्री जनमन योजना विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास पर केंद्रित है। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन योजना के तहत निर्मित पानी टंकियों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन टंकियों में अब तक बिजली कनेक्शन नहीं लग पाए हैं, वहाँ तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि कुछ स्थानों पर राशि जमा न होने के कारण विलंब हुआ है, जिस पर कलेक्टर ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा 20 अगस्त को जिले में बिजली समस्याओं के समाधान सहित दिए गए निर्देशों की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में 340 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से बिजली नेटवर्क को सुदृढ़ करने का काम चल रहा है। इस योजना से उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज, ओवरलोड और बार-बार ट्रिपिंग जैसी समस्याओं से बड़ी राहत मिलेगी। योजना के अंतर्गत 2,500 से अधिक नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे, साथ ही विभिन्न स्थानों पर फीडर सेग्रिगेशन और सप्रेशन कार्य भी किए जा रहे हैं। एलटी लाइन सुधार कार्य में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। अब तक 539 ग्रामों में पोल और केबल बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है और लगभग 5,270 पोल लगाए जा चुके हैं। बैठक में अधीक्षण अभियंता श्री रंजीत घोष, कार्यपालन अभियंता कवर्धा जी.एस. फ्लोरा, पंडरिया के.के. झा एवं एसडीओ उपस्थित रहे।

भाजपा ने गणेश समितियो को किया सहयोग राशि प्रधान

डोंगरगढ़, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर के मुख्य चौक पर समितियो द्वारा गणेश उत्सव मनाया जा रहा है पर्व और बेहतर तरीके से मनाने की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी द्वारा शहर की लगभग 13 गणेश उत्सव समितियां को 11 ट्ठ 11 रुपए की सहयोग राशि प्रदान की गई है जिसे प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष रामजी भारती के हाथों समिति के पदाधिकारी को प्रदान किया गया है। इस अवसर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेंदर सिंह बनोआना, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील चीकू जैन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, प्रकाश चोवड़िया, कुलवंत कक्कड़, प्रदीप बाघ, तुलसी मिश्रा, नपा अध्यक्ष रमन डोंगरे, उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा, शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बनोआना महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता दरगढ, मंडल महामंत्री विनीत यादव, विनय बंसल, नगर पालिका सभापति अमित जैन, रेखा राजेश राघौते, देवेंद्र साखरे, हरीश मोटघरे, सुमित ताम्रकार, पार्षद शिवांगी साखरे, बबीता मलागार, शारदा यादव, अनीश निर्मलकर, भाजपा कोषाध्यक्ष भागवत नामदेव, उपाध्यक्ष अनिल पांडे, अलका जयेश सहारे, सरफराज नवाज, एस पी मिश्रा, कैलाश सोनवानी, मोर्चा अध्यक्ष सुमित मिश्रा, लक्ष्मी यादव, सुषमा कोठारी, अनीता इंदुलकर, आकाश राजपूत, गिरीश साहू, लोकेश इंदुलकर, बलविंदर सिंह विक्की भाटिया, अमरावती शाह सुलभा सिंह, संगीता राजपूत, संगीता मोहने, मुकुंद कडरा, ओम कोठारी, डिंपी महापात्रे, कुंदन साहू, मिथिलेश साहू, चितरंजन साहू, कन्हैया अग्रवाल, ऋषभ लारोंकर, दीपक ठाकुर, ओम प्रकाश सहारे नवीन, विजय विजयवाड़, महेश सहारे, आवेश निगम, शुभम परिहार विक्रांत राजपूत, बादल मरस्कोले, कैलाश मेश्राम, गिरीश साहू, रामकुमार डरसेना, हिमांशु सेन, आदित्य मिश्रा, अजय शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

गणेश विसर्जन को लेकर हुई बालोद पुलिस और जिले के समस्त थाना चौकी अंतर्गत शांति

बालोद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शनिवार को पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में अति पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर एवं डीएसपी मुख्यालय देवांश सिंह राठौर के मार्गदर्शन में पुलिस कार्यालय बालोद एवं जिले के समस्त थाना चौकी द्वारा गणेश समितियों की शांति समिति बैठक ली गई। गणेश विसर्जन के दौरान बालोद शहर एवं पूरे जिले में चाक चौबंद सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने गणेश विसर्जन कार्यक्रम को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित समय सीमा के भीतर ही किये जाने दिए निर्देश अंधेरा होने के बाद किसी भी प्रकार का विसर्जन नहीं किया जाए। विशेष रूप से बड़ी मूर्तियों का विसर्जन केवल निर्धारित सुरक्षित माध्यम व (क्रेन) से ही किया जाए जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना या अप्रिय घटना की संभावना न रहे। एसडीओपी बालोद ने स्पष्ट किया कि विसर्जन कार्यक्रम के दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। धार्मिक वातावरण की गरिमा बनाए रखते हुए केवल पारंपरिक तरीकों का उपयोग किया जाए। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु पुलिस बल के साथ-साथ गणेश समितियों के द्वारा स्वयं सेवकों (वालेंटियर्स) की भी नियुक्ति की जाए। इसके अलावा विसर्जन स्थलों पर गोताखोरों की टीम तैनात की जाएगी तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम की व्यवस्था भी की जाए। गणेश समितियों को रैली पूर्व अपने एसडीएम से आवश्यक अनुमति लेनी होगी जिससे समितियों की आने जाने का रूट और विसर्जन स्थल की जानकारी स्पष्ट रहे और गणेश समिति सभी नियमों का पालन भी करें। बालोद पुलिस द्वारा सभी गणेश उत्सव समितियों एवं आमजन से अपील की गई है कि वे प्रशासन एवं पुलिस के निर्देशों का पालन करें शांति और सौहार्द का वातावरण बनाए रखें तथा गणेश विसर्जन को एक सुरक्षित और सामूहिक उत्सव के रूप में सम्पन्न करें। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में हुए उक्त बैठक में एसडीओपी बालोद देवांश सिंह राठौर, सीएसपी राजहरा डॉक्टर चित्रा वर्मा, तहसीलदार आशुतोष शर्मा, बालोद एवं राजहरा क्षेत्र के गणेश उत्सव समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

आयुष्मान कार्ड सहित गैर विभागीय कार्यों से अलग रखने पँचायत सचिवों ने दिया ज्ञापन

पाटन, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। पँचायत सचिव संघ जिला दुर्ग के बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया है कि ग्राम पंचायत सचिवों को आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौखिक रूप से अत्यधिक दबाव डाला जा रहा है, वर्तमान में पंचायत सचिवों के पास विभागीय कार्यों का दबाव ही बहुत ज्यादा है, ग्राम पंचायत के नियमित कार्य जैसे लेखा संधारण, 16 पंजीयों का अद्यतन कार्य, पंचायत मीटिंग, ग्राम सभा मीटिंग, विभिन्न समितियों की मीटिंग, जन्म मृत्यु पंजीयन, विवाह पंजीयन, विभागीय ऑडिट, स्क्रू ऑडिट, लोकल फंड ऑडिट, विभागीय जांच निरीक्षण, पंचायत पुरस्कार क्क्ष्, स्वच्छता संबंधी कार्य, विभिन्न ऑनलाइन कार्य, सूचना के अधिकार की जानकारियां, 15वे वित्त के जियो टैग, ग्राम की व्यवस्थाएं एवं समस्याओं के निराकरण, जनपद के निर्देशित सभी आवश्यक कार्य एवं जानकारियां किए जाते हैं, इन सभी कार्यों को ग्राम पंचायत के एकमात्र कर्मचारी पंचायत सचिव के द्वारा किया जाता है, क्योंकि यह सभी हमारे विभागीय कार्य हैं इस कारण इन कार्यों में पिछड़ने से हमारा विभाग अत्यधिक प्रभावित होता है जिसके कारण माननीय कलेक्टर महोदय, माननीय जिला सीईओ व दुर्ग धमधा पाटन के सीईओ को ज्ञापन देकर अन्य विभाग के कार्यो से दूर रखने के लिए ज्ञापन दिए है उक्त अवसर पर पँचायत सचिव संघ के जिलाध्यक्ष महेन्द्र कुमार साहू, जिलासचिव शेषनारायण चन्द्रवँशी, वरिष्ट सलाहकार तेजनारायण शर्मा, संरक्षक यशवंत आडिल, उपाध्यक्षगण खिलावन साहू, नरेश ठाकुर, कामिनी चन्द्राकर, कोषाध्यक्ष धारेंन देवांगन, ब्लाक अध्यक्ष दुर्ग निमेष भोयर, ब्लाक अध्यक्ष पाटन प्रदीप चन्द्राकर, ब्लाक अध्यक्ष धमधा नरेश कुमार साहू, दिलीप दिल्लीवार, गिरधर वर्मा, विनोद साहू, गुमानसिंह नायक, राजकुमार देशमुख, ईश्वरी वर्मा, रूपेश सिंह, बिहारी लाल साहू, धन्नु निषाद, आत्माराम वर्मा, नंदलाल साहू, ईश्वर निषाद, समीर निषाद सहित सचिवगण उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस पर अनिल पाल सम्मानित

छुई खदान, 6 सितम्बर (देशबन्धु)।5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर खैरागढ़ में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया स समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती यशोदा वर्मा, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विईत्रंत सिंह, कलेक्टर महोदय श्री इंईष्ट्वजीत चंईष्ट्वावल, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री लाल जी द्विवेदी विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री रामेंईष्ट्व डडसेना, गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों व छात्राओं की उपस्थिति में श्री अनिल पाल ईइाचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला छुई खदान को साक्षर भारत, उल्लास कार्यईत्र्म में योगदान, व सत्र 2024 - 25 में शाला के उत्ह्क्ष्ट परिणाम के लिए माननीय कलेक्टर महोदय द्वारा शाल एवम ईइशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गयास इस अवसर पर शाला परिवार ने श्री अनिल पाल को हार्दिक बधाई दी है।

सामान्य सभा में किसान, मजदूरों व स्कूलों की समस्याओं के उठें मुद्दे

डोंगरगढ़, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। जनपद पंचायत सामान्य सभा की बैठक में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं दो बार के जनपद सदस्य महेश सेन ने जनहित से जुड़े मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने किसानों, मजदूरों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी गंभीर समस्याओं को सरकार के सामने रखते हुए कहा कि भाजपा सरकार केवल किसानों-मजदूरों को ठगने और व्यापारियों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय किसानों को खाद की कोई दिक्कत नहीं होती थी निजी क्षेत्र को 60 प्रतिशत और सहकारी समितियों को मात्र 40 प्रतिशत खाद उपलब्ध कराना सरकार की कथनी और करनी में अंतर को दर्शाता है। उन्होंने बीमा योजना पर कहा कि डोंगरगढ़ क्षेत्र के कई गांवों के किसानों को चना फसल का बीमा अब तक नहीं मिला है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति और बिगड़ रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि तुरंत बीमा राशि किसानों तक पहुंचाई जाए। शिक्षा व्यवस्था को लेकर कहा कि क्षेत्र के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, लेकिन शासन-प्रशासन इस ओर गंभीर नहीं है। उन्होंने शिक्षा विभाग से मांग की कि तत्काल शिक्षकों की पदस्थापना की जाए।

शिक्षक दिवस पर माँ गोदावरी आनंदवन में बुजुर्गों के लिए पेंटिंग क्लास का आयोजन

देवकर/ बेमेतरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के अवसर पर माँ गोदावरी आनंदवन में एक अद्भुत और भावनात्मक पहल देखने को मिली। यहाँ आश्रम में रहने वाले बुजुर्ग माता-पिता के लिए विशेष पेंटिंग क्लास का आयोजन किया गया।

इस आयोजन की विशेषता यह रही कि पेंटिंग सिखाने का यह प्रयास आन्या तिवारी (सुपुत्री ड्क्क श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, ट्रस्टी, माँ गोदावरी आनंदवन) ने किया। उन्होंने बड़े ही आत्मीय भाव से बुजुर्गों को चित्रकारी सिखाई। आनंदवन परिवार के सभी बुजुर्गों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ अपनी-अपनी कलाकृतियाँ प्रस्तुत कीं। रंगों से सजी कूचियों ने जहाँ उनकी भावनाओं को उकेरा, वहीं उनके चेहरों पर आई मुस्कान और मन में जागा संतोष इस पल को अविस्मरणीय बना गया। इस पहल के दौरान बुजुर्ग माता-पिता ने छोटे बच्चों की तरह चित्रकारी करना सीखा, पेंटिंग बनाई और खेलते-मुस्कुराते हुए खूब आनंद लिया। पूरा माँ गोदावरी आनंदवन आश्रम इस दौरान हर्ष और उल्लास से गूंज उठा। यह आयोजन न केवल बुजुर्गों के लिए आनंददायक रहा बल्कि समाज को यह भी संदेश दिया कि सीखने और सिखाने की कोई उम्र नहीं होती।

प्रादेशिकी का शेष...

दक्षिण ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष ...

उपस्थित थे। आज दक्षिण ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक पूर्व विधायक छन्नी साहू के सामने 8 कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष पद के लिये अपनी दावेदारी आवेदन के रूप में पेश की। दावेदारी पेश करने वालों में दक्षिण ब्लाक कांग्रेस कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष अजय मिश्रा भी शामिल है। इनके अलावा जिन नये दावेदारों ने आज खुलकर अपना दावा पेश किया उनमें दो बार के पार्षद रह चुके प्रकाश जोशी, कमलेश नागर्ची, निकिता मिलिंद, भूपेन्द्र वर्मा, सौरभ ताम्रकार, पूर्व पार्षद गुरूदीप सिंह भाटिया, एवं शरीफ खान शामिल है।

राजेन्द्र चौक में निर्मित ...

निरीक्षक के दौरान उपस्थित निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल को स्थिति से अवगत कराते हुए सुधार के लिये जरूरी कार्रवाही का सुझाव देते हुए लेफ्ट टर्न फ्री को जरूरत के अनुसार फ्री करने का आग्रह किया गया है। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यह मामला पहले भी उठ चुका है। यातायात पुलिस के अनुसार यातायात प्रबंधन प्रभावी हो सकता है जब एनफार्समेंट एवं इंजीनियरिंग के बीच समुचित समन्वय बनाया जा सके।

निषाद परिवार से दुर्व्यवहार...

आज छत्तीसगढ़ बजरंग दल के कतिपय प्रदर्शनकारियों में बजरंग दल के विभाग संयोजक रवि निगम के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष रवि भारती, सत्संग प्रमुख इंद्रजीत महाराज, उपाध्यक्ष प्रिंस राजपूत, संगठन प्रभारी ईश्वर गुप्ता, सहमंत्री ऋतिक सोनी, प्रफुल्ल पटेल, प्रदीप सिन्हा, लक्ष्मण यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किसानों ने कहा...

नेतागण प्रशांत साहू, रूपेन्द्र रिगरी, पुकेश साहू, बंशीलाल देवांगन, दीपचंद गुप्ता, घना यादव, मेघनाथ यादव, बिसौहा धनकर, बंशीलाल देवांगन, वनवाली निषाद, नेतराम धनकर, पिलेश्वर गायकवाड़, सहित उक्त परियोजना से बड़ी संख्या में प्रभावित किसान उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस पर ...

ने कानून की शिक्षा ग्रहण कर अपना कैरियर मजबूत किया है। इसी तरह श्री सिंह श्रम विधि और दंड संहिता के विशेषज्ञ है। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी परमजीत भुई, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पाली, अजय मिश्रा, बृजमोहन तिवारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला साहू संघ ने ...

अध्यक्ष नंदलाल साहू ने स्वागत भाषण दिया। पश्चात उपरोक्त वरिष्ठ नेताओं के अलावा प्रदेश के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश साहू, साधना साहू, संगठन सचिव सुनील साहू, चंदावती साहू, नियुक्त सचिव वीणा साहू, प्रदीप साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर तहसील से लेकर जिला साहू संघ के पदाधिकारीगण एवं समाज के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बिजली ठेकेदारों की मनमानी, बिना किसी सेफ्टी के कराया जा रहा कर्मियों से काम

पाटन, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। पाटन विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम धौराभाठा में शुक्रवार को बिजली तार खींचने का कार्य किया जा रहा है। जिसमे विधुत ठेकेदार की बड़ी लापरवाही सामने आई है। ठेकेदार द्वारा कर्मियों से 30 फिट ऊंचे खंभे में बिना सुरक्षा उपकरणों के कार्य कराया जा रहा है। धूप में काम करने वाले मजदूर के पैरों में सेफ्टी जूते, हाथों में ग्लब्स, सिर में कैप कुछ भी बचाव के लिए नहीं दिया गया है। ये लोग बिना सुरक्षा के जान जोखिम में डाल कर काम कर रहे है। जिससे कभी भी गंभीर घटना-दुर्घटना घट सकती है। पाटन विधान सभा क्षेत्र में आए दिन बिजली कर्मियों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के कार्य करते देखा जा सकता है। अगर ऐसे में किसी तरह की अनहोनी होती है। तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। अपने परिवार का भरण-पोषण की मजबूरी के चलते कर्मी जान जोखिम में डालकर कार्य कर रहे हैं। वहीं मौके पर विभाग का कोई भी अधिकारी नजर नहीं आया। ऐसे ठेकेदार जो कर्मियों के सुरक्षा पर ध्यान नही रखते उसे शासन द्वारा उचित कार्रवाई किया जाना चाहिए।

गांड़ा गंधर्व समाज उत्थान एवं विकास हेतु बाजा बोर्ड गठन करने की मांग

डोंगरगढ़, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। गांड़ा गंधर्व समाज के पदाधिकारी ने प्रदेश सरकार से समाज के उत्थान एवं विकास हेतु बाजा बोर्ड गठन करने की मांग की है। जिला अध्यक्ष माधोलाल देवदास, सचिव राजकुमार महानदिया, तोरणलाल देवदास, मंगल सिंग ने विगत दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह से मुलाकात करके मांग रखी है। जिला अध्यक्ष माधोलाल देवदास कहा कि छत्तीसगढ़ में सभी पौनी पसारी जातियों के उत्थान एवं विकास हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न नाम से विकास प्राधिकरण या बोर्ड बनाया गया है जबकि हमारे गांड़ा गंधर्व जाति भी ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के पौनी पसारी व कोतवारी का काम करते है और अनुसूचित जाति के अन्तर्गत आते हैं। अतः उन्होंने नेताओ से आग्रह किया कि गांड़ा गंधर्व जाति के विकास एवं उत्थान हेतु बाजा बोर्ड की गठन करने की कृपा करेंगे जिसके लिए हमारा समाज आपका सदैव आभारी रहेगा।

निधन

श्रीमती रमन अग्रवाल

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। 304, समृद्धि एवेन्यू, अवंती विहार निवासी श्रीमती रमन अग्रवाल (ग्वालियर वाले) का निधन शनिवार, दिनांक 6 सितंबर, 2025 को हो गया है। वे 72 वर्ष की थीं। उनकी अंतिम यात्रा आज, दिनांक 7 सितंबर, 2025 को उनके निवास स्थान से सुबह 11 बजे मारवाड़ी मुक्ति धाम के लिए निकलेगी। वे कृष्ण कुमार जी अग्रवाल की धर्मपत्नी, ज्योति, रश्मि और अभिषेक अग्रवाल की माता और डॉ. चंदन अग्रवाल व अजय अग्रवाल की चाची थीं।

बेमेतरा में 40वां ऐतिहासिक शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न

■ उप मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री ने किया शिक्षकों और प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

बेमेतरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य मे शिक्षक सम्मान समिति के तत्वावधान में आज जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में 40वां ऐतिहासिक शिक्षक सम्मान समारोह गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन जिले में शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा देने वाला साबित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव उपस्थित रहे । समारोह के आयोजक बेमेतरा विधायक दीपेश साहू रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. विश्वेश्वर ठाकरे मौजूद रहे।

शिक्षकों और विद्यार्थियों का सम्मान

समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

इस अवसर पर परंपरा के अनुसार जिले के 150 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही 88 प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र देकर गौरवान्वित किया गया।

विशेष रूप से वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को साल, श्रीफल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान शिक्षक दिवस पत्रिका का विमोचन भी किया गया 7 समारोह मे कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा, एसएसपी रामकृष्ण साहू सहित जिला अधिकारी भी उपस्थित थे ।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि शिक्षक समाज की आत्मा होते हैं और शिक्षा ही वह शक्ति है जो किसी भी राष्ट्र को महान बनाती है। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में गुरुकुल की परंपरा ने भारत को विश्व में अग्रणी बनाया था। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय इसका प्रमाण हैं, जहाँ से पूरी दुनिया ने ज्ञान अर्जित किया। आज भी अगर भारत को विश्वगुरु बनना है तो इसकी नींव हमारे शिक्षक ही रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने वाली पीढ़ियों को आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और भारतीय संस्कारों से जोड़कर एक सशक्त भारत का निर्माण करेगी।

उन्होंने सम्मानित शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र का निर्माता होता है। उसकी

मेहनत से ही बच्चे संस्कारवान बनते हैं और राष्ट्र मजबूत होता है। श्री साव ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य, किसी भी समाज की प्रगति के मूल आधार हैं। आने वाले समय में बेमेतरा जिला इन दोनों क्षेत्रों में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश में पहचान बनाएगा। *इसी कड़ी में उन्होंने पीजी कॉलेज बेमेतरा परिसर में 3 करोड़ रुपए की लागत से ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा की ।

इस गरिमामयी अवसर पर उपस्थित शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि जिले मे यह समारोह विगत 40 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहा यह शिक्षक सम्मान समारोह पूरे प्रदेश में अद्वितीय है। उन्होंने कहा ङ्क च्च्मैंने स्वयं शिक्षक जीवन में यह अनुभव किया है कि बेमेतरा की धरती शिक्षा के लिए हमेशा प्रेरणा देती रही है। यहाँ के नागरिकों ने शिक्षा को सदैव प्राथमिकता दी है, यही कारण है कि यह परंपरा चार दशकों से जारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल कक्षा का मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि समाज का दीपस्तंभ है। उनके द्वारा बोए गए संस्कार और मूल्य ही आने वाले समय में राष्ट्र का भविष्य गढ़ते हैं। उन्होंने शिक्षकों को च्च्राष्ट्र निर्माताज्ज की संज्ञा देते हुए कहा कि च्च्आज के युग में शिक्षा केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को जिम्मेदार नागरिक बनाती है।

शिक्षा मंत्री ने जिले के लिए नवीन भवन निर्माण की घोषणा की जिसमे शासकीय बालक हायर सेकंडरी स्कूल, बेमेतरा, स्वामी आत्मानंद शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा, पीएम श्री उत्तर बुनियादी बेसिक शाला शामिल हैं 7 उन्होंने यह भी कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि खेल, कला, संस्कृति और तकनीक में भी आगे बढ़ेंगे। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का संगम है। इस अवसर पर उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए कहा कि एक अच्छा शिक्षक जीवनभर अपने विद्यार्थियों को प्रेरित करता है।

स्थानीय विधायक श्री दीपेश साहू ने कहा कि बेमेतरा की धरती शिक्षा और संस्कार की भूमि रही है, यहाँ के नागरिक सदैव बच्चों की पढ़ाई और शिक्षकों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते आए हैं। 40वें शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल होकर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल बच्चों को पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन जीने की सही दिशा देने वाला पथप्रदर्शक होता है। शिक्षक ही भविष्य की पीढ़ी को संवारकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करते हैं। उन्होंने समारोह को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इस आयोजन ने पूरे जिले में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनाया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल शिक्षकों को सम्मान मिलता है बल्कि विद्यार्थियों में भी उत्कृष्टता की प्रेरणा जागृत होती है। विधायक साहू ने इस अवसर पर बेमेतरा जिले की शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए पीजी कॉलेज परिसर में ऑडिटोरियम निर्माण की मांग रखी, जिस पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने तुरंत सहमति देते हुए 3 करोड़ रुपये की स्वीकृति की घोषणा की। साथ ही शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने जिले के प्रमुख विद्यालयों के लिए नवीन भवन निर्माण की घोषणा कर इस मांग का समर्थन किया।

उन्होंने उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिले के लिए ऐतिहासिक दिन है, जब शिक्षक सम्मान के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र को भी नए संसाधन और सुविधाएँ मिली हैं। आने वाले समय में बेमेतरा जिला शिक्षा और संस्कार दोनों में प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में अग्रणी बनेगा।

समारोह में पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल, भाजपा प्रदेश मंत्री संध्या परगनिया, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, राजेन्द्र शर्मा, जिला पंचायत प्रतिनिधि बलराम पटेल एवं परमेश्वर वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्षद, शिक्षक समिति के सदस्य और पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर माँ गोदावरी आनंदवन में बुजुर्गों के लिए पेंटिंग क्लास का आयोजन

बेमेतरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के अवसर पर माँ गोदावरी आनंदवन में एक अद्भुत और भावनात्मक पहल देखने को मिली। यहाँ आश्रम में रहने वाले बुजुर्ग माता-पिता के लिए विशेष पेंटिंग क्लास का आयोजन किया गया।

इस आयोजन की विशेषता यह रही कि पेंटिंग सिखाने का यह प्रयास आन्या तिवारी (सुपुत्री ङ्क श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, ट्रस्टी, माँ गोदावरी आनंदवन) ने किया। उन्होंने बड़े ही आत्मीय भाव से बुजुर्गों को चित्रकारी सिखाई।

आनंदवन परिवार के सभी बुजुर्गों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ अपनी-अपनी कलाकृतियाँ प्रस्तुत कीं। रंगों से सजी कूचियों ने जहाँ उनकी भावनाओं को उकेरा, वहीं उनके चेहरों पर आई मुस्कान और मन में जागा संतोष इस पल को अविस्मरणीय बना गया।

इस पहल के दौरान बुजुर्ग माता-पिता ने छोटे बच्चों की तरह चित्रकारी करना सीखा, पेंटिंग बनाई और खेलते-मुस्कुराते हुए खूब आनंद लिया। पूरा माँ गोदावरी आनंदवन आश्रम इस दौरान हर्ष और उल्लास से गूंज उठा।

यह आयोजन न केवल बुजुर्गों के लिए आनंददायक रहा बल्कि समाज को यह भी संदेश दिया कि सीखने और सिखाने की कोई उम्र नहीं होती।

अग्रवाल महिला मण्डल की हुयी बैठक

थानखमरिया, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। नगर में श्री अग्रसेन जयंती की तैयारियों को लेकर 6 सितंबर को अग्रवाल महिला मण्डल की बैठक संपन्न हुयी जिसमें जयंती महोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। युवतियों, महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने, प्रतिस्पर्धा का आयोजन तथा जवाबदेही तय करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गयी। सभी ने पूरी निष्ठा तथा कर्मठता से अपने दायित्वों के निर्वहन की स्वीकृति दी। इस अवसर पर कल्पना अग्रवाल, सपना सिंघानिया, रीना सिंघानिया, निका सिंघानिया, पिंकी अग्रवाल, एकता बंसल, श्रद्धा अग्रवाल, डॉ. प्रियंका बंसल, नेहा केडिया, श्रद्धा सिंघानिया, सुनीता बंसल, सीमा सिंघानिया, नैना सिंघानिया, संयुक्ता सिंघानिया आदि उपस्थित थे।

सिवार के गणेश पंडाल में आशीर्वाद प्राप्त किया पूर्व विधायक आशीष छाबडा

बेमेतरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। पूर्व विधायक में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिवार पहुंचकर युवा गणेश उत्सव के पंडाल में भगवान गणेश की पूजा अर्चना की एवं क्षेत्र वासियों के लिए खुशहाली की कामना की इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष छाबडा ने कहा कि गणेश उत्सव युवा से लेकर बुजुर्ग तक के सभी लोगों को एकजुट करता है और सामाजिक समरसता का यह पर्व हम सभी के जीवन में नया उत्साह एवं उमंग लाता है गणेश उत्सव आज की पीढ़ी को एकजुट रखना और अपनी सामाजिक समरसता बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है गणेश उत्सव मनाने के नाम से हम सभी एक पंडाल के नीचे एकजुट होकर भगवान श्री गणेश की आराधना करते हैं और उन्हें प्रसन्न कर सुख समृद्धि की कामना करते हैं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने आयोजक मंडल को अपनी ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन सभी जगह होने चाहिए इससे आपस की एकता और मजबूत होती है इस अवसर रवि परगनिहा सुमित राजपूत मिथिलेश वर्मा राजेश चंदेल मोनल सिन्हा जितेंद्र जोशी यशराज साहू झगरू सिंह माखन सिन्हा उमेद यादव सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे ।

आरटीओ चालान का भुगतान केवल विभागीय वेबसाइट से ही करें

कवर्धा, 6 सितंबर (देशबन्धु)। हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य में नकली ई-चालान से संबंधित ठगी के मामले सामने आए हैं। ठग लोग ट्रैफिक नियम तोड़ने का डर दिखाकर नकली संदेश/मैसेज भेजते हैं और उसमें दिए गए लिंक पर क्लिक करने के लिए उकसाते हैं। इन लिंक के माध्यम से वे लोगों की व्यक्तिगत जानकारी और बैंक खातों से पैसे चुरा लेते हैं। परिवहन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध मैसेज लिंक पर क्लिक न करें। अपने वास्तविक चालान की जानकारी प्राप्त करने और भुगतान करने के लिए केवल विभागीय अधिकृत वेबसाइट का ही उपयोग करें।

जिला परिवहन अधिकारी एम.एल. साहू ने बताया कि ई-चालान की जानकारी प्राप्त करने के लिए विभागीय वेबसाइट पर जाकर पे ऑनलाईन पर क्लिक करें, चालान नंबर और कैप्चा कोड भरकर गेट डिटेल पर क्लिक करें और पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी डालकर चालान का विवरण देखें। यह ध्यान रखें कि पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा जारी ई-चालान का संदेश केवल अधिकृत वेबसाइट से ही पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है। जिला परिवहन अधिकारी एम.एल. साहू ने नागरिकों से अपील की है कि संदिग्ध लिंक या संदेश पर कभी क्लिक न करें, किसी अजनबी को ऑनलाइन भुगतान न करें, अपने बैंक खाते और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा करें तथा किसी भी प्रकार की ठगी संबंधी कॉल, संदेश या ऐप की सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाने में दें।

प्राथमिक शाला में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

थानखमरिया, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शासकीय प्राथमिक शाला कन्या/बालक थानखमरिया में शिक्षक दिवस बड़े ही उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपने-अपने शिक्षकों के प्रति आदर, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने गीत, कविता, भाषण एवं नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को उल्लासमय बना दिया। बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था, वे अपने शिक्षकों के सम्मान हेतु विशेष तैयारियाँ कर आए थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक श्री मोहनलाल सिन्हा ने कहा कि 'शिक्षक दिवस पूरे देश में शिक्षा और संस्कार के महत्व को स्मरण कराने वाला दिवस है। भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस ही शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति बनने से पूर्व शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया। इसीलिए उनके सम्मान में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है।'

इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती फिरोज बेगम, श्रीमती सेवती ध्रुव, मुकेश कुमार साहू, गुलाम हसनैन तंवर, संध्या साहू सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं अभिभावक भी उपस्थित थे।

समारोह के अंत में बच्चों को शिक्षक दिवस का महत्व समझाते हुए शिक्षकों ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रगति ही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष के बीच सम्पन्न हुआ 10 दिवसीय गणेश उत्सव

थानखमरिया, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। नगर में शनिवार को धूमधाम और आस्था के साथ गणपति विसर्जन संपन्न हुआ। महंत वार्ड तालाब सहित नगर के विभिन्न तालाबों और नदी में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अपने अराध्य भगवान गणेश को विदाई दी। भक्तों ने बप्पा से अगले वर्ष पुनः शीघ्र आने की प्रार्थना कर भावभीनी विदाई दी।

पिछले दस दिनों से नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश चतुर्थी का उल्लास छाया रहा। घर-घर और सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना की गई। आकर्षक झांकियां सजाई गईं, साथ ही कई स्थानों पर सामूहिक भंडारों का आयोजन कर सामाजिक सद्भाव का परिचय दिया गया।

विसर्जन दिवस पर नगर की सड़कों पर भक्तिमय माहौल देखने को मिला। ढोल-नगाड़ों, डीजे की गूंज और आतिशबाजी के बीच श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली व पैदल यात्रा कर गणेश प्रतिमाओं को तालाब व नदी तक लेकर पहुंचे। 'गणपति बप्पा मोरिया, मंगल मूर्ति मोरिया' के गगनभेदी नारों से पूरा नगर गूंज उठा।

नगर के करीब एक दर्जन से अधिक स्थानों से गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन की मौजूदगी रही, हालांकि न्यायालय के आदेश के बावजूद डीजे साउंड का खुलेआम उपयोग हुआ और पुलिस मूकदर्शक बनी रही।

विसर्जन के समय तेज बारिश होने के कारण श्रद्धालुओं ने जल्दबाजी में प्रतिमाओं का विसर्जन कर बप्पा को विदाई दी।

नगर के मस्जीद में ईद मिलादुन्नबी का जश्न मनाया गया

दल्लीराजहरा,6 सितंबर (देशबन्धु)। नगर के मस्जिद में पैगंबर ए इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मदिवस ईद-ए-मिलादुन्नबी का पर्व शुक्रवार को अकीदत व आस्था के साथ मनाया गया। मस्जिद में विशेष सजावट, जुलूस-ए- मोहम्मदी, सलातो सलाम और दुआओं के बीच भाईचारे और अमन का संदेश दिया गया। सुबह जामा मस्जिद से जुलूस-ए- मोहम्मदी निकला, जिसमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। परचम कुशाई और फातिहा के बाद नायब इमाम अकीक अहमद नूरी ने नबी-ए-पाक की सीरत पर तकरीर करते हुए कहा हमारे नबी रहमतुल्लिल आलमीन बनकर आए और इंसानियत-मोहब्बत का पैगाम दिया, हमें उसी रास्ते पर चलना चाहिए।ज्ज उन्होंने अमन, भाईचारा और प्रदेश की खुशहाली की दुआ मांगी। जुलूस शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस जामा मस्जिद पहुंचा। इंतजामियां कमेटी के मस्जीद के सदर मुश्ताक अहमद अंसारी ने प्रशासन और समाज के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि च्च्हमारे हुजूर ने अमन-शांति का पैगाम दिया है, हमें इसे हर हाल में कायम रखना है। च्च्पैगंबर मोहम्मद साहब ने समाज को समानता, भाईचारा और इंसानियत का पैगाम दिया। हमें उनकी शिक्षाओं को आत्मसात कर शांति और सद्भाव से समाज का निर्माण करना चाहिए। जूलुस ए मोहम्मदी में मुख्य रूप से हाजी मजीद,हाजी मोईद शफ़ी, हाजी नासिर मुन्ना, साऊद आलम साहब हाजी आर आई साहब,हाजी हाशमी,हाजी सनव्वर,हाजी अफ़जल,मुनव्वर हुसैन गुलाम शिमनानी,शेख नय्युम, अशरफ़ मेमन ,नवाब बड़गुजर,शफ़ी बक्श,निज़ाम भाई, समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

■ मुस्लिम समाज जुलूस निकाल कर भाईचारे व अमन का दिया संदेश
■मो.साहब समाज में समानता भाईचारे इंसानियत का दिया पैगाम:सदर अंसारी

गणेश विसर्जन को लेकर हुई बालोद पुलिस कार्यालय एवं जिले के समस्त थाना चौकी अंतर्गत शांति समिति बैठक

गोताखोर एवं समितियों द्वारा वालेंटियर टीम अनिवार्य रूप से रखेंगे तैनात

बालोद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक महोदय योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में अति पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर एवं डीएसपी मुख्यालय देवांश सिंह राठौर के मार्गदर्शन में पुलिस कार्यालय बालोद एवं जिले के समस्त थाना चौकी द्वारा गणेश समितियों की शांति समिति बैठक ली गई। गणेश विसर्जन के दौरान बालोद शहर एवं पूरे जिले में चाक चौबंद सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने गणेश विसर्जन कार्यक्रम को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित समय सीमा के भीतर ही किये जाने दिए निर्देश अंधेरा होने के बाद किसी भी प्रकार का विसर्जन नहीं किया जाए। विशेष रूप से बड़ी मूर्तियों का विसर्जन केवल निर्धारित सुरक्षित माध्यम व (क्रेन) से ही किया जाए, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना या अप्रिय घटना की संभावना न रहे।

डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी

एसडीओपी बालोद ने स्पष्ट किया कि विसर्जन कार्यक्रम के दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। धार्मिक वातावरण की गरिमा बनाए रखते हुए केवल पारंपरिक तरीकों का उपयोग किया जाए।

सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु पुलिस बल के साथ-साथ गणेश समितियों के द्वारा स्वयं सेवकों (वालेंटियर्स) की भी नियुक्ति की जाए। इसके अलावा विसर्जन स्थलों पर गोताखोरों की टीम तैनात की जाएगी तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम की व्यवस्था भी की जाए।

रैली पूर्व अनुमति- गणेश समितियों को रैली पूर्व अपने एसडीएम से आवश्यक अनुमति लेनी होगी जिससे समितियों की आने जाने का रूट और विसर्जन स्थल की जानकारी स्पष्ट रहे और गणेश समिति सभी नियमों का पालन भी करें।

बालोद पुलिस द्वारा सभी गणेश उत्सव समितियों एवं आमजन से अपील की गई है कि वे प्रशासन एवं पुलिस के निर्देशों का पालन करें, शांति और सौहार्द का वातावरण बनाए रखें तथा गणेश विसर्जन को एक सुरक्षित और सामूहिक उत्सव के रूप में सम्पन्न करें।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में हुए उक्त बैठक में एसडीओपी बालोद देवांश सिंह राठौर, सीएसपी राजहरा डॉक्टर चित्रा वर्मा, तहसीलदार आशुतोष शर्मा , बालोद एवं राजहरा क्षेत्र के गणेश उत्सव समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पति की मारपीट और धमकियों से त्रस्त युवती, थाने पहुंचकर तोड़ी खामोशी

खैरागढ़, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। दहेज की कुप्रथा ने एक बार फिर रिश्तों की पवित्रता को कलंकित कर दिया। खैरागढ़ के सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाली 28 वर्षीय महिला ने अपने ही पति पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट और जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती की लिखित शिकायत पर पुलिस ने आरोपी रंजीत सिंह खंडे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 351(3) और 85 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

■ युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति रंजीत खंडे के खिलाफ किया अपराध पंजीबद्ध

शिकायतकर्ता युवती ने बताया कि उसका विवाह 19 अप्रैल 2019 को हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। प्रारंभिक कुछ महीने ठीक-ठाक रहे, लेकिन इसके बाद पति का असली चेहरा सामने आने लगा। पति ने दहेज में लग्जरी कार की मांग की और जब यह मांग पूरी नहीं हुई तो आए दिन गाली-गलौज, मारपीट और घर से निकाल देने जैसी घटनाएँ शुरू हो गईं।

पीड़िता के पिता की हाल ही में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बेटी शोक में डूबी हुई थी, लेकिन उस घड़ी में भी पति ने कोई संवेदना नहीं दिखाई। आरोप है कि उसने पूरे परिवार के सामने बेरहमी से उसकी पिटाई की और खाने को कूड़ेदान में फेंककर उसी गंदगी से जबरन खिलाने की कोशिश की। यही नहीं, उसने यह तक धमकी दी अभी तुम्हारा बाप मरा है, अब तुम्हारे भाई की बारी है।

पीड़िता के अनुसार 3 सितंबर 2025 की रात 11 बजे रंजीत खंडे ने फिर मारपीट की। हाथ, पैरों और मुक्कों से पिटाई की गई और धमकी दी गई कि यदि उसने किसी से बताया तो जान से मार देगा। अगले दिन 4 सितंबर की सुबह भी उसने बेरहमी से पेट और पीठ पर लात-घूंसे बरसाए, यहां तक कि बेल्ट से पिटाई की गई। प्रताड़ना का सिलसिला यहीं नहीं रुका, बल्कि आए दिन उसकी जिंदगी को नर्क बना दिया गया।

युवती ने बताया कि वह हर पल सहमी रहती है। जब भी पति सामने आता है, उसे अपनी जान का खतरा महसूस होता है। वह अब घर में भी सुरक्षित नहीं है और डर के साए में जी रही है। लगातार हो रही हिंसा और अपमान से त्रस्त होकर आखिरकार उसने साहस जुटाया और पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

कोतवाली थाना खैरागढ़ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह मामला बेहद गंभीर है और आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि दहेज प्रथा जैसी कुरीति आज भी समाज में गहरी जड़ें जमाए हुए है। बेटियाँ पढ़-लिखकर आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन विवाह के बाद उन्हें दहेज की मांग और घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ रहा है। यह मामला समाज को गहन आत्ममंथन का अवसर देता है कि आखिर कब तक बेटियाँ दहेज की इस अमानवीय प्रथा की बलि चढ़ती रहेंगी।

पदोन्नति में आरक्षण लागू करने को लेकर जनजाति एवं अनुसूचित जाति समाज के पदाधिकारी डॉ रमन से मिले

राजनांदगांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। आज पदोन्नति में आरक्षण एवं अन्य 10 संवैधानिक मुद्दों कर राज्य सरकार द्वारा त्वरित अनुसूचित जाति,जनजाति समाज के हित में निर्णय लेने समाजिक एवं अधिकारी कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि डॉक्टर रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष को पदोन्नति में आरक्षण मामले में अनुच्छेद 16(4) सहपठित अनुच्छेद 335 एवंसुप्रीम कोर्ट के अंतरिम राहत के परिपालन में निर्णय लेने उनके कार्यालय रायपुर में मिलकर बात रखी है।

हमने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के हितों से संबंधित प्रावधानों का क्रियान्वयन करने में राज्य सरकार द्वारा लेटलतिफी की जा कर रही है। विगत डेढ़ वर्ष से हम शासन एवं प्रशासन से बातचित कर रहे है,11 जून को इसी के संबंध में 40 से 50 हजार अनुसूचित जाति,जनजाति वर्ग के सामाजिक एवं कर्मचारी संगठन शामिल हुए।यदि हमारे राज्य की सरकार संविधान का सम्मान करती है तो अनुच्छेद 16(4)ए एवं 335 का अविलंब परिपालन करें। राज्य की भाजपा सरकार हमारे आरक्षण को रोक के रखी है। यदि राज्य सरकार संविधान को मानती है और अनुसूचित जाति,जनजाति वर्ग के संवैधानिक अधिकार के प्रति संवेदनशील है तो अविलंब बीजेपी सरकार पदोन्नति में आरक्षण बहाल करवाए। राजनांदगांव सहित राज्य भर के अनुसूचित जाति,जनजाति वर्ग के लोगो मे छत्तीसगढ़ सरकार के कार्यशैली से नाराज चल रहे है। नाराजगी के चलते कभी भी समाज ,कर्मचारी संगठन मिलकर उग्र आदोलन कर सकते है लगातार सरकार से समाज,कर्मचारियो के द्वारा छत्तीसगढ़ के तमाम मंत्री,अधिकारी के समक्ष अपने बातो को रखते आ रहे है इसी बातो को लेकर माननीय विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष रखी गई।

हमारे बातों को डॉक्टर रमन सिंह जी ने गौर से सुना एवं मुख्यमंत्री से बात करके पहल करने की बात कही।प्रतिनिधितमंडल का नेतृत्व श्रीमती डॉ रेखा मेश्राम बौद्ध समाज राजनादगांव ने किया प्रतिनिधिमंडल में विनोद कुमार कोशले,लेखराम मात्रा,देवलाल भारती,अश्वनी बंजारा,प्रह्लाद ठाकुर,ईश्वर चन्द्रवशी शामिल थे।

नयापारा के सत्संग भवन में चल रही श्रीराम कथा में कथाकार डॉ. आर. डी. दास वैष्णव जी ने केवट प्रसंग के विभिन्न भावों की चर्चा की

बालोद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। ईश्वर के स्वरूप को लेकर अलग अलग धर्मों में अलग अलग प्रकार की व्याख्या की गई है। हमारे सनातन धर्म में भी ईश्वर को निर्गुण, सगुण निराकार या साकार स्वीकार किया गया है। भक्ति मार्ग में ईश्वर को सगुण एवं साकार स्वीकार किया गया है जबकि ज्ञानमार्ग में निर्गुण एवं निराकार माना गया है। भगवान श्रीराम की वनयात्रा के अनेक उ?द्देश्य है, परन्तु सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारण राम राज्य के निर्माण के लिये समाज में तद्नुसार परिवर्तन करना भी था। श्रीराम गंगातट तक रथ में बैठ कर आये। रथ का परित्याग करने के बाद आगे की यात्रा उन्होंने पैदल की। इसी अवसर पर जब श्रीराम गंगातट पर पहुचे तो उनकी भेंट केवट से हुई। श्रीराम ने केवट से गंगा पार करने के लिये नाव की मांग की। केवट श्रीराम को देखकर नाव में बैठे बैठे ही बात करने लगा। केवट की इस उदण्डता को देखकर लक्ष्मण जी को लगा कि शायद ये हमारे प्रभु को नहीं जानता किन्तु भगवान श्रीराम के नाव मांगने के बाद जब केवट ने श्रीराम से कहा कि मैं आपके मर्म को जानता हूँ तब यह सुनकर लक्ष्मण जी भी आश्चर्यचकित हो गये।

भगवान श्रीराम ब्रम्हाण्ड नायक है तथा लीला के लिये मनुष्य बनकर अवतरित हुये है। जो सबको देने वाले परमात्मा यदि किसी से मांगे है तो केवट से मांगे है। सम्पूर्ण रामचरितमानस में भगवान श्रीराम केवल दो से ही मांगे है। केवट से नाव मांगने से पहले श्रीराम ने भगवान शंकर से मांगा था। भगवान शंकर के समक्ष हाथ जोड़ कर विनती करते हुये उन्होंने पार्वती से विवाह करने की माग की थी। मानस में तुलसी जी ने लिखा है च्अब बिनती मम सुनहु सिव जौ मो पर निज नेहु। जाहु बिबाहु सैलजहि यह मोहि मागे देहु ।। इन दो प्रकरणों के अलावा भगवान श्रीराम अपनी लीला काल में और किसी अन्य से नहीं मांगे। श्रीराम साक्षात ईश्वर है किन्तु नाटक के कलाकार की भांति वे अलग अलग भूमिका में दिखाई देते है। कलाकार के रूप में ईश्वर जो भी लीला करें यह लोगों के लिये कल्याणप्रद तो है ही किन्तु ईश्वर मूल रूप से वहीं रहते है उनके स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं आता। तुलसी जी ने लिखा है जथा अनेक बेष धरि नृत्य करइ नट कोई। सोइ सोइ भाव देखावहि आपुन होई सोइ।

भगवान श्रीराम जब केवट से नाव की मांग की तब केवट ने कहा कि आपके बारे में ऐसी चर्चा है कि आपके चरण रज में मनुष्य बनाने की कोई जड़ी है और इसका ज्वलंत प्रमाण गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या है जो श्रापवश पत्थर बन गई थी किन्तु आपके चरण रज के स्पर्श होते ही वह सुन्दर नारी बन गई। महाराज मुझे इस बात का भय है कि यदि आप मेरी नाव में बैठेंगे तो कही मेरी नाव भी नारी न बन जाये और यदि ऐसा हो गया तो मै लुट जाउंगा क्योंकि मेरा गुजर बसर नाव के ही जरिये होता है। यात्रियो को गंगा पार कराना ही मेरा व्यवसाय है नाव चलाने के अलावा मैं कोई और दूसरा काम नहीं जानता और यदि ऐसा हो गया तो मेरे पूरे परिवार को भूखा रहना पड़ेगा। केवट की इस शंका को दूर करने के लिये भगवान श्रीराम ने केवट से कहा कि जो शिला नारी बनी पहले से ही ऋषि पत्नी थी और वह श्रापमुक्त होकर अपने मूल स्वरूप में आ गई। तुम्हारी नाव के साथ ऐसा नहीं होगा तुम निश्चिन्त रहो। तब केवट ने कहा कि महाराज यदि कही मेरी नाव भी किसी ऋषि के श्राप से नाव बनी है और चरण धूलि पड़ते ही यह भी नारी हो गई तो मैं भिखारी बन जाउंगा। केवट ने कहा कि दण्डक वन में चारो ओर ऋषि मुनियों में यह चर्चा हो रही है कि श्रीराम के चरण स्पर्श होते ही शिला नारी बन जाती है तो हम लोग भी अपने अपने आश्रम के आगे एक एक शिला रख देंगे और जब श्रीराम दण्डक वन में आयेंगे तो उनसे आग्रह करके उनसे कहेंगे कि हे राम आप इस शिला पर अपने चरण रख दीजिये ताकि यह शिला भी सुन्दर नारी बन जाये और हमे भी सुन्दर स्त्री मिल जाय।

कविता शर्मा और केशरी देवांगन को सम्मान कर बिदाई दी गई

डोंगरगांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शास. प्राथ. शाला गतेरी में पदस्थ शिक्षिका कविता शर्मा एवं केशरी देवांगन के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन शाला परिवार द्वारा किया गया

शासन के निर्देशानुसार युतियुक्तिकरण प्रक्रिया के तहत अन्य शाला में पदांकन होने के चलते शाला विकास समिति, शिक्षकगणों के द्वारा शिक्षिका द्वय कविता शर्मा एवं केशरी देवांगन को फूलमाला पहनाकर गुलाल तिलकाभिषेक कर सम्मान कर भावभीनी विदाई दी गई।विदाई समारोह में बच्चों के प्रति शिक्षण कार्यो में दिए गए उनके योगदान को देखते हुए ग्रामीण महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे कार्यक्रम में कविता एवं केशरी ने कहा कि स्कूल में सेवा के दौरान आप लोगों का अभूतपूर्व सहयोग हमेशा स्मरणीय रहेगा।हमारी कोशिश रही है कि शाला में पढ़ने वाले बच्चे हमेशा उच्चतम अंक प्राप्त करने की दिशा में कोशिश करे ताकि आपके साथ स्कूल का नाम भी प्रदेश में विख्यात हो यही कारण है कि हमारे द्वारा बच्चों को हिंदी के अलावा अंग्रेजी भाषा में दक्ष बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।उन्होंने कहा कि एक शाला से अन्य शाला में पदांकन यह एक शासकीय प्रक्रिया है साथ ही उनके द्वारा सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया गया।इस दौरान प्रधान पाठिका सदिका अंसारी शिक्षक सेंमन सोनकर साथियों का योगदान सरहानीय रहा।

कार्यक्रम मे ,हाकिन साहू (ग्राम प्रमुख), द्वारासिंगराजपूत, , फिरता सागर, श्यामसिंग, कंबर, उदेश सागर, चोवा राम साडू, तारण सिंह राजपूत, बहुरा साडू। श्रीराम कवर, ढाल सिंग राजपूतग्राम पटेल उत्तम नेतामपंच कलेन्द्री नेताम अध्यक्ष च्चित्ररेखा नेताम (उपाध्यक्ष)मीना बाई (उपसरपंच हिना राजपूत (पंच,) कामिन बाईसदस्य), गचेपा नेताम (आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चंद्ररेखा यादव (सहायिका) आदि सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी स्वस्फूर्त मौजूद थे।

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी हर्ष के साथ मनाया

डोंगरगढ़, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। पैगंबर मोहम्मद का जन्म लगभग 570 ईस्वी में मक्का में हुआ था। उनका जन्म रबी-उल-अव्वल महीने की 12 तारीख पर मिलादुन्नबी के दिन हुआ था F ईद मिलादुन्नबी दुनिया भर के मुसलमान बड़े हर्ष और श्रद्धा के साथ मनाते हैं. इस दिन को इस्लामी कैलेंडर में खास महत्व दिया गया है. इस्लामिक मान्यता के अनुसार पैग़म्बर -ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पैदाइश 12 रबी-उल-अव्वल को मक्का में हुई थी. इसी वजह से मुसलमान हर साल इस दिन को मोहब्बत और अकीदत के साथ याद करते हैं। पैग़म्बर मोहम्मद साहब को रहमतुल्लिल आलमीन यानी पूरी कायनात के लिए रहमत कहा गया है उनकी शिक्षाएं, इंसानियत, अमन और भाईचारे का पैग़ाम देती हैं ईद मिलादुन्नबी इस्लामी कैलेंडर का बेहद खास दिन माना जाता है. हर साल 12 रबी-उल-अव्वल को मुस्लिम समुदाय बड़ी अकीदत के साथ यह दिन मनाता है। इस मौके पर मस्जिदों में कुरआन की तिलावत होती है, नात-ए -पैग़म्बर पढ़ी जाती है.और जोर से ईद मिलादुन्नबी का जुलूस निकला जाता है हर जगह जुलूस का इस्तकबाल किया जाता है चौक चौरहे मैं नासते का इंतजाम किया जाता है।

शिक्षा का दीपक ही जीवन को आलोकित करता है: यशोदा नीलाम्बर वर्मा

खैरागढ़, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह 2025 का भव्य आयोजन शुक्रवार को कन्या हाई स्कूल, सिविल लाइन खैरागढ़ में हुआ। इस गरिमामय अवसर पर जिलेभर के शिक्षक, शिक्षा कर्मी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह की मुख्य अतिथि विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा ने कहा हमारे जीवन में दो व्यक्तियों का विशेष महत्व है डॉक्टर, जो जीवन बचाता है और शिक्षक, जो जीवन को सही दिशा देकर गढ़ता है। शिक्षा ही वह दीप है, जो अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर जीवन को प्रकाशमान करती है।

उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस केवल औपचारिकता नहीं बल्कि आत्ममंथन और कृतज्ञता का दिन है। हमें सदैव अपने गुरुओं के योगदान को याद रखना चाहिए और शिक्षा के प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को शिक्षा गौरव अलंकरण से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त शिक्षकों ने इसे शिक्षा परिवार की सामूहिक उपलब्धि बताया।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय शिक्षा की गौरवशाली धरोहर पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मन मोह लिया। पूरे सभागार में गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु की वाणी गूंज उठी।

कार्यक्रम में विधायक वर्मा ने भारत के द्वितीय राष्ट्रपति, महान दार्शनिक एवं विद्वान डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन मानते थे सच्चे शिक्षक वे हैं, जो हमें सोचने के लिए प्रेरित करें। यही कारण है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहकर जीवन मूल्यों और नैतिकता से जुड़ गई।

चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर आरोपी काली प्रसाद मिश्रा को भुनेश्वर ओडिशा से किया

बालोद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग के निर्देशन में, श्रीमान पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर व उप पुलिस अधीक्षक बालोद देवांश सिंह राठौर के पर्यावेक्षण में थाना बालोद व साइबर सेल से एक टीम गठित कर चिटफंड के फरार आरोपी की पतासाजी हेतु भुनेश्वर ओडिशा राज्य भेजा गया, टीम द्वारा वहां कई दिन कैम्प कर लोकल इंट मुखबिर लगाकर और लोकल थाना के सहयोग से कई वर्षों से फरार चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर काली प्रसाद मिश्रा को गिरफ्तार करने में बालोद पुलिस को सफलता मिली है।

मामले का विवरण इस प्रकार थाना बालोद के अपराध क्रमांक 609/2016 धारा- 420, 34, 467, 468, 471,406 भादवि, 3, 4, 5 ईनामी चिटफंड एवं धन परिचालन स्कीम पाबंदी अधिनियम, धारा 10 छत्तीसगढ़ निक्षेपको के हितो का संरक्षण अधिनियम के तहत को चिटफंड कंपनी के डायरेक्टरों द्वारा लोगो का पैसों का ब्याज ज्यादा देने के नाम पर करोड़ों रुपए का अपने कंपनी में निवेश करा कर धोखाधडी किया गया था। जिस पर प्रकरण में कई वर्षों से फरार आरोपी केजी पतासाजी हेतु

साइबर और थाना बालोद से विशेष टीम बना कर निर्देशित किया गया था। टीम द्वारा आरोपी के संबंध में तकनीकी डेटा के आधार पर जानकारी एकत्र कर आरोपी की पुख्ता जानकारी होने पर विशेष टीम भुनेश्वर ओडिशा रवाना किया गया था। टीम वहां पहुंच कर कई दिन कैंप कर लोकल संनसूचना पर लोकल पुलिस की मदद से आरोपी की जानकारी प्राप्त कर आरोपी कालीप्रसाद मिश्रा को विधिवत गिरफ्तार कर जिला बालोद लाया गया।

आरोपी अपने कथन में बताया कि वह एम0बी0ए0 तक का पढ़ाई किया है माईक्रोलिजिंग एण्ड फंडिग लिमिटेड, माईक्रोफाईनेंस कंपनी हेड ऑफिस भुनेष्वर(उड़िसा) का वर्ष 2004 से 2013-14 तक डारेक्टर रहा है। इस दौरान कंपनी के नियमानुसार छत्तीसगढ़ के बालोद जिला क्षेत्र में अपने एजेंट के माध्यम से विभिन्न निवेषको से लाभांष देने की बात बता कर करोड़ो रूपये कंपनी में जमा करवाये है। कंपनी ने जब जब भी निवेषको से रकम जमा करवाया और बाउंड पेपर में पावती दिए गए। सन् 2014 से 2016 के बीच कंपनी का जांच शासन के द्वारा करने लगा तब घबराकर उक्त कंपनी को जहॉ जहां ऑफिस खुला था उसे बंद कर दिये। आरोपी ने छत्तीसगढ़ में कंपनी की डायरैक्टरी से सन् 2013-2014 में रिजाईन दे दिया था, जब कंपनी के नाम पर छत्तीसगढ़ में कई जगह अपराध रजिस्टर्ड होने लगा तब से आरोपी गिरफतारी के भय से छीप कर रह रहा था। आरोपी कुछ पैसे अपने जान पहचान से उधार लेकर फिल्म लाईन में छोटे छोटे रिल्स बनाकर अपना जीवन यापन कर रहा है।

चिटफंड के कई वर्षों से फरार आरोपी को पकड़ने में थाना प्रभारी बालोद निरीक्षक श्री शिशुपाल सिन्हा, उप निरीक्षक श्रीमती कमला यादव,साइबर सेल प्रभारी स.उ.नि. धरम भुआर्य, प्रधान आरक्षक रूमलाल चुरेंद्र,आरक्षक भोप साहू ,संदीप यादव,पुरण देवांगन, गुलझारी साहू ,रवि साहू का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

विश्वविद्यालय में नशामुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य पर एक दिवसीय व्याख्यान संपन्न

सिम्हांस के निदेशक डॉ. प्रमोद गुप्ता ने दिया व्याख्यान

खैरागढ़, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में नशामुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन संपन्न हुआ। कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के कैम्पस-2 स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित उक्त व्याख्यान में सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंस राजनांदगांव के निदेशक डॉ. प्रमोद गुप्ता के द्वारा विद्यार्थियों को नशामुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में विभिन्न जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विद्यार्थी तनाव में आकर आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे हैं जिसकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बेहतर भविष्य का तनाव, शिक्षकों का तनाव एवं प्रतिस्पर्धा सहित प्रेम संबंध के कारण अधिकतर युवा आत्महत्या के शिकार हो रहे हैं। बचपन से ही माता-पिता अपने बच्चों को अपने हिसाब से कार्य कराना चाहते हैं जिसकी वजह से उनका तनाव और अधिक बढ़ जाता है। 18 से 20 साल के बच्चें अपने आपसी संबंधों को मैनेज नहीं कर पाते जिसके कारण वें नशापान की ओर आगे बढ़ रहे हैं। डॉ. गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में 53 प्रतिशत लोग ओव्हर डोज नशा कर रहे हैं जिसका मुख्य कारण

तनाव है। उन्होंने कहा कि वैवाहिक जीवन में खुशहाल रहने के लिये एक-दूसरे को समझना आवश्यक है, आपसी रिश्तों को समय देना आवश्यक है तभी जीवन बेहतर चल पायेगा। खासकर वर्तमान समय में युवाओं को आधुनिक उपकरण जैसे मोबाईल, लैपटॉप या टीवी आदि का उपयोग सीमित रूप से करने की सलाह दी। जन्म से लेकर मृत्यु तक तनाव आपके साथ रहेगा ऐसे में बहतर जीवन के लिये उसके नियंत्रण पर प्रबंधन करना आवश्यक है। जीवन में अलग-अलग कार्यों को लेकर तनाव होना संभव है परंतु महत्वपूर्ण यह है कि आपका मन कितने धैर्य व शांत रहकर बौद्धिकता का उपायेग कर उन समस्याओं को दूर करने की सोचता है, यही स्वस्थ मन की परिभाषा है। डॉ. गुप्ता ने 18वीं सदी से लेकर 21वीं सदी तक की पीढ़ियों के बारे में बताते हुये वर्तमान में बढ़ते नशे के कारण व इसके निदान के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि पहले लोग अपने परिवार को महत्व देते थे, उनके साथ समय व्यतीत करते थे लेकिन अब सोशल मीडिया में लोग अपना फैमली बनाने में लगे हैं, ऐसे में उनके भीतर संस्कार तथा ज्ञान कैसे आयेंगे। लोगों को सोशल मीडिया की काल्पनिक दुनिया से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन जीने के लिये प्रेरित किया। वर्तमान में लोग अपने घर के बुजुर्गों को वृद्धाश्रम भेज रहे हैं तो उनके बच्चें अपनी परंपरा एवं संस्कृति का ज्ञान कहां से अर्जित कर पायेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से ब्रह्म मुहुर्त में उठकर दिनचर्या का प्रारंभ करने की बात कही और मानसिक स्वास्थ्य के लिये 8 घंटे की भरपूर नींद लेने की अपील की। इस दौरान उपस्थित विद्यार्थियों के द्वारा बेहतर भविष्य सहित अन्य विषयों के संबंध में सवाल पूछे गये जिसका संतुष्टिपूर्वक उत्तर भी डॉ. गुप्ता के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर अधिष्ठातागण प्रो.राजन यादव व प्रो. नमन दत्त, सहायक कुलसचिव विजय कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण तथा विद्यार्थीगण, शोधार्थीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन अधिष्ठाता छात्र कल्याण संघ डॉ. देवमाईत मिंज ने किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने सीटी स्कैन मशीन का किया लोकार्पण

पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा एवं ट्रॉमा सेंटर स्थापना के लिए किया गया भूमिपूजन

राजनांदगांव, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव में सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण तथा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की आदमकद प्रतिमा एवं ट्रॉमा सेंटर स्थापना हेतु भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शासकीय मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव के लिए आज का दिन गौरवपूर्ण है तथा सीटी स्कैन मशीन मिलने से महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज को 30 करोड़ रूपए की लागत की एमआरआई मशीन मिलेगी, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। वही 2 करोड़ 69 लाख रूपए के ट्रामा सेंटर का आज भूमिपूजन एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की आदमकद प्रतिमा की स्थापना के लिए भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने इसके लिए सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निर्णय एवं क्रियान्वयन के लिए सभी के संयुक्त प्रयासों से यह सौगात मिली। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव में 17 सितम्बर 2025 को एक दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शासकीय एवं निजी हॅस्पिटल के रायपुर, दुर्ग, भिलाई से आए विशेषज्ञ चिकित्सक जनसामान्य को चिकित्सा सेवाएं देंगे। उन्होंने इस एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में लोगों को अधिक से अधिक शामिल होकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि राजनांदगांव जिले को एक अच्छी सौगात मिली है। सीटी स्कैन मशीन लगने के साथ ही ट्रामा सेंटर का शुभारंभ होने से जनसामान्य को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी। इसके लिए उन्होंने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कार्य करने का जुनून हो तो अच्छे कार्य होते है। उन्होंने बताया कि कबीरधाम जिले में भी मेडिकल कालेज का निर्माण किया जा रहा है।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हुई। उन्होंने राजनांदगांव मेडिकल कालेज को एम्स की तर्ज पर अपने मार्गदर्शन में निर्माण कराया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में विशेष तौर पर कार्य कर रहे है। मुख्यमंत्री ने पांच मेडिकल कॉलेज कबीरधाम, जांजगीर-चापा, दन्तेवाड़ा एवं जशपुर में स्वीकृत किए है। जिसका शीघ्र ही शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुपर मल्टीस्पेशिलिटी हास्टिल प्रारंभ किए जा रहे है तथा 17 जिलों में सीटी स्कैन मशीन एवं एमआरआई मशीन लगाई गई है। उन्होंने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव में 30 करोड़ रूपए की लागत से एमआरआई मशीन लगाया जाएगा। बस्तर क्षेत्र के दूरस्थ अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही है। नक्सलवाद की लड़ाई में घायल जवानों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जा रहा है। नक्सलगढ़ में अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को आने वाले पीढ़ी मानस पटल में स्मरण रख सके इसके लिए आदमकद प्रतिमा का भूमिपूजन किया गया है। इसके साथ ही कैजुएल्टी को ध्यान में रखते हुए 2 करोड़ 70 लाख रूपए की लागत से ट्रॉमा सेंटर का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज के विद्यार्थियों के लिए 2 साल का बांड एक वर्ष कर दिया गया है। बांड के एग्रीमेंट की राशि 25 लाख रूपए है, जिसे कम करने या समाप्त करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना मंत्री एवं समिति के अनुमोदन के मेडिकल कालेज के डीन 20 लाख रूपए तक की राशि स्वास्थ्य के लिए खर्च कर सकेंगे। वहीं संभागायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 2 करोड़ रूपए तक की राशि व्यय कर सकेंगे। मेडिकल कालेज की स्वायत्ता की दृष्टिकोण से यह निर्णय मील का पत्थर है। भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर चिकित्सालय में 1300 ओपीडी बढ़कर 2400 पहुंच गया है। जिसके दृष्टिगत 100 बिस्तर के हास्पिटल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योग एवं नेचुरोपैथी के 100 बिस्तर के हास्पिटल रायपुर में बनाया जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए सकारात्मक दिशा में निरंतर मेहनत की जा रही है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य सुविधाओं का हब बनेगा तथा मेडिकल टूरिज्म के रूप में विकसित होगा।

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव को सीटी स्कैन मशीन की एक बड़ी सौगात मिली है। विधानसभा अध्यक्ष के प्रयासों से 370 करोड़ रूपए की लागत से शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव का निर्माण हुआ है। अन्य जिलों के मरीजों को भी यहां स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी। विधानसभा अध्यक्ष के प्रयासों से जिला चिकित्सालय में भी सीटी स्कैन मशीन का मिलना स्वास्थ्य के प्रति उनके समर्पण की भावना को दर्शाता है। सभी के संयुक्त प्रयासों से जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया जा रहा है। सीजीएमएससी के अध्यक्ष श्री दीपक मस्के ने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव को सीटी स्कैन मशीन का मिलना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चिकित्सा प्रणाली आधुनिक हुई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने चिकित्सा सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया है। निजी चिकित्सालयों से अधिक चिकित्सा सुविधाएं शासकीय क्षेत्र में होनी चाहिए, इस दृष्टिकोण से लगातार कार्य किया जा रहा है। डीन मेडिकल कालेज डॉ. पीएम लुका ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूरदर्शिता एवं प्रेरणादायी पहल के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सचिन बघेल, अध्यक्ष पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, अध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल योगेश दत्त मिश्रा, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण वैष्णव, पूर्व विधायक रामजी भारती, रमेश पटेल, श्रीमती गीता साहू, पद्मश्री पुखराज बाफना, पार्षद वार्ड नंबर 20 श्री कुलेश्वर ध्रुव, भरत वर्मा, कोमल सिंह राजपूत, , सुमीत उपाध्याय, भावेश बैद, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, डिप्टी कलेक्टर प्रकाश टंडन, उप अधीक्षक डॉ. पवन जेठानी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन अधीक्षक शासकीय मेडिकल कालेज डॉ. अतुल देशकर ने किया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष रेडियोलॉजी डॉ. अराधना टोप्पो ने किया।

उल्टा पुल्टा

संता बैठा मूंगफली खा रहा था कि तभी उसकी गर्लफ्रेंड आ गई.
गर्लफ्रेंड - क्या कर रहे हो?
संता- मूंगफली खा रहा हूं..
गर्लफ्रेंड - अच्छा, अकेले-अकेले?
संता- अब 10 रुपये की मूंगफली में तेरे पूरे खानदान को खिला दूं।

अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे के साथ बप्पा हुए विदा

महासमुंद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। अनंत चतुर्दर्शी पर घर एवं पंडालों में विराजित गणेश प्रतिमाओं के समक्ष हवन-पूजन किया गया। अधिकांश घरों में सुबह से ही हवन कर विसर्जन का सिलसिला शुरू हुआ। कई स्थानों पर शुक्रवार को ही हवन कर लिया गया था। रविवार को चंद्रग्रहण के कारण सूतक 12.57 को शुरू होगा इसके चलते पूर्व में ही गणेश विसर्जन किया जाएगा। जिन स्थानों की प्रतिमाएं रविवार को विसर्जन नही हो पाएगा उसे अन्य दिनों में सुविधानुसार विसर्जन किया जाएगा। इस बार गणेश पक्ष में नगर में चहलपहल रहा और पूजन विधान के साथ ही भंडारा, 56 भोग जैसे आयोजन भी किये जाते रहे। पार्षद भाऊराम के निवास में विराजित गणेश प्रतिमा का बाजेगाजे के साथ शोभायात्रा निकाला गया। इस दौरान धूमाल के धून में भक्तजन झूमते नजर आए। शहर सहित ग्रामीण अंचल पिछले 10 दिनों तक प्रथम पूज्य श्री गणेश की भक्ति में लीन रहा। इस दौरान घरों और पंडालो में प्रतिदिन पूजन.आरती के साथ ही भजन-मंडलियां, भजन.कीर्तन करती रहीं। शनिवार से हवन. पूजन के बाद शनिवार को श्री गणेश प्रतिमाओं का विर्सजन शुरू हुआ। 27 अगस्त से शुरू हुए गणेश उत्सव के दौरान शहर सहित ग्रामीण अंचलों में सार्वजनिक स्थानों पर पंडालों व घरों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा.अर्चना की गई। इस दौरान पंडालों में श्री गणेश भजनों के साथ सुंदर काण्ड और श्री हनुमान चालीसा का भी पाठ समिति व भजन मंडलियों ने कराया । जिसमें महिलाओं ने बढ़.चढ़ कर हिस्सा लिया। शहर में हर शाम श्री गणेश के दर्शन के लिए शहर सहित ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या मे भक्तजन पहुँच रहे थे। किंतु तीन दिनों तक शाम को ही बारिश से इस पर असर पड़ा और लोगों को मायूस होकर भीगते हुए वापस लौटना पड़ा। शुक्रवार से गणेश पंडालों और घरों में हवन. पूजन का सिलसिला शुरू हुआ, जो शनिवार को भी जारी रहा। जिन्होंने हवन.पूजन कर लिया उन्होंने प्रतिमाओं का विर्सजन शुरू कर दिया है। इस दौरान गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ का जयघोष होता रहा। मालूम हो कि बड़ी प्रतिमाओं का विर्सजन समिति के सदस्य तुमाडबरी में करते हैं वहीं घरों में विराजित प्रतिमाएँ आस.पास के तालाबों में विसर्जित की जाती है। विसर्जन के दौरान पुलिस बल तैनात रहा। शहर के गंजपारा, बाजार वार्ड, पुराना रायपुर नाका, शंकर नगर, लोहिया चौक, अंबेडकर चौक, राम टॉकिज पारा में विशालकाय गणेश प्रतिमाओं के साथ साज.सज्जा आकर्षण का केन्द्र रहा। अधिकांश प्रतिमाओं का विर्सजन रविवार या उसके बाद होगा।

गंगा आरती की भांति गणेश जी की महाआरती का आयोजन

बलौदाबाजार, 6 सितंबर (देशबन्धु)। स्थानीय षष्टी मन्दिर गणेश उत्सव समिति के द्वारा महत्वपूर्ण महागंगा आरती के तर्ज पर विराजीत श्री गणेश जी के महाआरती का आयोजन किया गया। जिसमे भारी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण शामिल हुए। महाआरती के इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने उपस्थित होकर आयोजक गणो को शुभकामनाएं देते हुए महाआरती के भव्य आयोजन की सराहना करते हुए भगवान श्री गणेश जी से सभी के खुशहाली की कामना की गई।

नपा अध्यक्ष अशोक जैन हुए महाआरती में शामिल

आयोजन के दौरान भव्य दीप लेकर ऊँचे स्थान से आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर षष्टी मन्दिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र पटेल, पूर्व पार्षद सुभाष राव, पार्षद गौतम सिंह चौहान, गणेश समिति के अध्यक्ष सागर साहू, जामवंत वर्मा, सचिव विद्याभूषण साहू, कोषाध्यक्ष वासुदेव ठाकुर, सह सचिव शिव यादव, राजा साहू, रवि प्रकाश कन्नौजे, नारायण सिंह ठाकुर, सुनील पांडे, भावेश साहू, जयसूर्या पटेल, योगेंद्र पटेल, देवेंद्र पटेल, कुलेश्वर मानिकपुरी, सोनू वर्मा, सनी कन्नौजे, ढेलू राम साहू, अनादी ठाकुर, वीरेंद्र यादव, रामशरण वर्मा, राजेश साहू (तलवार), कुशल वर्मा, भागचंद कैवर्त, मोनू यादव, देव जायसवाल, कुंदन साहू, राजा यादव, गुलशन वर्मा, दुष्यंत सौरभ पटेल, सहित काफी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित थे।

भयादोहन मामले में शामिल एक अन्य महिला आरोपी को किया गया गिरफ्तार

मामले में संलिप्त अन्य नामों का भी हो सकता है खुलासा

बलौदाबाजार, 6 सितंबर (देशबन्धु)। भयादोहन कर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देते हुए लाखों रुपए की वसूली करने वाले मामले में एक अन्य और महिला आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपिया द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर लोगों को सेक्स रैकेट, दुष्कर्म आदि के मामले में फंसाने के नाम पर भयादोहन कर पैसे की मांग करते थे। ज्ञात हो कि पूर्व में इस मामले में शामिल 8 अन्य लोगों को गिरफ्तारी किया गया था। वहीं इस महिला के गिरफ्तारी के बाद इस भयदोहन में संलिप्त अन्य नामों का भी खुलासा होने की उम्मीद की जा रही है। उक्त मामला लगभग डेढ वर्ष पुराना है। जिसमें जांच कार्यवाही पुलिस द्वारा अब भी जारी है।

प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि 15 फरवरी 2024 से 20 फरवरी 2024 के मध्य आरोपियों द्वारा सेक्स स्कैंडल में फंसा देने की धमकी देते हुए भयादोहन कर रुपए की मांग किया गया। जिसमें प्रार्थी द्वारा आरोपियों को कुल 2,75,000 की रकम दिया गया। उक्त रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 261/2024 धारा 384, 389, 212, 201, 34 भादवि के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। उक्त प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

महासमुंद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। 25 वीं राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 7 सितम्बर तक पाटन जिला दुर्ग में आयोजित किया गया। जिसमें सुखरीडबरी बागबाहरा के 05 खिलाड़ी शामिल हुए। शामिल खिलाड़ियों में दारिनी पनुरिया, लोक दामिनी, राज नंदिनी, राधा पटेल, उमाशंकर सभी शास उ माध्यमिक विद्यालय सुखरीडबरी में अध्ययनरत हैं। ये खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जो बागबाहरा क्षेत्र के लिए गौरव का विषय रहा हैं। राज्य स्तरीय शालेय भारोत्तोलन प्रतियोगिता पाटन दुर्ग में शासकीय उमावि सुखरीडबरी की खिलाड़ी राधा पटेल पिता धनेश्वर पटेल ग्राम दावनबोड ने अंडर 19 बालिका वर्ग में 53 किलो ग्राम भार वर्ग में बेहतर प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता, उमाशंकर पिता नोहर पटेल ने 98 किलो ग्राम वजन वर्ग में 128 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल किया। राजनंदिनी पिता हीरामन पटेल ने अंडर 17 वर्ष बालिका वर्ग में 53 किलो वजन वर्ग में 65 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं एवं लोक दामिनी पिता मुरलीधर दीवान ने 17 वर्ष बालिका वर्ग में 69 किलो ग्राम वजन वर्ग में 65 किलो वजन उठाकर रजत पदक जीतने में सफलता हासिल किया। इसके साथ ही राधा एवं उमाशंकर का चयन दिसंबर में आयोजित राष्ट्रीय शालेय भारोत्तोलन प्रतियोगिता महाराष्ट्र के लिए हुआ हैं। राधा पटेल एवं उमाशंकर पटेल, राज नंदिनी, लोक दामिनी ने भारोत्तोलन खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले व संभाग का नाम रौशन किया है। खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा वेट लिफ्टिंग खेल को आगे बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत वेटलिफ्टिंग सेट प्रदाय किया गया है जिसके माध्यम से खिलाड़ी विद्यालय में वेटलिफ्टिंग खेल का अभ्यास शिक्षक आलोक द्विवेदी के नेतृत्व में करते आ रहे हैं, जिससे अधिक संख्या में खिलाड़ी चयनित होकर राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता राधा एवं उमाशंकर के चयन होने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद विजय कुमार लहरे, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजलि बरमाल, प्राचार्य कोयल सिंह सबर, विकास खंड शिक्षा अधिकारी के के वर्मा, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी रामता प्रसाद मन्नाडे, कमल चक्रधारी, हिरेंद्र देवांगन, गणेश कोसरे, लालचंद जैन, अमित मार्टिन, चंद्रकांत सेन, मेघराज साहू, मनोज चंद्राकर आदि ने बधाई दी है।

सामुदायिक भवन में सहकारी दुकान जैसी सुविधाएं, ग्रामीण जीवन को और सरल बनाएंगी : रंजना

धमतरी, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत कसावाही के आश्रित ग्राम मढ़वापथरा में आज एक ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू के मुख्य आतिथ्य में सामुदायिक भवन का लोकार्पण तथा उसी भवन में सहकारी उचित मूल्य की राशन दुकान का शुभारंभ किया गया। सामुदायिक भवन का निर्माण श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू की अनुशंसा पर स्वीकृत हुआ था, जिसका विधिवत लोकार्पण उनके करकमलों द्वारा फीता काटकर किया गया। इसके साथ ही, ग्रामवासियों के लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए, इसी भवन में सहकारी उचित मूल्य दुकान का शुभारंभ भी किया गया। इस दुकान के शुरू हो जाने से ग्राम मढ़वापथरा के लोगों को अब राशन के लिए 5 किलोमीटर दूर अन्य ग्राम में नहीं जाना पड़ेगा। यह सुविधा ग्रामीणों को समय, श्रम और धन तीनों की बचत कराएगी तथा सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे गांव में ही प्राप्त हो सकेगा। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने कहा कि यह सुविधा गांव के लिए एक वरदान है, लंबे समय से सामुदायिक भवन व राशन की दुकान गांव में खोले जाने की मांग की जा रही थी, जो आज पूरी हुई। रंजना साहू जी के प्रयासों से यह संभव हुआ है, जिसके लिए समस्त ग्रामवासी उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उद्बोधन में श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि ग्रामीण अंचलों के विकास के लिए वे हमेशा समर्पित रही हैं और रहेंगी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए उपयोगी होगा, बल्कि सहकारी दुकान जैसी सुविधाएं ग्रामीण जीवन को और सरल बनाएंगी।

कसावही के आश्रित ग्राम मढ़वापथरा में पूर्व विधायक रंजना साहू की अनुशंसा से स्वीकृत सामुदायिक भवन का लोकार्पण एवं सहकारी उचित मूल्य दुकान का शुभारंभ पूर्व उनके करकमलों से हुआ सम्पन्न, ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी सुविधा

इस अवसर पर जनपद सदस्य पार्वती मोहित साहू, जनपद सदस्य निर्माण समिति की सभापति अनिता यादव, पूर्व महामंत्री गंगरेल मंडल के नरेश यादव, ग्राम पंचायत सरपंच खोमन मंडावी, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष प्रकाश नेताम, आत्माराम नेताम, सीताराम नेताम, गंगा बाई उईके, क्रांति बाई साहू, खिलेंद्री बाई उईके, पुणई बाई ओटी, तिजिया बाई नेताम, गोदावरी नेताम, दिलीप कुमार उईके, लेख राम साहू, लीलाराम मण्डावी, आनंद राम नेताम, हेमलाल मण्डावी, छबिलाल, केशव नेताम, वासुदेव निषाद, संतु राम मरकाम, आनंद राम ओटी, चेतन मलागर, राजेश नेताम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

शरद चोपकर समाज मानव रत्न सम्मान से नवाजे गए

नवापारा राजिम, 6 सितंबर (देशबन्धु)। गुरुवार को विधायक कार्यालय नवापारा में पदस्थ कार्यालय प्रभारी, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई जागरूकता संगठन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शरद चोपकर के सम्मान में काशी हिंदी विद्यापीठ, महामहिम कुलपति डॉ. सुनीता पंदो के साथ ही डॉक्टर सुरेश ठाकुर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कृत गायक एवं प्रदेश अध्यक्ष कलाकार प्रकोष्ठ द्वारा जोकर को उनके विगत वर्षों से भारतीय संस्कृति कला जन जागरूकता संगीत गायन एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार और आरटीआई जागरूकता संगठन भारत के बैनर तले सेवा भाव एवं मानवता हेतु किए गए कार्यों के लिए समाज मानव रत्न सम्मान 2025 प्रदान किया गया, साथ ही श्री शरद चोपकर के उत्कृष्ट कार्य से प्रभावित होकर साहित्यिक अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा संत गाडगे लोक शिक्षक अवार्ड हेतु चयनित किया गया है। अवार्ड 14 सितंबर 2025 को प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई जागरूकता संगठन भारत के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष कलाकार प्रकोष्ठ डॉ. सुरेश ठाकुर, अंतरराष्ट्रीय पुरस्कृत गायक छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सुश्री निधि चोपकर एवं सुश्री कनिका ठाकुर छत्तीसगढ़ उपाध्यक्ष कलाकार प्रकोष्ठ साथ ही मुख्य कार्यकारी सदस्य अरुण साहू, नागेंद्र तिवारी, दिनेश शर्मा, आकाश पांडे, भूपेश नागवंशी, डेविड निराला, दुकालू यादव, मुन्ना ठाकुर के द्वारा श्री चोपकर को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना की है।

छत्तीसगढ महिला गौरव अवार्ड से सम्मानित हुई रूपा श्रीवास्तव

बलौदाबाजार, 6 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ प्रदेश की सामाजिक साहित्यिक संस्था च्वक्ता मंचज्ज्द्वारा सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों हेतु वर्ष 2025 हेतु रुपा श्रीवास्तव को च्महिला गौरव अवार्डज्ज्से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड समारोह 6 सितम्बर वृंदावन सभागृह सिविल लाइन रायपुर में आयोजित किया गया।

उल्लेखनीय है कि रुपा श्रीवास्तव च्गृहणीज्ज स्वयं सेवी संस्था की अध्यक्ष है और इस संस्था को छत्तीसगढ शासन द्वारा विगत वर्षो में मिनीमाता राज्य अंलकरण द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। यह संस्था विगत 27 वर्षो से छत्तीसगढ के विभिन्न अंचलो में विकास की गतिविधियां संचालित कर रही है। अवार्ड प्राप्त करने के सन्दर्भ में श्रीमति रुपा श्रीवास्तव ने कहा की ऐसे अवार्ड प्रेरणा देते है जिससे नवीन उर्जा लेकर समाजिक विकास के कार्य को और अधिक गति दिया जा सके । साथ ही वक्ता मंच संस्था को धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगर सेना में चयनित अभ्यर्थियों ने की विधायक से मुलाकात

महासमुंद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। नगर सेना के लिए फिजिकल अकादमी महासमुंद से चयनित अभ्यर्थियों ने शनिवार को विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा से मुलाकात की। विधायक श्री सिन्हा ने सभी को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही उनसे आगामी भविष्य के लिए चर्चा भी की। चयनित अभ्यर्थियों से उनके शैक्षणिक योग्यता की जानकारी ली। साथ ही उन्हें कहा कि सिर्फ यहीं नहीं रुकना है। मेहनत और लगन से आगे भी बड़े पद में चयनित होकर अपने माता पिता, गुरुजनों एवं जिले का नाम रौशन करना है। बता दें कि देश एवं राज्य में सेना और पुलिस के प्रति युवाओं के बढ़ते रुचि को देखते हुए महासमुन्द के मिनी स्टेडियम में एक वर्ष पूर्व शुरू किए गए निःशुल्क फिजिकल अकादमी के प्रयास ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है, जहां से 1 या 2 नहीं बल्कि 10 महिलाओं का चयन एक साथ नगर सेना हॉस्टल ड्यूटी के लिए हुआ है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को देखते हुए सभी चयनित अभ्यर्थियों एवं फिजिकल अकादमी के युवाओं ने अकादमी के संचालक टिकेश्वर साहू के साथ विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा से मुलाकात की एवं उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। चयनित महिला अभ्यर्थियों में चांदनी तांडे, आरती लहरे, दिनेश्वरी ध्रुव, नीरा देवांगन, डिगेश्वरी, राखी पटेल, सुरेखा ध्रुव, पूजा गिलहरे, दीपा बरिहा, लक्ष्मी पटेल शामिल है। चयनित अभ्यर्थियों को मंगेश टांकसाले, रमेश साहू, अग्रज शर्मा, राजू साहू, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, राजेश शर्मा, आशुतोष शर्मा, आकाश चंद्राकर, प्रशिक्षकगण केके चंद्राकर स्पोर्ट्स ऑफिसर केंद्रीय विद्यालय, मनीष चंद्राकर आरक्षक गरियाबंद, चंद्रहास साहू एनसीसी ट्रेनर, सुभाष मंडल, अमृत पटेल आदि ने बधाई दी है।

पर्यूषण पर्व का अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के रूप में मनाया गया

बलौदाबाजार, 6 सितंबर (देशबन्धु)। बलौदाबाजार जैन समाज पर्यूषण पर्व का अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी के दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के रूप में मनाता है। ब्रह्मचर्य धर्म मन वचन और शरीर से इंद्रिय संयम रखना वह वासनाओं पर विजय प्रकार आत्मा को उच्च मार्ग की ओर ले जाना ही उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म है।

जैन समाज के लिए अनंत चतुर्दशी का दिन सबसे पवित्र दिन होता है यह प्रदूषण पर्व का अंतिम दिन होता है इसमें जैन समाज अपने सभी प्रतिष्ठा ने बंद रखते हैं। और दिन भर पूजा अभिषेक, शांति धारा आरती तप, ध्यान, उपवास आदि किया जाता है अनंत चतुर्दशी के दूसरे दिन तपस्वी जो 10 दिनों तक उपवास या एक आशन करते हैं उन्हें दूसरे दिन पारणा कराते हैं व जैन समाज उनके तप त्याग की खूब-खूब अनुमोदना करते हैं। आज के दिन अचल शांतिनाथ भगवान की प्रतिमा पर प्रथम शांति धारा करने का सौभाग्य श्री दीपचंद जी जैन की स्मृति में प्रवीण जैन रवि जैन एवं परिवार को प्राप्त हुआ द्वितीय श्री जी की प्रतिमा में शांति धारा करने का सौभाग्य श्री स्वर्गीय नेमीचंद जी की स्मृति में, रमेश जैन जी महेंद्र जैन जी रितेश जैन मयूर जैन एवं परिवार को प्राप्त हुआ। शाम की महा आरती का सौभाग्य अनूप जैन युवराज जैन को प्राप्त हुआ। आज के निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य समाज के पंडित डीपी जैन जी अनुराग जैन को प्राप्त हुआ। जैन समाज इन सभी के पुण्य की खूब-खूब अनुमोदना करते हुए तालियो से स्वागत किया। अनंत चतुर्दशी के दिन शाम को शांति धारा का कार्यक्रम, शाम 7रू00 संगीतमय आरती का कार्यक्रम पूजा पाठ व रात में बाहर से आए हुए पंडित जी का प्रवचन इस प्रकार दिनभर जैन समाज में धार्मिक क्रियाएं होती है। आज के दिन सभी स्थापित मूर्तियों को बाहर निकाल कर अभिषेक एवं पूजा पाठ की जाती है। इस तरह जैन समाज ने पूरे 10 दिनों तक धूमधाम से पूजा पाठ करके 10 लक्षण पर्व मनाया समाज के अध्यक्ष दिनेश जैन सचिव अमित जैन एवं कमेटी ने पूरे विश्व और सभी जैन समाज के लोगों को अनंत चतुर्दशी की हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

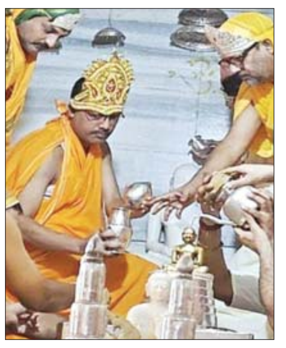

शिक्षक दिवस का किया गया आयोजन

नवापारा राजिम, 6 सितंबर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के दिन छुट्टी होने के कारण शाला में 6 सितंबर को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन पूजन अर्चन बाल कैबिनेट के विद्यार्थी विक्रम जाटव हर्ष बया सुमन निषाद जयंत साहू श्रवण ध्रुव, विद्यांचल मल्होत्रा ट्विशा कुमकुम देवांगन ने गुलाल लगाकर पेन श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया. शिक्षक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राजभवन रायपुर में गोपाल यादव प्रधानपाठक को राज्य शिक्षक राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त करके शासकीय नवीन प्राथमिक शाला दीनदयाल नगर नवापारा पहुंचने पर शालेय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा स्कूल प्रवेश द्वार पर उनका तिलक वंदन कर पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर गोपाल यादव ने एक फोटोकॉपी मशीन शाला ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

राजभवन में गोपाल यादव प्रधानपाठक को राज्य शिक्षक राज्यपाल पुरस्कार

जनपद उपाध्यक्ष ने पीएमश्री स्कूल बागबाहरा का किया निरीक्षण

विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुरूपयोग और नशापान से दूर रहने का दिया संदेश

बागबाहरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। बागबाहरा विकासखंड के अतंर्गत संचालित पीएमश्री स्कूल का जनपद पंचायत उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार ने आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रों के अभिभावकगण उपस्थित थे। उपाध्यक्ष श्री व्यवहार ने सभी क्लासों में जाकर सीधे बच्चों से संवाद किया। और विषयवार पढ़ाई के बारे में जानकारी लिया। बच्चों की मूलभूत सुविधाओं के बारे में भी जानकारी लिया। तथा सोशल मीडिया के दुरूपयोग और नशापान से दूर रहने एवं मन लगाकर पढ़ाई करने का संदेश देकर प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आप लोग स्कूल के छत के नीचे टेबल में बैठकर अच्छी शिक्षा हासिल कर रहे हैं। लेकिन आपके पालक आपके माता-पिता कड़ी धूप में रोजी मजदूरी कर वह खेती किसानी का काम कर रहे हैं। उन लोगों की मंशा है कि हमारे बच्चे पढ़ लिखकर एक अच्छा इंसान बने। और जिन तकलीफों से हम गुजर रहे हैं, उनको इन तकलीफों का सामना ना करना पड़े। एक बेहतर और अच्छा जीवन जी सके, इसलिए हमारे माता-पिता कड़ी मेहनत करते हैं। तो आप सब की जिम्मेदारी बनती है कि नियमित स्कूल आए। और अच्छे से पढ़ाई करें। घर जाकर होमवर्क करें। और जो सब्जेक्ट समझ में नहीं आता है, उसको अपने गुरुजनों से पूछे। सोशल मीडिया का सदुपयोग करें। और रील की जिंदगी से बाहर आकर रियल की जिंदगी को समझें। बच्चों से पूछने पर उन्होंने स्कूल में कुछ समस्या से जनपद उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार को अवगत करवाया। जिस पर जनपद उपाध्यक्ष ने स्कूल के प्राचार्य से बात कर तत्काल सुधार करवाने का निर्देश दिया है। स्कूल के प्राचार्य गजराज पाडे ने स्कूल की समस्त गतिविधियों के बारे में बताया। तथा व्याख्याता पंकज गिरी शर्मा ने स्कूल के निरीक्षण में उपाध्यक्ष जी का सहयोग किया। एवं स्कूल में संचालित समस्त गतिविधियों के बारे में बताया। वही प्राथमिक शाला की प्रधानपाठक श्रीमती केसर जोशी ने सभी क्लास रूम एवं बच्चों की सुविधा के बारे में जानकारी दिया।

डॉ मुकुटधर पांडेय स्मृति पुरस्कार से सम्मानित हुई शिक्षिका सुनीता यादव

बिलाईगढ़, 6 सितम्बर(देशबंधु)। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में राजभवन रायपुर में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के हाथों से सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले की शिक्षिका सुनीता यादव डॉ मुकुटधर पांडेय स्मृति पुरूस्कार से प्रशस्ति पत्र, शाल, चेक से सम्मानित हुई। वे जिले की प्रथम शिक्षिका हैं जो राज्यपाल शिक्षक सम्मान और डॉ मुकुटधर पांडेय स्मृति पुरूस्कार से सम्मानित हुई हैं। बरमकेला ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक स्कूल खिचरी की शिक्षिका सुनीता यादव को वर्ष 2025 का साहित्य के क्षेत्र में चार सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार में से एक पं मुकुटधर पांडे स्मृति अलंकरण से नवाजा गया। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष उपलब्धियों के लिए उन्हें सम्मान प्राप्त हुआ है।

वो कार्य जिसके कारण उन्हें पुरस्कार मिला

शिक्षिका सुनीता यादव एक नवाचारी शिक्षिका के रूप में जानी जाती है। वह कक्षा के अंतिम बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने हेतु प्रयासरत रहती है। साहित्य को शिक्षा से जोड़ कर बच्चों को अनुभव आधारित शिक्षा पर कार्य कर रही हैं। बच्चों को पोषण आहार और उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्वयं के व्यय से बच्चों को नियमित दूध वितरण करती है। अधिक से अधिक न्योता भोजन करवा कर बच्चों के पोषण आहार पर भी शिक्षिका कार्य कर रही है। यह जिले की पहली महिला शिक्षिका है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिपेक्ष्य में सारंगढ़-बिलाईगढ के प्राथमिक विद्यालय में आये परिवर्तन पर शोध पत्र लिखा है।

शिक्षिका सुनीता यादव ने अन्यत्र जिला बिलासपुर में भी आदिवासी बच्चों को शासकीय प्राथमिक विद्यालय तिलकडीह में निशुल्क अध्यापन समर कैंप चला कर की है। आईसीटी पर काम करते हुये बच्चों को दीक्षा एप, स्टोरी वीवर से पढ़ाती हैं।

बच्चों को सीखाने के लिए लघु फिल्म बनाकर शिक्षण देती है, जिसमें बच्चे और शिक्षिका सुनीता यादव अभिनय करते हैं। आडियो बुक, पाडकास्ट, ब्लागिंग, रिपोर्टर, रोजगार मूलक, शिक्षा स्मार्ट क्लास का संचालन कर रही है। इस उल्लेखनीय योगदान के कारण सुनीता यादव को पं मुकुटधर पांडे स्मृति अलंकरण पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

मुस्लिम समाज ने निकाला जुलूस

कुरूद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। पैगम्बर मोहम्मद साहब का पंद्रहवी जन्म शताब्दी को पुरे शानों शौकत के साथ मनाते हुए मुस्लिम समाज कुरूद द्वारा नात ए रसूल पढते हुए भव्य जुलूस निकाला गया। जामा मस्जिद में परचम कुशाई की रश्म अदा सलातो सलाम का नजराना पेश किया गया। इस मौके पर सियासी दलों के नेता एवं गणमान्य नागरिकों ने मुसलमान भाईयों को जश्ने ईद मिलादुन्नबी की बधाई दी।

शुक्रवार सुबह दस बजे ईदगाह मैदान कुरूद से ईदमिलादुन्नबी का जुलुस हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। जिसमें समाज के युवाओं ने हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लेकर सारे जहाँ से अच्छा हिन्दूस्तां हमारा के तराने गए, साथ ही मरहबा या मुस्तफा आका की आमद मरहबा जैसे नात की सदाएं बुलंद की। रंग बिरंगे पोशाक में सजे छोटे बच्चों ने हाथ में परचम ए इस्लाम लेकर जूलूस में भाग लिया। कारगिल चौक, सरोजनी चौक, पुराना बाज़ार होते हुए जुलूस जामा मस्जिद पहुंचा। जहाँ इमाम शेख अमानुल्ला कादरी, सदर अय्यूब खान, हाजी सुलेमान, सै.हसन अली, गफ्फार हलारी, हकीम खान,शेख़ बब्बू, यूनूस भाई, शेख सहाबुद्दीन,अहमद खान आदि ने परचम ए इस्लाम फहराया। इसके पूर्व गुरुवार रात में महफ़िल ए नात का शानदार प्रोग्राम हुआ। जिसमें समाज के बच्चों और नवजवानों ने पैगम्बर साहब की शान में नात पेश की। शेख सरफराज की अगुवाई में यंग ग्रुप्स द्वारा इस बार भी मस्जिद में बेहतरीन सजावट की गई। क्षेत्रीय विधायक अजय चन्द्राकर ने अपने संदेश में बताया कि आज पैग़म्बर मोहम्मद साहब का जन्मदिन और शिक्षक एक ही दिन पड़ा है। पैगम्बरे इस्लाम इंसानियत के लिए एक शिक्षक की तरह रहे, उन्होंने अपने जीवनकाल में ईल्म/ज्ञान, शिक्षा को बेहद तरजीह दी, आपने कहा था कि ईल्म हासिल करने के लिए चीन भी जाना पड़े तो जाओ। मोहम्मद साहब ने कहा था कि ईल्म हासिल करना हर मर्द-औरत पर फर्ज़ है, आलिम-ज्ञानी व्यक्ति की स्याही शहीद के खून से भी ज्यादा पाक है। उन्होंने कहा था कि सबसे खुबसूरत चीज जो इंसान अपने पीछे छोड़ सकता है, वह ज्ञान है जो आपके मृत्यु के बाद भी काम करता है। यह उन्ही का कौल है कि यदि कोई युद्धबन्दी चार इंसान को पढ़ना-लिखना सीखा दे तो उसे आजादी दे दो, विद्वानों की एकमात्र विरासत ज्ञान है। पूर्व केबिनेट मंत्री श्री चन्द्राकर ने मुस्लिम समाज को जश्ने ईद-मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। मस्जिद पहुंचे विधायक प्रतिनिधि भानु चन्द्राकर, भाजपा नेता शिवप्रताप ठाकुर, प्रकाश चैनवनी, खिलेन्द्र चन्द्राकर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आशीष शर्मा, महिम शुक्ला, मनोज अग्रवाल, प्रमोद साहू आदि ने भी मुसलमानों को गले लगा कर पर्व की बधाई दी। इस मौके पर लतीफ उस्मानी, जमाल रिजवी, शफी ख़ान, मो.युसुफ,मो.जमींल, सलिम गोरी, नजीर शेख, अख्तर खान, सहाबुद्दीन रिजवी, ताजुद्दीन, मेहबूब खान, इमरान बेग, इकबाल भाई, इसहाक खान, अमीन हलारी, इस्लाम रजा, रहिम कुरैशी, फरजान ख़ान, रिजवान रिजवी, सलामत, अरमान कुरैशी, फारूख, रिजवान हलारी, अरसद, मुस्तकिम, सलामत खान, फैज खान,कुर्बान खान, शमसू, मिनहाज, शफीक, मुजीब खान, गयासुद्दीन, इमरान गोरी, आबिद, मुस्तिकीम, रहमान, जावेद, अफताब, सोहेल, राजा,फिरोज खान, हमीद बेग, ताहिर, अरमान रजा, तैय्यब, तनवीर, रमजान, वाहिद, सरफराज, साहिल, जफर, यासीन, इनायत, वकार, यासीन, अफ़्तब्बुदिन शेख जाहिद, अयान, हनीफ खान आदि उपस्थित थे। यातायात एवं शांति व्यवस्था बनाए रखनें में पुलिस प्रशासन का सहयोग रहा।

शिक्षक दिवस पर सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ शिक्षक सम्मान समारोह

बागबाहरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बागबाहरा में शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष माननीय रूपनारायण सिन्हा रहे। अध्यक्षता विद्यालय संचालन समिति के सहसचिव श्री जोगेंद्र सिंह ने की तथा विशेष अतिथि के रूप में संचालन समिति के कोषाध्यक्ष श्री रामजी तिवारी मंचासीन रहे।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें शिक्षकङ्कशिष्य संबंध की महत्ता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि श्री सिन्हा ने अपने उद्बोधन में शिक्षकों को समाज का पथप्रदर्शक बताया और कहा कि उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यालय परिवार के योगदान की सराहना करते हुए शिक्षकों को राष्ट्रनिर्माण का सशक्त स्तंभ बताया।

इस अवसर पर किशोर भारती के भैयाङ्कबहनों द्वारा सभी आचार्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के प्राचार्य नंदूराम निर्मलकर के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

अग्र समाज के 18प्रतिभाओं का किया सम्मान किया

कुरूद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन में विगत 9 वर्षों से छत्तीसगढ़ प्रदेश में अग्र समाज के 18प्रतिभाओं का सम्मान किया जा रहा है इसी में श्री राजकुमार जी अग्रवाल द्वारा अग्र पुंज सम्मान जिसमें की प्रांतीय अग्रवाल समाज में 12वीं में सर्वश्रेष्ठ आने वाले छात्र को ?11000 रुपए एवं सम्मान प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र दिया जा रहा है जिसमें की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष श्री डॉ रमन सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रदीप मित्तल जी श्री गौरीशंकर अग्रवाल श्री संपत अग्रवाल जी श्री सियाराम अग्रवाल प्रांतीय अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल एवं सभी अतिथियों की आतिथ्य में रायपुर एन एस पैलेस में 18 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया श्री राजकुमार जी अग्रवाल द्वारा विगत 9 वर्षों से यह सम्मान दिया जा रहा है अब उनके पुत्र मनोज राजकुमार अग्रवाल द्वारा प्रांतीय सम्मान किया गया कक्षा 12वीं की सूची में सर्वश्रेष्ठ कुमारी मीमांसा अग्रवाल द्वारा 96.6 प्रतिशत अंक लाकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है एवं नित 2025 में 557 अंक लाकर उनका सिम्स बिलासपुर में एडमिशन हुआ है मीमांसा शुरू से ही मेहनत की और इस मुकाम को हासिल किया हम सभी मिलकर उनका सम्मान किया और भविष्य में आने वाले विभिन्न पदों पर इनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहे।

पलारी तहसील स्तरीय योग परिवार का पदाधिकारी चयन

पलारी 6 सितंबर (देशबन्धु) पलारी नगर के गायत्री मंदिर प्रांगण में पतंजलि परिवार की जिला स्तरीय बैठक रखी गई।

उक्त बैठक भारत स्वाभिमान न्यास के जिला अध्यक्ष हेमंत टिकरिहा के अध्यक्षता में पतंजलि के छ: संगठन भारत स्वाभिमान न्यास, योग समिति ,युवा भारत ,महिला पतंजलि, किसान सेवा समिति एवं सोशल मीडिया का संयुक्त बैठक रखी गई। उक्त बैठक में सभी संगठन के जिला अध्यक्ष एवं पलारी नगर में चल रहे योग कक्षाओं की समस्त योग साधक सम्मिलित हुए।

बैठक में जिले में चल रहे युवा कक्षाओं के विस्तार एवं 25 दिवसीय सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित करने संबंधी चर्चा की गई। पलारी तहसील में संगठन का विस्तार किया गया इसके अंतर्गत रामप्रकाश वर्मा को सभी संगठन का संरक्षक, राजकुमार यदु को भारत स्वाभिमान न्यास तहसील प्रभारी ,दिनेश साहु को पतंजलि योग समिति,संगठन प्रभारी शत्रुहन वर्मा,तहसील प्रभारी,आशीष ठाकुर को युवा भारत तहसील प्रभारी, भूपेंद्र वर्मा को युवा भारत सहतहसील प्रभारी, हेमलता कन्नौजे को महिला पतंजलि तहसील प्रभारी,फत्ते सेन को सोशल मीडिया तहसील प्रभारी एवं हेमलाल देवांगन को किसान सेवा समिति तहसील प्रभारी,सचिव राजेश कन्नौजे,सहसचिव हरेंद्र साहु, कोषाध्यक्ष रुपेंद्र सिंहा,एवं सदस्यों में प्रमुखता तुकाराम वर्मा, जगदीश पटेल,मंतराम वर्मा, टिकेश्वर साहु पटवारी,ओसराम साहु,रविकन्नौजे,विकास पटेल,मनहरण ध्रुव,उमेंद्र ठाकुर, हेमंत वर्मा, शत्रुहन पैकरा सुरज ठाकुर सहित सभी का चयन सर्वसम्मति से किया गया।

उक्त बैठक में जिला स्तरीय 25 दिवसीय सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण में सम्मिलित करने नगर एवं जिला के समस्त योग साधकों को पंजीयन कराने प्रेरित किया गया। साथ ही नि: शुल्क योग कक्षाओं की संख्या में वृद्धि संबंधी चर्चा एवं योजना बनाई गई। उक्त बैठक में पलारी नगर पंचायत के अध्यक्ष गोपी साहू पतंजलि योग समिति के जिला अध्यक्ष गंगा प्रसाद साहू, युवा भारत के जिला अध्यक्ष विष्णु देवांगन, महिला पतंजलि के जिला अध्यक्ष मीना साहू सोशल मीडिया के जिला प्रभारी लोकेश चन्द्र कनोजे एवं बड़ी संख्या में योग साधक गण उपस्थित थे।

भव्य जगराता कार्यक्रम

कोहका तिल्दा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। सिद्धि विनायक परिवार पुरानी बस्ती तिल्दा ने करवाए भव्य जगराता का कार्यक्रम स्वर्णा और गरिमा दिवाकर के सहयोगी गायक जयप्रकाश वर्मा और उनकी टीम गगन म्यूजिक द्वारा हर्षोल्लास के साथ गणेश जी पंडाल में धर्म जागरण स्वरूप कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य रूप से अमित सिंह चौहान (संचालक),राजू वर्मा रवि विश्वकर्मा,पंकज तिवारी, तेजेंद्र वर्मा,सजल गुप्ता,सूरज निषाद,सुनील यदु, पुष्कर वर्मा, करण गुप्ता,छोटू वर्मा,वैभव देवांगन,छोटू चौहान,कुंदन चौहान,संजू वर्मा,सोनू निषाद,सोनल वर्मा आदि उपस्थित थे।

पत्रकार को मिल रही जान से मारने की धमकी

तिल्दा-नेवरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। स्थानीय पत्रकार शैलेश सिंह राजपूत (उम्र 52 वर्ष, पिता कृष्ण सिंह, निवासी शंकर वार्ड क्रमांक-01, ग्राम सासहोली, तिल्दा-नेवरा) ने थाना तिल्दा-नेवरा में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर सुरक्षा की मांग की है।

शैलेश सिंह ने अपने आवेदन में बताया है कि उनके द्वारा नंदन इसमेटल्स से संबंधित समाचार प्रसारित किए जाने के कारण विपिन मोहंती नामक व्यक्ति द्वारा उन्हें लगातार गाली-गलौज करते हुए गंभीर धमकियाँ दी जा रही हैं। आरोपी ने यह भी कहा है कि यदि समाचार प्रकाशित किया गया तो वह उन्हें जान से मार देगा अथवा एक्सीडेंट करवा देगा। पत्रकार ने बताया कि आरोपी की इन धमकियों के कारण वे मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं और उन्हें अपनी जान को वास्तविक खतरा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

संत गोवर्धन शरण महाराज जी के द्वारा क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि एवं किसानों की उन्नत फसल की कामना के साथ मां शीतला के दरबार में खार पूजा किया गया

फिंगेश्वर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। किसान सेवा समिति एवं समस्त नगर वासियों के द्वारा माता शीतला में सुख शांति समृद्धि एवं खार पूजा क्षेत्र के बहुत ही प्रसिद्ध महात्मा संत श्री गोवर्धन शरण महाराज जी के द्वारा आज संपन्न हुआद्य वही माता शीतला के दरबार में नौ कन्याओं को नौ देवियों के रूप में पूजन प्रार्थना कर कलश यात्रा कर खार मैं विराज देवी देवताओं का पूजन आशीर्वाद लिया गयाद्य पूजा पश्चात माता शीतला के दरबार में संत गोवर्धन शरण जी महाराज एवं उपस्थित सम्मानीय अतिथि के द्वारा नीम का पौधा का रोपण किया गया द्य उपस्थित किसान भाइयों एवं मातृ शक्तियों को संत के द्वारा आशीर्वचन प्रदान कर क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि एवं क्षेत्र में धान की फसल को सभी बीमारियों से दूर रखकर मां शीतला सभी किसान भाइयों को अन्य धन से भरपूर रखे इसका आशीर्वाद संत के द्वारा दिया गयाद्य सम्मानीय अतिथि भागवत हरित, रामूराम साहू, राजेंद्र धनराज सूर्यवंशी, कमल यदु, दिनेश शर्मा भगवाताश्चर्य के द्वारा भी आशीर्वचन प्रदान कर क्षेत्र में सभी किसान भाइयों का धान की फसल और क्षेत्र की खुशहाली की मंगल कामना कर उपस्थित किसान भाइयों को माता शीतला शांति पूजा, खार पूजा की बधाई एवं शुभकामनायें दिये द्यजिसमें प्रमुख रूप से नगर प्रथम नागरिक अध्यक्ष राजेंद्र धनराज सूर्यवंशी, किसान सेवा समिति के संरक्षक राजा निलेन्द्र बहादुर सिंह, भागवत हरित, रामूराम साहू, बिसौहा हरित, अशोक राजपूत,दूजलाल बंजारे, एवं किसान सेवा समिति के अध्यक्ष योगेश नन्हा ठाकुर, उपाध्यक्ष संतु निषाद, नरेश लहरे, कोषाध्यक्ष रामाधीन साहू सचिव डोमार ध्रुव, सह सचिव छगन साहू कार्यकारणी अश्वनी विश्वकर्मा,अमरू निषाद हेमनारायण महिलाँग कमल यदु अनिल चंद्राकर जगदीश यदु रामलू टंडेकर,नरेंद्र रात्रे अभिषेक सोनी, कमलेश कश्यप हरिश हरित,ओमप्रकाश बंछोर हरनारायण सूर्यवंशी, शिव कुमार ठाकुर, नंदलाल ध्रुव भागीराम यादव कामता कश्यप सालिक ध्रुव दिलीप ध्रुव गैदलाल मंडले गेंद ध्रुव महेश ध्रुव घनश्याम हरित, पन्नालाल बंजारे, मोहन ध्रुव नरेंद्र साहू हुसैन देवर मनोज यादव भौगोलीय ध्रुव कुंज लाल यादव तरुमित्र समिति मनोज सोनकर सहित नगर के गणमान्य जन एवं किसान भाइयों व मातृ शक्तियो की उपस्थिति कार्यक्रम को सफल बनाने प्रार्थनीय रहीद्य अंतिम में किसान सेवा समिति के अध्यक्ष योगेश ठाकुर के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए नगर के गणमान्य जन, किसान भाइयो, मातृ शक्तियों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

पहली बार आयोजित राज्य स्तरीय शिप अबाकस प्रतियोगिता में पिथौरा सेंटर के बच्चों ने हुनर दिखाया

पिथौरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। सिप अबाकस ने छ. ग. में पहली बार अपना रीजनल प्रोडोजी प्रतियोगिता का आयोजन किया ।जिसमें सिप अबाकस के 20 सेंटरों से लगभग 1000 बच्चे शामिल हुए ।अपने महीनों के प्रयास से बच्चों ने महज 5 मिनट एवं 3 मिनट के समय सीमा में प्रश्न हल करते हुए अपना जीत हासिल किया। जिसमें पिथौरा सेंटर से अलग-अलग लेवल से विजयी बच्चों में नोमिता पटेल सेकण्ड रनरअप ,रूद्र प्रताप यादव सेकण्ड रनरअप,चिराग पटेल थर्ड रनरअप के रूप में जीत हासिल किये तथा निर्धारित अंक प्राप्त कर परफॉर्मर आवर्ड प्राप्त करने वाले बच्चों में तन्नू पटेल,सार्थक तिवारी, हर्षिता ओगरे,मोक्षा, द्रोण साहू,मानवी पटेल,रूद्र निषाद, रिद्धि पटेल,नीतीश बाघ, विहान प्रजापति शामिल हैं । सभी विजयी बच्चों ने अपने पिथौरा सेंटर का नाम रोशन किया है। सिप अबाकस बच्चों के मानसिक विकास दर में वृद्धि कर एकाग्रता लाने में सहायक होता है,इसलिए बच्चों को अबाकस क्लास लेना जरूरी हो जाता है।पिथौरा सेंटर के संचालक ललिता भोई,चेतना भोई एवं राजकुमार भोई ने पिथौरा सेंटर से विशेष रुचि रखने वाले पालक हितेश पटेल, पवन पटेल एवं सभी विजयी बच्चों एवं पालकों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जीएसटी कटौती का ढोंग: केंद्र की 'टू लेट' नीति से जनता ठगी गई, कांग्रेस की 'ग्रोथ सप्रेसिंग टैक्स' चेतावनी सही साबित : मुकेश

पिथौरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने की घोषणा को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस घोर छल और अवसरवादी कदम मानती है। यह निर्णय, जो केंद्र सरकार द्वारा जनता को राहत देने के नाम पर प्रचारित किया जा रहा है, वास्तव में आठ वर्षों की त्रुटिपूर्ण नीतियों का परिणाम है*, जिसने आम जनता, मध्यम वर्ग, छोटे व्यापारियों और अर्थव्यवस्था को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व जनपद उपाध्यक्ष मुकेश यादव ने इस संबंध में केंद्र सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली की कड़े शब्दों में निंदा की है।श्री मुकेश यादव ने अपने बयान में कहा, मोदी सरकार ने जीएसटी को एक राष्ट्र, एक करु के नाम पर लागू तो किया, किंतु इसे च्चाब्बर सिंह टैक्सज् में परिवर्तित कर दिया। 2016 में जब जीएसटी लागू किया गया, तब कांग्रेस ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि 18व्र से अधिक की दरें और जटिल स्लैब संरचना आम जनता और छोटे व्यापारियों पर भारी पड़ेंगी। आज, आठ वर्षों की देरी के बाद, सरकार ने हमारी मांग को स्वीकार तो किया, किंतु यह स्वीकारोक्ति केवल और केवल आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के राजनीतिक लाभ के लिए प्रेरित है। यह जनता के साथ छल है।जटिल संरचना और अनुपालन का बोझज् जीएसटी की मूल संरचना को जानबूझकर जटिल बनाया गया, जिसके कारण छोटे व्यापारियों को अनुपालन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। तस्क्ज्ञ-3क्करिटर्न में संशोधन की अनुमति न होना और कठोर प्रवर्तन नीतियों ने व्यापारियों को पेशेवर सहायता लेने के लिए मजबूर किया, जिससे उनकी लागत में वृद्धि हुई। सरकार ने दूध, दही, आटा, अनाज, बच्चों की किताबें, पेंसिल, ऑक्सीजन, बीमा और अस्पताल के खर्चों जैसी आवश्यक वस्तुओं पर भी जीएसटी थोपकर आम जनता को लूटने का कार्य किया। यह एक संवेदनहीन और गरीब विरोधी नीति थी, जिसे कांग्रेस ने शुरू से ही च्ग्रोथ सप्रेसिंग टैक्सज् करार दिया। ओर अंतत: सरकार को निर्णय वापस लेना पड़ा कही ना कही सरकार को डर सता रहा है घबराहट दिख रही है केंद्र सरकार का यह निर्णय बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले लिया गया है, जो इसकी राजनीतिक मंशा को स्पष्ट करता है। यह जनता को राहत देने की बजाय वोट बैंक को लुभाने का प्रयास है।श्री मुकेश यादव ने कहा,कांग्रेस पार्टी शुरू से ही एक सरल, पारदर्शी और जनहितकारी जीएसटी की पक्षधर रही है। हमारी मांग थी कि जीएसटी की अधिकतम दर 18व्र हो और यह छोटे व्यापारियों व आम जनता के लिए बोझ न बने। आज सरकार ने हमारी बात मानी, किंतु यह देरी और छल जनता को माफ नहीं है। यह जीएसटी 2.0 नहीं, बल्कि टू लेट नीति है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस केंद्र सरकार से मांग करती है कि वह अपनी गलतियों को स्वीकार करे और जीएसटी को वास्तव में च्गुड एंड सिम्पल टैक्सज् बनाने की दिशा में तत्काल कदम उठाए। यह जनता और छोटे कारोबारियों की जीत है, जिसका श्रेय कांग्रेस की दशकों की लड़ाई को जाता है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय गरियाबंद में शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

गरियाबंद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय गरियाबंद में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण व सरस्वती वंदना से हुई। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर शिक्षकों का सम्मान किया। इस दौरान शाला विकास समिति के अध्यक्ष ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए कलम भेंट की और विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारण का संदेश दिया। मिडिल एचएम नरगिस कुरैशी ने शिक्षक दिवस का महत्व बताया, वहीं किशोर साहू ने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा हथियार बताया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, भाषण समेत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शिक्षकों के लिए खेलकूद भी आयोजित हुआ, जिसमें सभी ने आनंद लिया।

मंत्री टंकराम ओटगन में विभिन्न मंदिरों के दर्शन पश्चात ग्रामीणों से हुए रुबरू

सिमगा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। समीपस्थ ग्राम ओटगन में शुक्रवार को केबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक टंकराम वर्मा का आगमन हुआ। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। मंत्री टंकराम वर्मा के साथ नगरपालिका तिल्दा नेवरा के अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, भाजपा जिला रायपुर ग्रामीण के महामंत्री अनिल अग्रवाल, पार्षद रानी जैन, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सौरभ जैन ने सर्वप्रथम प्राचीन रामजानकी मंदिर में पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए तथा मंदिर परिसर में नव निर्मित शिव मंदिर का दर्शन किया। मंत्री ने मंदिर परिसर में शौचालय निर्माण का निरीक्षण कर परिसर में एक रंगमंच बनाने घोषणा की। उन्होंने ग्राम के विभिन्न गणेश पांडालों में जाकर भगवान के दर्शन कर समिति के सदस्यों से रुबरू हुए। तत्पश्चात ग्राम के महामाया मंदिर में पूजा में शामिल हुए एवं मंदिर परिसर में निर्माणाधीन रंग मंच का निरीक्षण किया। इस दौरान सरपंच हिमांशु तिवारी ने ग्राम विकास के लिए मंत्री वर्मा से विभिन्न मांगों पर चर्चा किया। जिसे पुरा करने का आश्वासन मंत्री ने दिया। वहीं गांव के शासकीय जमीनों पर अंधाधुंध हो रहे अतिक्रमण की शिकायत तहसीलदार से अनेकों बार करने व कार्यवाही नहीं होने की शिकायत ग्रामीणों ने की। जिस पर केबिनेट मंत्री वर्मा ने एसडीएम एवं तहसीलदार को फटकार लगाते हुए त्वरित कार्यवाही करने निर्देशित किया। उक्त अवसर पर सरपंच हिमांशु तिवारी, उपसरपंच खेमिन ध्रुव, पूर्व सरपंच मधुसुदन धर दीवान, पंच सियाराम साहू, सरपंच लांजा ओमप्रकाश बंजारे, सरपंच बिनैका मुकेश बंजारे, श्रीरामसेवक परिवार से विजय सोनवानी, उमेश साहू, ललित मिझ्रा, रोहित यादव, सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सिहावा विधायक अंबिका मरकाम ने मुस्लिम समाज को दी ईद की शुभकामनाएँ

नगरी, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। सिहावा विधायक अंबिका मरकाम ने ईद मीलादुन्नबी के पावन अवसर पर मुस्लिम समाज के लोगों से मुलाकात कर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने नगरी में मुस्लिम समाज के भाइयों के साथ सेवाएं वितरण कर ईद की खुशियों में सहभागिता निभाई। इसके साथ ही पाइकभाठा में आयोजित ईद कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मुस्लिम समाज के साथ मिलकर भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया। विधायक मरकाम ने जनपद सदस्य हनीफ खान के निवास पर पहुँचकर उन्हें व उनके परिवार को ईद की मुबारकबाद दी और समाज के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद किया।

विधायक अंबिका मरकाम का उद्बोधन

विधायक मरकाम ने मुस्लिम समाज को संबोधित करते हुए कहा कि ईद त्याग, बलिदान और भाईचारे का त्योहार है। यह हमें एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होकर समाज में सद्भाव और एकता को मजबूत करने का संदेश देता है। सिहावा की धरती पर सभी धर्म और समाज के लोग मिल-जुलकर रहते हैं, यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। ईद-मीलादुन्नबी को 'कुर्बानी का त्योहार' भी कहा जाता है। यह त्याग और आस्था का प्रतीक पर्व है, जिसमें इंसानियत, भाईचारे और सहयोग की भावना को सर्वोपरि माना जाता है। समाज के लोग इस दिन नमाज़ अदा कर, जरूरतमंदों की मदद करते हैं और एक-दूसरे से गले मिलकर खुशी साझा करते हैं। सिहावा क्षेत्र में मुस्लिम समाज शिक्षा, सामाजिक कार्य और सांस्कृतिक गतिविधियों में निरंतर योगदान देता रहा है। समाज ने हमेशा भाईचारे, एकता और सहयोग की मिसाल कायम की है। ईद जैसे पर्व समाज के आपसी रिश्तों को और सुदृढ़ करते हैं तथा विभिन्न समुदायों को एक सूत्र में जोड़ते हैं। विधायक मरकाम ने समाज को आश्वस्त किया कि उनकी हर समस्या और आवश्यकता के समाधान के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि आपसी सद्भाव और भाईचारे की इस परंपरा को आगे बढ़ाएँ।

गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ

◆गरियाबंद में गणेशोत्सव का उल्लास, नम आँखों से दी गई विदाई

गरियाबंद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। शनिवार को अनंत चतुर्दशी के दिन नगर के विभिन्न चौक-चौराहों और घरों में विराजित गणेश प्रतिमा का श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ विसर्जन हुआ। ढोल-ताशों की थाप, गुलाल की बौछार और जयकारों के बीच आकर्षक प्रतिमाएँ छिंद तालाब विसर्जन स्थल के लिए रवाना हुई तो सड़क के दोनों ओर दर्शन के श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने प्रथम पूज्य गणेश से सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। उल्लेखनीय है गणेश प्रतिमाओं का बल-स्वरूप और कलात्मक सजावट इस बार भी खास रही। तालाब किनारे जैसे ही बप्पा को विदाई दी गई, श्रद्धालुओं की आँखें नम हो गई। अंतिम क्षण तक भक्त गणेश प्रतिमा को निहारते रहे। इसके साथ ही गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के नारे भी लगाए। इधर, पुराना मंगल बाजार स्थित सिन्हा परिवार की गणेश स्थापना हमेशा की तरह विशेष आकर्षण रही। लगातार 53 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में प्रतिदिन सामूहिक आरती और मोदक प्रसाद का आयोजन हुआ।

परिवार के धरमीन बाई सिन्हा, बुद्धि देवी सिन्हा, लक्ष्मी सिन्हा, रेणुका सिन्हा, भारती सिन्हा, किरन सिन्हा, रचना केला, मोनिका सिन्हा और लीना वंदना ने मिलकर मंत्रोच्चार और आरती के साथ बप्पा को भावभीनी विदाई दी। विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन और नगर पालिका की टीम तैनात रही।

भारतीय डाक विभाग के इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा 8 से 10 सितम्बर तक विशेष दुर्घटना बीमा शिविर

पिथौरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। महासमुंद, बसना, सरायपाली और बागबाहरा डाकघरों में 8 से 10 सितम्बर 2025 तक डाक विभाग एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) द्वारा विशेष दुर्घटना बीमा शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग के नागरिक मात्र 350 से 750 वार्षिक प्रीमियम पर ?5 लाख से लेकर ?15 लाख तक का दुर्घटना बीमा कवर प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल आमजन को कम लागत में उच्च सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है। भारत सरकार के वित्तीय समावेशन ( ) के लक्ष्य को साकार करने में इंडिया पोस्ट अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। देश के हर कोने और गाँव-गाँव तक फैले डाकघरों और डाक सेवाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक बैंकिंग एवं बीमा सेवाएँ आसानी से पहुँचें। इस विशेष शिविर से आमजन विशेष रूप से लाभान्वित होंगे और न्यूनतम प्रीमियम पर जीवन की अनिश्चितताओं के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर सकेंगे। महासमुंद सरायपाली,बागबाहरा में कैंप डाकघर भवन में आयोजित है वहीं बसना में श्रीवास्तव वस्त्र भंडार के पास बस स्टैंड में शिविर लगाया जा रहा है इसके माध्यम से आम जनता को लाभान्वित कर उनके सुरक्षित भविष्य ,परिजनों के लिये के लिए कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

दतान प विद्यालय में रजत जयंती कार्यक्रम

पलारी, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। दतान प में रजत जयंती कार्यक्रम अंतर्गत साक्षरता रैली का आयोजन किया गया जिसमें साक्षरता जागरूकता रैली का भ्रमण ग्राम में किया गया साथ ही छात्र छात्राओं ने साक्षरता जागरूकता संबंधी सांस्कृतिक गतिविधि के रूप में साक्षरता हेतु जागरूकता प्रदान करने का एक प्रयास किया सभी छात्र छात्राओं ने बहुत अधिक सकारात्मक रूप से सभी कार्यक्रमों में भाग लिया विद्यालय परिवार द्वारा छात्र छात्राओं को प्रेरित किया गया उक्त अवसर पर प्रधान पाठक श्रीमती देवकी ध्रुव,श्रीमती अनिता रात्रे,श्रीमती संध्या पैकरा, श्रीमती सरस्वती वर्मा कमलेश कुमार साहू अभिषेक महोबे,श्रवण कुमार साहू,प्रकाश कुमार सेन शिव कुमार वर्मा देवेश साहू,घनश्याम साहू,वीरेंद साहू,दिलीप साहू,खिलार साहू,सुदेश विश्वकर्मा, तेजराम साहू, मधु फेकर सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में सेवा निवृत्त शिक्षकों का सम्मान समारोह

गरियाबंद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय गरियाबंद में श्री भूतेश्वर नाथ बाल संस्कार समिति द्वारा शनिवार को सेवा निवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सेवा. प्रधान पाठक नंदकुमार वर्मा व केसर कुमार निर्मलकर शामिल हुए। विशेष अतिथि के रूप में केशव राम साहू, थनवार राम ठाकुर, गंगासागर, महेश्वर प्रसाद दुबे, उदेराम ध्रुव, कन्हैया लाल सोनवानी, नोहर सिंह वर्मा, राजेंद्र सिंह परिहार और चैन सिंह बघेल उपस्थित हुए। समिति ने श्रीफल, साल, डायरी और उपहार भेंट कर सभी का सम्मान किया। भैया-बहनों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा चिकित्सा विद्यालय के लिए चयनित छात्र रमन ध्रुव व मौर्य कांत कृषाणु ने अपने अनुभव साझा किए। उनके परिजन सुरेश कुमार ध्रुव व श्रीमती टिकेश्वरी मौर्य ने बच्चों को लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सत्य प्रकाश मानिकपुरी, वर्षा तिवारी, मनोज चंद्राकर सहित सभी आचार्य-दीदी व भैया-बहनों की उपस्थिति रहीं।

सरिया पुलिस ने ग्राम डुमरसिंघा में मोटरसाइकिल सहित 2 अवैध शराब परिवहनकर्ता को किया गिरफ्तार

बिलाईगढ़ 6 सितंबर(देशबंधु)। थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल नेतृत्व में थाना सरिया पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर 40 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ 02आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुई है। दिनांक 05/09/25 को दौरान पेट्रोलिंग मुखबिर से सूचना मिला कि दो व्यक्ति एक बजाज सीटी 100 मोटर सायकल में भारी मात्रा में उड़ीसा से अवैध कच्ची महुआ शराब लेकर बड़े नवापारा तरफ आ रहे है की सूचना पर ग्राम डुमरसिंघा, बादीमुड़ा तालाब के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को रंगे हाथ शराब के साथ पकड़ा गया। आरोपी शिव सारथी और संतोष चौहान के कब्जे से 20—20 लीटर के दो जरीकेन में भरा कुल 40 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 8000रु, एक बजाज सीटी 100 मोटर सायकल कीमती ?15000 जुमला कीमती 23000 रु को जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2),59 (क)आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। प्रकरण की सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, सउनि सुमन चौहान, आर. श्रवण टंडन,दिलीप स्नेही,ताराचंद , नर्मदा यादव ,और समस्त थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

पर्यूषण पर्व के समापन अवसर पर भगवान अनंतनाथ की निकली

सिमगा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। पर्यूषण पर्व में जैन समाज के लोगों के द्वारा इन दस दिनों में उत्तम क्षमा उत्तम मारदव उत्तम आरजव उत्तम सत्य उत्तम शौच उत्तम संयम उत्तम तप उत्तम त्याग उत्तम आकिंचन उत्तम ब्रह्मचर्य का आराधना किया गया। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सिमगा से दोपहर 3:00 बजे भगवान अनंतनाथ की शोभायात्रा बाजे गाजे के साथ नगर के प्रमुख मार्गो में निकाली गई। जहां जैन धर्मावलंबियों ने अपने अपने घरों के सामने श्री जी की पालकी पहुंचने पर भगवान की मंगल आरती किये दस दिनों तक महापर्व पर्यूषण पर्व में मंदिर जी में प्रतिदिन प्रात:काल विधि विधान के साथ भगवान का अभिषेक पूजन किया गया वहीं संध्या के समय भगवान की मंगल आरती किये, शोभायात्रा के उपरांत मंदिर जी में फूलमाल एवं ज्ञानमाल की बोली हुई फूलमाल की बोली रूपकुमार जैन एवं ज्ञान माल की बोली संजय जैन परिवार ने ली शोभायात्रा में समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नन्हें हृदयों ने यूँ जताया प्यार, गुरुजनों के नाम समर्पित शिक्षक दिवस

बिलाईगढ़ 6 सितंबर(देशबंधु)। विकास खण्ड बिलाईगढ़ के शासकीय प्राथमिक शाला बांसउरकुली में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम बड़े ही आत्मीय और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। विद्यालय के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपने छोटे-छोटे हाथों से बनाए गए गुलदस्तों और कार्ड से शिक्षकों का स्वागत कर सभी का मन मोह लिया। गुरु दीपक की भाँति होते हैं, जो स्वयं जलकर दूसरों का मार्ग आलोकित करते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानपाठक विनोद कुमार डडसेना द्वारा माँ सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात बच्चों ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावनाओं से सराबोर कर दिया। रंग-बिरंगी वेशभूषा में बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य, कविता-पाठ, भाषण और गीत ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के शिक्षक जीतेन्द्र गिरि

गोस्वामी ने बच्चों को संबोधित करते हुए शिक्षक दिवस का महत्व समझाया। उन्होंने कहा— च्शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माणकर्ता और राष्ट्र निर्माता हैं।ज् उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं, बल्कि श्रेष्ठ नागरिक बनना भी है। शिष्य का आदर ही गुरु का सबसे बड़ा सम्मान है।बच्चों ने अपने गुरुजनों को श्रीफल और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद सबने मिलकर केक काटा और इस क्षण को उल्लासपूर्वक साझा किया। कार्यक्रम के समापन पर बच्चों को मिष्ठान्न और चॉकलेट वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और भी बढ़ गई। कार्यक्रम में शाला के शिक्षकगण प्रधानपाठक विनोद कुमार डडसेना, शिक्षिका सरिता कहार, शिक्षक जीतेन्द्र गिरि गोस्वामी ,शिक्षिका ज्योति खड़िया, रसोइया राधा बाई, मानकी बाई यादव की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रधानपाठक विनोद कुमार डडसेना ने कहा कि च्गुरु-शिष्य का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि यह विश्वास, स्नेह और आत्मीयता का बंधन है।ज् राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। गुरु वह है, जो शिष्य को यह नहीं बताता कि क्या सोचना है, बल्कि यह सिखाता है कि स्वयं कैसे सोचना है।

निधन

श्रीमती रमन अग्रवाल

रायपुर, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। 304, समृद्धि एवेन्यू, अवंती विहार निवासी श्रीमती रमन अग्रवाल (ग्वालियर वाले) का निधन शनिवार, दिनांक 6 सितंबर, 2025 को हो गया है। वे 72 वर्ष की थीं। उनकी अंतिम यात्रा आज, दिनांक 7 सितंबर, 2025 को उनके निवास स्थान से सुबह 11 बजे मारवाड़ी मुक्ति धाम के लिए निकलेगी। वे कृष्ण कुमार जी अग्रवाल की धर्मपत्नी, ज्योति, रश्मि और अभिषेक अग्रवाल की माता और डॉ. चंदन अग्रवाल व अजय अग्रवाल की चाची थीं।

प्रादेशिकी का शेष...

भयादोहन मामले में शामिल...

पुलिस द्वारा जांच विवेचना कार्यवाही करते हुए आरोपिया अनुरिता बंजारे उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम बकरकूदा थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर को हिरासत में लिया गया, जिससे पूछताछ करने पर उसके द्वारा पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों के साथ मिलकर भयादोहन करते हुए प्रार्थी से रकम वसूलना स्वीकार किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपिया को 4 सितम्बर 2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समस्त प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।

शिक्षक दिवस का किया...

को भेट किया.'

शिक्षिका श्रीमती त्रिपदा बॉसवार ने कहा कि शिक्षक न केवल बच्चों को किताबी ज्ञान देते है बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान बनाते हैऔर जीवन जीने की कला सिखाते हैं। शिक्षिका योगिता साहू ने संस्था प्रमुख गोपाल यादव को राज्यपाल पुरस्कार के लिए बधाई देते हुए कहा हमारे नगर एवं शाला के लिए बहुत गर्व की बात है।

दिगंबर जैन समाज का पर्यूषण पर्व का अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य

आज वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक पर निर्माण लाडू चढ़ाया

नवापारा राजिम , 6 सितंबर (देशबन्धु)। नवापारा नगर में दिगंबर जैन समाज के द्वारा पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व का दसवां दिन उत्तम ब्रह्मचर्य बड़े ही भक्ति भाव के साथ संपन्न किया गया। प्रात: काल से ही जैन भवन में अभिषेक,शांति धारा एवं पूजन संपन्न की गई।

आज वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर निर्माण लाडू चढ़ाया गया, निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य जयकुमार उषा श्रेणिक मयूरी श्रद्धा वैदेही विनम्र चौधरी परिवार तथा सनत साकेत मिवान कविता अनुष्का वामा चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात संगीत में पूजन द्वारा 10 लक्षण पूजन संपन्न कराई गई। दोपहर में 1:30 बजे सदर रोड स्थित श्री शांति नाथ जिनालय से घट यात्रा निकाली गई घटयात्रा में पुरुष वर्ग के द्वारा मेरी भावना का पाठ का वाचन किया गया तथा सभी महिलाएं अपने सर पर मंगल कलश रखकर त्रिवेणी संगम से जल लेकर भगवान के अभिषेक हेतु जैन भवन पहुंची। वहां श्री जी को अस्थाई वेदी से उठाकर पांडुकशिला में विराजमान किया गया।

जैन भवन में प्रतिवर्ष साल में एक बार फूल माल की बोली लगाई जाती है फूल माल में सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र की बोली लगाई गई। तत्पश्चात श्री जी को गाजे बाजे के साथ पूरी समाज के द्वारा श्री शांतिनाथ जिनालय पुन: वापस लेकर आया गया। तथा मंदिर जी के शिखर पर ध्वजा स्थापित किया गया।

30 श्रद्धालुओं ने किए दस दिन का उपवास: दस लक्षण के शुभ अवसर पर जैन समाज के लगभग 30 लोगों ने उपवास किए जिनके नाम विमल सिंघई, अरुणा महेंद्र जैन, कामिनी चौधरी, संगीता नवरंग सिंघई, अखिलेश जैन, आशीष विनोद जैन, एकता राजकुमार जैन, नीलम आकाश जैन, नेहा स्वप्निल चौधरी, शिल्पा विक्की चौधरी, अनुष्का साकेत चौधरी, श्रद्धा पंकज जैन, शिवानी संदीप नाहर, सुरभि सोनम सिंघाई, रूही जैन, मेघा रावका, अनुभव जैन, श्रुति जैन, अभिजीत चौधरी, आन्या चौधरी, अतिशय चौधरी, श्री जैन, संस्कार गंगवाल तथा आराध्य गदिया दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के द्वारा आपकी तपस्या की सुख साता पूछते हुए, आपके पुण्य की खूब खूब अनुमोदना की गई।

बाल ब्रह्मचारी प्रिंस भैया के द्वारा जैन भवन में शाम सात बजे सामूहिक प्रतिक्रमण कराया गया: शाम को 7 बजे बाल ब्रह्मचारी प्रिंस भैया के द्वारा जैन भवन में सामूहिक प्रतिक्रमण कराया गया जिसमें पूरी समाज के पुरुष महिला एवं बच्चे सभी ने सम्मिलित होकर संसार के समस्त प्राणियों से क्षमा मांगी तथा सभी को क्षमा किया आदरणीय प्रिंस भैया ने उत्तम ब्रह्मचर्य की महत्ता को बताते हुए बताया कि ब्रह्मचर्य एक अत्यंत व्यापक शब्द है। इसका अर्थ है ब्रह्मचर्य का कठोर रूप धारण करके शारीरिक शुद्धता बनाए रखना। (ब्रह्म) का अर्थ है आत्मा, जो पवित्र, प्रबुद्ध, शाश्वत और आनंदमय है। आत्मा में पूर्णत: लीन हो जाना ही ब्रह्मचर्य है। पवित्रता का व्रत पुरुष और स्त्री दोनों का आभूषण है; यह शुभ गुणों से गुथी हुई माला है और स्वर्ग का द्वार है। इस प्रकार दिगंबर जैन समाज के द्वारा पयूषण पर्व का समापन किया गया।

शिक्षक दिवस पर डॉ. राधेश्याम पटेल पूर्व राज्यपाल रमेश बैस के हाथों हुए सम्मानित

बलौदाबाजार, 6 सितंबर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के अवसर पर श्री महंत लालदास महाविद्यालय सभागार शिवरीनारायण में शिक्षक सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में त्रिपुरा, झारखंड और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल महामहिम रमेश बैस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत डा. राम सुंदरदास जी महाराज अध्यक्ष श्री महंत लालदास शिक्षण समिति शिवरीनारायण ने किया। जहां बलौदाबाजार के शिक्षाविद और साहित्यकार डॉ राधेश्याम पटेल को उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस सम्मान के लिए पटेल समाज के अलावा शुभचिंतको ने श्री पटेल को बधाई देते हुए शुभकामनाऐं दी हैं।

ज्ञात हो कि डॉ राधेश्याम पटेल भूगोल, हिंदी, राजनीति शास्त्र, लोक प्रशासन, एवं दर्शन शास्त्र में एम,ए,की डिग्री प्राप्त की हैं। वे विधि स्नातक के साथ साथ हिंदी में पीएच.डी. भी है। वे अपने शिक्षकीय कार्यकाल में विभिन्न समाजिक व रचनात्मक कार्यक्रमों के अलावा पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष रूप से जाने जाते हैं। डा. पटेल के इस सम्मान के लिए भारत स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष रामाधार पटेल, भारत माता सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष टेसूलाल धुरंधर, खोडस राम कश्यप, विनय गुप्ता, हरहिदा पटेल समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र पटेल, मरार पटेल समाज महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बी.आर. पटेल, रामचंद पटेल, भागचंद पटेल, रघुनाथ प्रसाद पटेल, घनश्याम पटेल, पोषण पटेल, रोहित पटेल, दीपक पटेल, भूपेन्द्र पटेल, राजेन्द्र पटेल, राजू पटेल, नागेश्वर पटेल, संजू पटेल, आनंद अग्रवाल, यशवर्धन वर्मा, जे पी धुरंधर, पहलवान सिंह सेन, अधिवक्ता भागचंद कैवर्त्य, भरत पटेल, जागेश्वर पटेल, ढलेश्वर पटेल, डा. इन्द्रजीत पटेल, रामखिलावन वर्मा, सहित मित्रगणों ने बधाई दी है।

जिपं उपाध्यक्ष भीखम ने कौंसरा में किया रंगमंच भवन शेड का लोकार्पण

बागबाहरा, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। बागबाहरा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत कौंसरा में रामायण मानसगान कार्यक्रम में पहुंचकर मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने जिला पंचायत विकास निधि के अंतर्गत नवनिर्मित रंगमंच भवन शेड का लोकार्पण ग्रामीणों की मौजूदगी में किया गया। उन्होंने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सरकार में प्रदेश में विकास कार्य जोरों से हो रहा है। सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके मूलभूत बुनियादी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। ताकि लोगों को शासन के योजनाओं का लाभ मिलता रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत कौंसरा के युवा सरपंच दिलेश कुमार साहू, उपसरपंच दिनेश कुमार साहू, मंच संचालक हरिराम यादव, सेवक राम ध्रुव, दिनेश ध्रुव, धनंजय ध्रुव, ग्राम प्रमुख उदेराम, तुला राम साहू आदि उपस्थित रहकर ग्रामवासियों के बीच संवाद करने और कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात कही है। यहाँ आयोजित लोकार्पण एवं रामायण मानसगान कार्यक्रम में ग्रामीणजन समेत धर्म प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान का पर्व आज से

राजिम, 6 सितंबर (देशबन्धु)। इस बार पितृपक्ष को लेकर धर्म नगरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की पहुंचने की संभावना है वैसे भी त्रिवेणी संगम में इस बार नदी के दोनों पाट में पानी भरा हुआ है। यहां के प्रमुख घाट इनमें सोनतीर्थ घाट, अटल घाट, संगम घाट, नेहरू घाट, बेलाही घाट इत्यादि में देशभर से लोग पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों के आत्मा की तृप्ति के लिए तर्पण हेतु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। स्नान करने के उपरांत हाथ में कुश इत्यादि सामग्रियां होते हैं और पिंडदान करते हुए तर्पण किया जाता है। बताना होगा कि इस बार पितृ पक्ष का आरंभ पूर्णिमा श्राद्ध रविवार 7 सितंबर से शुरू हो रहा है। जबकि प्रतिपदा श्रद्धा 8 सितंबर दिन सोमवार को है। नवमी श्राद्ध 15 सितंबर तथा सर्व पितृ अमावस्या 21 सितंबर दिन रविवार है। उल्लेखनीय है कि वर्ष में एक बार पितृ पक्ष आते हैं इस पक्ष के दौरान श्राद्ध कर्म व दान पुण्य करने का अधिक महत्व बताया जाता है। इस साल पितृ पक्ष की शुरुआत भाद्रपद पूर्णिमा से होगी और समापन आश्विन मास की अमावस्या तक होगी पितृ पक्ष 15 दिनों तक चलते हैं। पितृ पक्ष में पितरों की मृत्यु तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है इसमें देवताओं मृतकों के नाम और गोत्र का उच्चारण कर जल अर्पित करते हैं। पुराणों के मुताबिक मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में जीव को मुक्त कर देते हैं ताकि वह स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। श्राद्ध स्त्री या पुरुष को भी कर सकता है श्रद्धा से कराया गया भोजन और पवित्रता से जल का तर्पण ही श्राद्ध का आधार है।

प्रतिपदा श्रद्धा 8 , नवमी श्राद्ध 15 तथा पितृ मोक्ष अमावस्या 21 सितंबर रविवार को

श्रद्धा का महत्व: पितृपक्ष एक ऐसा समय है जो पितरों को समर्पित होता है, इस अवधि में पितरों का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जाता है इससे पूर्वजों की आत्मा को शांति और मोक्ष मिलता है। इसके अलावा पितृदोष से भी मुक्ति मिलती है और परिवार को स्वस्थ समृद्धि और खुशहाली मिलती है। पितृपक्ष में पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान और प्रेम व्यक्त करने से पितर प्रसन्न होकर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। पितृपक्ष में कौवा, कुत्ता और चीटियां जैसे जिओ के लिए भोजन निकलना भी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि माना जाता है कि वह पूर्वजों का प्रतिनिधित्व करते हैं। बताया जाता है कि पितृपक्ष में किसी भी तरह की शुभ कार्य जैसे विवाह गृह प्रवेश मुंडन या नए व्यवसाय की शुरुआत नहीं करना चाहिए मांस और शराब जैसे तामसिक भोजन का सेवन से भी दूर रहना चाहिए।

प्रमुख तिथियां: पंडित बाबूलाल चतुर्वेदी पंचांग के अनुसार 7 सितंबर रविवार भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा श्राद्ध, 8 सितंबर सोमवार आश्विन कृष्ण प्रतिपदा श्राद्ध, 9 सितंबर मंगलवार द्वितीया श्राद्ध, 10 सितंबर बुधवार तृतीया, चतुर्थी श्राद्ध, 11 सितंबर गुरुवार चतुर्थी श्राद्ध, 12 सितंबर शुक्रवार पंचमी श्राद्ध, 13 सितंबर शनिवार षष्ठी श्रद्धा, 14 सितंबर रविवार सप्तमी श्राद्ध, 15 सितंबर सोमवार अष्टमी और नवमी श्राद्ध, 16 सितंबर मंगलवार दशमी श्राद्ध, 17 सितंबर बुधवार एकादशी श्राद्ध, 18 सितंबर गुरुवार द्वादशी श्राद्ध, 19 सितंबर शुक्रवार त्रयोदशी श्राद्ध, 20 सितंबर शनिवार चतुर्दशी श्राद्ध, 21 सितंबर रविवार पितृ मोक्ष अमावस्या के बाद 22 सितंबर दिन सोमवार से नवरात्र प्रारंभ हो जाएंगे।

संत गोवर्धन शरण महाराज ने क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि और उन्नत फसल की कामना के साथ खार की पूजा

फिंगेश्वर, 6 सितंबर (देशबन्धु)। किसान सेवा समिति एवं समस्त नगर वासियों के द्वारा माता शीतला में सुख शांति समृद्धि एवं खार पूजा क्षेत्र के बहुत ही प्रसिद्ध महात्मा संत श्री गोवर्धन शरण महाराज जी के द्वारा आज संपन्न हुआद्य वही माता शीतला के दरबार में नौ कन्याओं को नौ देवियों के रूप में पूजन प्रार्थना कर कलश यात्रा कर खार मैं विराज देवी देवताओं का पूजन आशीर्वाद लिया गयाद्य पूजा पश्चात माता शीतला के दरबार में संत गोवर्धन शरण जी महाराज एवं उपस्थित सम्मानीय अतिथि के द्वारा नीम का पौधा का रोपण किया गया द्य उपस्थित किसान भाइयों एवं मातृ शक्तियों को संत के द्वारा आशीर्वचन प्रदान कर क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि एवं क्षेत्र में धान की फसल को सभी बीमारियों से दूर रखकर मां शीतला सभी किसान भाइयों को अन्य धन से भरपूर रखे इसका आशीर्वाद संत के द्वारा दिया गयाद्य सम्मानीय अतिथि भागवत हरित, रामूराम साहू, राजेंद्र धनराज सूर्यवंशी, कमल यदु, दिनेश शर्मा भगवाताश्चर्य के द्वारा भी आशीर्वचन प्रदान कर क्षेत्र में सभी किसान भाइयों का धान की फसल और क्षेत्र की खुशहाली की मंगल कामना कर उपस्थित किसान भाइयों को माता शीतला शांति पूजा, खार पूजा की बधाई एवं शुभकामनायें दिये द्यजिसमें प्रमुख रूप से नगर प्रथम नागरिक अध्यक्ष राजेंद्र धनराज सूर्यवंशी, किसान सेवा समिति के संरक्षक राजा निलेन्द्र बहादुर सिंह, भागवत हरित, रामूराम साहू, बिसौहा हरित, अशोक राजपूत, दूजलाल बंजारे, एवं किसान सेवा समिति के अध्यक्ष योगेश नन्हा ठाकुर, उपाध्यक्ष संतु निषाद, नरेश लहरे, कोषाध्यक्ष रामाधीन साहू सचिव डोमार ध्रुव, सह सचिव छगन साहू कार्यकारणी अश्वनी विश्वकर्मा, अमरू निषाद हेमनारायण महिलाँग कमल यदु अनिल चंद्राकर जगदीश यदु रामलू टंडेकर, नरेंद्र रात्रे अभिषेक सोनी, कमलेश कश्यप हरिश हरित, ओमप्रकाश बंछोर हरनारायण सूर्यवंशी, शिव कुमार ठाकुर, नंदलाल ध्रुव भागीराम यादव कामता कश्यप सालिक ध्रुव दिलीप ध्रुव गैदलाल मंडले गेंद ध्रुव महेश ध्रुव घनश्याम हरित, पन्नालाल बंजारे, मोहन ध्रुव नरेंद्र साहू हुसैन देवर मनोज यादव भौगोलीय ध्रुव कुंज लाल यादव तरुमित्र समिति मनोज सोनकर सहित नगर के गणमान्य जन एवं किसान भाइयों व मातृ शक्तियो की उपस्थिति कार्यक्रम को सफल बनाने प्रार्थनीय रहीद्य अंतिम में किसान सेवा समिति के अध्यक्ष योगेश ठाकुर के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए नगर के गणमान्य जन, किसान भाइयो, मातृ शक्तियों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

मोहल्लावासियों को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों से जोड़ना बहुत ही सराहनीय : नपं अध्यक्ष महेश यादव

प्रतिभगियों को नगर अध्यक्ष ने किया सम्मानित

राजिम, 6 सितंबर (देशबन्धु)। नगर पंचायत राजिम के वार्ड क्रमांक 03 सरदार वल्लभभाई पटेल पारा मे युवा संगठन ओम गणेश उत्सव समिति के तत्वाधान में प्रतिदिन सांध्यकाली मे छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल कुर्सी दौड़, रस्सी कुंद, फुगड़ी, थाली सजावट, जलेबी दौड़ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे विविध कार्यक्रम मोहल्ले में आयोजित हुआ।

जिसके समापन अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष महेश यादव सपत्नीक पहुंच कर भगवान श्री गणेश जी के दर्शन किया। साथ ही विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया।

आज के बच्चे हमारे छत्तीसगढ़ खेलो को भूलते जा रहे हैं: उक्त अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष महेश यादव ने कहा कि आज आधुनिक दुनिया के चका चौध मे हमारे छत्तीसगढी खेल और परंपराएं विलुप्त होती जा रही है, आज बच्चे मोबाइल के दुष्प्रभाव से बचे नहीं है, हमारे युवा साथियों के द्वारा इस प्रकार आयोजन कर हमारे छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति को सुरक्षित करने के लिए विभिन्न पारंपरिक खेलों का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजू सेन, पिंटू पटेल, सोमेश दुबे, रंजीत पटेल, हरसू महाराज, मनोज पटेल, चंदन पटेल, विकास पटेल, दुर्गेश पटेल, भूपेंद्र दुबे, पप्पू पटेल, रीना सेन, रमा सेन, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित हुए। आभार व्यक्त सोमेश दुबे ने किया।

शिक्षकों के सम्मान में विद्यालय के बच्चों ने दी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

सशिमं में शिक्षक दिवस मनाया गया

महासमुंद, 6 सितम्बर (देशबन्धु)। स्थानीय भलेसर मार्ग पर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उमावि में शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ आदर्श शिक्षा मंडल समिति के उपाध्यक्ष श्रीमती संध्या शर्मा, विद्यालय के प्राचार्य देवराज वर्मा, वरिष्ठ आचार्या श्रीमती मनोज साहू, शिवकुमार कन्नौजे, बलराम सेन द्वारा मां सरस्वती, ओम, भारतमाता एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छाया चित्र पर पुष्प अर्पण, तिलक लगाकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के छात्र.छात्राओं द्वारा सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को उपहार प्रदान कर सम्मान किया गया । तत्पश्चात विद्यालय के छात्राओं द्वारा शिक्षकों के सम्मान में मनमोहक एवं आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी । सम्मान समारोह में शिक्षक .शिक्षिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें सभी शिक्षकों की सहभागिता रही । उक्त प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर छात्र. छात्राओं के द्वारा उपहार से पुरस्कृत किया गया । संचालन कन्या भारती के अध्यक्ष कु योगिता ध्रुव एवं कु उमेश्वरी नेताम ने किया। इसके पश्चात विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय में विराजित श्री गणेश जी का हवन पूजन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में कन्या भारती से कु.विधि साहू, कु पूजा साहू, कु वंदना साहू,कु डिम्पल यादव, कु ग्रीमा चंद्राकर, यामिनी साहू, भूमिका धुव, उर्वशी साहू, तोषकुमारी ठाकुर, कामिनी ठाकुर,किशोर भारती से अध्यक्ष भावेश साहू, उपाध्यक्ष खेमचंद साहू, सचिव हर्ष देव खुटे, कृष्णा कोसरिया, गुलशन दास मानिकपुरी, युवराज साहू, रूद्र साहू एवं कन्या भारती एवं किशोर भारती के समस्त पदाधिकारी छात्र छात्राओं का सहयोग रहा। उक्त जानकारी विद्यालय के प्रचार प्रसार प्रमुख पवन निर्मलकर एवं ललित सिन्हा ने दी है।

1500 साला जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर इमदाद फाउंडेशन के विविध कार्यक्रम

नवापारा राजिम, 6 सितंबर (देशबन्धु)। इमदाद फाउंडेशन के तत्वावधान में 1500 साल जश्ने ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर खत्री कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्र में दिनांक 1 से 4 सितम्बर 2025 तक भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 1 सितम्बर को प्रात: 11 बजे सर्वसमाज के लिए डॉक्यूमेंट शिविर आयोजित किया गया तथा रात्रि में 5 से 8 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का नातिया मुकाबला सम्पन्न हुआ। 2 सितम्बर को प्रात: 11 बजे मेडी शाइन हॉस्पिटल के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें दवाइयों का वितरण किया गया, वहीं रात्रि में 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का नातिया मुकाबला हुआ। 3 सितम्बर को दोपहर 3 बजे महिलाओं का मिलाद कार्यक्रम तथा रात्रि 9 बजे पुरुषों का नातिया प्रोग्राम आयोजित हुआ। 4 सितम्बर को प्रात: 11 बजे राजिम एवं नवापारा के सभी अस्पतालों में फल वितरण एवं सक्षम दिव्यांग बच्चों को फल वितरण किया गया। इसी दिन सायं 7 बजे जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. बलजीत सिंह, उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम में विधायक इंद्र कुमार साहू के करकमलों से नात प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त दो प्रतिभागियों को 2 कंप्यूटर सेट, द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को 2 साइकिल तथा तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को 2 ट्रॉली बैग प्रदान किए गए। पूरे आयोजन में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ईद मिलादुन्नबी के इस ऐतिहासिक 1500वें साल को भाईचारे एवं अमन-शांति के संदेश के साथ यादगार बनाया ।

कटगी में धूमधाम से किया गया गणेश विसर्जन

कटगी/बलौदाबाजार, 6 सितंबर (देशबन्धु)। आदर्श ग्राम पंचायत कटगी के पचरी पारा में शनिवार को गणेश विसर्जन का आयोजन बड़े ही उत्साह और धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर पचरी पारा के युवाओं ने पुरानी संस्कृति को अपनाते हुए मांदर की थाप के साथ गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए और जोंक नदी में गणेश विसर्जन किया।

आज के युवाओं में देखा जाता है कि वे डीजे की धुन पर ज्यादा नाचते-गाते हैं, लेकिन पचरी पारा कटगी के युवाओं ने पुरानी संस्कृति को अपनाया और शांतिपूर्ण ढंग से गणेश विसर्जन किया। मांदर की थाप की धुन में बच्चे, बुजुर्ग और युवा सभी थिरकते नजर आए। आज के दौर में छोटे-छोटे बच्चे और युवक ही हिन्दू धर्म को बचाने में जुटे हैं। गणेश पूजा से ही हिन्दू धर्म की शुरुआत होती है और पचरी पारा के युवाओं ने इसे बखूबी निभाया। बाल गणेश उत्सव समिति पचरी पारा के अध्यक्ष धनंजय देवांगन और सदस्य मनीष देवांगन, डेविड देवांगन, शैलेन्द्र राकेश, मनोज देवांगन, किशलय देवांगन, कमल शाहजीत, अरूण राकेश आदि गणेश विसर्जन में शामिल रहे।